'वह हमारी सबसे बड़ी क्रॉसओवर सक्सेस स्टोरी है।'
-कारण जौहर

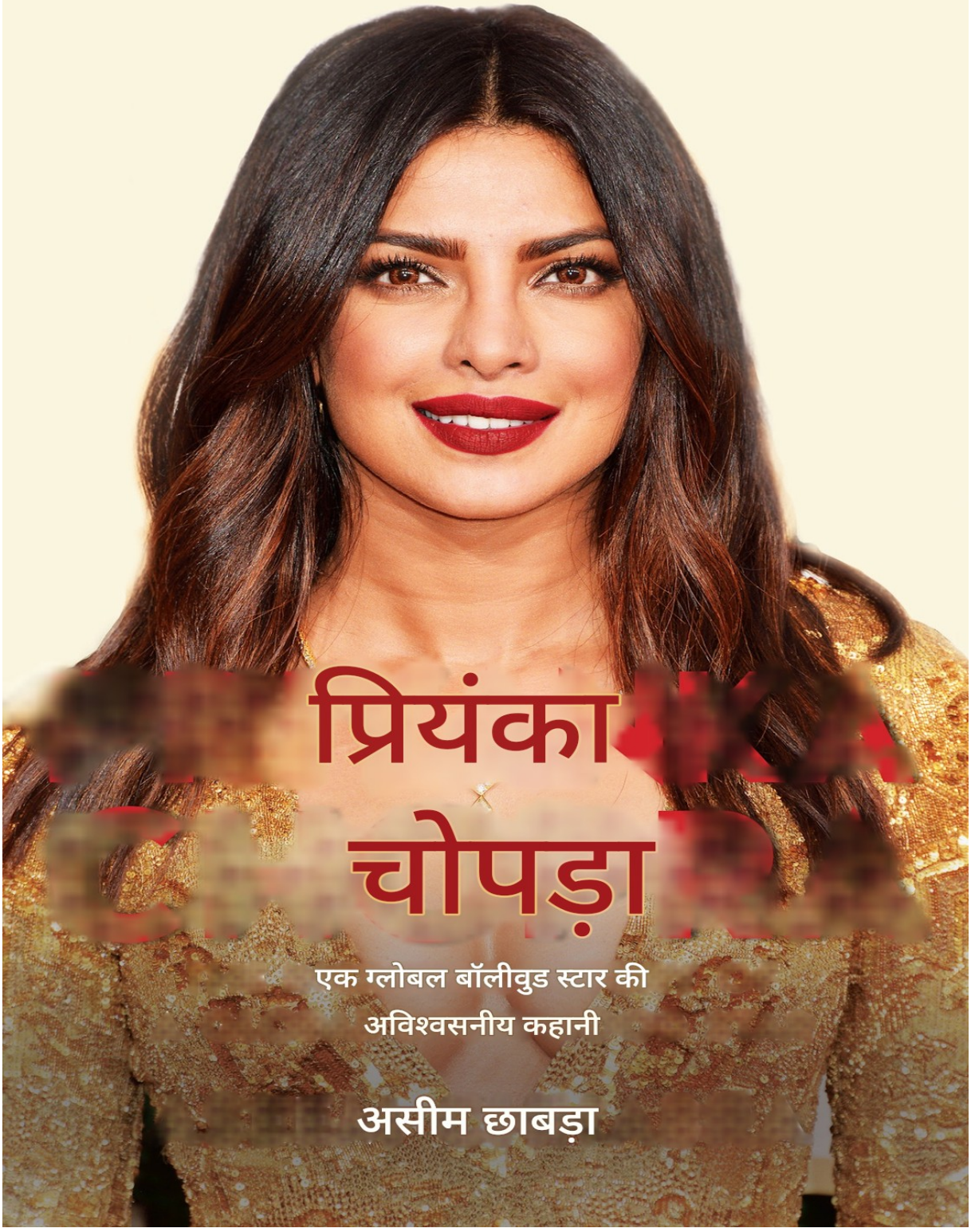

प्रियंका चोपड़ा

एक ग्लोबल बॉलीवुड स्टार की
अविश्वसनीय कहानी

असीम छाबड़ा

[redacted]

प्रियंका चोपड़ा

एक ग्लोबल बॉलीवुड स्टार की
अविश्वसनीय कहानी

असीम छाबड़ा

रूपा

परिचय
1. सुनहरे वर्ष: जमशेदपुर, न्यूयॉर्क और बरेली
2. रानी का खिताब: मिस इंडिया, मिस वर्ल्ड
3. मिस वर्ल्ड के बाद, शुरुआती फिल्में
4. एक अभिनेत्री का निर्माण—I
5. एक अभिनेत्री का निर्माण—II
6. इसे वापस देना: फिल्मों का निर्माण
7. हॉलीवुड क्रॉसओवर की शुरुआत
8. क्वांटिको और अमेरिका में प्रसिद्धि
9. ‘अधूरा’: क्वांटिको के बाद का जीवन फिल्मोग्राफी
एंडनोट्स
स्वीकृतियाँ

[illegible]

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] 2018

7/16, Ansari Road, Daryaganj

[illegible] 110002

Copyright © Aseem Chhabra 2018

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ISBN: 978-93-5304-116-8

[illegible] 2018

10 9 8 7 6 5 4 3 2 1

[illegible]

[illegible], [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]!

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

अंतर्वस्तु

परिचय

1. सुनहरे वर्ष: जमशेदपुर, न्यूयॉर्क और बरेली

2. रानी का खिताब: मिस इंडिया, मिस वर्ल्ड

3. मिस वर्ल्ड के बाद, शुरुआती फिल्में

4. एक अभिनेत्री का निर्माण—I
5. एक अभिनेत्री का निर्माण—II

6. इसे वापस देना: फिल्मों का निर्माण

7. हॉलीवुड क्रॉसओवर की शुरुआत

8. क्वांटिको और अमेरिका में प्रसिद्धि
9. ‘अधूरा’: क्वांटिको के बाद का जीवन

फिल्मोग्राफी

एंडनोट्स
स्वीकृतियाँ

परिचय

‘क्या प्रियंका चोपड़ा एक किताब की हकदार हैं?’ मुझसे पिछले साल यही सवाल पूछा गया था।
मेरे एक ब्रिटिश फिल्म फेस्टिवल प्रोग्रामर मित्र द्वारा, जो भारतीय सिनेमा पर नजर रखता है।
उत्सुकतापूर्वक।
मैंने उससे कहा, 'हां।'
प्रियंका चोपड़ा निश्चित रूप से एक किताब की हकदार हैं। भारतीय अभिनेत्रियों की एक लंबी परंपरा रही है।
ऐसे अभिनेता जिन्होंने पश्चिम में, विशेषकर हॉलीवुड में काम करने की कोशिश की है।
जैसे शशि कपूर और ओम पुरी ने दिलचस्प फिल्में बनाने में सफलता हासिल की।
उन्होंने मुख्यधारा के बॉलीवुड में काम करते हुए अपनी रचनात्मक प्रेरणाओं को भी संतुष्ट किया।
आज इरफान खान बॉलीवुड और फिल्मों के बीच खुशी-खुशी संतुलन बनाए हुए हैं।
हॉलीवुड में। हालांकि, कई लोग असफल रहे और अपने आरामदायक क्षेत्र में वापस लौट गए।
खैर। प्रियंका शायद एकमात्र ऐसी बड़ी क्रॉसओवर सफलता की कहानी हैं।
इरफान खान।
लेकिन प्रियंका ने बहुत बड़ा जोखिम उठाया। उन्होंने भारत में अपनी जिंदगी रोक दी (हालांकि
उसने वास्तव में बॉलीवुड नहीं छोड़ा), अपने सुरक्षित दायरे से बाहर निकली, पहले कोशिश की
अमेरिका में एक गायिका के रूप में उनका भाग्य—एक ऐसी प्रतिभा को उजागर करना जो तब तक उनके लिए छिपी हुई थी।
किसी बेहद प्रतिस्पर्धी बाजार में गुप्त रूप से प्रवेश करना—बाद में एक अभिनेत्री के रूप में उनका सफर। क्या वह अपने प्रयासों में सफल रहीं? जी हां, वह सफल रहीं।

हालांकि जूरी का अंतिम फैसला अभी आना बाकी है। लेकिन महत्वपूर्ण बात यह है कि
महत्वपूर्ण बात यह है कि उसने कभी हार नहीं मानी और लगातार आगे बढ़ती रही। इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है।
विशेषकर इसलिए क्योंकि उन्होंने अक्सर साक्षात्कारों में कहा है कि उन्हें असफलताएं बिल्कुल पसंद नहीं हैं।
‘हार मानने की भावना उसके स्वभाव में नहीं है,’ उसके बॉलीवुड प्रेमी का कहना है।
उनके दोस्त, निर्देशक और निर्माता करण जौहर, जिन्होंने उनके करियर की शुरुआत से ही उन्हें करीब से देखा है, कहते हैं, 'वह एक सक्रिय कर्मठ व्यक्ति हैं। उन्हें बस पता है कि कैसे करना है।'
अपनी भाग्य कुंडली में मौजूद किसी भी बाधा का सामना करें और विजयी होकर उभरें। बस इतना ही।
वह जैसी है।
प्रियंका की एक और प्रशंसक और पर्यवेक्षक उनकी मिस इंडिया सह-प्रतियोगी हैं।
और अभिनेत्री दीया मिर्जा। दीया को दिसंबर 2000 में मिस एशिया पैसिफिक का ताज पहनाया गया था।
लंदन में आयोजित समारोह में प्रियंका के मिस वर्ल्ड बनने के कुछ दिनों बाद।
उस महत्वपूर्ण वर्ष के बाद से दोनों दोस्त बने हुए हैं।
‘पिछले कुछ वर्षों में प्रियंका के प्रति मेरा स्नेह और सम्मान और भी बढ़ा है, खासकर
अब, जिस तरह से उसने व्यवहार किया है और जो विकल्प उसने चुने हैं,
डिया कहती हैं, 'हमने सीमाओं को आगे बढ़ाया। एक देश के रूप में, विशेष रूप से एक उद्योग के रूप में, हम
हम व्यक्तियों को सीमित करने में बहुत जल्दी करते हैं। हम उन्हें इन दायरों में डालना चाहते हैं। और
वह (प्रियंका) उन रूढ़ियों को तोड़ने में इतनी निरंतर और दृढ़ हैं और उन्होंने कहा, “मैं इससे कहीं अधिक हूँ। आप मुझे सीमित नहीं कर सकते। मैं सीमित नहीं हो सकता।”

निहित”।

यह सन् 1999 की शरद ऋतु की बात है, जब प्रियंका चोपड़ा - महज 17 वर्ष की थीं

-

वह बरेली से मुंबई के लिए रवाना हुईं। उनके साथ उनकी मां, डॉ. भी थीं।
मधु चोपड़ा। प्रियंका को मिस इंडिया प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया था।
फेमिना पत्रिका और टाइम्स ऑफ इंडिया द्वारा प्रायोजित प्रतियोगिता।
मुंबई में प्रियंका ने एम्बेसडर होटल में अपनी सह-प्रतियोगियों से मुलाकात की।
बाद में, दीया मिर्जा ने प्रियंका के बोलने के आत्मविश्वास को याद किया और अमेरिका में बिताए दो साल की वजह से उसका अमेरिकी लहजा था।
वह एक आम भारतीय किशोरी थी। चूंकि वह एक
सेना में कार्यरत डॉक्टर दंपति कई शहरों में रह चुके थे।
पूरे भारत में।
प्रियंका चोपड़ा ने दो साल से भी कम समय में एक अविश्वसनीय सफर तय किया है।
दशकों से। आज उन्हें बॉलीवुड की सबसे बड़ी स्टार्स में से एक माना जाता है।
हालांकि उनकी आखिरी भारतीय फिल्म—प्रकाश झा की जय गंगाजल—रिलीज हुई थी मार्च 2016। उसी वर्ष उन्हें पद्म श्री से सम्मानित किया गया।
कला के क्षेत्र में उनका योगदान रहा है। हालांकि, तब से उन्होंने भारत में कोई और फिल्म नहीं बनाई है।
फिर, अमेरिका या दुनिया के किसी भी हिस्से में उसकी हर गतिविधि पर नज़र रखी जाती है।
मीडिया और उनके प्रशंसक।
इसका बहुत बड़ा कारण सोशल मीडिया है। प्रियंका सोशल मीडिया पर बेहद सक्रिय हैं।
ट्विटर और इंस्टाग्राम जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म। वह इनका इस्तेमाल करना जानती है।

सोशल मीडिया का वह अपने फायदे के लिए इस्तेमाल करती है—वह जो कुछ भी खाती है, जहां जाती है, सब कुछ रिपोर्ट करती है।
चाहे वह संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन में हो, मध्य पूर्व के शरणार्थी शिविर में हो या मेट्रोपॉलिटन म्यूजियम ऑफ आर्ट में आयोजित किसी भव्य समारोह में हो, वह पार्टियों में हो या जिनसे भी मिलती है।
यहां तक कि न्यूयॉर्क शहर में अपने ऊंचे अपार्टमेंट से वह जो कुछ देखती है — वह भी गिर रहा है
प्रियंका अपने प्रशंसकों के साथ बर्फबारी या मैनहट्टन के रात के नज़ारे की तस्वीरें साझा करती हैं।
साथ ही, ट्विटर अकाउंट बनाने वाले पहले भारतीय सेलेब्रिटीज में से एक हैं। 2017 के अंत में, फोर्ब्स पत्रिका की एक सूची में शीर्ष 100 भारतीय हस्तियों को शामिल किया गया था।
वार्षिक आय के अनुसार मशहूर हस्तियों की सूची में प्रियंका चोपड़ा को स्थान दिया गया है।
वह सातवें नंबर पर थीं और 'टॉप 10' सूची में एकमात्र महिला थीं। उनकी कमाई उस समय उनकी कुल संपत्ति ₹68 करोड़ थी। उनके पुरुष प्रतियोगी—सूची में शीर्ष छह—
इनमें अभिनेता सलमान खान, शाहरुख खान, अक्षय कुमार और आमिर खान शामिल थे।
खान, और क्रिकेटर विराट कोहली और सचिन तेंदुलकर।
दिसंबर 2017 में, प्रियंका ने पेंगुइन वार्षिक व्याख्यान दिया।
दिल्ली के श्री फोर्ट सभागार में उन्होंने 'ब्रेकिंग द ग्लास' शीर्षक से भाषण दिया।
'सीलिंग: चेज़िंग अ ड्रीम' हॉल प्रियंका के प्रशंसकों से खचाखच भरा हुआ था।
वह उसके हर मजाक पर तालियां बजाती और जब वह चरण-दर-चरण समझाती तो ध्यान से सुनती रहती।
एक सफल सेलिब्रिटी बनने के लिए मार्गदर्शिका। जब वह एक
आज शाम की मॉडरेटर (एनडीटीवी की सोनिया सिंह) के साथ बातचीत।
उनसे पूछा गया कि क्या उनके वेतन चेक पर मौजूद शून्य मायने रखते हैं। ‘बिल्कुल, उनके पास होते हैं,’ प्रियंका ने जवाब दिया। ‘मैं चांदी के चश्मे के साथ पैदा नहीं हुई थी।’

स्पून और मैंने आज जिस मुकाम पर हूं वहां पहुंचने के लिए बहुत मेहनत की है।' और फिर वह
उन्होंने उस बात पर जोर दिया जिससे उन्हें परेशानी हो रही थी। 'ऐसे बहुत से लोग हैं जो बातें करते हैं।'
कुछ मिनटों के समय के बदले मुझे जो आंकड़े मिलते हैं, उनके बारे में। लेकिन क्या किसी ने कभी लड़कों से उनके चेक पर लगे शून्यों के बारे में पूछा है?
मतलब उन्हें बेतुके ढंग से बहुत सारे शून्य मिलते हैं।
यह ध्यान देने योग्य है कि प्रियंका अपनी किशोरावस्था से ही पूर्णकालिक नौकरी कर रही हैं।
17. लेकिन उसने अपने लक्ष्यों और सर्वश्रेष्ठ बनने की अपनी आकांक्षाओं को कभी नहीं भुलाया।
उसका क्षेत्र। वह हमेशा अपनी ऊर्जा उसी दिशा में लगाती थी। जैसे-जैसे साल बीतते गए।
समय बीतने के साथ ही, बरेली की उस किशोरी से, जो मिस इंडिया बनी, उनका सफर तय हुआ।
2000 में मुख्यधारा और व्यावसायिक सिनेमा की बेहतरीन भारतीय अभिनेत्रियों में से एक बनने तक
फिल्म जगत में। शायद यही बात उन्हें अन्य बॉलीवुड अभिनेत्रियों से अलग करती है।
अभिनेत्रियाँ।
फिर, यह भी एक तथ्य है कि वह बहुत मेहनत करती है। जैसा कि दीया मिर्जा कहती हैं,
वह कभी भी कड़ी मेहनत करना बंद नहीं करती। वह लगातार काम करती रहती है। मुझे नहीं लगता कि वह
'सोती है।' दरअसल, प्रियंका चोपड़ा अपने साथियों की तुलना में कहीं ज्यादा मेहनत करती हैं।
भारत, और उसके तमाम प्रयासों (और निश्चित रूप से कुछ बहुत ही बुद्धिमान सलाहकारों) की बदौलत
जो लोग उन पर सच्चा विश्वास रखते हैं, उनकी बदौलत वह अमेरिका में भी एक सेलिब्रिटी बन गई हैं।

जिसका चेहरा कई (मैं यह कहने में संकोच करता हूँ कि अधिकांश) अमेरिकी पहचानते हैं। और यह सब
यह घटना कुछ ही साल पहले हुई थी।

दिसंबर 2016 की शुरुआत में, मैं अभिनेता, लेखक और निर्देशक से मिलने गया था।
मानव कौल मुंबई के वर्सोवा इलाके के एक कैफे में थे।
उन्होंने सुझाव दिया कि हम यारी रोड के पास स्थित एक कोने वाले कैफे, लीपिंग विंडोज में मिल सकते हैं।
मैं मानव को कुछ वर्षों से जानता था और मैंने सबसे पहले उसी से संपर्क किया था।
प्रियंका चोपड़ा के साथ काम करने के बारे में बात करते हैं। दोनों एक साथ नज़र आ चुकी हैं।
जय गंगाजल, जो उसी वर्ष मार्च में रिलीज हुई थी।
जैसे ही मैं टैक्सी से उतरा, मैंने देखा कि कैफे वास्तव में डॉ. पर स्थित था।
अशोक चोपड़ा मार्ग। नाम पढ़ते ही मुझे तुरंत याद आ गया...
विवाद तब शुरू हुआ जब प्रियंका पर अपने प्रभाव का इस्तेमाल करने के लिए आलोचना हुई थी।
यह सड़क उनके दिवंगत पिता के नाम पर रखी गई थी। लेकिन मैंने इसे एक संकेत के रूप में भी देखा, एक अच्छा संकेत।
यह एक शुभ संकेत था, शायद एक आशीर्वाद, क्योंकि मैं प्रियंका पर एक किताब लिखना शुरू कर रहा था।
चोपड़ा। मैं किसी तरह डॉ. अशोक चोपड़ा मार्ग पर पहुँच गया था—एक ऐसी सड़क जो मुझे आगे ले जाती थी।
उस अपार्टमेंट बिल्डिंग में जहां बॉलीवुड स्टार तब रहती थी जब वह... भारत। और यह सब पूरी तरह से अनियोजित था।
मुझे प्रियंका चोपड़ा का फैन बनने में देर हो गई। दरअसल, उनकी पहली फिल्म...

मैंने न्यूयॉर्क के एक थिएटर में उनकी जो फिल्म देखी थी, वह थी ब्लफमास्टर! और वह फिल्म...
2005। इससे पहले वह थमिझन (2002) सहित तेरह फिल्मों में अभिनय कर चुकी थीं।
एक तमिल फिल्म—जो पर्दे पर उनकी पहली उपस्थिति भी थी। बेशक
मुझे बॉलीवुड में उनके अस्तित्व के बारे में पता था और बाद में मैंने उनकी कई फिल्में देखीं।
her early films—from Andaaz (2003) to Aitraaz (2004) and Mujhse Shaadi ध्वज (2004)।
मुझे फिल्म ब्लफमास्टर! (2005) में प्रियंका आकर्षक, बल्कि सेक्सी लगीं। लेकिन
यह फिल्म अभिषेक बच्चन की थी, जो उस समय एक स्टार थे। मैं भी
मुझे याद है कि मैंने उस फिल्म में रितेश देशमुख को देखा था। अगले दिन काम पर।
उस समय मैं कुछ सेलिब्रिटी टैब्लॉइड्स का संपादकीय व्यवसाय प्रबंधक था। नेशनल एनक्वायरर और स्टार समेत—मैंने एकमात्र अन्य भारतीय कर्मचारी को बताया
उस सप्ताहांत मैंने कंपनी में ब्लफमास्टर देखा था!
‘वह बहुत खूबसूरत है,’ मेरी सहकर्मी ने प्रियंका चोपड़ा के बारे में कहा। ‘मैं
मुझे लगता है वो है,’ मैंने जवाब दिया। मैं अभिनेताओं की ओर कभी भी सिर्फ उनके बाहरी रूप-रंग के कारण आकर्षित नहीं होती।
सुंदर दिखती है। 'वह बहुत सुंदर है,' मेरे सहकर्मी ने दोहराया। 'ठीक है, मान लिया, वह है।'
'सुंदर,' मैंने उसे चुप कराने की कोशिश करते हुए कहा।
मुझे याद है कि डॉन (2006) और कृष में प्रियंका मुझे काफी पसंद आई थीं।
(2006)। लेकिन जब तक मैंने फैशन (2008), दोस्ताना (2008) नहीं देखी, तब तक मुझे इसका एहसास नहीं हुआ।
ईस्ट विलेज के खचाखच भरे थिएटर में ओपनिंग नाइट पर कमीने (2009) का प्रदर्शन हुआ।

मैनहट्टन में ही मैंने उन्हें एक अभिनेत्री के रूप में गंभीरता से लेना शुरू किया और उनके बारे में और भी बहुत कुछ जानने की कोशिश की।
उनकी स्पष्ट सुंदरता और कामुकता। जब मैंने उन्हें बर्फी! (2012), दिल धड़कने दो (2015) और बाजीराव मस्तानी (2015) में देखा, तब तक मैं उनका प्रशंसक बन चुका था।
मैं प्रियंका की प्रशंसक हूँ, उनके अभिनय की (हालाँकि मुझे हमेशा लगता था कि उन्हें अच्छे अभिनय की ज़रूरत है)।
निर्देशकों को उसे आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु) और उसकी परियोजनाओं—विशेषकर अमेरिका में। पिछले कुछ समय से
पांच-छह साल तक, जब मैंने प्रियंका के अमेरिका जाने के बारे में लिखा और उसका अनुसरण किया, तब मुझे
मैं उसकी लगन देखकर चकित रह गया, वह हर काम में अपना दिल और जान लगा देती थी।
नई परियोजनाएं, भले ही उनमें से कुछ सफल न हुई हों।
प्रियंका आजकल हर समय खबरों में छाई रहती हैं। भारत का प्रेस और यहां तक कि अमेरिका के टैब्लॉइड अखबार उसकी जिंदगी की छोटी-छोटी बातों को भी छापते हैं—जैसे कि जब वह अपने बाल काटती है
अपने क्वांटिको किरदार एलेक्स पैरिश को नया लुक देने के लिए या जब वह अपने बालों को बदलती है, या जब वह
बर्लिन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात के दौरान उन्होंने एक खास पोशाक पहनी हुई थी और उसे प्रदर्शित किया।
बहुत सारी टांगें। जब वह बैठे हुए अपनी त्वचा दिखाने के लिए ट्विटर पर ट्रोल हुई।
प्रधानमंत्री के साथ अपनी तस्वीर साझा करते हुए उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर पोस्ट की।
जहां वह और उसकी मां दोनों अपने पैर दिखा रही थीं—उसकी मां
मिनीस्कर्ट पहने हुए।
लेकिन प्रियंका अन्य कारणों से भी खबरों में रहती हैं। 2017 के पतझड़ में, उनकी
उनका नाम वैरायटी की 'पावर ऑफ वुमेन' सम्मान सूची में शामिल हुआ। उन्होंने यह जानकारी साझा की।

ऑस्कर विजेता ऑक्टेविया स्पेंसर, अभिनेत्री मिशेल फाइफर और
गायिका केली क्लार्कसन। इन सशक्त महिलाओं को उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया।
परोपकारी कार्यों में प्रियंका वैश्विक यूनिसेफ सद्भावना प्रतिनिधि रही हैं।
वह 2016 से राजदूत हैं। इससे पहले, वह यूनिसेफ की सद्भावना प्रतिनिधि थीं।
लगभग एक दशक तक भारत के राजदूत रहे। नियुक्ति के एक साल बाद...
न्यूयॉर्क में एक समारोह में वैश्विक राजदूत के रूप में शामिल होने के बाद, प्रियंका ने यात्रा की।
जॉर्डन के अम्मान शहर में, जहाँ उन्होंने यूनिसेफ के मकानी सेंटर में समय बिताया।
सीरियाई शरणार्थी, विशेषकर बच्चे और किशोर। प्रेस और उनके सामाजिक मीडिया रिपोर्ट्स में स्टार की तस्वीरों की भरमार थी, कभी-कभी तो उनका सिर भी दिख रहा था।
एक साधारण दुपट्टे जैसी दिखने वाली चीज़ से ढकी हुई, मुस्कुराते हुए शरणार्थियों से घिरी हुई।
बच्चे।
‘परोपकार मेरे जीवन का एक अभिन्न अंग रहा है।
'जब मैं बड़ी हो रही थी,' प्रियंका ने वैरायटी से बात करते हुए कहा। पत्रिका के अक्टूबर 2017 के विशेष अंक में।2 उन्होंने आगे कहा कि 18 साल की उम्र में भी-
पूर्व मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता विजेता, उसे एहसास हो गया था कि हालांकि वह ऐसा नहीं कर सकती थी
वह खुद दुनिया को बदल सकती थी, वह बदलाव लाने की दिशा में काम कर सकती थी। लोगों के जीवन। 'एक व्यक्ति गरीबी को खत्म नहीं कर सकता, लेकिन मुझे एहसास हुआ कि
मेरे पास जो मंच था, उस पर मैं जो कुछ भी कहता, उस पर चर्चा होती।
जिसके बारे में लिखा जाए।
नवंबर 2017 में, प्रियंका का नाम फोर्ब्स की सूची में शामिल हुआ था।

2017 की 100 सबसे शक्तिशाली महिलाओं की सूची में प्रियंका चोपड़ा 97 वें स्थान पर थीं। सूची में शामिल अन्य भारतीय मूल की महिलाओं में इंदिरा नूयी, अध्यक्ष शामिल थीं।
और पेप्सिको की सीईओ (#11), चंदा कोचर, आईसीआईसीआई बैंक की सीईओ (#32), निक्की हेली, संयुक्त राष्ट्र में अमेरिकी राजदूत (#43), रोशनी नादर मल्होत्रा, सीईओ
एचसीएल कॉर्पोरेशन (#57) की किरण मजूमदार-शॉ, संस्थापक-अध्यक्ष, बायोकॉन लिमिटेड (#71) और एचटी मीडिया की अध्यक्ष शोभना भरतिया (#92)। यह एक प्रियंका के लिए यह एक उल्लेखनीय सम्मान है। प्रियंका के बारे में संक्षिप्त लेख इस प्रकार है:

चोपड़ा यकीनन बॉलीवुड के सबसे सफल अभिनेताओं में से एक हैं जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सफलता हासिल की है।
हॉलीवुड की ओर… एबीसी के क्वांटिको की स्टार के रूप में, वह टीवी की सबसे चर्चित अभिनेत्रियों में से एक हैं।
सबसे अधिक कमाई करने वाली अभिनेत्रियाँ और नाटक में मुख्य भूमिका निभाने वाले पहले भारतीय अभिनेता
अमेरिकी टेलीविजन पर प्रसारित होने वाली श्रृंखला।

इसके बाद इसमें भारत में फिल्म निर्माता के रूप में उनकी उपलब्धियों का उल्लेख किया गया, साथ ही उनकी अन्य उपलब्धियों का भी।
यूनिसेफ में नियुक्ति, संयुक्त राष्ट्र फाउंडेशन गर्ल प्रोग्राम में उनकी भागीदारी
प्रियंका चोपड़ा का अभियान और उनका गैर-लाभकारी संगठन
स्वास्थ्य और शिक्षा फाउंडेशन—जो स्कूली शिक्षा और चिकित्सा सेवाएं प्रदान करता है
सत्तर से अधिक लड़कियों की देखभाल करना।4
फोर्ब्स की एक अन्य सूची में कहा गया है कि 1 जुलाई 2016 से 30 जून 2017 तक,
प्रियंका चोपड़ा ने 10 मिलियन डॉलर कमाए, जिसमें से लगभग आधा हिस्सा उनकी कमाई से आया।

पैंटीन से लेकर नीरव मोदी के आभूषणों तक के विज्ञापन (जिन्हें उन्होंने छोड़ दिया था)
2018 की शुरुआत में, इससे जुड़े वित्तीय घोटालों के मद्देनजर
कंपनी) और लाइफ मोबाइल का प्रतिनिधित्व करने के लिए कम से कम 1 मिलियन डॉलर, 'यह साबित करते हुए कि वह
भारत में अमेरिकी उपस्थिति बढ़ने के बावजूद, भारत में उसका दबदबा मजबूत बना हुआ है।5
फोर्ब्स के लेख में प्रियंका द्वारा अमेरिका में प्रवेश करते समय उठाए गए जोखिमों को स्वीकार किया गया।
बाजार। 'फिल्म स्टार बनना आसान नहीं है—बस उन सभी महत्वाकांक्षी अभिनेताओं को देख लीजिए।'
लेख में कहा गया है, 'लॉस एंजिल्स में वेट्रेस का काम कर रही प्रियंका'। और इसमें प्रियंका को श्रेय दिया गया है।
अमेरिका में स्टार बनने के लिए। 'क्या ज़्यादा मुश्किल है? दो बार फ़िल्म स्टार बनना?'
ऊपर।'

प्रियंका ने इस किताब को लिखने में मेरा सहयोग नहीं किया। काश ऐसा होता। ऐसा हुआ और यकीन मानिए, मैंने कोशिश तो की, लेकिन कुछ चीजें मेरे नियंत्रण से बाहर हैं।
इस पुस्तक के लिए शोध शुरू करते समय, मैं यह समझना चाहता था कि असली कौन है।
प्रियंका चोपड़ा कौन हैं और वह आज जिस मुकाम पर हैं, वहां तक कैसे पहुंचीं? अक्टूबर 2017 में, मैंने न्यूयॉर्क के क्वींस में एक लंबी सबवे यात्रा की
- एक
एफ लाइन के उस छोर से पहले रुका और फिर आगे जाने के लिए बस में चढ़ गया। रॉबर्ट एफ. कैनेडी कम्युनिटी हाई स्कूल, ज़रा सोचिए उस समय दुनिया कैसी रही होगी जब प्रियंका चोपड़ा वहाँ पढ़ती थीं। मैं स्कूल के दूसरी तरफ एक बस स्टॉप पर बैठा था।

आप्रवासियों से भरे, श्रमिक वर्ग के इलाकों में अपने जीवन के बारे में सोचते हुए
क्वींस। और मैंने उसके व्यक्तित्व के विभिन्न पहलुओं के बारे में सोचा— आज हम जिन प्रियंका चोपड़ा को जानते हैं, उनमें से कई हैं।
प्रियंका चोपड़ा एक ऐसी फिल्म स्टार हैं जिनकी हम सभी प्रशंसा करते हैं। मैंने सोशल मीडिया पर उनसे संपर्क किया, उनके ट्वीट और इंस्टाग्राम को फॉलो किया।
उनकी आभा और आकर्षण उनके ऊपर लगातार चमकते रहते हैं, इसके अलावा उनकी पोस्ट्स भी जारी रहती हैं।
खूबसूरती। क्वांटिको के निर्माता जोशुआ सैफ्रॉन ने उनके बारे में यही कहा था।
कॉम्प्लेक्स पत्रिका: 'यह सुपरस्टार वाली खूबी है। जूलिया रॉबर्ट्स वाली खूबी।'
वो मेग रयान वाली खूबी, वो सैंड्रा बुलॉक वाली बात। आपको ऐसा लगता है कि आप भी ऐसा कर सकते हैं।
आप उन्हें सचमुच जानते हैं, लेकिन आप यह भी जानते हैं कि आप उन्हें कभी जान नहीं सकते।
वह एक ही समय में दो अलग-अलग स्तरों पर जी रही है। मुझे उसकी यही बात सबसे ज्यादा पसंद है।
वह। भले ही वह देवी जैसी दिखती हो, लेकिन वह किसी भी तरह से अछूत नहीं है।
मुझे लगता है कि यह वाकई बहुत दुर्लभ है। यह बिजली की तरह है, मानो किसी बोतल में बंद हो।
और कॉम्प्लेक्स के रिपोर्टर फ्रांज़ियर थार्प ने इसे देखने के बाद यही कहा।
उसे करीब से देखो। 'उसने अपने करियर को एक जन्मजात, स्क्रीन-क्वीन आकर्षण पर आधारित किया है,'
वह बेहद खूबसूरत लड़की, जो पड़ोस की लड़की जैसी दिखती है, का मिलन। मैं इसे महसूस कर सकता हूँ।
मैं उसके ट्रेलर में उसके बगल में बैठता हूँ, और बाद में शूटिंग के बीच में सेट पर भी। जब वह बात करती है...

उनकी सहायक, उनकी भारी आवाज़ (MarieClaire.com ने उनकी आवाज़ को इस प्रकार संदर्भित किया है)
“संभोग के बाद की कर्कशता का चमत्कार”7) मोहक के बीच सहजता से दोलन करना और आदरपूर्वक आदेशात्मक लहजे में, वह अपने घने, लहराते भूरे बालों को पीछे धकेलती है।
उसके होंठ एक चौड़ी और खिलखिलाती मुस्कान में खुल जाते हैं।
और हां, प्रियंका में एक सहज सादगी है—छोटे शहर की सादगी।
एक लड़की जो आज भी उन सरल मूल्यों को संजोए हुए है जो उसने एक लड़की के रूप में सीखे थे।
एक मध्यमवर्गीय परिवार में पली-बढ़ी बच्ची। 'मेरे माता-पिता डॉक्टर थे,' उसने कहा।
MarieClaire.com को बताया, ‘हम असली लोग थे। भारत में असली लोग नहीं होते।’ फिल्म स्टार बनो।
और जैसा कि करण जौहर कहते हैं, उनका दिल सोने का है। 'वह बहुत सकारात्मक हैं।'
करण आगे कहते हैं, 'उनके सहकर्मियों के बारे में। मुझे कभी कोई प्रतिस्पर्धा महसूस नहीं हुई।'
वह हमेशा सराहना करता है, और अगर किसी का प्रदर्शन अच्छा हो तो उसे फूल भेजता है।
अच्छी रही है। वो बड़ी दिलवाली है। इस इंडस्ट्री में,
कभी-कभी किसी दूसरे की तारीफ करने के लिए बहुत हिम्मत चाहिए होती है, लेकिन उसमें वो बात है।
मुझे पूरा भरोसा है कि वह अच्छा प्रदर्शन कर सकती है। उसकी सारी तैयारियां पूरी हो चुकी हैं।'
फिर आती हैं प्रियंका, जो खाने की शौकीन हैं और जंक फूड खाना पसंद करती हैं।
क्वांटिको की सैफरान को उनमें यह गुण देखकर सचमुच आश्चर्य हुआ, क्योंकि वह इतनी बड़ी स्टार हैं। जोशुआ सैफरन कहते हैं, 'वह मशहूर और ग्लैमरस हैं...' न्यूयॉर्क में वो कहीं भी बिना भीड़ से घिरे नहीं चल सकती। लेकिन वो ऐसी भी इंसान हैं जो खुशी-खुशी डोमिनोज़ से खाना मंगवा लेंगी।

लंच के लिए तैयार। डोमिनोज़।’9 और 2007 में कॉफ़ी विद करण के एक एपिसोड में,
प्रियंका और ऋतिक रोशन बर्गर शॉप में इस बात पर बहस कर रहे थे कि किसने ज्यादा बर्गर खाए।
किंग उस समय सिंगापुर हवाई अड्डे पर थे जब दोनों वहां मौजूद थे।
इस किताब को लिखते समय, मैंने यह समझने की कोशिश की कि प्रियंका कैसे एक पहले भारत में और उसके तुरंत बाद अमेरिका में उन्हें प्रसिद्धि मिली। लेकिन मेरा यह भी मानना है कि
यह समझना महत्वपूर्ण है कि प्रियंका ने कहां से शुरुआत की थी। इसलिए, मैंने भी
इस लेख में मध्यमवर्गीय सेना परिवार की एक युवा लड़की की कहानी को जानने का प्रयास किया गया है।
बरेली के एक परिवार से, जो आगे चलकर इतनी बेहतरीन अभिनेत्री और स्टार बनीं। और कैसे?
वह अभी भी व्यवस्थित है।
In 2014, Priyanka was shooting for director Zoya Akhtar’s Dil Dhadakne डू (2015) एक क्रूज जहाज पर थीं और उन्होंने मेरे द्वारा भेजे गए प्रश्नों के एक सेट का जवाब दिया।
उन्हें ईमेल के माध्यम से। ‘प्रियंका चोपड़ा के कई रूप हैं। लेकिन असली व्यक्तित्व कौन है?’
मैंने पूछा, 'क्या ये असली प्रियंका चोपड़ा हैं?'
उसका जवाब था:

‘असली’ प्रियंका चोपड़ा के बारे में… हा हा हा!! आप देख रहे हैं
वो... जैसी दिखती है वैसी ही है। सौ प्रतिशत। मेरे भी अच्छे दिन होते हैं। मेरी भी ज्यादातर लोगों की तरह बुरे दिन आते हैं, लेकिन मैं हमेशा ईश्वर के प्रति वफादार रहा हूँ।
और मैं खुद, और इसी तरह मैं अपना जीवन यापन करता हूँ!

1

वंडर इयर्स:

जमशेदपुर, न्यूयॉर्क और

बरेली

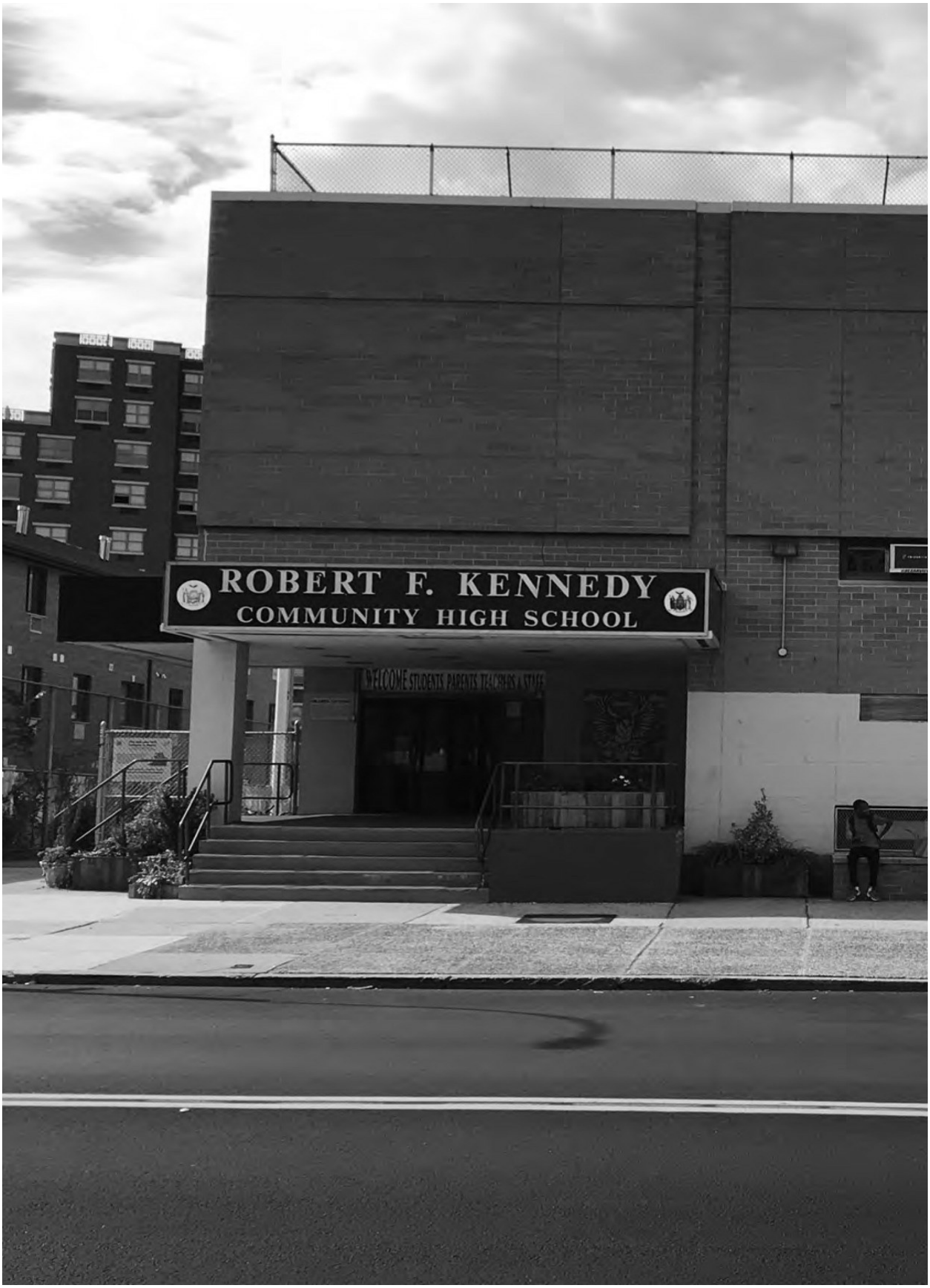
ROBERT F. KENNEDY
COMMUNITY HIGH SCHOOL

Photo: Aseem Chhabra

यह एक सामान्य जीवन था जिसमें शिक्षा पर विशेष जोर दिया जाता था। प्रियंका चोपड़ा के माता-पिता मध्यमवर्गीय दंपत्ति थे—दोनों भारतीय चिकित्सा जगत में डॉक्टर थे।
सेना। सर्जन डॉ. अशोक चोपड़ा अंबाला के रहने वाले थे। उनकी पत्नी डॉ.
मधु चोपड़ा—दोहरी पीएचडी धारक, स्त्री रोग विशेषज्ञ और ईएनटी विशेषज्ञ— थीं।
जमशेदपुर (जो कभी बिहार का हिस्सा था और अब झारखंड में है) से। वह थीं कांग्रेस नेता डॉ. मनोहर किशन अखौरी और मधु ज्योत्सना की बेटी
अखौरी (जन्म से सीरियाई ईसाई, उनका मूल नाम मैरी जॉन था), एक
बिहार विधानसभा के एक पूर्व सदस्य।
भारत में आम रिवाज के अनुसार, मधु चोपड़ा अपने माता-पिता के घर गईं।
वह अपने पहले बच्चे को जन्म देने के लिए घर पर ही थी। उसने 18 जुलाई 1982 को एक बच्ची को जन्म दिया।
प्रियंका का जन्म जमशेदपुर के टाटा मेन अस्पताल में हुआ था, जो शहर के मध्य में स्थित है।
बिस्तुपुर क्षेत्र। उनकी नानी एक समय नर्स प्रशिक्षु थीं।
केरल से बिहार आने के बाद वह अस्पताल में भर्ती हुई थी। उसके दादाजी वहीं रहते थे।
आदित्यपुर, जमशेदपुर का सहोदर शहर है, जो खरकाई नदी द्वारा अलग किया गया है।
उनके माता-पिता सेना में थे, इसलिए उनका अक्सर तबादला हो जाता था।
प्रियंका के जन्म के बाद भी मधु चोपड़ा ने अपनी पढ़ाई जारी रखी। इसलिए, छोटी प्रियंका ने अपने बचपन का बहुत छोटा हिस्सा अपनी माँ के साथ बिताया।
जब वह मेरे माता-पिता के साथ रहने लगी, तब शायद वह एक साल की थी,’ डॉ मधु ने कहा।
चोपड़ा ने एक साक्षात्कार में कहा, “10 ‘उन्होंने उसे छह साल की उम्र में मेरे पास भेजा था।
'मैं बूढ़ा इसलिए था क्योंकि मैं पोस्ट ग्रेजुएशन कर रहा था।' वास्तव में, डॉ. चोपड़ा का मानना है
उसने अपने पहले बच्चे की परवरिश मुश्किल से ही की। 'मैं उससे यह श्रेय नहीं छीन सकती। उसने तो बस नाममात्र की परवरिश की।'

वह मेरे साथ रहती थी इसलिए उस पर मेरा बहुत कम प्रभाव है। उसका पालन-पोषण हुआ है।
मेरे परिवार के अधिकांश सदस्यों द्वारा जीवन भर।
प्रियंका के शुरुआती जीवन के कुछ हिस्सों की तरह, यहां के विवरण भी थोड़े अस्पष्ट हैं।
जबकि उसकी मां ने बताया कि वह बच्ची लंबे समय तक उसके साथ नहीं रही थी।
हालांकि, प्रियंका ने अक्सर इंटरव्यू में यह संकेत दिया है कि वह किसी के साथ रह रही थीं।
उसके माता-पिता। निश्चित रूप से, वह छुट्टियों के दौरान अपने माता-पिता से मिलने गई होगी। यह भी संभव है।
उसके माता-पिता के अलग-अलग स्थानों पर तबादलों के कारण छोटी-छोटी बातें गड़बड़ हो गईं।
उसका युवा मन।
कुछ बच्चों को तब असहज महसूस होता है जब वे अपने माता-पिता को बहुत कम देख पाते हैं।
उनका प्रारंभिक बचपन, स्कूल बदलना, नए दोस्त बनाना, पुराने दोस्तों से संपर्क टूट जाना
कुछ लोग नए घरों में ढलने की कोशिश करते हैं। इससे वे अंतर्मुखी हो जाते हैं। अन्य लोग ऐसा करते हैं।
इसका अधिकांश हिस्सा। प्रियंका के जोशीले व्यक्तित्व को देखते हुए, जो टॉक शो में स्पष्ट रूप से दिखाई देता है।
अमेरिका, और जिस सहजता से उन्होंने पहले बॉलीवुड और बाद में अमेरिका में कदम रखा।
अमेरिका में अपने नए जीवन में ढलने के बाद, ऐसा लगता है कि वह वास्तव में उसमें सफल रही।
अस्थिर, निरंतर बदलती जीवनशैली।
2008 में एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि उन्हें स्कूल के दौरान भी स्कूल बदलने से कोई आपत्ति नहीं थी। 'स्कूल बदलने का मतलब अक्सर यह होता था कि मैं स्कूल में जितनी शरारत करती थी, उतनी ही शरारत कर सकती थी।'
'मैं जैसा बनना चाहती थी, वैसा ही बनूंगी क्योंकि मुझे पता था कि मैं जल्द ही कहीं और होऊंगी,' उसने कहा।

लेकिन सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि मैंने इसे एक नए अनुभव के रूप में स्वीकार किया। मुझे लगता है कि इसी वजह से ऐसा हुआ।
मुझे अनुकूलनशील बनाता है, जो आज भी मेरी मदद करता है।
चोपड़ा परिवार जिन छोटे कस्बों में रहता था, उनमें से एक लेह था।
1990 के दशक की शुरुआत में, प्रियंका उस समय लगभग नौ साल की थीं। अगस्त 2010 में, एक
लेह में बादल फटने से भारी तबाही हुई। अपने प्रशंसकों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि
प्रियंका ने याद करते हुए बताया कि उन्होंने ट्विटर फॉलोअर्स से लेह के पुनर्निर्माण के प्रयासों में सहयोग करने का आग्रह किया था।
लद्दाख में बिताए अपने बचपन की यादें। 'हम सब वहां सेना के बच्चे थे।' उसे याद आया, ‘हम घरों में नहीं रह रहे थे, हम बंकरों में रह रहे थे।’ घाटी में एक पहाड़ी की चोटी पर एक स्तूप था, जहाँ से हमारे घर का नजारा दिखता था।
घाटी। हम स्तूप के शिखर तक दौड़ लगाते थे और वो भी नंगे पांव।
(नंगे पैर).’12
अनुपम खेर के टॉक शो में अपने बचपन के बारे में बात करते हुए प्रियंका ने कहा
that she was always very competitive as a child. ‘Mujhe first anna bahut मुझे हमेशा पहले आना अच्छा लगता था (I always liked to come first).’ और फिर उसने आगे कहा कि वह
असफलता से निपटना नहीं जानता।
hoon. Main sottee rehtee hoon. Apne blanket main rehtee hoon, apne room मैं रहता हूं. बड़े मूडी हो जाते हैं. (मैं डिप्रेशन में चला जाता हूं। मैं रहता हूं
मैं सो रही हूँ। मैं अपने कमरे में कंबल ओढ़कर सोती रहती हूँ। मेरा मूड बहुत खराब हो जाता है।
बचपन में—कई बच्चों की तरह—उसे ‘नहीं’ शब्द बहुत पसंद था। इसलिए उसकी माँ वह उस पर रिवर्स साइकोलॉजी आजमाने की कोशिश करेगा, उसे यह सुझाव देकर कि शायद वह
उसे किसी खास दिन स्कूल नहीं जाना चाहिए। फिर, वह उससे सवाल करेगी।

mother, ‘Kyon, aap kaun hote ho mujhe bolne walle (Why, who are you to मुझे स्कूल न जाने के लिए कहो?’ उसके अंदर विद्रोह की भावना थी।
'ना' कहने में उसे बहुत ताकत महसूस हुई। उसका मानना है कि सजा के तौर पर उसे एक अलग जगह भेज दिया गया था।
सात साल की उम्र में उसने बोर्डिंग स्कूल में दाखिला लिया। उसने तीसरी, चौथी और पाँचवीं कक्षा वहीं बिताई।
standards at La Martiniere Girls’ School in Lucknow. ‘Main kafee sudhar kar
वहाँ से वापस आ गई (मैं वापस आने तक काफी हद तक सुधर चुका था)
वहाँ से),’ उसने हंसते हुए कहा। ‘मैं सात साल तक इकलौती संतान थी। और पहली मैं अपने पूरे खानदान में इकलौती बेटी थी (मैं सात साल तक इकलौती संतान थी)।
मेरे पूरे परिवार में पहली बेटी।
उनके बचपन की सुखद यादों में दिवाली मनाना शामिल है,
उसे नए कपड़े, उपहार और स्कूल की छुट्टियों का बेसब्री से इंतजार रहता था। और
फिर दीये जलाने की यादें हैं, जो हमेशा से उनकी पसंदीदा रही हैं। जिम्मेदारी। 'आज भी, दीये जलाना मेरी जिम्मेदारी है।'
'मैं घर पर ही रहती हूँ, जब तक कि मैं विदेश में शूटिंग नहीं कर रही होती,' उन्होंने एक इंटरव्यू में कहा।14 'लेकिन अगर मैं शहर में होती हूँ, तो मुझे रस्मों का पालन करना अच्छा लगता है। ऐसा नहीं है कि मेरे पास कोई विकल्प है, मेरी माँ शुरुआत कर देती हैं।
अन्यथा शिकायत करते रहेंगे।
और क्रिसमस की पूर्व संध्या पर, छोटी प्रियंका प्रार्थना करती थी कि किसी तरह सांता आ जाए।
क्लॉस उसकी सारी शरारतों को नज़रअंदाज़ कर देता था। जैसे कि सभी
जिन बच्चों को सांता क्लॉस के बारे में बताया जाता है, प्रियंका भी उपहार चाहती थी, और
साल में एक दिन, वह उम्मीद करती थी कि उसके सारे बुरे कर्म भुला दिए जाएं। 'मैं

was like Santa ko toh pata nahi chalega na ki maine yeh kiya tha to woh kiya
(सांता को पता नहीं चलेगा कि मैंने यह किया है या वह किया है),’ उसने एक व्यक्ति से कहा।
रिपोर्टर 15. संयोगवश, हर साल उसके माता-पिता उसके लिए उपहार छोड़ जाते थे।
सांता क्लॉज़ पर मेरा विश्वास दृढ़ रहा। 'मुझे विश्वास था कि मैं एक अच्छी लड़की हूँ। काफी अच्छी।'
सांता के लिए।

वह बहुत बातूनी थी और अक्सर लोगों की नकल करती थी। इसलिए उसके माता-पिता gave her the nickname Mithoo. ‘Mithoo kaun naam rakhta hai apne bachhe का? (कौन अपने बच्चे का नाम मिठू रखता है?)’ उसने खेर से पूछा, जबकि उसके दर्शक
हँसी। छोटी प्रियंका भी उस नाम से ज़्यादा खुश नहीं थी। 'बेशक'
मुझे वह नाम बहुत भद्दा लगा और मैंने अपना नाम बदलकर मिमी रख लिया,’ उसने कहा।
बाद में पत्रकार और आलोचक अनुपमा चोपड़ा ने बताया16. तो प्रीस्कूल में, एक दिन,
वह घर आई और उसने घोषणा की कि वह चाहती है कि उसे मिमी कहा जाए। और उसकी मां ने वास्तव में खुद को यह विश्वास दिला दिया कि यह किसी प्रकार का पूर्वाभास था और
उन्हें उम्मीद थी कि उनकी बेटी एक दिन फ्रांसीसी अभिनेत्री की तरह एक शानदार स्टार बनेगी।
‘यह मेरा उपनाम है। पंजाबियों के अजीबोगरीब उपनाम होते हैं,’ प्रियंका ने आगे कहा।
13 साल की उम्र में प्रियंका ने पहली बार अमेरिका की यात्रा की, उनके साथ एक साथी भी था।
उसकी मां और भाई द्वारा। उसकी मां की बहन सीडर रैपिड्स में रह रही थी।

उस समय आयोवा में। वह अपनी चचेरी बहन के स्कूल गई और यह देखकर आश्चर्यचकित रह गई कि
बच्चे कैजुअल कपड़ों में सजे हुए हैं। भारत में, लगभग सभी स्कूली बच्चों को कैजुअल कपड़े पहनने पड़ते हैं।
वे आज भी वर्दी पहनते हैं। वह अपनी चचेरी बहन की कक्षा में गई थी। उस दिन, स्कूल के बच्चों को एक योग्यता परीक्षा देनी थी। प्रियंका ने उसमें अच्छा स्कोर किया और स्कूल ने उसे पास कर दिया।
उसने पूछा कि क्या वह वहाँ पढ़ना चाहेगी। स्कूल ने उसके लिए व्यवस्था करने की पेशकश भी की।
उसका छात्र वीज़ा था। अन्य रिश्तेदारों के साथ कभी-कभी रहने के कारण, प्रियंका
इस बदलाव को लेकर बेहद उत्साहित हैं 13 वर्षीय प्रियंका चोपड़ा।
सीडर रैपिड्स के जॉन एफ. कैनेडी हाई स्कूल में दाखिला लिया। 2013 में, जेएफके हाई स्कूल ने
वार्षिक सर्वेक्षण में इस स्कूल को आयोवा का सर्वश्रेष्ठ स्कूल घोषित किया गया।
यू.एस. न्यूज़ एंड वर्ल्ड रिपोर्ट के अनुसार, स्कूल के विकिपीडिया पेज पर प्रियंका का नाम दर्ज है।
एक शीर्ष उल्लेखनीय पूर्व छात्रा के रूप में, हालांकि इसमें यह उल्लेख नहीं है कि उन्होंने स्कूल छोड़ दिया था।
स्नातक होने से पहले।
आयोवा अमेरिका के मध्य में स्थित एक ठंडा राज्य है। यहाँ सर्दियाँ बहुत लंबी चलती हैं।
सर्दियों का औसत तापमान कुछ महीनों का होता है और गर्मियाँ छोटी और हल्की होती हैं। सर्दियों का औसत तापमान
तापमान लगभग 4 डिग्री सेल्सियस रहता है और गर्मियों में अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है।
भारत से आने के कारण प्रियंका को शायद सीडर रैपिड्स के मौसम से परेशानी हुई होगी।
लेकिन शायद इसने उसे मजबूत बनाया और भविष्य के लिए तैयार किया। कई साल बाद 2015 में, प्रियंका ने ठंडे शहर में काफी समय बिताया।

मॉन्ट्रियल, कनाडा में, अपने टेलीविजन शो के पहले सीज़न की शूटिंग के दौरान।
क्वांटिको शो में। टेलीविजन टॉक शो, लाइव विद केली एंड माइकल में।
4 मार्च 2016 को प्रियंका ने मॉन्ट्रियल के बारे में यह कहा था: 'प्यारे लोग,
खाना तो बढ़िया था, लेकिन मौसम बेहद खराब था।
प्रियंका की मौसी और उनका परिवार अमेरिका में जगह-जगह घूमते रहे। अगला पड़ाव
क्योंकि वह परिवार क्वींस में रहता था—जो न्यूयॉर्क शहर का श्रमिक वर्ग का इलाका है।
दुनिया भर से आए प्रवासियों से समृद्ध। क्वींस में, प्रियंका ने भाग लिया। रॉबर्ट एफ. कैनेडी कम्युनिटी हाई स्कूल, जो कि बाहरी इलाके में स्थित है यह इलाका पॉश क्यू गार्डन्स क्षेत्र जैसा है, लेकिन फ्लशिंग के कामकाजी वर्ग वाले हिस्से जैसा ज्यादा है।
इस बरो में बड़ी संख्या में एशियाई (चीनी, कोरियाई, वियतनामी और कुछ दक्षिण कोरियाई) लोग रहते हैं।
एशियाई, अरब, अफ्रीकी अमेरिकी और हिस्पैनिक आबादी। गोरे बच्चे
ऐसे इलाकों में आमतौर पर वे अल्पसंख्यक होते हैं।
यह स्कूल पार्सन्स बुलेवार्ड पर स्थित है, जो यहाँ से बस द्वारा 10 मिनट की दूरी पर है।
एफ मेट्रो ट्रेन से, इसलिए प्रियंका हर दिन मेट्रो में सफर करती थी।
छात्र ट्रेन और बस पास। 2015 के पतझड़ में, जब वह लाइव पर दिखाई दीं।
प्रियंका, क्वांटिको के पहले सीज़न के प्रचार के लिए केली और माइकल के साथ मौजूद थीं।
उन्होंने बताया कि वह शो में आने के लिए मेट्रो से आई थीं। शो में भी यही बात सामने आई।
प्रियंका की मेट्रो में बैठी हुई, मुस्कुराती हुई दो तस्वीरें दिखाई गईं। कैमरे के सामने बैठे सहयात्री इस बात से अनजान थे कि उनके साथ एक बड़ा सितारा मौजूद है।
(क्वांटिको का प्रसारण अभी टेलीविजन पर शुरू नहीं हुआ था, इसलिए प्रियंका की स्टारडम तब

(यह भारत और भारतीय प्रवासी समुदाय तक ही सीमित है)। लेकिन फिर भी, न्यूयॉर्कवासी भी...
सेलेब्रिटीज को सबवे ट्रेनों में सफर करते देखना आम बात है। हॉलीवुड अभिनेता जेक गिलनहाल
कैटी होम्स और केटी होम्स को अक्सर शहर की मेट्रो में यात्रा करते देखा जाता है।
मेट्रो में सफर करने के बारे में उन्होंने कहा, 'यह बहुत मजेदार है।' 'मैं पहले मेट्रो का इस्तेमाल करती थी।'
जब मैं क्वींस में स्कूल में पढ़ता था, तब मैं और मेरे चचेरे भाई-बहन यहाँ आया करते थे।
मैनहट्टन (एक्सप्रेस सबवे ट्रेन से आधे घंटे की यात्रा) लगभग हर सप्ताहांत में सिर्फ फिफ्थ एवेन्यू और सैक्स (एक उच्चस्तरीय डिपार्टमेंटल स्टोर) को देखने के लिए।
जिसे सैक्स फिफ्थ एवेन्यू कहा जाता है) और खूबसूरत लोग। और अभी कुछ ही दिन पहले,
फिफ्थ एवेन्यू पर (क्वांटिको के लिए) शूटिंग करते समय, ऐसा लगा जैसे...' (उसने बनाया
(पूरा चक्कर लगाने का इशारा।)18
'दिल धड़कने दो' की शूटिंग के दौरान उन्होंने मुझे ईमेल पर दिए एक इंटरव्यू में अमेरिका में बिताए अपने किशोरावस्था के दिनों को याद किया। 'मुझे अमेरिका की बहुत याद आती है।'
'मैं अपनी चचेरी बहन के साथ कपड़े खरीदने जा रही हूं और सस्ते दामों पर अच्छी चीजें ढूंढ रही हूं!' उसने लिखा।
‘हमने खूब मज़ा किया। मुझे लगता है कि मुझे सबसे ज़्यादा एक सादा जीवन याद आता है… मैं काफी
एक बेफिक्र लड़की। मेरे बचपन के ज्यादातर साल मैंने अमेरिका में बिताए, इसलिए
मेरा अनुभव एक सामान्य अमेरिकी किशोर जैसा ही था।
क्वींस में अपने बचपन के दौरान, प्रियंका ने समृद्ध विविधता का अनुभव किया।
अमेरिकी अप्रवासी जीवन—बसों में हिजाब पहनी महिलाएं बगल में बैठी हैं

कोरियाई और लैटिनो दादी माँ। वह उस उम्र में भी खाने की दीवानी थी।
उनकी उम्र भी इतनी थी कि वे न्यूयॉर्क स्टाइल पिज्जा या कैरेबियन सैंडविच के लिए रुक जाते थे।
अपने स्कूल के बगल वाली एक दुकान पर। 'न्यूयॉर्क के बारे में मेरी सबसे पसंदीदा चीज़ यह थी कि...'
'खाना,'19 उन्होंने कई साल बाद 2016 में द टुनाइट शो में कहा।
जिमी फैलन अभिनीत। 'पिज्जा,' उसने अत्यंत प्रसन्नता से कहा। 'आज,
मैं इस शो के लिए मियामी से आया था और सबसे पहले मैंने यही किया...
किसी हॉट डॉग स्टैंड पर हॉट डॉग खाना।
इन दिनों प्रियंका पांच सितारा होटलों की आलीशान जिंदगी का आनंद ले रही हैं और
वह फर्स्ट क्लास में यात्रा करती है। उसका वर्तमान मैनहट्टन अपार्टमेंट महंगे इलाके में स्थित है।
ट्रिबेका पड़ोस में पली-बढ़ी। लेकिन क्वींस में रहने से उन्हें एक अलग दुनिया से परिचय हुआ।
प्रियंका को अपने सहपाठियों के माध्यम से न्यूयॉर्क शहर के कई पहलुओं से परिचित होने का अवसर मिला।
अमेरिकी हिप-हॉप और आर एंड बी संगीत। यहीं पर उन्होंने एक प्रतिभा का विकास भी किया।
प्रियंका को अपने एक सहपाठी पर क्रश था। प्रियंका 14 साल की थी और नौवीं कक्षा में पढ़ रही थी जब उसे यह घटना हुई।
वह अपने क्रश लड़के को इंप्रेस करने की उम्मीद में जूनियर प्रॉम में गई थी।
अब यह मजाक जैसा लगता है, लेकिन प्रियंका ने केली रिपा और माइकल को यही बताया था।
स्ट्राहन ने 4 मार्च 2016 को अपने शो में कहा: 'यह बहुत बुरा है। मुझे इस पर क्रश था।'
एक लड़का जूनियर था। और फिर एक और लड़का था जिसे उस पर क्रश था।
मुझे। उसने मुझे प्रॉम के लिए पूछा और मैं सिर्फ इसलिए मान गई ताकि मुझे उससे मिलने का मौका मिल सके।

प्रॉम में मेरा क्रश। मैं उसके साथ बुरा बर्ताव करती थी, लेकिन अब मुझे समझ आ गई है।
फरवरी 2017 की शुरुआत में, प्रियंका द लेट शो में नज़र आईं।
स्टीफन कोलबर्ट के शो में उन्होंने जिक्र किया था कि उन्होंने फ्लशिंग में स्कूल में पढ़ाई की थी।
क्वींस में रहते हुए, जब वह लौटी तब तक उसने न्यूयॉर्क का लहजा अपना लिया था।
भारत के लिए। 'प्लीज़, यह बहुत शर्मनाक है,' उसने कोलबर्ट से कहा, और आगे बात जारी रखी।
अपनी कहानी के साथ। ‘मैं कहती, “क्या मुझे थोड़ी कॉफ़ी मिल सकती है?”’21 न्यूयॉर्क में रहने के कुछ समय बाद, उसकी चाची का परिवार कहीं और चला गया।
इस बार, प्रियंका ने न्यूटन के एक उपनगर में एक स्कूल में दाखिला लिया।
बोस्टन। वहाँ उन्होंने न्यूटन नॉर्थ हाई स्कूल में पढ़ाई की। उनके स्कूलों की तरह ही, बोस्टन में भी उनका स्कूल था।
सीडर रैपिड्स और क्वींस में, न्यूटन नॉर्थ भी एक पब्लिक स्कूल था। जिसका अमेरिका में अर्थ है स्थानीय सरकार द्वारा वित्त पोषित एक स्कूल, जहाँ
शिक्षा निःशुल्क है, कक्षाओं में छात्रों की संख्या अधिक होती है और, इलाके के आधार पर, अक्सर कम आय वाले परिवारों के छात्र भी होते हैं। इनमें से कई में
इन इलाकों में, छात्र अक्सर एकल-अभिभावक परिवारों से आते हैं—आमतौर पर माताओं द्वारा संचालित और अनुपस्थित पिताओं वाले परिवारों में। यहाँ नशीली दवाओं और अपराध की संस्कृति व्याप्त है।
अक्सर इसके चलते बच्चे स्कूल छोड़ देते हैं। लेकिन कई छात्र
ऐसे वातावरण में संघर्ष करने वाले कुछ लोग उच्च उपलब्धि हासिल करने में सफल होते हैं।
न्यूटन नॉर्थ के मशहूर पूर्व छात्रों में से एक मैट ले ब्लैंक हैं, जो इस फिल्म के स्टार हैं।
हिट टीवी सिटकॉम फ्रेंड्स। लेकिन ले ब्लैंक प्रियंका से 15 साल बड़ी हैं और इसलिए

वह उससे बहुत पहले उस स्कूल में पढ़ता था। प्रियंका थिएटर में भाग लेती थी और
स्कूल में संगीत गतिविधियों में भाग लिया और एक सामान्य अमेरिकी किशोर की तरह जीवन व्यतीत किया।
इसमें स्कूल टीम का समर्थन करने के लिए फुटबॉल मैचों और जोश बढ़ाने वाली रैलियों में शामिल होना भी शामिल है।
लेकिन साथ ही, उन्हें वहां सबसे खराब प्रकार के नस्लवाद का भी सामना करना पड़ा।
जैसा कि प्रियंका ने कॉम्प्लेक्स पत्रिका को बताया, विशेष रूप से, उनकी सबसे बड़ी प्रतिद्वंदी...
स्कूल में जीनिन नाम की एक अफ्रीकी-अमेरिकी छात्रा थी।
‘वह अश्वेत थी और घोर नस्लवादी थी,’ प्रियंका ने अपने अनुभव को बयां करते हुए कहा।
यह बात उसके मन में किशोरावस्था से ही बसी हुई है। 'जीनिन कहा करती थी, “ब्राउनी, अपने देश वापस जाओ, तुमसे करी की गंध आ रही है,” या “क्या तुमसे बदबू आ रही है?”
"करी आ रही है?" आपको पता है जब आप बच्चे होते हैं, और आपको बुरा महसूस कराया जाता है
आपकी जड़ें कहाँ हैं, या आप कैसे दिखते हैं? आप इसे नहीं समझते।
आपको बस इस बात का बुरा लगता है कि आप कौन हैं।
प्रियंका की कहानी ने काफी हलचल मचाई, खासकर भारत में जहां
अमेरिका में नस्लवाद के व्यापक प्रसार के बारे में एक आम गलत धारणा है।
लोगों को इस बात का स्पष्ट कारण पता नहीं था कि एक गैर-व्यक्ति द्वारा उसके साथ बुरा व्यवहार क्यों किया गया था।
श्वेत छात्र। अनुपम खेर भी काले व्यक्ति के विचार से भ्रमित लग रहे थे। brown racism. To that, Priyanka said, ‘Pata nahin, shayed unko main pasand मुझे नहीं पता (शायद वे मुझे पसंद नहीं करते थे)। इससे मुझ पर बहुत असर पड़ा।
Confidence apka poora toot jaata hai. Main early jatee thee school, taakee pehle class main pahunch jaaon. Mujhe woh ladkiyan milen nahin (One loses

आत्मविश्वास। मैं स्कूल जल्दी जाता था ताकि मैं कक्षा में सबसे पहले पहुँच सकूँ।
मुझे उम्मीद थी कि मेरा सामना उन लड़कियों से नहीं होगा। मैं अक्सर देर से घर से निकलता था।
पत्रकार राजीव मसंद के साथ एक अन्य साक्षात्कार में प्रियंका ने कहा कि दसवीं कक्षा में स्कूल में उसकी एक सहेली से लड़ाई हो गई थी। शायद वो बात कर रही थी।
न्यूटन हाई स्कूल में उसे परेशान करने वालों में से एक के बारे में। 'उसने मुझ पर कुछ ऐसे आरोप लगाए जो वास्तव में...'
बेवकूफी भरी बातें। और उस समय तो यह काफी नस्लवादी भी था। मुझे बहुत गुस्सा आया।
मैं उससे बात कर रही थी और उसने कहा, "चलो बाहर बात करते हैं..." हम असल में बाहर ही लड़ पड़े।
'बास्केटबॉल कोर्ट में खूब मजा आया।' लड़ाई के दौरान प्रियंका ने तोड़ दिया।
दूसरी लड़की की नाक पर चोट लगने के कारण उसे बाद में बुरा लगा। इसलिए वह अस्पताल गई।
उसे देखो। 'जब मैं उससे मिलने गई तो मुझे अब भी उससे डर लग रहा था। मुझे लगा कि वह अपने बिस्तर से उठकर मुझे मुक्का मार देगी। लेकिन सब ठीक था, वह थी...' बाद में ठीक है।
प्रियंका ने इन नकारात्मक आवाजों के खिलाफ खड़े होने का एक रास्ता ढूंढ ही लिया।
न्यूटन नॉर्थ में, वह एक अनुशासित छात्रा थी, स्कूल में हर चीज में अच्छी थी।
पढ़ाई के साथ-साथ पाठ्येतर गतिविधियों में भी वह अच्छी थी। वह गाना गाती और अभिनय करती थी।
वह भी खेलती है। उसी समय, उसकी माँ उससे और प्रियंका से मिलने आई।
उसने घर वापस आने की ज़िद की। अमेरिका में जीवन उसके लिए अनुकूल नहीं था।
प्रियंका चोपड़ा के लिए यह आसान था। उन्होंने राजीव मसंद से कहा, 'मुझे बस एक ब्रेक की जरूरत थी।'
मैं यह महसूस करना चाहता था कि मैं कहीं का हिस्सा हूँ।

families main dusky skin ko zyada appreciate nahin karte. Meri poori family gori-chitee hai, aur main aur mere dad dusky nikle. “Bechari ka kya hoga. Koi shadi nahin karega us se”—aisa sab sunne ko milta tha, when I was

हाँ। मुझे वास्तव में कभी समझ नहीं आया कि इसका मुझ पर कितना असर पड़ा, जब तक कि मैं एक
किशोर।
जैसे-जैसे वह अपने बचपन और किशोरावस्था के कठिन पलों को याद करती है, प्रियंका जब भी बात करती है तो उसकी ईमानदारी देखकर मन भर आता है।
उसके जीवन या उसके मूल स्थान के बारे में प्रेस को जानकारी देना। यह एक संकेत है कि...
अच्छी मध्यमवर्गीय परवरिश और हमेशा से ही उनकी सबसे बड़ी खूबियों में से एक रही है।
ताकतें।
अमेरिका में संघर्षों और परिवार के कुछ सदस्यों के दबाव के बावजूद, प्रियंका ने बचपन से ही आत्मविश्वास की भावना विकसित कर ली थी।
उम्र। वह हमेशा अपने लिए उच्च मानदंड रखती थी। सफलता तब उसके लिए बस एक मीठा अनुभव थी।
बाद का स्वाद।
बरेली लौटने पर, जहाँ उसके पिता की तैनाती थी, जब उसने उससे पूछा
अपनी मां के कहने पर प्रियंका भारत चली गई और उसने शहर के आर्मी पब्लिक स्कूल में दाखिला ले लिया।
परिवार छावनी क्षेत्र में रहता था। यह एक ऐसा अनुभव था जिसने उसे बहुत कुछ सिखाया।
उन्होंने एक वीडियो इंटरव्यू में वोग की 25 वर्षीय रिपोर्टर को अनुशासन के महत्व के बारे में बताया।
भारत लौटने पर प्रियंका को कई अन्य चुनौतियों का भी सामना करना पड़ा।
उसका अमेरिकी लहजा काफी गहरा हो गया था। उसे जल्दी से इसके अनुरूप ढलना पड़ा।
वह भारत लौट आई थी। उसके लिए जींस और अन्य कपड़े पहनना मुश्किल था।
बरेली जैसे छोटे रूढ़िवादी कस्बे में पश्चिमी पोशाकें। अमेरिका से लौटी महिला।
किशोरी को अपने द्वारा सीखे गए अमेरिकी लहजों को कम करना पड़ा। लेकिन कुछ आदतें छोड़ना मुश्किल था। उदाहरण के लिए, आर्मी स्कूल में, प्रियंका...

उन्हें छोटी स्कर्ट पहने देखा जाता था, उनके नाखून रंगे होते थे और उनके पास और भी बहुत कुछ होता था।
अन्य लड़कियों की तुलना में उसके बाल बहुत स्टाइलिश थे। 'वह अपने काम के लिए बिल्कुल उपयुक्त लग रही थी।'
‘शुरू से ही पेशे पर जोर देना चाहिए,’ पुष्पा कन्याल कहती हैं, जो प्रभारी शिक्षिका हैं।
आर्मी पब्लिक स्कूल में अनुशासन।26
1999 में, प्रियंका ने मई बॉल क्वीन प्रतियोगिता में भाग लिया, जिसका आयोजन द्वारा किया गया था।
बरेली क्लब। वह पहले तो हिचकिचा रही थी और उसने यह बहाना भी बनाया कि वह तैयार नहीं थी। लेकिन उसने खिताब जीत लिया, जिससे उसे काफी सुर्खियां मिलीं।
अमेरिका से लौटीं प्रियंका चोपड़ा, जिन्होंने खुद स्वीकार किया है कि उनका विकास हुआ है।
एक आकर्षक युवती में बदल गया। बरेली जैसे छोटे शहर में, इससे एक विवाद खड़ा हो गया।
एक तरह का हंगामा।
अंततः, प्रियंका के पिता ने अपनी बेटी पर पड़ने वाले ध्यान को नियंत्रित करने के लिए एक कठोर कदम उठाया।
बेटी को मिल रहा था। 'मेरे पापा ने मेरे सारे पश्चिमी कपड़े ज़ब्त कर लिए' 'मेरे पिताजी ने मेरे सारे पश्चिमी कपड़े जब्त कर लिए,' उसने अनुपम खेर को बताया।
‘और मैं भी बड़ी हो गई थी।’ इस प्रकार, सलवार कमीज के नए सेट सिले गए।
उसके लिए।
प्रियंका बचपन में अपने माता-पिता के साथ मेडिकल सहायता केंद्र हुआ करती थीं।
वे ग्रामीण गांवों में शिविर लगाते थे। 'मेरा काम फार्मासिस्ट की मदद करना था।'
मैंने मरीजों को गोलियां बांटीं। मैंने अपने काम को बहुत गंभीरता से लिया,’ उसने कहा।27

उसे यह काम संतोषजनक लगा। अपने माता-पिता की तरह, जिनके पास कई डिग्रियाँ थीं, उसने भी ऐसा ही किया।
वह आगे की शिक्षा प्राप्त करना चाहती थी, हालांकि यह स्पष्ट था कि वह ऐसा नहीं करना चाहती थी।
मैं डॉक्टर बनना चाहती हूं। उन्होंने ग्लैमर मैगज़ीन को बताया, 'मुझे पांच साल की उम्र से ही पता था।'
पत्रिका.28 ‘मेरा पालन-पोषण लगभग एक अस्पताल में हुआ था, (लेकिन) उस स्तर के साथ
फॉर्मेल्डिहाइड और खून का मंजर देखकर, मुझे पता चल गया था कि मैं डॉक्टर नहीं बन सकता!
भाग्य ने उसके लिए कुछ और ही योजना बना रखी थी और उसकी दृढ़ दृष्टि ने उसे एक अलग राह पर चलने के लिए प्रेरित किया। बरेली की अमेरिका से लौटी यह किशोरी...
वह जल्द ही ब्यूटी क्वीन बनने वाली है, और उसके बाद एक अभिनेत्री, गायिका और एक और महिला बनेगी।
सुपरस्टार।

2

रानी का खिताब :

मिस इंडिया , मिस वर्ल्ड

Courtesy: Rajiv Suri

1999 में, डॉ. अशोक चोपड़ा 17 वर्षीय प्रियंका को बरेली स्थित राजीव सूरी के फोटो स्टूडियो में लाए थे। लगभग बीस साल बाद, सूरी कलर्स
लैब्स प्राइवेट लिमिटेड अभी भी बरेली के बटलर प्लाजा कॉम्प्लेक्स में स्थित है।
सिविल लाइंस क्षेत्र में स्थित अपने स्ट्रिप मॉल के साथ।
सूरी के अनुसार, डॉ. चोपड़ा चाहते थे कि कुछ तस्वीरें ली जाएं ताकि उनके प्रियंका की बेटी फेमिना मिस इंडिया प्रतियोगिता में भाग ले सकती है।
लेकिन प्रियंका अक्सर ऐसा करती रही हैं।
उसने थोड़ी अलग कहानी बताई। उसका दावा है कि यह उसका भाई सिद्धार्थ था। जिन्होंने जोर देकर कहा था कि वे तस्वीरें मिस इंडिया प्रतियोगिता में भेजी जाएं।29
‘Didi to itni pretty hai. Didi itni lambi hai (Didi is so pretty, Didi is so लंबा),’ उसने अपने भाई के हवाले से कहा, यह सुझाव देते हुए कि उसने अपनी माँ को मना लिया था।
तस्वीरें भेजते हुए। और प्रियंका की मां, डॉ मधु चोपड़ा ने भी इसमें अपना योगदान दिया।
पारिवारिक परंपरा के अनुसार, 'मेरे बेटे ने...उन्हें (तस्वीरों को) ढूंढ निकाला और उन्हें मेरे पास ले आया।'
me. He was just 10 years old. Aur usko chup karane ke liye (in order to stop उनकी लगातार विनतियों (30) के कारण, मैंने इसे भेज दिया। माँ और बेटी असफल रहीं।
यह उल्लेख करें कि प्रियंका को 1999 के मई क्वीन बॉल में ताज पहनाया गया था।
बरेली क्लब। परिवार पहले से ही उसके भविष्य की योजना बना रहा था।
अंतर्राष्ट्रीय सौंदर्य प्रतियोगिताएं।
प्रियंका के अनुसार, उनके पिता फोटोग्राफर राजीव से कुछ तस्वीरें चाहते थे।
सूरी को ऑस्ट्रेलिया में कॉलेज छात्रवृत्ति के लिए आवेदन करना था।
उन्होंने कहा, 'ये औपचारिक तस्वीरें थीं।' फिर उन्होंने आगे कहा, 'फोटोग्राफर ने कहा,
“तुम बहुत खूबसूरत हो, तो चलो कुछ और तस्वीरें लेते हैं,” तो मुझे थोड़ा सा

उत्साहित होकर बोला, “31 ले लिजिये (आगे बढ़ो), ठीक है।”
हालांकि, प्रियंका के प्रमोशन के दौरान एक अलग ही कहानी सामने आई।
क्वांटिको का पहला सीज़न। मॉन्ट्रियल से रिपोर्टिंग, जहाँ प्रियंका मौजूद थीं।
शो की शूटिंग के बारे में न्यूयॉर्क टाइम्स की कैथरीन शैटक ने लिखा:
अपने जूनियर वर्ष के अंत में भारत के बरेली लौटकर, वह पढ़ाई कर रही थी।
जब उनकी माँ, सुश्री चोपड़ा के हंस जैसे व्यवहार से प्रसन्न हुईं, तो उन्होंने विश्वविद्यालय के बोर्ड में दाखिला ले लिया।
रूपांतरण के बाद, उन्होंने मिस इंडिया प्रतियोगिता को तस्वीरें भेजीं।
जैसा कि अक्सर मशहूर हस्तियों के मामले में होता है—और यह निश्चित रूप से फिर से होगा।
प्रियंका चोपड़ा की जीवन कहानियों में भी अक्सर छोटी-छोटी बातों को बढ़ा- चढ़ाकर बताया जाता है।
कहानी को और अधिक जीवंत बनाने के लिए मसाले का हल्का सा स्पर्श जोड़ा गया है।
और प्रशंसकों के लिए विश्वसनीय भी। इसका मतलब यह नहीं है कि वह झूठ बोलती है, बल्कि...
वास्तविक सत्य कभी स्पष्ट रूप से प्रकट नहीं होता।
सूरी द्वारा ली गई सभी तस्वीरें धुंधली हैं। प्रियंका युवा जैसी दिख रही हैं।
इन तस्वीरों में 1990 के दशक की हिंदी फिल्म अभिनेत्रियां बिना आस्तीन का ब्लाउज पहने नजर आ रही हैं।
एक तस्वीर में वो शॉर्ट्स पहने नजर आ रही हैं। दूसरी तस्वीर में वो पुराने जमाने के डिज़ाइन वाली सफेद जैकेट पहने दिख रही हैं।
प्रियंका बेहद आत्मविश्वास से भरी नजर आ रही हैं, हालांकि उनमें छोटे शहर की संवेदनशीलता भी झलकती है। एक अन्य फुल-बॉडी तस्वीर में प्रियंका सिल्क ब्लाउज पहने हुए हैं।
काली मिनीस्कर्ट, काली स्टॉकिंग्स और खुली एड़ी वाले लकड़ी के क्लॉग जूते के साथ
ऊँची एड़ी के जूते। उसके चेहरे और बालों पर एक अलग ही चमक है—बहुत ज़्यादा रोशनी है।

call ayaa. Dekho main kitnee badee tope hoon. Femina ko pata hai main Bareilly main hoon. Woh mera naam bhi jante hain aur mujhe interview ke

liye bulaya hai. Lekin aap to apnee beti ko 33 appreciate hee nahin karte (I got
फेमिना मिस इंडिया का फोन आया। देखो मैं कितनी शानदार हूं। फेमिना जानती है कि मैं
मैं बरेली में हूँ। यहाँ तक कि वे मेरा नाम भी जानते हैं और उन्होंने मुझे आमंत्रित भी किया है।
साक्षात्कार। लेकिन आपको अपनी बेटी के लिए ज़रा भी सराहना नहीं है। बेशक, उस समय उसे इस बात का बिल्कुल भी अंदाजा नहीं था कि उसकी मां ने तस्वीरें भेजी थीं।
किसी भी माता-पिता की तरह, उसके पिता भी चिंतित थे। उनकी किशोर बेटी का क्या होगा?
क्या बेटी अकेले दिल्ली जाएगी? 'मेरी मां ने कहा कि वह मेरे साथ आएंगी।' प्रियंका ने आगे कहा, ‘जब तक मैं ठीक नहीं हो गई, तब तक वह मेरे साथ रहने के लिए अपनी प्रैक्टिस छोड़ गई।’
लगभग 23-24.’34
बॉलीवुड अभिनेत्रियों की माताओं को अक्सर अपने बच्चों के साथ देखा जाता है।
बेटियों को फिल्म की शूटिंग पर ले जाना। लेकिन प्रियंका की मां के लिए अपनी मेडिकल स्थिति को लेकर चिंता करना मुश्किल था।
अपनी बेटी के करियर के लिए अभ्यास को स्थगित करना उल्लेखनीय था, खासकर इस संदर्भ में।
भारतीय फिल्म उद्योग के संदर्भ में। वर्षों बाद, #MeToo पर टिप्पणी करते हुए।
अभियान और क्या हार्वे वेनस्टीन जैसे लोग उसमें काम कर रहे थे
बॉलीवुड अभिनेत्री डॉ. मधु चोपड़ा ने स्वीकार किया कि प्रियंका चोपड़ा ने शायद कुछ प्रोजेक्ट इसलिए खो दिए क्योंकि वह हमेशा अपनी बेटी के साथ जाने पर जोर देती थीं।
नए निर्माताओं के साथ बैठकें।35
उसके माता-पिता ने हमेशा उसके आसपास एक बहुत मजबूत समर्थन प्रणाली बनाई। प्रियंका की मिस इंडिया की सह-प्रतियोगी दीया मिर्जा कहती हैं, 'मुझे सच में लगता है,

अपने शुरुआती फिल्मी करियर के दौरान, उनके माता-पिता की उपस्थिति ही उनके लिए एकमात्र सहारा थी।
प्रियंका को आत्मविश्वास मिला। उनकी मां अविश्वसनीय हैं, इतनी दृढ़ निश्चयी।
वह महिला। उनमें बहुत धैर्य और शक्ति थी और वह लगातार देती रहती थीं।
प्रियंका को। इससे उसे बाहर जाने का आत्मविश्वास और ताकत भी मिली।
वह जो चाहे कर सकती थी।

भारत मिस वर्ल्ड और मिस यूनिवर्स प्रतियोगिताओं में प्रतिभागियों को भेजता रहा है।
कई दशकों से सौंदर्य प्रतियोगिताओं का आयोजन होता आ रहा है। पहली मिस इंडिया का खिताब एक यहूदी महिला ने जीता था।
1947 में हिंदी फ़िल्म अभिनेत्री एस्थर विक्टोरिया अब्राहम उर्फ़ प्रमिला। पाँच साल
बाद में, इंद्राणी रहमान (जो बाद में एक प्रसिद्ध भरतनाट्यम नृत्यांगना बनीं) और नूतन
(जो आगे चलकर हिंदी फिल्मों के बड़े सितारे बने) ने दो बार खिताब जीते। अलग-अलग मिस इंडिया प्रतियोगिताएं। और 1966 में, रीता फारिया न केवल बनीं मिस वर्ल्ड बनने वाली पहली भारतीय, बल्कि पहली एशियाई भी।
फिल्मों में स्टारडम अक्सर सौंदर्य प्रतियोगिताओं के विजेताओं के साथ आता है—जैसा कि पहले भी हुआ था।
नूतन के मामले में भी यही बात लागू होती है (हालांकि वह पहले ही कुछ फिल्मों में अभिनय कर चुकी थीं)।
1952 से पहले) और लीला नायडू जिन्होंने 1954 में मिस इंडिया का खिताब जीता (उनका पहला खिताब 1952 से पहले का था...)।
उन्हें सफलता 1960 में हृषिकेश द्वारा निर्देशित फिल्म अनुराधा से मिली। मुखर्जी)। ज़ीनत अमान ने 1970 में मिस एशिया पैसिफिक का खिताब जीता और एक साल बाद

उन्होंने देव आनंद की फिल्म में सहायक (कुछ लोग इसे मुख्य भूमिका भी कह सकते हैं) भूमिका निभाई थी।
हरे रामा हरे कृष्णा (1971)। लेकिन इनमें से कुछ सौंदर्य प्रतियोगिता विजेताओं ने...
उनके पहले से ही फिल्म जगत से संबंध थे। नूतन के माता-पिता - शोभना और कुमारसेन।
समर्थ और ज़ीनत ने खिताब जीतने से पहले ही फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखा था।
पिता अमानुल्लाह खान ने मुगल-ए-आजम की पटकथा सह-लिखी थी और
Pakeezah.
1990 के दशक में हालात नाटकीय रूप से बदलने लगे थे, जब विजेताओं
सौंदर्य प्रतियोगिताओं में अधिक लोकतंत्रीकरण हुआ और कई युवा प्रतियोगिताओं के लिए आवेदन करने वाली महिलाएं मध्यमवर्गीय परिवारों से आने लगीं।
1994 में, सुष्मिता सेन ने मिस इंडिया का खिताब जीता और आगे चलकर ताज पहनाया गया।
मिस यूनिवर्स में ऐश्वर्या राय को उपविजेता घोषित किया गया था।
सुष्मिता ने मिस इंडिया का खिताब जीता, मिस वर्ल्ड का ताज भी अपने नाम किया। और कुछ अन्य खिताब भी जीते।
कई साल बाद, दोनों ब्यूटी क्वीन्स को हिंदी फिल्मों में काम करने के ऑफर मिले।
सुष्मिता और ऐश्वर्या की बड़ी जीत ने एक ऐसा चलन शुरू किया जो वर्ष 2000 तक चला—मध्यमवर्गीय पृष्ठभूमि की युवा लड़कियां, छोटे शहरों से आने वाली लड़कियां
भारत के कस्बों में रहने वाले लोग वैश्विक सौंदर्य प्रतियोगिताओं में जीत हासिल करने लगे। इसके बावजूद कि वे
वैश्विक शांति और गरीबों की देखभाल के बारे में बात करते हुए, इन युवतियों ने
उनके मन में एक और लक्ष्य था—फिल्मों में अभिनय करने का मौका। विजेताओं में शामिल थे:
डायना हेडन (1997), युक्ता मुखी (1999) और प्रियंका चोपड़ा (2000)

उन सभी ने मिस वर्ल्ड का खिताब जीता था—लारा दत्ता (2000, मिस यूनिवर्स), और
दीया मिर्जा (2000, मिस एशिया पैसिफिक इंटरनेशनल)। लारा और प्रियंका दोनों
सुष्मिता और ऐश्वर्या की तरह ही, उनके परिवार भी सशस्त्र बलों से जुड़े हुए थे।
सेना की पृष्ठभूमि कोई संयोग नहीं थी। 'लड़कियाँ बेहतर थीं।'
सत्या सरन, जो संपादक थीं, कहती हैं, 'पड़ोस की लड़कियों की तुलना में अधिक सुसज्जित हैं।'
1990 के दशक से 2005 तक फेमिना में सरन की गहरी भागीदारी रही। वह मिस प्रतियोगिता में भी शामिल थीं।
भारत की चयन प्रक्रिया। 'सेना की पृष्ठभूमि का मतलब है व्यापक अनुभव। विभिन्न संस्कृतियों और भाषाओं, और अधिक अंतःक्रियाओं को बढ़ावा देता है। मिलनसार स्वभाव और जबरदस्त आत्मविश्वास।
वर्व पत्रिका के लिए लिखते हुए, पत्रकार सितांशी तलाती-पैरिश कहते हैं, प्रियंका चोपड़ा की दृढ़ इच्छाशक्ति और सहनशीलता का श्रेय (उनकी) परवरिश।’ वह आगे कहती हैं, ‘खानाबदोश जैसी जीवनशैली…निश्चित रूप से
इसके परिणाम होते हैं... कहीं भी दोस्त बनाने की क्षमता, लोगों से मिलना- जुलना और
आगे बढ़ो और जड़ें जमाने के बंधनों से खुद को अलग रखो, और
इसे एक “साहसिक कार्य” की तरह मानना।’36
और उन्होंने सारन की टिप्पणी का समर्थन किया। 'सहिष्णुता भी है और लोगों से व्यवहार करने की क्षमता, साथ ही आत्मविश्वास की सहज भावना को बढ़ावा देना
और सुलभता।'
यह तथ्य कि भारत की कई युवतियों ने सौंदर्य प्रतियोगिता जीती थी सौंदर्य प्रतियोगिताओं ने जाहिर तौर पर अंतरराष्ट्रीय प्रेस का ध्यान आकर्षित किया। टिप्पणी करते हुए
इस घटना के बारे में, द न्यूयॉर्क टाइम्स के बैरी बेराक ने टिप्पणी की, 'वास्तव में,
मिस वर्ल्ड का ताज रत्नजड़ित आभूषणों के ऊपर प्रदर्शित किया जा सकता है।

ताजमहल।’37

कनाडाई-भारतीय निर्देशक निशा पाहुजा की कई पुरस्कार विजेता फिल्म डॉक्यूमेंट्री फिल्म 'द वर्ल्ड बिफोर हर' (2012) में दो परिवारों के जीवन का अन्वेषण किया गया।
भारतीय महिलाएं—इनमें से एक छोटे कस्बों की युवा लड़कियां और महिलाएं थीं।
और भारत के ग्रामीण हिस्सों से जो लोग दक्षिणपंथी हिंदू मिलिशिया, दुर्गा में शामिल हुए
वाहिनी; और दूसरा मुख्य रूप से मध्यम स्तर की युवा लड़कियों के बारे में था।
भारतीय शहरों की वे लड़कियां जो ब्यूटी क्वीन के खिताब और प्रसिद्धि से भरे भविष्य की आकांक्षा रखती थीं और
भाग्य।
'मिस इंडिया बनना और भारत की सबसे खूबसूरत लड़की मानी जाना,
कल्पना कीजिए कि कितना प्रचार मिलेगा। लेकिन उन्हें यह प्रचार कौन देगा?’ सवाल पूछता है।
फिल्म में सबीरा मर्चेंट। मर्चेंट उच्चारण विशेषज्ञ और एक प्रमुख हस्ती थीं।
1990 के दशक के मध्य से लेकर मिस इंडिया प्रतियोगियों को आकार देने और ढालने में
इस सदी की शुरुआत में। उन्होंने प्रियंका चोपड़ा और लारा दत्ता को भी प्रशिक्षित किया।
और दीया मिर्जा ने मिस इंडिया का खिताब जीता और फिर वैश्विक खिताब अपने नाम किया।
प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए उन्हें टाइम्स ऑफ इंडिया और फेमिना की टीम द्वारा नियुक्त किया गया था।
प्रदीप गुहा और सत्या सरन द्वारा।

मर्चेंट आगे कहते हैं, 'उन्हें विज्ञापन मिलते हैं, उन्हें फिल्में मिलती हैं, उन्हें अनुबंध मिलते हैं।' 'बस इसलिए कि...'
उन्हें टेलीविजन पर एक्सपोजर मिलता है (और) यह सिर्फ भारतीय एक्सपोजर नहीं है। उन्हें मिलता है
सिंगापुर, हांगकांग, मध्य पूर्व और ब्रिटेन में अनुबंध।
निशा पाहुजा की फिल्म में कई प्रतियोगी थे, जो प्रियंका की तरह ही थे,
वे छोटे शहर के मध्यमवर्गीय परिवारों से आए थे। श्वेता, प्रतियोगियों में से एक थीं।
फिल्म में, उन्होंने देखा कि उनकी सभी प्रतियोगी शहरी मध्यम वर्ग का हिस्सा थीं।
भारत में एक अलग ही स्तर पर बदलाव आया है। और अंकिता ने धीरे-धीरे हो रहे बदलाव को महसूस किया।
पिछले दो दशकों या उससे अधिक समय में भारत में जो कुछ हो रहा है, उसे देखकर बहुत अच्छा लगता है।
अंकिता ने कहा, 'यहां उन्नीस प्रतियोगी हैं। इनमें विभिन्न देशों के प्रतियोगी शामिल हैं।'
इंदौर, भोपाल, चंडीगढ़। ये छोटे शहर हैं और इन्हें देखना अद्भुत है।
कि माता-पिता उन्हें यहां आने और रैंप पर चलने की अनुमति देते हैं। इससे यह पता चलता है कि
लोग अब चीजों के प्रति खुले नजरिए से देखने लगे हैं।'
प्रतियोगियों को प्रशिक्षित और विकसित करने का निर्णय ताकि वे
वैश्विक सौंदर्य प्रतियोगिताओं में सफलतापूर्वक प्रतिस्पर्धा करने का सिलसिला पूरी गंभीरता से शुरू हो गया है।
गुहा और सरन, मधु सप्रे के साथ बैठे थे, जो दूसरे रनर-अप थीं।
1992 में मिस यूनिवर्स प्रतियोगिता में। इसका उद्देश्य यह पता लगाना था कि वास्तव में क्या हुआ था।
यह घटना विश्व स्तरीय प्रतियोगिता में घटी।
गुहा मधु सप्रे के बारे में मुझे बताती हैं, 'वह इतनी करीब थी और फिर भी चूक गई।'
'उसके बाद मैंने जो कुछ भी किया, वह काफी हद तक उससे हुई मेरी बातचीत का परिणाम था।'

वैश्विक स्तर पर क्या होता है, इसकी जानकारी मुझे सबसे पहले उन्होंने ही दी थी।
प्रतियोगिता में वे क्या ढूंढ रहे हैं?
हमें एहसास हुआ कि स्विमसूट एक प्रमुख राउंड था और हमारी लड़कियों ने कभी भी
भारत में सार्वजनिक रूप से स्विमसूट पहने हुए लोगों का एकमात्र कारण तैराकों का होना है।
सरन कहते हैं, 'तो वे वहां (विश्व स्तरीय प्रतियोगिता में) जाएंगे और उनका उनकी शारीरिक हावभाव से स्विमसूट पहनने को लेकर उनकी घबराहट स्पष्ट हो जाएगी।
और स्विमसूट प्रतियोगिता के लिए शरीर का सुडौल होना बहुत जरूरी था। ऊंचाई यह भी महत्वपूर्ण है। क्योंकि हमने जूही चावला (मिस इंडिया) जैसी हस्तियों को भेजा है।
1984) जो लगभग 5.4 वर्ष का था।
सबीरा मर्चेंट को नियुक्त करने के अलावा, गुहा और सरन ने प्रशिक्षण टीम में दो और सदस्यों को शामिल किया—हेमंत त्रिवेदी को ग्रूमिंग के लिए और लुबना एडम्स को प्रतियोगियों को रैंप पर चलने का प्रशिक्षण देने के लिए धन्यवाद। द टाइम्स ऑफ
भारत और फेमिना ब्रांड बनाने के लिए सौंदर्य प्रतियोगिताओं के व्यवसाय में थे।
यह हमेशा से विज्ञापन-आधारित व्यवसाय रहा है। इसलिए केवेंटर्स जैसे बड़े विज्ञापनदाता इसमें शामिल होते थे।
और पॉन्ड्स हर साल आयोजित होने वाले शो के प्रमुख प्रायोजक बन गए।
भारत में चार केंद्र। 'इस प्रक्रिया में, हमें बड़ी सफलता मिली,' सरन कहते हैं। 'हमने कामयाबी हासिल की।
न केवल ब्रांड का निर्माण करने और ब्रांड में पैसा लाने के लिए, बल्कि हमने यह भी हासिल किया कि
ऐसी लड़कियों को ढूंढो जो अंतरराष्ट्रीय विजेता बन सकें।
जैसे-जैसे अधिक से अधिक भारतीय महिलाएं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जीत हासिल करने लगीं

सौंदर्य प्रतियोगिताओं के संबंध में, कुछ आलोचकों का मानना था कि यह सब एक व्यावसायिक खेल था।
भारतीय बाजार में प्रवेश करने के इच्छुक वैश्विक कॉस्मेटिक ब्रांडों द्वारा निभाई गई भूमिका के बाद
1990 के दशक की शुरुआत में लागू की गई आर्थिक उदारीकरण नीतियां।
कुछ अन्य लोगों ने सुझाव दिया कि प्रतियोगिताएं शायद फिक्स थीं। 'मिस वर्ल्ड'
प्रतियोगिता लंदन में आयोजित की गई थी, लेकिन इसका प्रायोजन एक भारतीय नेटवर्क ने किया था।
'शो दुनिया भर में,' बैरी बेराक ने द न्यूयॉर्क टाइम्स में लिखा,
30 नवंबर 2000 के उस कार्यक्रम में जहां प्रियंका चोपड़ा को मिस का ताज पहनाया गया था
विश्व। ‘भारतीय डिजाइनरों ने वेशभूषा तैयार की। जजों में एक भारतीय भी शामिल था।’
लाइव दर्शकों में भारतीयों का एक बड़ा हिस्सा शामिल था।38
गुहा ने इस बात को खारिज करते हुए इसे 'बकवास' बताया। उन्होंने कहा, 'यह दुख की बात है कि लोग ऐसा सोचते हैं।'
वह कहते हैं, 'हम यह स्वीकार नहीं कर पा रहे थे कि हम अपने ही प्रयासों के कारण जीत रहे हैं।'
‘हमारी जीत के पीछे कोई और वजह जरूर होनी चाहिए थी। लोग ऐसा लग रहा था कि...’ हमें खुद पर भरोसा नहीं है।
सरन गुहा से सहमत हैं। 'अगर आप उन लड़कियों को देखें (जिन्होंने जीता) अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में परफॉर्म करने वाली अभिनेत्रियों (प्रियंका और लारा दत्ता सहित) को स्क्रीन पर देखा जा सकता है।
आप पाएंगे कि वे अपने उत्तर देने के तरीके में, अपने व्यवहार में सबसे अलग थे।
उन्होंने जिस तरह से व्यवहार किया। यह सिर्फ लड़कियों को मिली ट्रेनिंग से कहीं बढ़कर था।
इसका मकसद उनका आत्मविश्वास बढ़ाना था।'
'इसका मतलब था उन्हें यह बताना कि आप यह कर सकते हैं और हम आपके साथ हैं,' वह आगे कहती हैं।

आपको जो चाहिए, हम आपको देंगे। अगर आप जल्दी सोच नहीं सकते, तो हम आपकी मदद करेंगे।
अगर आपको लगता है कि आप आत्मविश्वास से भरे नहीं हैं क्योंकि आप सीधे खड़े नहीं होते, तो हम आपकी मदद करेंगे।
हम आपकी मदद करेंगे। हम आपको सिखाएंगे कि कैसे आत्मविश्वास से कपड़े पहनें, कैसे सीधे खड़े हों और कैसे सीधे चलें।
सरन को याद है कि वह मॉडलों और अन्य संभावित प्रतियोगियों पर नज़र रख रही थी, जिनमें शामिल हैं:
ऐश्वर्या राय, जिसके पीछे वह तीन साल तक इसलिए पड़ी रही क्योंकि वह एक मेकअप आर्टिस्ट थी।
मुझे पता था कि मिस वर्ल्ड बनने की इच्छुक कोई लड़की आसपास मंडरा रही है। 'हर बार जब वह
वह कहती थी कि वह प्रतियोगिता में भाग लेगी लेकिन फिर वह आती ही नहीं थी।
क्योंकि उसके माता-पिता नहीं चाहते थे कि वह ऐसा करे। इसलिए अंततः वह तीसरे स्थान पर आई।
वर्ष (1994)।
अगले वर्षों में, कुछ अन्य लोग भी अचानक सामने आए—
छोटे कस्बों के अनजान चेहरे और नाम जिनके माता-पिता ने अपनी तस्वीरें जमा कराई थीं
तस्वीरें और आवेदन पत्र। ऐसा ही एक नाम प्रियंका चोपड़ा का था।
उस समय वह 17 वर्ष का था और बरेली का निवासी था।

मुझे प्रियंका याद है क्योंकि हमने शुरुआत में उस पर ध्यान नहीं दिया था। सरन याद करती हैं, 'मैंने उसे प्रतिभा प्रतियोगिता में देखा था, क्योंकि वह बहुत सुंदर गाती थी।'
मैंने प्रदीप से कहा कि वह कुछ न कुछ जरूर जीतेगी।
गुहा का कहना है कि वह प्रियंका से शुरू से ही प्रभावित थे। 'लेकिन अगर...' अन्य उम्मीदवारों की तुलना में किसी कारणवश, वह स्पष्ट विकल्प के रूप में सामने नहीं आई।

प्रतियोगिता के दौरान उसमें काफी सुधार हुआ। मुझे लगता है उसे थोड़े और आत्मविश्वास की जरूरत थी।
मुझे लगता है कि शुरुआत में उसे पूरी तरह से यकीन नहीं था कि वह यही चाहती है या नहीं।
हाँ। वह थोड़ी झिझक के साथ अंदर आई। प्रतियोगिता शुरू होने तक वह सहज लग रही थी।
वह अब पहले से कहीं ज्यादा संयमित और आत्मविश्वास से भरी हुई हैं।
प्रियंका के अनिश्चित महसूस करने का एक कारण यह भी था कि वह एक बाहरी व्यक्ति थी।
अन्य प्रतियोगियों की तुलना में, जिनमें लारा दत्ता भी शामिल थीं,
वह पहले से ही एक पेशेवर मॉडल है।
गुहा कहते हैं, 'प्रियंका मुंबई में सबके लिए बिल्कुल नई थी।'
नए रिश्ते बनाने में समय लगता है। इसलिए शुरू में उसे थोड़ा अजीब सा लगा।
लेकिन जैसे-जैसे प्रतियोगिता आगे बढ़ी, उसका आत्मविश्वास बढ़ता गया।
एक और व्यक्ति जो लारा दत्ता और प्रियंका चोपड़ा को याद करता है
मिस इंडिया प्रतियोगिता के दिनों में फिल्म निर्माता करण जौहर थे। 1970 के दशक के अंत में।
1999 में, करण को आयोजकों द्वारा प्रेरक भाषण देने के लिए आमंत्रित किया गया था।
मिस इंडिया प्रतियोगिता की प्रतिभागियों को। उन्हें लारा और प्रियंका को उसमें देखना स्पष्ट रूप से याद है।
कमरे में। 'मेरी प्रियंका से मुलाकात या बातचीत नहीं हुई, हालांकि मुझे लगता है कि वह बैठी हुई थी।'
सामने। लेकिन मैंने लारा से बात की। वह पीछे की पंक्ति में अकेली, चुपचाप बैठी थी।
और मैंने सोचा, "यह खूबसूरत लड़की कौन है?"
यह एक आम बात थी। लोग हमेशा सबसे पहले लारा दत्ता को ही नोटिस करते थे।
उसमें एक सफल मॉडल की तरह शालीनता और शारीरिक भाषा थी।
मुंबई। छोटे शहर से आई अनिश्चित प्रतियोगी प्रियंका को संघर्ष करना पड़ेगा।

कुछ साल अमेरिका में बिताने के बावजूद भी वह लोगों की नजरों में आने में कामयाब रही।
‘मुझे लारा बहुत ही आत्म-नियंत्रित याद है,’ सरन कहती हैं। ‘वह बोलती थी बहुत अच्छा। उनकी आवाज बहुत ही मधुर थी। वह बहुत विनम्र थीं, बहुत अच्छी थीं।
शिष्ट स्वभाव की। अगर आप हमारे प्रतियोगियों के पूरे इतिहास पर नजर डालें तो वह सबसे अलग नजर आती है।
आप उसमें कोई कमी नहीं निकाल सकते। वह बहुत तेज और पढ़ी-लिखी थी।
इससे बहुत फर्क पड़ा। मुझे याद है कि वह बहुत ही सलीके से कपड़े पहनती थी।
वह जो भी पहनती थी, उसमें बेहद खूबसूरत तो नहीं लगती थी, लेकिन वह कभी गलत भी नहीं होता था।
एक व्यक्ति जो प्रियंका को पहले दिन से याद करता है—और वो भी एक
थोड़ा अलग दृष्टिकोण रखने वाली हैं दीया मिर्जा, जो मुंबई आई थीं।
हैदराबाद से ब्यूटी पेजेंट की ट्रेनिंग। पहले दिन प्रतियोगियों ने मुलाकात की।
मुंबई के एम्बेसडर होटल के बैंक्वेट हॉल में, जहाँ उनके आँकड़े प्रस्तुत किए गए थे।
नाप लिया गया। और फिर युवतियाँ एक-एक करके खड़ी हुईं और अपना परिचय देने लगीं।
खुद।
‘मैं प्रियंका को लंबे, घने, चमकदार काले बालों के साथ कभी नहीं भूल पाऊंगी,’ दीया ने कहा।
याद करते हुए कहते हैं, 'उसने काली पैंट, सफेद शर्ट पहनी हुई थी और उसके पास एक अमेरिकी टोपी थी।
उसका लहजा अलग था। लेकिन वह इतने आत्मविश्वास से बोल रही थी कि हम सब जैसे अनाड़ीपन से बोल रहे थे।
'सचमुच मूर्ख हैं, इतने चिंतित।' टाइम्स ऑफ इंडिया और फेमिना ने इस बारे में कोई जानकारी नहीं दी।
युवा प्रतियोगियों के लिए आतिथ्य सत्कार की व्यवस्था की गई थी, इसलिए उन्हें अपना इंतजाम खुद करना पड़ा।
आवास, कपड़े, मेकअप और यात्रा संबंधी विवरण।

मर्चेंट कहते हैं, 'यह एक सच्चा अमेरिकी लहजा था जिसे उसने स्वाभाविक रूप से सीख लिया था।'
प्रतियोगियों के प्रशिक्षण के बारे में मुझसे बात करते हुए उन्होंने कहा, 'कुछ भी बनावटी नहीं था।'
जब आप इतने छोटे होते हैं, तो आप आसानी से प्रभावित हो जाते हैं और लहजा सीख लेते हैं।
आप अपने चारों ओर की हर आवाज़ सुन रहे हैं।
लेकिन प्रियंका के अमेरिकी लहजे को मिटाना काफी चुनौतीपूर्ण साबित हुआ। सबीरा मर्चेंट के लिए। 'उसकी आवाज़ में एक तरह की नाक से निकलने वाली सी लय थी। मैंने उससे कहा कि अगर वह भारत का प्रतिनिधित्व करने जा रही है, तो उसकी आवाज़ किसी अमेरिकी की तरह नहीं लगनी चाहिए।'
आपको भीड़ के सामने भारतीय लहजे में बोलना होगा, या कम से कम बोलना तो चाहिए।
वैश्विक अंग्रेजी लहजा अपनाएं, अमेरिकी अंग्रेजी नहीं।
और प्रियंका ने इस पर खूब मेहनत की। उस समय मर्चेंट पढ़ा रहे थे।
मुंबई के एसएनडीटी विश्वविद्यालय में पढ़ाई करने वाली प्रियंका प्रियंका भी उनका पीछा करती थीं।
वहाँ। और मैं कहती, “प्रियंका, हमने काफी काम कर लिया है। तुम
"आप आराम कर सकते हैं, आप ठीक हैं।" और वह कहतीं, "नहीं, नहीं, बस एक और।" सवाल।" वह खुद को बेहतर बनाने के लिए इतनी दृढ़ थी। वह इतनी उत्सुक थी कि यह तो अविश्वसनीय है।
लेकिन मर्चेंट को प्रियंका थोड़ी बचकानी भी लगी, जो किसी भी युवा के लिए असामान्य नहीं है।
एक उत्साहित किशोरी। मर्चेंट कहते हैं, 'वह हमेशा चीजों में जल्दबाजी करती थी।'
तुलना करें तो, लारा दत्ता हमेशा से बहुत परिपक्व और स्वाभाविक थीं, फिर भी आवाज में बदलाव। इसका एक कारण यह हो सकता है कि लारा उस समय 21 साल की हो चुकी थी।
सन् 1999 के पतझड़ के मौसम में, जब प्रियंका सिर्फ 17 साल की थीं। 'वह (लारा) बहुत अच्छी तरह बोलती थीं।'
और वह बोलने में माहिर थी। उसकी शब्दावली और शब्दों का चुनाव अद्भुत था।

बहुत बढ़िया। मैंने उसके साथ बहुत कम काम किया, बस उसे कुछ चीजें न करने की सीख दी।
चीज़ें।'
उस वर्ष मिस इंडिया प्रतियोगिता पुणे के पूना क्लब में आयोजित की गई थी। प्रतियोगिता की तारीख 15 जनवरी 2000 थी। प्रतियोगियों को कई मशहूर हस्तियों द्वारा जज किए जाने का सामना करना पड़ा।
- अभिनेता शाहरुख खान, जूही चावला और वहीदा रहमान; क्रिकेटर
मोहम्मद अज़हरुद्दीन; मीडिया मुगल और फिल्म निर्माता प्रीतीश नंदी; चित्रकार अंजोली एला मेनन, जो उस समय ज़ी मीडिया की संस्थापक-अध्यक्ष थीं (और
अब राज्यसभा सांसद) सुभाष चंद्र (गोएल); फैशन डिजाइनर और
परफ्यूम की रानी कैरोलिना हेरेरा; और मार्कस स्वोरोवस्की, महानतम-ऑस्ट्रियाई क्रिस्टल कंपनी के संस्थापक के परपोते।
यह एक दिन भर चलने वाली प्रतियोगिता थी जो सुबह-सुबह शुरू हुई थी, और इसमें स्विमसूट राउंड शामिल था। अंत में, शाम को प्रतियोगियों को निम्नलिखित राउंड का सामना करना पड़ा:
जजों की भूमिका में अभिनेता राहुल खन्ना और मलाइका अरोरा थे। प्रत्येक प्रतियोगी ने एक जज का नाम चुना ताकि वह उनसे प्रश्न पूछ सके।
एक समाचार रिपोर्ट में, जूही चावला ने एक प्रतियोगी से पूछा, 'यदि आपको अनुमति दी जाए तो...'
छठी इंद्री, आप इसे क्या बनाना चाहेंगे? प्रतियोगी असमंजस में पड़ गया, लेकिन
तब उसने जवाब दिया, 'मैं जादूगर बनना चाहूंगी।'39
उसी रिपोर्ट में कहा गया है कि शाहरुख खान ने दूसरे से एक सवाल पूछा था। रिपोर्ट में प्रतियोगी का नाम प्रियंका के रूप में दर्ज नहीं किया गया था। चोपड़ा। लेकिन फिर भी, प्रियंका उस समय सिर्फ एक सामान्य प्रतियोगी थीं। वह अब जैसी स्टार नहीं है।
इस यादगार पल का एक यूट्यूब वीडियो है—17 वर्षीय प्रियंका लेदर जैकेट पहने हुए (इस राउंड के लिए सभी प्रतियोगियों ने एक जैसी पोशाक पहनी थी, और उनकी
प्रतियोगिता के दिन के लिए कपड़े आयोजकों द्वारा उपलब्ध कराए गए थे।

बाल खुले हुए थे, और वह खान की ओर देख रही थी, जो उस समय तक पहले से ही एक बहुत बड़ा स्टार बन चुका था, क्योंकि वह कई फिल्मों में अभिनय कर चुका था। film such as Dilwale Dulhaniya Le Jayenge (1995), Kuch Kuch Hota Hai (1998), 40 Dil Se (1998), Karan Arjun (1995) and so many more hits. शाहरुख ने अपना लंबा सवाल शुरू करते हुए कहा, 'मैं भी आपकी तरह ही घबराया हुआ हूं।'
मैं सुंदरता की उपस्थिति में विनम्र हो जाता हूँ।' और फिर, उन्होंने लंबा सवाल पूछा।
प्रश्न, 'मान लीजिए, यदि आप निम्नलिखित में से किसी एक से शादी करते हैं, तो कौन?'
क्या ऐसा होगा? अजहर भाई जैसा कोई भारतीय खिलाड़ी—जो आप सबको साथ ले जाएगा?
पूरी दुनिया में, अपने देश को गौरवान्वित करें और खुद को गर्व से भर लें। या फिर स्वारोवस्की जैसा कोई कलात्मक व्यवसायी जिसका नाम उच्चारण करने में कठिन हो।
जो आपको गहनों और सुंदर हारों से सजाएगा और आप कभी भी
आपको अपने घर के लिए फिर कभी झूमर खरीदने की ज़रूरत नहीं पड़ेगी। या फिर किसी हिंदी फिल्म स्टार की तरह।
मैं, जिसके पास आपको एक जटिल बहुविकल्पीय प्रश्न देने के अलावा और कोई काम नहीं है-
इस तरह की एक काल्पनिक शादी के बारे में एक वैकल्पिक प्रश्न।
फिर उन्होंने आगे कहा, 'और इससे पहले कि आप जवाब दें, मैं आपको बता दूं, आपका जो भी हो
इसका जवाब यह है कि इससे आपके लिए मेरे अंकों पर कोई असर नहीं पड़ेगा। मुझे यकीन है अजहर भाई।
और स्वारोवस्की को भी कोई आपत्ति नहीं होगी।'
प्रियंका ने अपने चेहरे पर मुस्कान बनाए रखी, और किसी भी तरह की परेशानी के संकेत न दिखाने की पूरी कोशिश की।
घबराहट। बरेली की एक लड़की अचानक शाहरुख खान से बात करने लगी।
सार्वजनिक रूप से। उसने अपनी सांस रोक ली, जल्दी से सोचा और जवाब दिया, 'अगर मुझे ऐसा करना पड़े तो...'

इन तीन बेहद कठिन विकल्पों में से एक को चुनना हो, तो मुझे लगता है कि मैं एक बेहतरीन जगह पर जाऊंगा।
भारतीय खिलाड़ी।’ लोग खुश हो गए, और प्रियंका ने आगे कहा, ‘क्योंकि जब मैं जब वह घर वापस आएगा, या जब वह घर वापस आएगा, तो मुझे पता है कि मैं वहाँ मौजूद रहूँगी।
उनका समर्थन ताकि मैं उन्हें बता सकूँ कि मुझे उन पर गर्व है, ठीक वैसे ही जैसे भारत को है। यह बताने में सक्षम होना कि
मैंने उससे कहा, “देखो, तुमने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया और तुम ही सर्वश्रेष्ठ हो,” और मैं इसे स्वीकार करूँगा।
मुझे अपने पति पर बहुत गर्व है, जो अगर संभव हुआ तो एक मजबूत चरित्र वाला व्यक्ति बनेगा।
आपने मेरे देश को बहुत गौरवान्वित किया है। बहुत-बहुत धन्यवाद।
स्पष्टतः, सबीरा मर्चेंट के प्रशिक्षण के साथ-साथ गुहा और सरन के प्रशिक्षण का भी सकारात्मक प्रभाव पड़ा।
प्रियंका में आत्मविश्वास जगाने के प्रयास कारगर साबित हुए। दर्शकों ने सबने ताली बजाई और मलाइका अरोरा ने भी 'वाह!' कहकर हैरानी जताई।
बॉलीवुड स्टार बनने के बाद, प्रियंका ने बताया कि किशोरावस्था के दौरान years, she was a Dilwale Dulhaniya Le Jayenge fan. And the irony is that कुछ साल बाद प्रियंका और शाहरुख के रिश्ते को लेकर अफवाहें फैलने लगीं। खान। हालांकि कोई स्पष्ट सबूत नहीं था, फिर भी अफवाहें खत्म नहीं हुईं। कुछ समय पहले। फर्स्टपोस्ट की एक रिपोर्ट थी, जिसमें वेबसाइट के फोटोग्राफर ने
18 तारीख को सुबह 3.15 बजे दोनों को खार स्थित शाहरुख के कार्यालय से बाहर निकलते हुए पकड़ा गया।
जनवरी 2012.41
नवंबर 2012 में, सीएनएन आईबीएन से बात करते हुए, जब वह जैब का प्रचार कर रहे थे।
तक है जान (2012), शाहरुख- कैटरीना कैफ उनके पास बैठी थीं-
उन्होंने इस अफवाह भरे रिश्ते के बारे में कहा, 'मेरे लिए सबसे परेशान करने वाली बात यह है कि...'
मेरे साथ काम करने वाली एक महिला से पूछताछ की गई है और कहीं

उसे वह सम्मान नहीं मिला जो मैं उसे या सभी को देता हूँ।
महिलाएँ।’ और उन्होंने आगे कहा, ‘वह मेरी सबसे करीबी दोस्तों में से एक है और वह बहुत
वह मेरे दिल के बहुत करीब थी, और हमेशा रहेगी… वह एक छोटी बच्ची थी जिसने अपनी शुरुआत की थी।
मेरे साथ मिस वर्ल्ड का ताजपोशी समारोह। हमने कुछ बेहतरीन पल साझा किए हैं।
स्क्रीन पर और स्क्रीन के बाहर भी। यह मेरे लिए बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है, आप जानते हैं, एक
दोस्ती थोड़ी बिगड़ जाती है।
2017 के पतझड़ में ऐसी खबरें आई थीं कि शाहरुख के सुझाव पर,
निर्देशक फरहान अख्तर और निर्माता रितेश सिधवानी ने उन्हें बदलने का फैसला किया।
प्रियंका चोपड़ा और दीपिका पादुकोण डॉन 3 में, एक ऐसी फिल्म जो बनने वाली थी
2018 में बनने वाली थी। बाद में 2018 के वसंत में, रिपोर्टों से पता चला कि रितेश
और फरहान अब शाहरुख के साथ काम करने के लिए 'एक नई अभिनेत्री' की तलाश कर रहे थे।
खान.43
प्रियंका ने डॉन (2006) और डॉन 2 (2011) में शाहरुख खान के साथ अभिनय किया था।
डॉन 3 के लिए कास्टिंग डेवलपमेंट पर एक रिपोर्ट में, इंडिया टुडे की अनन्या ने बताया कि
भट्टाचार्य ने लिखा, ‘काफी समय से अफवाहों का बाजार गर्म है।’
शाहरुख खान और उनके बीच विवाहेतर संबंध की अफवाहों के साथ
प्रियंका चोपड़ा, उस समय की बात है जब दोनों डॉन 2 की शूटिंग कर रही थीं। टैब्लॉइड्स
शाहरुख और प्रियंका का दिखना बंद होने तक एक के बाद एक कहानियां गढ़ी जाती रहीं।
सार्वजनिक रूप से एक साथ दिखने पर अफवाहें शांत हो गईं।

बरेली की लारा दूसरे स्थान पर रहीं। लारा को फेमिना मिस इंडिया यूनिवर्स का ताज पहनाया गया।
वहीं प्रियंका फेमिना मिस इंडिया वर्ल्ड की सेकंड रनर-अप बनीं।
दिया मिर्जा को फेमिना मिस इंडिया एशिया पैसिफिक का खिताब दिया गया।
'हमने इसे विजेता और उपविजेता कहना बंद कर दिया था,' सरन कहते हैं।
मिस यूनिवर्स और मिस वर्ल्ड। लेकिन जिस लड़की ने बेहतर भाषण दिया और जिसे चुना गया।
मिस यूनिवर्स प्रतियोगिता के लिए उच्च अंक भेजे गए थे। वे चाहते हैं प्रवक्ता, ऐसी लड़कियां जो शो में एंकरिंग कर सकें और टीवी और रेडियो कार्यक्रमों की मेजबानी कर सकें
शो में भाग लेने वाली प्रतियोगी ने बेहतर प्रदर्शन किया और मिस यूनिवर्स प्रतियोगिता में भाग लिया।
1994 में, यही खेल तब खेला गया जब सुष्मिता सेन, जो कि अधिक
अपनी वाक्पटुता के लिए मशहूर प्रतियोगी ने शीर्ष स्थान हासिल किया और उसे भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए भेजा गया।
मिस यूनिवर्स प्रतियोगिता में प्रथम रनर-अप रहीं ऐश्वर्या राय ने भाग लिया, जबकि वह प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए आगे बढ़ीं।
मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता। और विडंबना यह है कि राय, जो सेन के बाद दूसरे नंबर पर थीं,
दोनों के फिल्मी करियर की शुरुआत के बाद वह और भी बड़े सितारे बन गए। 2000 की दौड़
यह एक दोहराव वाला प्रदर्शन था। लारा दत्ता ने मिस इंडिया प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
प्रियंका चोपड़ा से आगे निकलने की प्रतियोगिता में, दोनों के फिल्म करियर की शुरुआत के कुछ साल बाद।
अपने करियर में आगे बढ़ते हुए, प्रियंका एक बड़ी स्टार बन गईं।
करण जौहर का मानना है कि भारतीय आयोजकों ने जो विशिष्टता दिखाई है, वह सराहनीय है।
अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के बीच में यह करना गलत था। 'लोग यह नहीं समझते कि

जोहर कहती हैं, 'मिस यूनिवर्स कभी भी इतनी बड़ी प्रतियोगिता नहीं थी।' 'हमारे पास भी यह था।'
गलत। हम अपनी मिस इंडिया नंबर वन को मिस यूनिवर्स प्रतियोगिता में भेज रहे थे और
मिस वर्ल्ड के बाद दूसरे नंबर पर। लेकिन मिस वर्ल्ड एक बड़ी प्रतियोगिता है। इसलिए ऐश दोनों
और प्रियंका ने मिस वर्ल्ड का खिताब जीता—जो कि कहीं अधिक महत्वपूर्ण खिताब है।'
दीया मिर्जा को पुणे में विजेताओं की घोषणा के क्षण याद हैं।
शीर्ष पांच प्रतियोगी मंच के पीछे इकट्ठा होकर नामों की घोषणा का इंतजार कर रहे थे।
उसने पुकारा। 'हम सब एक-दूसरे का हाथ पकड़े हुए थे,' दीया कहती हैं। 'प्रियंका को बस इतना पता था कि वह...'
वह सफल हो जाएगी और लारा ही वह दूसरी लड़की थी जिसे इतना भरोसा था।
किसे सच में आश्चर्य हुआ कि कुछ हुआ भी था और कौन जीता था?
वो मैं ही था।'
‘आप उन्हें शाहरुख खान के साथ फेमिना के कवर पर भी देख सकते हैं,’ वह आगे कहती हैं।
हमें शाहरुख खान के साथ फोटोशूट करने के लिए तुरंत रवाना किया गया। लारा और
प्रियंका पूरे आत्मविश्वास के साथ सीधे कैमरे की तरफ देख रही थीं और मैं वहाँ शाह रुख को बड़ी मुस्कान के साथ देख रहा था और कह रहा था, "मैं नहीं कर सकता।"
मुझे विश्वास नहीं हो रहा था कि ऐसा हो रहा है। यह एक अलौकिक अनुभव जैसा था।
फेमिना पत्रिका के फरवरी 2000 अंक के प्रतिष्ठित कवर पर शाहरुख खान की तस्वीर छपी थी।
उनके दाहिनी ओर दीया और बाईं ओर प्रियंका हैं। लारा बाईं ओर खड़ी हैं।
फ्रेम में तीनों महिलाएं मुकुट और एक जैसी साड़ियां पहने हुए हैं।
अलग-अलग रंगों में। उनके पल्लू गुजराती शैली में आगे की ओर आते हैं।
सभी मुस्कुरा रहे हैं। शाहरुख ने काला सूट, काली शर्ट और टाई पहनी हुई है।

उसके चेहरे पर एक ऐसा भाव था मानो वह कह रहा हो, ‘मैं एक फिल्म स्टार हूं, मुझे मुस्कुराने की जरूरत नहीं है’।
प्रतियोगिता समाप्त होने के बाद, प्रियंका, लारा और दीया अपने-अपने कमरों में आराम से बैठ गईं।
अंतर्राष्ट्रीय सौंदर्य प्रतियोगिताओं के लिए आगे की ट्रेनिंग प्राप्त करने के लिए लारा नियमित रूप से प्रशिक्षण लेती थी।
प्रियंका और दीया मुंबई में एक अपार्टमेंट में रहती थीं, लेकिन उन्होंने ताज होटल में एक साथ एक कमरा साझा किया था।
लैंड्स एंड, अब टाइम्स ऑफ इंडिया और फेमिना के अतिथि के रूप में। प्रियंका की
मां अपनी बेटी की सफलता का सारा श्रेय उसे मिली ट्रेनिंग को देती है।
एक खूबसूरत युवती में उनका विकास। 'मिस इंडिया बनने के बाद, वह
डॉ मधु चोपड़ा ने कहा, 'मुझे टाइम्स ऑफ इंडिया और फेमिना ने तैयार किया था।' एक साक्षात्कार में।45 ‘तभी से उसके शरीर में बदलाव आने लगे… वह
वह हमेशा से खूबसूरत थी, लेकिन अब वह संयमित हो गई थी। उसने सब कुछ व्यवस्थित करना शुरू कर दिया था।
प्रियंका जुलाई 2000 में 18 साल की हो गईं और उनका जन्मदिन मनाया गया। मुंबई में गुहा का आवास। दीया ने दिसंबर में अपना 18 वां जन्मदिन मनाया। 1999 में, और लारा अप्रैल 2000 में 22 साल की हो गईं। तीनों महिलाओं ने एक बार फिर काम शुरू किया।
सबीरा मर्चेंट के साथ, बड़ी प्रतियोगिता की तैयारी करते हुए। मर्चेंट ने कई बार
वह दो सौ सवाल पूछेगी। वह युवा महिलाओं से यह भी उम्मीद करती थी कि वे... मैं रोज़ अखबार पढ़ता था। मर्चेंट को बहुत जल्द ही यह बात समझ में आ गई कि प्रियंका को राजकुमारी डायना और मदर टेरेसा बहुत पसंद थीं।
मैंने उससे साफ-साफ कहा, “कृपया उन्हें राजकुमारी डायना की तरह मत समझो, और न ही माँ की तरह।”
टेरेसा ने उन्हें कहा, "क्योंकि हर कोई कहता था, "ओह, मुझे बहुत पसंद है।" मर्चेंट ने कहा, "क्योंकि हर कोई कहता था, 'ओह, मुझे बहुत पसंद है।' राजकुमारी डायना, वो मेरी सबसे पसंदीदा शख्सियत हैं।” मैंने उनसे कहा, “सोचो...”

कुछ मौलिक और चतुराई भरी बात कहने के लिए।" लेकिन उन्होंने कहा कि वह माँ की प्रशंसा करती हैं।
सबसे ज्यादा टेरेसा का नाम। तो मैंने कहा, "ठीक है, अगर तुम सच में उसका नाम लेना चाहते हो, तो ले लो।"
इसलिए"।'
30 नवंबर 2000 को मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता लंदन में आयोजित की गई थी। मिलेनियम डोम। जब प्रियंका को अपने सवाल का जवाब देने का मौका मिला,
उनसे अमेरिकी टेलीविजन टॉक शो होस्ट और पूर्व मेयर ने यह सवाल पूछा था।
सिनसिनाटी के जेरी स्प्रिंगर ने एक ऐसे जीवित व्यक्ति का नाम बताया जिनकी वह सबसे अधिक प्रशंसा करती थीं।
और उनका जवाब मदर टेरेसा था, भले ही अल्बानियाई नन का निधन हो चुका था।
तीन साल पहले।
अगले दिन द गार्जियन ने खबर दी कि प्रियंका ने कहा था कि वह एक क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट बनना चाहती हैं (बाद के वर्षों में उन्होंने अपना इरादा बदल दिया)।
(यह कहना कि वह वैमानिकी इंजीनियर या अंतरिक्ष यात्री बनना चाहती थी)
वह प्रतियोगिता से पहले सट्टेबाजों की पसंदीदा थीं।46 'मैं उनकी (मदर टेरेसा की) प्रशंसा करती हूँ।
इतनी भावुक और दयालु होने के लिए... अपना जीवन त्याग देने के लिए मैं तहे दिल से उनका आभारी हूं।
'लोगों के चेहरों पर मुस्कान लाने के लिए,' प्रियंका ने जजों से बड़ी मुस्कान के साथ कहा।
उसका चेहरा। यह सबीरा मर्चेंट के प्रशिक्षण का एक स्पष्ट संकेत था।
मुझे याद है मैंने सोचा था, “ओह ला ला, लड़की तुमने वो गलती कर दी है, जो हम इससे बचना चाहते थे।’ मर्चेंट याद करते हैं। ‘मैंने उसे यह समझाने में बहुत समय बिताया कि ऐसा न करें।’
मदर टेरेसा का नाम लेने के लिए, और उसने ठीक वैसा ही किया। वह युवा थी, इसलिए
आप उसे दोष नहीं दे सकते। लेकिन मुझे अच्छी तरह याद है—क्योंकि वीडियो था मुझे यह सब दिखाई दिया—कि वह बहुत तेज़ी से, इतनी ज़ोर-ज़ोर से साँस ले रही थी कि वह...

उसकी सांसें तेज़ चल रही थीं। ज़ाहिर है वह बहुत घबराई हुई थी। जब आप भावनात्मक रूप से उत्तेजित होने पर आप चीजों में जल्दबाजी करने लगते हैं और लगातार प्रयास करते रहते हैं।
बीच-बीच में छोटी-छोटी सांसें लेना।
उस रात, प्रियंका को मिस वर्ल्ड का ताज पहनाया गया और उन्हें 70,000 का पुरस्कार दिया गया।
पाउंड। उन्हें पिछले साल की विजेता युक्ता मुखी ने ताज पहनाया। बाद में, प्रियंका कहती थीं कि उन्होंने मदर टेरेसा का नाम इसलिए लिया क्योंकि 'वह वह मेरे लिए हमेशा जीवित रहेगा।
बरेली में प्रियंका के प्रशंसक बेहद खुश थे। एक बैनर को बाहर लगाया गया था।
शहर के स्टेशन रोड पर स्थित एक होटल में एक बोर्ड लगा था जिस पर लिखा था, 'मिमी (प्रियंका का उपनाम)'
घर), हमें आप पर गर्व है।’ एक अन्य होटल ने उन्हें दुनिया का सर्वश्रेष्ठ होटल देने का फैसला किया।
शहर को सूचीबद्ध करवाने के लिए, उसने अपनी वापसी पर सबसे लंबा ग्रीटिंग कार्ड भेजा।
गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स, कई लोगों के बीच एक जुनून है।
भारत.47
लेकिन भारत में कुछ प्रमुख आवाजों ने प्रियंका की जीत का विरोध किया। प्रतियोगिता में उनकी गलती को देखते हुए। उन्होंने तो यहाँ तक कह दिया था कि भारत के पास एक
दो अरब लोगों की आबादी। जाने-माने पत्रकार और दिल्ली के सदस्य।
उच्च समाज के सदस्य खुशवंत सिंह ने प्रियंका चोपड़ा का मजाक उड़ाते हुए उन्हें एक
‘बेवकूफ’ और ‘मूर्ख’—‘हम भारतीय किसी बेवकूफ को भेजते हैं और वो वापस लौट आती है’
इनाम मिलने पर हम ऐसे व्यवहार करते हैं जैसे हमने दुनिया जीत ली हो। यह वाला है
हद से ज़्यादा बेवकूफ़। उसे तो यह भी नहीं पता था कि मदर टेरेसा ज़िंदा हैं या नहीं।

मृत।’48 हिंदुस्तान टाइम्स के एक संपादकीय में भी इस बात का मज़ाक उड़ाया गया था।
18 वर्षीय प्रियंका ने कहा, 'शायद सुश्री चोपड़ा ने कॉन्वेंट स्कूल का रास्ता अपनाया था।'
पवित्र आत्मा के बारे में कुछ ज़्यादा ही गंभीरता से बात करना।’49 प्रियंका जीत कर वापस आई और उसे इस बात से जरा भी फर्क नहीं पड़ा कि वह 'उसने अपने जवाब में गड़बड़ कर दी,' सारन कहती हैं। 'और वह ऐश की तरह ही वापस आई, फिर भी...'
खुद। बहुत से लोग जब वापस आते हैं तो खुद वापस नहीं आते। प्रियंका विनम्र और मिलनसार थी।'
भारत लौटने पर, उस वर्ष की तीनों सौंदर्य प्रतियोगिता विजेताओं ने— प्रियंका, लारा और दीया ने तत्कालीन राष्ट्रपति से मिलने के लिए दिल्ली का दौरा किया।
भारत, के.आर. नारायणन। कुछ ही समय बाद, ताज होटल में एक भव्य पार्टी का आयोजन हुआ।
मुंबई में महल होटल।
उसके बाद सत्या सरन प्रियंका के साथ घर वापसी पार्टी में शामिल हुईं।
बरेली में। लेकिन उत्तर प्रदेश में तत्कालीन मुख्यमंत्री के साथ स्थिति थोड़ी तनावपूर्ण थी।
मंत्री राजनाथ सिंह ने सौंदर्य प्रतियोगिताओं को अश्लील बताते हुए उनकी निंदा की। उन्होंने कहा, 'इसमें कोई बुराई नहीं है।'
'मेरे शासनकाल में हमारे समाज में ऐसी अश्लीलता के लिए कोई जगह नहीं है,' सिंह ने कहा था।
प्रियंका के लंदन में ताज जीतने के कुछ दिनों बाद।50 और वह निश्चित रूप से मुझे इस बात से कोई खास खुशी नहीं हुई कि उत्तर प्रदेश की एक लड़की को यह सम्मान मिला है।
लेकिन चूंकि प्रियंका के पिता सेना में थे, इसलिए पार्टी का आयोजन किसी और जगह किया गया था।
बरेली के छावनी क्षेत्र में स्थित आर्मी ऑफिसर्स क्लब में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में,

प्रियंका ने हिंदी में भाषण दिया। इसके बाद कुछ लोगों ने उन्हें टोकना शुरू कर दिया।
जिन लोगों ने कहा कि गलत जवाब देने के बावजूद वह जीत गई।
'क्या तुम पैसे देती हो?' सरन को याद है कि कुछ लोग प्रियंका से यह सवाल पूछते थे। 'उसने सब संभाल लिया।'
वो अछा।'
पार्टी में बरेली के फोटोग्राफर राजीव सूरी भी मौजूद थे।
जिसने अपने स्टूडियो में प्रियंका की तस्वीरें ली थीं। 'यह दूसरी बार था जब'
'हम मिले,' सूरी कहते हैं। प्रियंका के करियर को आगे बढ़ाने में सूरी की अहम भूमिका रही थी।
अपने करियर को लेकर, और हालांकि वह कृतघ्न नहीं थी, वह पहले ही आगे बढ़ चुकी थी।
एक अलग ही दुनिया। उसके बाद उनकी मुलाकात नहीं हुई। 'वह बहुत ही पेशेवर थीं।'
लेकिन उसके बाद हमने बात नहीं की,’ उन्होंने आगे कहा।
मुंबई वापस आने वाली फ्लाइट में प्रियंका आकर सरन के बगल में बैठ गई और मैंने उससे पूछा कि उसे आगे क्या करना चाहिए। मैंने उससे कहा, 'तुम्हारे पास एक साल है।'
अब मिस वर्ल्ड के तौर पर, इसे खत्म करो,’ सारन याद करती हैं। ‘मैंने उनसे कहा कि वह बहुत ही शानदार हैं।
वह एक अच्छी गायिका हैं, इसलिए वह पेशेवर गायिका बन सकती हैं या राजनीति में भी शामिल हो सकती हैं।
मैंने उससे कहा, “हमें तुम्हारे जैसे प्रभावशाली युवाओं की ज़रूरत है।” और उसने
उन्होंने कहा, “हां, मैं इसके बारे में सोच रहा था।” फिल्म का कोई जिक्र नहीं था।
आजीविका।

जनवरी 2001 में, दुबई में रहने वाली एक 37 वर्षीय भारतीय महिला ने एक विचार प्रस्तुत किया।
सनसनीखेज आरोप। उसने दावा किया कि उसके साथ यौन दुर्व्यवहार किया गया था। प्रियंका के पिता, डॉ. अशोक चोपड़ा, जब वह 12 साल की थीं। एक लंबी बातचीत में
सैवी पत्रिका को दिए एक साक्षात्कार में, महिला - शिवानी सक्सेना - ने आरोप लगाया कि
दुर्व्यवहार की ये बार-बार होने वाली घटनाएं तब हुईं जब डॉ. चोपड़ा की तैनाती उत्तर प्रदेश के फिरोजपुर में थी, जहां वे उनके पिता के अधीन एक कनिष्ठ अधिकारी के रूप में कार्यरत थे।
सुरेश चंद्र सक्सेना। इस मामले में कई परेशान करने वाले और घिनौने विवरण सामने आए।
आरोप।
गल्फ न्यूज के अनुसार, सक्सेना ने कहा, 'वह अजीब तरह से व्यवहार करने लगा था।'
उसने अपने घर में घटी पहली ऐसी घटना का वर्णन किया जब वह
कथित तौर पर डॉ. चोपड़ा के साथ अकेले में। 'जब मैंने उनके गलत इरादों का विरोध करने की कोशिश की तो उन्होंने
उसने मेरा मुंह बंद कर दिया और मेरा यौन उत्पीड़न किया। उसने मुझे पीटा भी। यह बहुत ही भयानक था।
दर्दनाक और बेहद दुखद। उसने मुझे पूरी तरह से तोड़ दिया। बाहर निकलते समय मेरे कमरे में, उसने मुझे धमकी दी कि अगर मैंने अपने माता-पिता या दोस्तों को बताया तो वह मुझे मार डालेगा।’51 प्रियंका
उस समय चोपड़ा उतनी मशहूर हस्ती नहीं थीं जितनी आज हैं। गल्फ की रिपोर्ट में यही बात कही गई है।
खबरों में उन्हें मिस वर्ल्ड के रूप में पहचाना गया - उस समय उनकी प्रसिद्धि का एकमात्र कारण यही था।
सक्सेना ने आगे कहा कि वह उस समय छोटी थीं, इसलिए डॉ. चोपड़ा से डरती थीं।
और उसने उस सदमे को दबाने की कोशिश की, हालाँकि उसने इसे अपने साथ साझा भी किया।
शादी के समय उनके पति। फिर, जब उन्होंने डॉ. चोपड़ा को देखा

मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता के समय टेलीविजन पर, उसके सभी दमित
पुरानी यादें ताजा हो गईं। उसने कहा कि वह अपनी जिंदगी में आगे बढ़ चुकी थी, जब वह
मुझे एहसास हुआ कि उसका उत्पीड़क प्रियंका चोपड़ा का पिता था। 'उसे देखा गया था
मुस्कुराते हुए, एक पल में वो सब कुछ जो उसने मेरे साथ किया था, मेरे सामने कौंध गया।
मेरा मन।’ सक्सेना ने प्रेस को कई बयान दिए और एक समय उन्होंने कहा कि इससे संकेत मिलता है कि उसके इरादे नेक थे। 'यह सिर्फ एक व्यक्तिगत मामला नहीं है।'
‘अभी धर्मयुद्ध शुरू करो,’ द टेलीग्राफ (प्रकाशित) की एक रिपोर्ट में उनके हवाले से यह बात कही गई थी।
कोलकाता)। 'मैं दूसरी महिलाओं को यह दिखाना चाहती हूं कि कलंक पुरुषों के साथ ही जुड़ा होना चाहिए।'
हमलावर दोषी है, पीड़ित नहीं, और इसलिए सच बोलना जरूरी है।52
चोपड़ा परिवार को इस बात पर गहरा सदमा लगा और उन्होंने आरोपों का खंडन किया। प्रियंका
घर वापसी की पार्टी में मौजूद प्रेस ने उनसे इस आरोप के बारे में भी पूछा। बरेली में। सत्या सरन कहते हैं, 'उन्होंने इसे बहुत खूबसूरती से संभाला।' 'वह बहुत ही
वह अपने पिता से बहुत प्यार करती थी और उनके बहुत करीब थी।
सक्सेना के वकील ने डॉ. चोपड़ा के खिलाफ मुकदमा दायर किया, जिसके जवाब में डॉ. चोपड़ा ने भी मुकदमा दायर किया।
मामला अदालत में गया। एक समय सक्सेना ने संकेत दिया कि कुछ समझौता संभव हो सकता है।
समाधान निकाल लिए गए थे। बाद में, उन्होंने गल्फ न्यूज़ को बताया कि अब बहुत देर हो चुकी थी।
समझौता। ‘अब खबर मीडिया में आ चुकी है, मैं कुछ नहीं कर सकती,’ शिवानी ने कहा।
उन्होंने कहा। इस बीच, डॉ. चोपड़ा ने गल्फ न्यूज को बताया कि ये आरोप 'अजीबोगरीब' थे।

और यह पूरी तरह से मनगढ़ंत कहानी थी।53 कुछ लोगों का दावा था कि यह सक्सेना और उनकी
पति द्वारा डॉ. चोपड़ा से पैसे वसूलने का प्रयास।
इंटरनेट से पहले के दिनों में, सनसनीखेज गपशप को प्रिंट मीडिया में कुछ हद तक लोकप्रियता मिली थी।
प्रकाशनों में। लेकिन प्रियंका तब उतनी बड़ी स्टार नहीं थीं जितनी अब हैं, इसलिए जाहिर है कि यह
यह कोई बहुत बड़ी खबर नहीं है। उत्तर प्रदेश की अदालतों में, बरेली से लेकर इलाहाबाद तक, ये मुकदमे सालों तक चलते रहे। प्रियंका के पिता का जून में निधन हो गया।
2013 में कैंसर से लंबी लड़ाई के बाद उनका निधन हो गया।
फिर 2017 में, घटनाओं ने एक अजीब मोड़ ले लिया। वही शिवानी
सक्सेना और उनके पति राजीव एक बार फिर खबरों में छा गए। सक्सेना को गिरफ्तार कर लिया गया।
भारतीय प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) रिश्वतखोरी के मामले में अगस्टावेस्टलैंड वीवीआईपी हेलीकॉप्टर घोटाले में वितरण का मामला। गिरफ्तारी हुई।
चेन्नई में वह स्थान जहाँ सक्सेना और उनकी नेतृत्व वाली दो कंपनियाँ स्थित थीं।
दुबई पर आरोप लगाए गए और भारत के प्रदूषण निवारण अधिनियम के तहत मुकदमा दायर किया गया।
मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए)। शायद सक्सेना को उसके कर्मों का फल भुगतना पड़ा।
उसे परेशान करो।

पिछले कुछ वर्षों में, प्रियंका चोपड़ा का रास्ता कई बार इन हस्तियों के साथ टकराया।
प्रदीप गुहा, सत्या सरन और सबीरा मर्चेंट। गुहा ने उनसे मुलाकात भी की।

क्वांटिको की शूटिंग के दौरान न्यूयॉर्क के अपार्टमेंट में एक तस्वीर पोस्ट की।
फेसबुक।
गुहा कहती हैं, 'उनका व्यक्तित्व बहुत ही मनमोहक है। अगर वह किसी से मिलती हैं, तो...'
वह उस व्यक्ति को बहुत खास महसूस कराती है और यह एक रिश्ते में बहुत महत्वपूर्ण है।
फिल्म व्यवसाय की तरह लोगों का उद्योग।’ और मर्चेंट आगे कहते हैं, ‘एक बात जो
प्रियंका के पूरे करियर में जो बात सबसे ज्यादा उभरकर सामने आई है, वह है उनका पूर्ण आत्मविश्वास।
वह बेहद आत्मविश्वासी और आत्मनिर्भर इंसान हैं। और वह बहुत मेहनती भी हैं।
कार्यरत।'
2010 में, मर्चेंट मुंबई जाने वाली फ्लाइट में थे। प्रियंका भी उसी फ्लाइट में थीं।
वह फ्लाइट में थी और मर्चेंट को शुभकामनाएं देने के लिए उसके पास गई। वह पास आई और बोली, "ओह
“मैडम, आपको देखकर मुझे बहुत खुशी हुई”, मर्चेंट याद करते हुए बताते हैं। “और मैंने कहा, ‘हाय’”
"डार्लिंग, सब ठीक है?" उसने कहा, "हाँ, हाँ, हाँ।" और फिर उसने पूछा,
“आप यहाँ (इकोनॉमी क्लास में) क्यों बैठे हैं?” तो मैंने कहा, “यह तो बेवकूफी है।”
सवाल यह है कि मैं यहां क्यों बैठा हूँ? क्योंकि मेरे टिकट पर यही लिखा है। ‘तो प्रियंका गलियारे के बीच में खड़ी हो गईं और हिंदी में बोलीं, “Dekhiye sub log, yeh meri ma’am hain. Meri ma’am ne mujhe sub cheez sikhayin hai. Jaise main bolti hoon, jaise main chalti hoon, sub ma’am ne sikhaya hai. Ab ma’am yahan baithi hain aur main aage baithi hoon? Aise ho (सब लोग, ये मेरी मैडम हैं। मेरी मैडम ने मुझे सिखाया है)
सब कुछ। मेरे बोलने का तरीका, मेरे चलने का तरीका, सब कुछ मुझे मैडम ने सिखाया है।

अब मैडम यहाँ बैठी हैं और मैं आगे बैठा हूँ। ये कैसे संभव है?
Then she asked, “Main ma’am ko le jaa sakti hoon, mere saath? Aap sub log अगर आप मैडम को अपने साथ ले जाना चाहते हैं तो मैं कप्तान से पूछकर उन्हें ले जाऊंगा (क्या मैं मैडम को अपने साथ ले जा सकता हूँ? अगर आप सब हाँ कहते हैं, तो मैं कप्तान से पूछने के बाद उन्हें ले जाऊँगा)।
तो वे सब खड़े हो गए और ताली बजाने लगे, “मैम को ले जाओ, मैडम को ले जाओ (आप आप मैडम को अपने साथ ले जा सकते हैं, आप मैडम को अपने साथ ले जा सकते हैं। कप्तान आया और उसने मर्चेंट से एयरलाइन का अतिथि बनने का अनुरोध किया। 'और मैं
उन्हें तुरंत बिजनेस क्लास सेक्शन में ले जाया गया। बाद में उन्होंने कहा, "मैडम, मैं हूँ।"
मैं बहुत थक गई हूँ, बहुत देर से शूटिंग कर रही हूँ। क्या मैं थोड़ी देर आपके कंधे पर आराम कर सकती हूँ?
"कंधे पर?" इसलिए पूरी उड़ान के दौरान, वह मेरे कंधे पर सिर रखकर सोती रही।

3

[illegible] [illegible] [illegible], [illegible]

[illegible]

सौजन्य: श्री कृष्णा इंटरनेशनल। फरवरी 2002 में, करण जौहर मुंबई से कोलकाता के लिए उड़ान भर रहे थे। वे ग्रासिम मिस्टर इंडिया प्रतियोगिता में जज बनने के लिए वहाँ जा रहे थे। मिस इंडिया प्रतियोगिता का पुरुष संस्करण, जो अब टाइम्स ऑफ द टाइम्स का भी हिस्सा है।
भारत समूह। करण के अलावा, इस कार्यक्रम में कई अन्य हस्तियां भी मौजूद थीं।
judges, including Sunil Gavaskar, Abhishek Bachchan, Raveena Tandon, तरूण तहिलानी और मिस वर्ल्ड प्रियंका चोपड़ा।
दरअसल, प्रियंका उसी फ्लाइट में करण के साथ थीं और ठीक उनके पीछे बैठी थीं। ये थे करण जौहर, बॉलीवुड के अंदरूनी सूत्र, एक दिग्गज निर्माता के बेटे। और दो बेहद सफल बहु-सितारा बॉलीवुड फिल्मों के निर्देशक—कुछ
Kuch Hota Hai and Kabhi Khushi Kabhie Gham… (2001). And then there
ये थीं प्रियंका चोपड़ा, बरेली की 19 वर्षीय युवती, जो अचानक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नाम कमाना। वह निश्चित रूप से जानती थी कि करण कौन था, लेकिन
वह उस माहौल में असहज लग रही थी। छोटे शहर में पले-बढ़े होने का असर ज़रूर दिख रहा होगा।
इससे उसे एहसास हुआ कि वह अभी भी करण के स्तर की नहीं है।
‘मैंने उसे देखा और मुझे अजीब लगा,’ करण कहते हैं। ‘वह बहुत ही
शांत स्वभाव की। या तो वह शर्मीली और अंतर्मुखी थी या फिर अहंकारी। यही दो कारण हो सकते हैं।
ऐसी चीजें जिनके बारे में आप सोच सकते हैं क्योंकि आप उनसे बहुत अच्छी तरह से अभ्यस्त हैं।
यह मानना कि लोग जीवन में अपनी स्थिति के कारण अहंकारी हो सकते हैं,
जो कि एक मूर्खतापूर्ण, समय से पहले लिया गया निर्णय है। अक्सर लोग
असहज और अधिक संकोची।
अच्छी बात है कि करण ने प्रियंका को इसका लाभ देने की उदारता दिखाई।
उसे संदेह था। लेकिन साथ ही, वह उत्सुक और जिज्ञासु भी था। उन्होंने आगे कहा, 'वह मेरे पीछे वाली पंक्ति में बैठी थी और मैं उसे लगातार देखता रहा।'

दरअसल, जब भी मैं उठकर किसी से बात करने जाती, वह वहीं होती।
बिल्कुल शांत, न तो किताब पढ़ रहा था, न खाना खा रहा था, बस चुपचाप नीचे देख रहा था।
प्रियंका ने उस उड़ान भरने के दिन से लेकर अब तक बहुत लंबा सफर तय किया है।
अंततः सातों समुद्रों को पार करते हुए, अद्वितीय ढंग से अमेरिका तक पहुँचना।
अभिनेता पहले भी ऐसा कर चुका है। उस बदलाव की प्रक्रिया में थोड़ा समय लगेगा, लेकिन पहले
कुछ कर्तव्य निभाने थे। साक्षरता अभियान भी चलाए जा रहे थे।
भारतीय उद्योग परिसंघ, उत्तर प्रदेश में थैलेसीमिया से पीड़ित बच्चों के लिए समर्थन
बरेली में वयस्क शिक्षा जागरूकता कार्यक्रम और स्वयंसेवा कार्यक्रम, प्रदेश
पोलियो उन्मूलन कार्यक्रम के लिए काम किया। और फिर, 2002 की गर्मियों में, प्रियंका को पर्यटन और बाल कल्याण परियोजनाओं को बढ़ावा देने के लिए लीबिया आमंत्रित किया गया था।
हालांकि, प्रियंका इस दौरे को लेकर थोड़ी घबराई हुई लग रही थीं।
‘आजकल अरब देशों के बारे में इतनी बुरी बातें सुनने को मिलती हैं,’ प्रियंका ने कहा।
54 ने Rediff.com को बताया।
यह स्पष्ट नहीं है कि वह किन 'बुरी चीजों' का जिक्र कर रही थी, लेकिन चूंकि उसने यह बयान 20 साल की उम्र में दिया था, इसलिए उसे माफ किया जा सकता है।
ये शब्द एक भोली-भाली युवती के थे, जिसे अचानक इस स्थिति में धकेल दिया गया था।
वह सुर्खियों में रहती थी और हर चीज पर अपनी राय रखने की उम्मीद करती थी।
पंद्रह
कई वर्षों बाद, क्वांटिको के स्टार और यूनिसेफ के सद्भावना राजदूत, प्रियंका सीरियाई शरणार्थी बच्चों और युवाओं से मिलने के लिए जॉर्डन गईं।
उन्हें उनकी परिपक्वता, स्नेह और करुणा के लिए बहुत सराहना मिली।
उसने अपनी यात्रा को अच्छे से संभाला। अब वह कभी नहीं कहेगी कि उसने 'बुरी बातें' सुनी हैं।

अरब देशों के बारे में।
उन्होंने एक साक्षात्कार में कहा, 'लेकिन मुझे खुशी है कि मैं (लीबिया गई) थी,' और आगे कहा, '
भूमध्यसागरीय क्षेत्र एक बेहद खूबसूरत जगह है—वहाँ के अनोखे एक मंजिला घर;
समुद्र एकदम साफ था, हालांकि सहारा की जलवायु काफी शुष्क और धूप वाली थी। 55
और उनकी मुलाकात लीबिया के तानाशाह कर्नल मुअम्मर गद्दाफी से हुई। 'वह थे उन्होंने उस आकर्षक अरब नेता के बारे में कहा, 'बहुत सौहार्दपूर्ण,' जो अपने स्वभाव के लिए जाने जाते थे।
उतना ही आकर्षक और फिर भी बेहद क्रूर और सत्ता का भूखा। 'मुझे ले जाया गया था
उनके पूर्व निवास के अवशेष देखें, जिस पर अमेरिकियों ने बमबारी की थी। कुछ साल पहले। उस बमबारी में कर्नल ने अपनी बेटी को खो दिया था, इसलिए यह एक दुखद घटना थी।
भावुक क्षण।

प्रियंका ने मिस के रूप में अपनी जिम्मेदारियों को निभाते हुए ही अभिनय करना शुरू किया।
विश्व। उनके अभिनय करियर की शुरुआत धीमी और काफी साधारण तरीके से हुई। सौंदर्य प्रतियोगिता के दिनों में प्रियंका के मार्गदर्शकों में से एक सत्या सरन ने कहा था कि
उन्हें राजनीति में शामिल होने या गायिका बनने की सलाह दी गई, लेकिन हाल ही में ताज पहनने वाली मिस ने
विश्व ने स्पष्ट और, कुछ लोग कह सकते हैं, सबसे सुरक्षित मार्ग चुना— कार्रवाई करना
फ़िल्मों में अभिनय करना एक अनिश्चित पेशा हो सकता है, लेकिन इसे सबसे सुरक्षित पेशा भी कहा जा सकता है।

क्योंकि यह एक ऐसा मार्ग है जिस पर कई युवा महिलाएं, विशेषकर विजेताएँ, चल चुकी हैं।
सौंदर्य प्रतियोगिताएं।
प्रियंका इसे इस तरह पेश करती हैं जैसे फिल्मों में उनका प्रवेश, ठीक वैसे ही जैसे उनकी जीत थी।
मिस इंडिया और मिस वर्ल्ड प्रतियोगिताएं पूरी तरह से संयोग पर आधारित थीं और
अचानक। 'सच कहूं तो, फिल्में मेरे लिए संयोगवश ही हुईं,' उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री को बताया।
पत्रकार राजीव मसंद ने कहा, 'मुझे पुरस्कार जीतने से पहले ही फिल्मों के ऑफर मिलने शुरू हो गए थे।'
मिस वर्ल्ड का खिताब। मिस इंडिया का खिताब जीतने के तुरंत बाद, मैंने हमराज़ (ए की रीमेक) साइन की।
परफेक्ट मर्डर, जो स्वयं अल्फ्रेड हिचकॉक की डायल एम का रूपांतरण थी। 'मर्डर 57' के लिए, जो (माना जाता था) मेरी पहली फिल्म थी।'
उसी इंटरव्यू में प्रियंका ने इस बात पर कुछ रोशनी डाली कि उन्हें ऐसा क्यों लगा
सौंदर्य प्रतियोगिताओं के विजेता अंततः फिल्मों में अभिनय करने लगे। 'मैंने जो कुछ भी देखा है, उससे यही लगता है।
विश्लेषण करने पर, हर कोई फिल्मों की ओर इसलिए मुड़ता है क्योंकि एक बार जब आप किसी ऐसे मंच पर पहुँच जाते हैं जहाँ आप लोकप्रिय होते हैं और आपने शोबिज़ का स्वाद चख लिया होता है, तो शायद
आप इसे बरकरार रखना चाहते हैं। आप इसे अपने पास रखना चाहते हैं, और इस क्षेत्र में कोई दूसरा व्यवसाय नहीं है।
भारत में आपको वैसी लोकप्रियता मिल सकती है जैसी किसी सौंदर्य प्रतियोगिता से मिलती है।
आप... शायद आप सिर्फ उन सौंदर्य प्रतियोगिता विजेताओं को जानते होंगे जो यहाँ आती हैं
शो बिजनेस…आप उन लोगों के बारे में नहीं जानते जो डॉक्टर बन जाते हैं। उन्होंने कहा, 'लोग ब्यूटी टाइटल जीतने के बाद वकील बन जाते हैं और कई अन्य पेशे भी अपना लेते हैं।'

कहा.58
प्रियंका ने तीन महीने का कोर्स किया—जिसमें उन्होंने अभिनय की शिक्षा ली।
किशोर नामित कपूर एक्टिंग (लैब) इंस्टीट्यूट, जो कि अपने आप में एक गौरव की बात है,
उन्होंने ऋतिक रोशन, करीना कपूर सहित कई अन्य अभिनेताओं को भी प्रशिक्षित किया।
सैफ अली खान और विवेक ओबेरॉय। संस्थान की वेबसाइट पर निम्नलिखित जानकारी उपलब्ध है।
नारे: ‘हम अनगढ़ हीरों को तराशते हैं। हम उनके रहस्यों को भी उजागर करते हैं।’ ‘आपका
'सपना—हमारा लक्ष्य, आपकी सफलता—हमारा सपना।' एक साक्षात्कार में उन्होंने कहा।
कृष 3 की रिलीज के समय बॉम्बे टाइम्स ने लिखा था, जिसमें तीन मुख्य कलाकार थे।
संस्थान से स्नातक होने वाले ऋतिक कपूर से पूछा गया कि क्या उन्हें लगता है कि ऋतिक
रोशन, विवेक ओबेरॉय और प्रियंका का सितारा बनना तय था।
कपूर ने जवाब दिया, 'हमेशा से यही मानते आए हैं कि प्रतिभा की भी एक सीमा होती है।'59 'इसके बाद
एक बात यह है कि सफलता प्राप्त करने के लिए आपको अपने काम के प्रति जुनून होना चाहिए।
उद्योग जगत। मुझे कक्षा में उनकी लगन याद है। वे महज़ छात्र नहीं थे— वे इस कला के शिष्य थे।
प्रियंका की रिकॉर्ड के अनुसार पहली फिल्म तमिल भाषा में थी, जो उनके लिए एक नई बात थी।
अभिनेता अक्सर तमिल या तेलुगु फिल्मों में काम करके अभिनय का अनुभव प्राप्त करते हैं।
फिल्मों में। ऐश्वर्या राय को भी पहली सफलता एक तमिल फिल्म - इरुवर (1997) से मिली थी।

एम.जी. रामचंद्रन और उनके बीच प्रतिद्वंद्विता पर आधारित एक समीक्षकों द्वारा प्रशंसित कृति।
एम. करुणानिधि। लेकिन इरुवर का निर्देशन मणिरत्नम ने किया था। प्रियंका की पहली फिल्म।
फिल्म थमिझन, जो जनवरी 2002 की शुरुआत में रिलीज हुई थी - उनके निधन के ठीक एक साल बाद -
उन्हें मिस वर्ल्ड का ताज पहनाया गया।
के.सी. बोकाडिया की फिल्म 'एक' समेत कई अन्य फिल्मों की भी चर्चा हुई। हसीना एक दीवाना, कुकू कोहली की असर: द इम्पैक्ट, सतीश कौशिक की
Hum Bhi Khush Tum Bhi Khush, Guddu Dhanoa’s Gandhi and Sanjay Gupta’s Musafir Hoon Yaaron and Aatma. Eventually, none of these projects साकार हुआ। और अब्बास-मुस्तन की फिल्म हमराज़ (2002) भी थी, जहाँ
उन्हें अक्षय कुमार और बॉबी देओल के साथ काम करना था।
खबरों के मुताबिक, प्रियंका ने शादी से पहले ही अब्बास-मुस्तन के साथ बातचीत शुरू कर दी थी।
मिस वर्ल्ड बनने का उनका इरादा था। लेकिन अंततः यह भूमिका अमीषा पटेल को मिली।
‘प्रियंका के साथ हमारा आपसी समझौता था कि अगर वह ताज पहनती हैं, तो वह अब्बास के हवाले से कहा गया है, 'वह पहले अपने सभी सामाजिक कार्य और प्रचार अभियान पूरे करेंगी और फिर तुरंत हमराज़ के लिए काम शुरू करेंगी।' Rediff.com 60. 'हम उसे लॉन्च करना चाहते थे। लेकिन उसने कुछ अन्य फिल्मों के लिए साइन कर लिया।'
इसके बजाय। इसलिए हमने इसे अमीशा को देने की पेशकश की... अब पीछे मुड़कर देखें तो अच्छा हुआ कि हमने ऐसा नहीं किया।
प्रियंका चोपड़ा भी हैं। अगर आप फिल्म देखेंगे तो आपको पता चलेगा कि अमीशा के पास एक
बहुत ही मासूमियत भरा चेहरा जो उनके चरित्र के लिए बेहद जरूरी है। प्रियंका ऐसा नहीं करतीं।
वह बहुत मासूम दिखती थी,’ उन्होंने आगे कहा। विडंबना यह है कि आज अमीषा पटेल

बॉलीवुड में कहीं भी नहीं। कहो की बॉक्स ऑफिस सफलता के बाद उनकी लोकप्रियता में उछाल आया।
Naa…Pyaar Hai (2000) and Gadar: Ek Prem Katha (2001). But after a series असफलताओं के बावजूद, वह कभी उबर नहीं पाईं। हालांकि, प्रियंका का प्रदर्शन लगातार अच्छा रहा है।
उनके करियर में हिट और कुछ बड़ी फ्लॉप फिल्मों का रिकॉर्ड है, और अब तो वह और भी आगे बढ़ चुकी हैं।
अमेरिका में हलचल मचा रहा है।

ए. मजीद द्वारा निर्देशित फिल्म 'थमिज़न' को मुख्य अभिनेता के लिए सबसे ज्यादा याद किया जाता है।
जोसेफ विजय चंद्रशेखर। द हिंदू में प्रकाशित एक समीक्षा में मुख्य रूप से इनके बारे में बात की गई थी।
थमिझन में विजय का किरदार और यह उनके पिछले किरदारों से किस प्रकार अलग था फिल्में. लेकिन द हिंदू के आलोचक मलाथी रंगराजन ने भी प्रियंका का जिक्र किया
फिल्म में उनकी भूमिका नगण्य थी। 'प्यार का फिल्म में बहुत कम स्थान है।' थमिझन और इसलिए नवोदित अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा के पास करने के लिए बहुत कम काम है।
रंगराजन ने लिखा, 61 ‘लेकिन विश्व सौंदर्य के बारे में कुछ किया जा सकता था।
कुछ गानों के दृश्यों में वह जो अजीबोगरीब विग पहनती है।
मेरा अनुमान है कि प्रियंका अपनी विग के बारे में कुछ खास नहीं कर सकती थीं, क्योंकि
वह बहुत छोटी थी और फिल्म उद्योग के बारे में ज्यादा नहीं जानती थी। लेकिन एक
दिसंबर 2001 में दिए गए एक साक्षात्कार में, 19 वर्षीय प्रियंका चोपड़ा कुछ हद तक सहज और सहज लग रही थीं।

तमिल फिल्मों में अभिनय के अपने अनुभव को लेकर वह बेहद उत्साहित हैं।
उन्होंने बताया कि कैसे उन्होंने यह अनुभव हासिल किया।
फिल्म के निर्माता जी की प्रतिष्ठा के कारण यह परियोजना रद्द कर दी गई।
वेंकटेश्वरन और मुख्य अभिनेता विजय, जो बहुत मददगार और मिलनसार थे।
‘जिस क्षण मुझे पता चला कि मैं एक तमिल फिल्म करने जा रही हूँ, मैंने तमिल फिल्में देखना शुरू कर दिया।’
फ़िल्में,’ उसने कहा।62 इसमें कुछ बेहद भोलापन और ताजगी थी।
एक युवा लड़की जिसने एक ऐसी भाषा में भूमिका निभाई जिसे वह बिल्कुल नहीं जानती थी।
मैंने तमिल फिल्मों के बारे में अधिक जानने के लिए तमिल चैनल देखना भी शुरू कर दिया।
खासकर विजय के बारे में। मैंने उनकी कुछ फिल्में भी देखी हैं। मुझे तमिल फिल्में पसंद हैं।
मैं आंखें खुली रखकर तमिल लहजे को समझने की कोशिश कर रहा हूँ। तमिल भाषा सुंदर तो है, लेकिन बहुत कठिन भी। इसे सीखने में काफी समय लगेगा।
थमिझन के बाद उन्होंने अनिल शर्मा की फिल्म द हीरो में एक छोटी भूमिका निभाई।
लव स्टोरी ऑफ अ स्पाई (2003) में सनी देओल को एक भारतीय सुपरहीरो के रूप में प्रस्तुत किया गया है।
एक जासूस, जो भेस बदलने और हथियारों का माहिर है, जो गाने गाकर दो महिलाओं (प्रीति ज़िंटा और प्रियंका चोपड़ा) का दिल जीत लेता है, और यहाँ तक कि उन्हें पीट भी देता है।
एक विशालकाय कनाडाई व्यक्ति परमाणु प्रयोगशाला में।
इसी बीच एक अन्य दृश्य में, कबीर बेदी की बेटी का किरदार निभाने वाली प्रियंका,
वह हर वाक्य के बीच में हल्की सी हंसी हंसती है जब वह भावुक शब्द बोलती है। देओल से संवाद जैसे: 'वाहिद, तुम्हें पता है, जब से मैं तुमसे मिला हूँ (छोटा
(हंसते हुए), मुझे बस समझ नहीं आ रहा कि मेरे साथ क्या हो रहा है। हर पल ऐसा लगता है कि

tum mere pass ho, mere saath ho (more laughter). Kabhi hasne ko man karta
hai, to kabhi chumne ko (laughter again). Kabhi to aisa lagta hai ki tumhein dektee rahoon. (Another brief laugher) Ekdum diwangee si chha gayee hai मुझ पर (हर पल ऐसा लगता है कि तुम मेरे करीब हो, मेरे साथ हो।)
कभी-कभी मुझे हंसने का मन करता है, और कभी-कभी मुझे चुंबन करने का मन करता है।
मुझे लगता है कि मुझे बस तुम्हें देखते रहना चाहिए। पूरी तरह से पागलपन छा गया है।
(मुझ पर कब्ज़ा)। खैर, प्रियंका को इसी तरह की भूमिकाएँ निभाने को मिलीं।
शुरुआत में जो कुछ किया जा रहा था, वह शक्तिशाली लोगों के बिल्कुल विपरीत था।
बाद में उनके द्वारा निभाए गए किरदार, जैसे बर्फी! में झिलमिल या बाजीराव में काशीबाई।
मस्तानी और कई अन्य।
प्रियंका ने बाद में स्वीकार किया कि देओल जैसे बड़े सितारों के साथ अभिनय करना एक चुनौती थी।
यह एक चुनौतीपूर्ण अनुभव था। 'मेरी पहली फिल्म, शूटिंग का मेरा पहला दिन सनी के साथ था।'
देओल और मैं उससे बहुत डरते थे। मैं उससे भयभीत थी।
यह फिल्म अमेरिका में कुछ ही बाजारों में प्रदर्शित हुई। वैरायटी के समीक्षक डेरेक
एली प्रियंका की खूबसूरती से मंत्रमुग्ध लग रही थीं और उन्हें 'बेहद खूबसूरत' बता रही थीं।
नवागंतुक’। बाद में, समीक्षा में, एली ने जोड़ा, ‘बेहद खूबसूरत चोपड़ा (मिस) वर्ल्ड 2000) ने एक आधुनिक शहरी युवती के रूप में एक दमदार स्क्रीन डेब्यू किया।’64 लेकिन
उनकी छोटी भूमिका का जिक्र करते हुए Rediff.com ने कहा, 'हमें अंदाज़ के लिए इंतजार करना होगा।'
यह पता लगाने के लिए कि क्या वह अभिनय कर सकती है।
अपनी नई फिल्म अंदाज़ (2003) के लिए, निर्माता और निर्देशक सुनील दर्शन

अक्षय के साथ अभिनय करने के लिए दो अभिनेत्रियों की आवश्यकता थी—दोनों की भूमिकाएँ बराबर थीं।
कुमार। इस फिल्म का निर्देशन राज कंवर करने वाले थे, और सुनील इसमें मुख्य भूमिका में थे।
निर्माता। सुनील ने पहले अग्रणी निर्माता के साथ जाने का सुरक्षित विकल्प सोचा था।
उस दौर की अभिनेत्रियाँ - करिश्मा कपूर और रानी मुखर्जी। लेकिन उन्होंने यह भी किया।
वह कुछ अपरंपरागत करना चाहता था। उसने हाल ही में ताज जीतने वाली मिस को बुलाया था।
उनके मन में ब्रह्मांडीय छवि लारा दत्ता की थी।
इसी बीच, प्रियंका चोपड़ा के तत्कालीन सचिव प्रकाश जाजू भी इसी स्थिति में थे।
मैं इस बात पर अड़ा हुआ था कि सुनील को नई मिस वर्ल्ड को भी मौका देना चाहिए।
सुनील याद करते हुए बताते हैं, 'उसने कहा, ठीक है, ठीक है। वह मेरे ऑफिस में आई, मुझे याद है कि वह...'
गहरे रंग का हो। हमारी पारंपरिक नायिकाएँ जैसे करीना कपूर
उनकी त्वचा गोरी थी। उनमें पारंपरिक सुंदरता नहीं थी, फिर भी उन्होंने एक सौंदर्य प्रतियोगिता जीत ली थी। तो ज़रूर कुछ तो खास बात थी।
उसकी।'
सुनील ने प्रियंका को बैठने के लिए कहा और फिर उसने प्रियंका की 'अद्भुत' छवि पर ध्यान दिया।
आंखें और एक शानदार आवाज।’ वह आगे कहते हैं, ‘मैंने प्रियंका से कहा कि अगर तुम सुनोगी और तुम
इस फिल्म में अच्छा प्रदर्शन करके आप एक तरह से श्रीदेवी बन सकती हैं।’ प्रियंका ने यह भी कहा।
सुनील को उस अभिनेत्री की याद आ गई जिसे उन्होंने 'बीते युग की' बताया। उन्होंने कहा कि वह अभिनेत्री रेखा थीं। ‘मैंने रेखा को बढ़ते और विकसित होते देखा है।

वह सांवली त्वचा वाली लड़की थी, जो उस समय की अन्य लड़कियों की तुलना में अपरंपरागत थी।
उस समय हेमा मालिनी जैसी कई खूबसूरत अभिनेत्रियां भी थीं। लेकिन रेखा ने भी सफलता हासिल की।
उसकी दमदार, मोहक आवाज, उसकी खूबसूरत आंखें और उसका आकर्षक शारीरिक हावभाव।
Suneel’s brother, Dharmesh Darshan—director of the hit film Raja Hindustani (1996)—also recalls suggesting Priyanka’s name. Dharmesh has मैंने टेलीविजन पर तमिल फिल्म 'थमिज़न' से प्रियंका का गाना देखा।
और उन्होंने उसमें एक स्टार बनने की क्षमता देखी। 'वह कोई बड़ा नाम नहीं थी, लेकिन मुझे वह पसंद आई।'
'वो गाना। उसमें एक अलग ही ऊर्जा थी,' धर्मेश कहते हैं।
सुनील को यह बात भी अच्छी लगी कि प्रियंका के साथ उनकी मां भी थीं।
पहली मुलाकात में और बाद में शूटिंग के दौरान। 'उस समय मुझे एहसास हुआ कि यहाँ
सुनील कहते हैं, 'वह एक बुद्धिमान लड़की थी जिसकी माँ भी बुद्धिमान थी।' 'पिता
वह एक नेक इंसान थे। हमारा परिवार बहुत अच्छा था।
लारा दत्ता और प्रियंका चोपड़ा को लेना एक शानदार कास्टिंग उपलब्धि थी। सुनील दर्शन के लिए कई तरह की भूमिकाएँ निभाईं। लारा को उच्चतर बिलिंग मिली, क्रेडिट में उनका नाम इस प्रकार दर्ज किया गया।
लारा दत्ता, मिस यूनिवर्स 2000। प्रियंका को तीसरा कार्ड मिला—जिसे इस प्रकार पेश किया गया:
प्रियंका चोपड़ा, मिस वर्ल्ड 2000। प्रियंका केवल दूसरे सीज़न में ही नज़र आईं।
फिल्म का आधा हिस्सा और भले ही सुनील का सुझाव है कि दोनों भाग थे
फिल्म देखते समय यह स्पष्ट हो जाता है कि लारा मुख्य अभिनेत्री हैं। Rediff.com पर एक समीक्षा में इन दोनों अभिनेत्रियों के बारे में यह कहा गया: 'लारा दत्ता इसके लायक थीं।'
अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए इससे बेहतर शुरुआत... प्रियंका चोपड़ा ही सबका दिल जीत लेती हैं।

दर्शकों को, उनके छोटे कपड़ों की बदौलत।
प्रियंका के अभिनय कौशल पर उनके करियर के शुरुआती दौर में सवाल उठाए गए थे, लेकिन एक
नई कलाकार होने के बावजूद, वह अपने दृश्यों में काफी आत्मविश्वास से भरी हुई थीं। लेकिन प्रियंका की
प्रदर्शन—कभी-कभी अटपटा—बेहद हास्यास्पद और शर्मनाक हरकतों से बाधित हुआ।
उन्हें कुछ ऐसे सार्थक संवादों पर काम करना पड़ा, जैसे: 'हम तो एक कतरा है मॉम'
ka, hamein khud main shamil kar lo, aag bana do,’ she says to Akshay Kumar. ‘Apnee sanson ki garmee say hamare jism ko bhar do. Hamein rooh tak jala do. Is kadar barso aaj, hamaree barson ki payas bhujha do (I am a मोम का छोटा सा टुकड़ा, मुझे अपना हिस्सा बना लो, मुझे आग में बदल दो। आओ, मुझे भर दो।
अपनी सांसों की गर्माहट से मेरे शरीर को भर दो। आओ, मेरी आत्मा को जला दो। और मुझ पर इतनी वर्षा करो कि मेरी लंबे समय से चली आ रही प्यास बुझ जाए। इस संवाद के बाद, वह और भ्रमित दिख रहे अक्षय (जो भी हो सकते थे)
उसकी कामुक निगाहें (चुंबन), जैसे हम गरज और बिजली देखते हैं। और
then, in her red silk dress, she dances to Aayega maza ab barsat ka/Teri meri

dilkash mulaquat ka in Alka Yagnik’s voice.
लेकिन शायद फिल्म का सबसे अजीब दृश्य 'रब्बा इश्क ना' गाना है।
होवे' में अक्षय ने लाल रंग का छोटा कुर्ता, सफेद पैंट पहनी हुई है और दोनों अभिनेत्रियां चमड़े के परिधान पहने हुए हैं, जिनमें उनकी त्वचा का काफी हिस्सा दिखाई दे रहा है।
शायद त्वचा का वह प्रदर्शन और कामुकता का आकर्षण ही उन दोनों के बीच आकर्षण का कारण बना।
ब्यूटी क्वीन्स ने फिल्मफेयर पत्रिका का ध्यान आकर्षित किया। पत्रिका की जूरी ने
इस वार्षिक समारोह में लारा और प्रियंका दोनों को सर्वश्रेष्ठ महिला डेब्यू पुरस्कार से नवाजा गया।

यह समारोह 2004 में आयोजित किया गया था।
यह हिंदी फिल्मों की वह दुनिया है जिसमें प्रियंका चोपड़ा ने कदम रखा।
अपने करियर की शुरुआत में—कथाओं में अतिरंजित और अवास्तविक संवादों का प्रयोग करना
जहां महिला पात्र अक्सर बहुत अधिक नग्नता दिखाती थीं और केवल यौन आकर्षण का केंद्र थीं।
वे प्रतीक हैं, जो अपने पुरुष समकक्षों के प्यार और स्नेह के लिए बेताब हैं।
कुछ साल बाद, प्रियंका ने सार्वजनिक रूप से कहा कि वह ऐसा करेंगी।
वह केवल ऐसी फिल्मों में काम करे जो उसकी अभिनय क्षमताओं पर अधिक और शारीरिक बनावट पर कम ध्यान केंद्रित करती हों।
उसकी कामुकता। लेकिन शुरुआती दिनों में, उसमें सौदेबाजी की वह शक्ति नहीं थी, क्योंकि वह
वह बॉलीवुड में अपनी किस्मत आजमा रही थीं और उनकी फिल्में अभी बॉक्स ऑफिस पर सफल नहीं हुई थीं।
कार्यालय में मिली सफलताएँ।
Karan Johar saw Andaaz because Suneel Darshan had invited him for a स्क्रीनिंग। 'मुझे याद है कि मैंने सोचा था कि इस लड़की (प्रियंका) को अपने प्रदर्शन में सुधार करना चाहिए।'
'कम से कम नाच तो सकती थी—थोड़ी कमजोर थी', करण कहते हैं।
‘फिर मैंने सुना कि वीरू कृष्णन—शास्त्रीय नृत्य के कोरियोग्राफर जो उन्होंने फिल्मों में भी कुछ भूमिकाएँ निभाई थीं, और इन दो लड़कियों को कथक सिखा रही थीं।
कैटरीना (कैफ) और प्रियंका। जाहिर तौर पर, इसी से सबसे बड़ा फर्क पड़ा। क्योंकि अगली बार जब मैंने प्रियंका को स्क्रीन पर नाचते देखा तो मैंने सोचा, 'अरे!'
isko kya ho gaya (Wow, what has happened to her)?’
धर्मेश दर्शन को याद है कि उन्हें प्रियंका की मां डॉ. का फोन आया था। मधु चोपड़ा। वह प्रियंका के लिए एक डांस इंस्ट्रक्टर की तलाश कर रही थीं। वेरु
Krishnan had played a supporting role in Dharmesh’s Raja Hindustani

(1996)। और इस तरह धर्मेश ने ही प्रियंका और लारा की सिफारिश की थी। दत्ता और कैटरीना कैफ से लेकर वीरू कृष्णन तक। 'वे तीनों ही साथ जाएंगे।' वह कहता है, 'मैं उसे सुबह छह बजे देखता था। उसके पास बस इतना ही समय होता था।'
प्रियंका सुनील की फिल्म में एक बार फिर दर्शन बंधुओं के साथ अभिनय करेंगी।
Barsaat: A Sublime Love Story (2005)—with Bobby Deol and Bipasha Basu — and Dharmesh’s Aap Ki Khatir (2006)—with Akshaye Khanna and
अमीषा पटेल. अंदाज़ प्रियंका और लारा के लिए लॉन्चिंग पैड था। परंतु जैसे जैसे-जैसे साल बीतते गए, प्रियंका का करियर और भी बड़े पैमाने पर आगे बढ़ा, यहाँ तक कि
हालांकि रास्ते में काफी बाधाएं आईं। 'दो तरह के होते हैं
सुनील कहते हैं, 'अभिनेत्रियाँ। एक वो जो प्रस्तावों का इंतजार करती है और दूसरी वो जो...'
उन्हें छीनने जाना चाहता है। लारा अधिक शांत थी। वह आक्रामक नहीं थी। प्रियंका चोपड़ा बेहद मेहनती और लक्ष्य-उन्मुख थीं।
अंदाज़ के बाद 2004 में चार फिल्में आईं—प्लान, किस्मत,
Asambhav and Mujhse Shaadi Karogi—where Priyanka played the romantic अक्षय कुमार और सलमान खान दोनों की रुचि की फिल्म। डेविड धवन की फिल्म। Mujhse Shaadi Karogi was like Priyanka’s previous films, where she was उन्हें मुख्य रूप से उनकी यौन छवि के कारण ही चुना गया था।
In Mujhse Shaadi Karogi, Priyanka is introduced in a clichéd shot in
सफेद शॉर्ट्स और टॉप पहने, समुद्र तट पर पानी से बाहर निकलते हुए—फिर से दिखाते हुए
बहुत सारा शरीर दिख रहा है। वह अपने गीले बालों को धीरे-धीरे झटकती है, जैसे ही वह बाहर निकलती है।
पानी। फिल्म में अगली बार हम उसे सलमान के घर के सामने वाले घर में रहते हुए देखते हैं।
बालकनी। उसने गुलाबी तौलिया लपेटा हुआ है। अभी-अभी नहाकर निकली है, वह छटपटा रही है।

towel in Dilwale Dulhaniya Le Jayenge). And when Priyanka opens her
dismissive of Priyanka’s performance in Mujhse Shaadi Karogi. ‘Priyanka
any flair for comedy. She only lends glamour to 67 Mujhse Shaadi Karogi .’
Priyanka’s performance: ‘Only problem is that Mujhse Shaadi Karogi
doesn’t

दिलचस्प तो रहा होगा, लेकिन दुर्भाग्यवश वह अंत में पूरी तरह से निष्क्रिय हो जाती है।
ढुलमुल।’69 पिल्लई वर्तमान में फिल्मफेयर के संपादक हैं और प्रियंका एक बड़ा सितारा। अब यह कहना मुश्किल है कि वह और उनका प्रकाशन इस बारे में कुछ कहेंगे।
अभिनेत्री के बारे में अनुचित टिप्पणी।
प्रियंका को आखिरकार अपनी अभिनय प्रतिभा दिखाने का मौका मिलेगा।
ऐतराज़ (उनकी पांचवीं फिल्म) में अब्बास-मुस्तन की टीम द्वारा बनाई गई नकारात्मक भूमिका।
(2004 में रिलीज़ हुई), जो 1994 की हॉलीवुड फिल्म से प्रेरित थी।
उस खुलासे में माइकल डगलस और डेमी मूर शामिल थे।
ऐतराज़ में प्रियंका एक मॉडल सोनिया का किरदार निभा रही हैं, जो मानती है कि वह
उसे खुद को और अपने शरीर को उन व्यवसायों को 'उधार' देना पड़ता है जो उनके उत्पादों को बेचना चाहते हैं।
उत्पादों। अक्षय कुमार के साथ एक टकराव वाले दृश्य में, वह कहती हैं, 'राज मैं
ek model hoon. Meri degree aura diploma meri khoobsoorti hai aur aage badne ke liye mujhe us khoobsoorti ko aage karna padta hai. Bas (Raj, I am

a

मॉडल। मेरी खूबसूरती ही मेरी डिग्री और डिप्लोमा है, और जीवन में आगे बढ़ने के लिए मुझे ये करना होगा।
उस सुंदरता को आगे बढ़ाने के लिए। बस इतना ही! यह मेरे पेशे का एक हिस्सा है… उन्हें अपना
product bechne ke liye meri body ki khoobsoorti ki zaroorat hai, woh mujhe कीमत देने को तैयार हैं (उन्हें अपने सामान बेचने के लिए मेरे शरीर की सुंदरता की जरूरत है)
उत्पाद। और वे मुझे मेरी माँगी हुई कीमत देने को तैयार हैं।) बस इतना ही। पूरी तरह से पेशेवर।
लेकिन आदेश के. अर्जुन द्वारा लिखा गया वह संवाद शुरुआती दौर पर भी लागू हो सकता है।

प्रियंका के बॉलीवुड करियर के शुरुआती वर्षों में, प्रियंका को कई तरह के अवसर मिले। उन शुरुआती वर्षों के दौरान, प्रियंका को कई तरह के अवसर मिले।
ऐसे प्रोजेक्ट जिनमें उनकी कामुकता और आकर्षक उपस्थिति ही बिक्री का मुख्य कारण थी।
उन्हें अपने द्वारा निभाए गए किरदारों के लिए अंक मिले और इससे उनकी उभरती हुई स्टारडम को भी मदद मिली।
बॉलीवुड में उनका रुतबा। यह सिलसिला कुछ समय तक चलता रहा, जब तक कि विशाल जैसे फिल्म निर्माताओं ने इसमें योगदान नहीं दिया।
Bhardwaj, Zoya Akhtar, Madhur Bhandarkar and Sanjay Leela Bhansali saw प्रियंका में अभिनय की असली प्रतिभा छिपी है।
ऐतराज़ के साथ, वे आलोचक भी पीछे छूट गए, जो अब तक प्रियंका को नज़रअंदाज़ करते रहे थे।
अनुपमा चोपड़ा ने अचानक उनकी ओर ध्यान देना शुरू कर दिया। अनुपमा चोपड़ा ने यह बात लिखी।
इंडिया टुडे में उनकी संक्षिप्त समीक्षा: 'प्रियंका चोपड़ा, जो अब तक
वह महज खोखली, दिखावटी सुंदरता है, ऐतराज़ में एक चालाक औरत की भूमिका निभाते हुए वह दृश्यों को बर्बाद कर देती है।
वह वासना से भरी है, साजिशें रचती है, तोड़फोड़ करती है और बदसूरत दिखने से भी नहीं डरती। यह एक प्रभावशाली व्यक्तित्व है।
प्रदर्शन।’70 के दशक में सिंडिकेटेड समीक्षक सुभाष के. झा ने प्रियंका की प्रशंसा करते हुए कहा कि
अब वह एक सच्ची स्टार बन चुकी थी। 'एक स्टार का जन्म हुआ है! जैसे ही शिकारी सामाजिक-
एक ऐसी मोहक महिला जो जीवन के प्रति अपनी वासना को संतुष्ट करने के लिए किसी भी हद तक जा सकती है।
प्रियंका चोपड़ा ने पहले कभी न देखे गए अंदाज में धूम मचा दी है। प्रियंका के मिस वर्ल्ड का ताज पहनने के चार साल बाद रिलीज हुई फिल्म ऐतराज़ को
उन्हें बॉलीवुड फिल्म उद्योग से सर्वोच्च सम्मान - फिल्मफेयर पुरस्कार मिला।

उन्हें खलनायक की भूमिका में सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार मिला। बाद में उन्होंने आलोचक राजीव मसंद को बताया कि वह भूमिका उनके लिए कितनी कठिन थी। 'मैं 21 साल की थी जब
मैंने ऐतराज़ फिल्म की। उस जैसी फिल्म के लिए बहुत परिपक्वता की आवश्यकता होती है और मेरे लिए, यह एक अलग ही अनुभव था।
यह मेरा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था। मुझे पता ही नहीं था कि मैं क्या कर रहा हूँ। मैं पूरी तरह से अनुभवहीन था…
उस समय मैं सिर्फ अपने निर्देशकों की बात सुन रहा था।
ऐतराज़ की रिलीज़ के एक साल बाद, प्रियंका करण जौहर के शो में गईं। लोकप्रिय टीवी शो 73 कॉफ़ी विद करण (यह उनके पांच शो में से पहला था)
शो में उपस्थिति के दौरान) उन्होंने एक चौंकाने वाली घोषणा की कि
अब से वह फिल्मों में अपने शरीर का प्रदर्शन नहीं करने वाली थी। 'यह एक सचेत निर्णय है।'
'निर्णय,' उसने करण के यह पूछने पर कहा कि किस वजह से उसने यह निर्णय लिया। 'मैं
मुझे नहीं लगता कि इसकी आवश्यकता है, जब आप इतना काम कर रहे हों। यहां तक कि जब मैं
ऐतराज़ में मैंने जो किरदार निभाया, उसमें मैंने प्रदर्शन करने की कोशिश नहीं की—यह उससे कहीं अधिक था...
मैं जिस किरदार को निभा रहा था, उसमें मेरी बोलने का तरीका, मेरे हाव-भाव, मेरी जानबूझकर की गई हरकतें सब कुछ शामिल था।
मैं अपनी हरकतों के लिए नहीं जाना जाना चाहता। मैं इससे कहीं अधिक चीजों के लिए जाना जाना चाहता हूं।'
इस पर करण ने पूछा कि क्या वह यह कहना चाह रही हैं कि 'जो लड़कियां अपने शरीर का प्रदर्शन करती हैं'
'वे बड़ी लीग में जगह नहीं बना पाएंगी।' और प्रियंका, जो केवल 22 साल की थीं।
उस समय इतने साल के होने पर, उन्होंने जवाब दिया, 'नहीं, मैंने ऐसा कभी नहीं कहा। मैंने तो ऐसे ही शुरुआत की थी...'
मैंने अंदाज़ फिल्म की थी और मैंने बिकिनी पहनी थी। यह ऐसी चीज नहीं है जिसे मैं कह सकती हूँ कि मैं हूँ।

मुझे शर्म आती है, लेकिन मैं अभी ऐसा नहीं करना चाहता। आप मशहूर होना चाहते हैं।
आपके प्रदर्शन के लिए और अधिक। मैं उस सम्मान के लिए जाना जाना चाहता हूँ जो मैं हासिल करूँगा।
लोगों के यह कहने की तुलना में कि, "ओह, उसका शरीर कितना शानदार है," यह एक आदेश है। लोगों को
उससे ऊपर देखो।
प्रियंका अगले कुछ समय तक इस मुद्दे पर कमोबेश अपना रुख बरकरार रखेंगी।
चार साल बाद, उन्होंने करण जौहर के प्रोडक्शन 'दोस्ताना' में अभिनय करने के लिए अनुबंध किया।

अभिनेताओं के मशहूर होने का एक नुकसान यह है कि प्रशंसक यह जानना चाहते हैं कि वे किस बारे में हैं।
उनके निजी जीवन के बारे में विवरण—वे क्या खाते हैं, क्या पहनते हैं, कहाँ जाते हैं
पार्टी और सबसे महत्वपूर्ण बात, वे किसे डेट कर रहे हैं। यहां तक कि प्रियंका चोपड़ा ने भी ऐसा किया।
वह इस नियति से बच नहीं सकतीं। हालांकि प्रशंसकों ने उनकी फिल्मों की सराहना की है, वहीं गपशप भी जारी है।
पत्रिकाओं और अन्य सोशल मीडिया रिपोर्टों में अक्सर उनके बारे में खबरें प्रकाशित होती रही हैं।
उनके कुछ सह-कलाकारों के साथ उनके कथित संबंधों की अफवाहें हैं। इसकी शुरुआत अक्षय से हुई थी।
कुमार।
ऐतराज़ अक्षय कुमार के साथ प्रियंका चोपड़ा की तीसरी फिल्म थी। वे
वे एक और फिल्म साथ में करेंगे—वक्त: द रेस अगेंस्ट टाइम (2005)।
और फिर, उन्होंने कभी एक साथ अभिनय नहीं किया। ऐसी अटकलें थीं कि
दो लोग रिश्ते में थे, जबकि कुमार पूर्व अभिनेत्री से शादीशुदा थे और अब लेखिका ट्विंकल खन्ना।74

हाल ही में सुनील दर्शन ने एक इंटरव्यू में कहा कि अक्षय और प्रियंका उन्हें एक और फिल्म—बरसात: अ सबलाइम लव स्टोरी—में अभिनय करना था, लेकिन फिर, परिवार के दबाव के कारण कुमार पीछे हट गए। 'मुझे लगता है कि इसका एक कारण था।
'इन दोनों को एक-दूसरे से जोड़ने वाली रिपोर्टों से इसका बहुत कुछ लेना- देना है,' दर्शन ने डीएनए को बताया।
अखबार.75
डीएनए की खबर में आगे कहा गया, 'खबरों के मुताबिक अक्षय ने प्रोजेक्ट से अपना नाम वापस ले लिया है।'
दोनों को एक साथ अभिनीत करते हुए, उनके रिश्ते के बारे में अटकलों भरी खबरों के बाद।
इसका असर उनके पारिवारिक जीवन पर पड़ने लगा। बाद में, प्रियंका ने ही इसे आधिकारिक रूप से घोषित किया।
कि उन दोनों के दोबारा साथ काम करने की संभावना नहीं थी।
सितंबर 2004 में, टाइम्स ऑफ इंडिया में एक रिपोर्ट प्रकाशित हुई थी जिसमें कहा गया था कि
अक्षय कुमार और ट्विंकल खन्ना का होटल की लॉबी में बड़ा टकराव
गोवा में। जैसा कि अखबार की एक रिपोर्ट में बताया गया है, कई गवाह मौजूद थे।
बड़ी लड़ाई के लिए, लेकिन किसी ने हस्तक्षेप नहीं किया।76 उसी रिपोर्ट में एक अतिथि का हवाला दिया गया था
होटल: 'लड़ाई सबके सामने हुई और अक्षय और
ट्विंकल एक-दूसरे पर चिल्लाईं, जिससे यह स्पष्ट आभास हुआ कि उसने प्रियंका चोपड़ा के साथ अफेयर होने की बात स्वीकार की।
लेकिन प्रियंका की असली परीक्षा अगले साल आई जब उन्होंने अपनी
करण जौहर के 'कॉफी विद करण' शो में उनकी पहली उपस्थिति। यह शो अपने शुरुआती दौर में था।
पहले सीज़न में प्रियंका अपने सह-कलाकार अर्जुन रामपाल के साथ एपिसोड 17 में नज़र आई थीं।
असंभव और यकीन (2005) में। यह शो 26 मार्च 2005 को प्रसारित हुआ था।

अक्षय कुमार और ट्विंकल के अफेयर पर टाइम्स ऑफ इंडिया की खबर के छह महीने बाद।
खन्ना की गोवा में लड़ाई। करण जौहर कुछ अटपटे सवाल पूछने के लिए जाने जाते हैं।
वह अपने मेहमानों से उनके निजी जीवन के बारे में सवाल पूछते हैं, और उनमें से कई सवालों को टाल देते हैं या
इस बारे में मजाक करो। जब उसने प्रियंका से उसके कथित अफेयर के बारे में सवाल पूछा।
अक्षय के साथ रिश्ते को लेकर 22 वर्षीय अभिनेत्री कुछ हद तक असहज लग रही थीं।
वह असहज थी, लेकिन इतनी समझदार थी कि करण को देखकर मुस्कुरा दी।
और फिर कैमरे की ओर देखकर कहानी में किसी भी तरह की सच्चाई से इनकार किया। प्रियंका ने कहा, 'मैं सचमुच इससे बहुत थक चुकी हूं। बहुत कुछ हो चुका है।' यह सब कहा गया है, अटकलें लगाई गई हैं, सोचा गया है, लोगों की राय और न जाने क्या-क्या। लेकिन यह
मुझे इससे कोई फर्क नहीं पड़ता, क्योंकि मेरे परिवार को भी इससे कोई फर्क नहीं पड़ता, जब तक कि मेरा
मेरे माता-पिता ठीक हैं। उन्हें सच्चाई पता है। मेरे दोस्त भी ठीक हैं। मैं ठीक नहीं हूँ।
मुझे किसी को कुछ भी साबित करने की जरूरत नहीं है।’ उन्होंने आगे कहा कि अफवाहों से उन्हें परेशानी हुई।
उसका मानवीय पक्ष दिखाते हुए। 'किसी भी तरह का विवाद [आपको परेशान करता है], न केवल
एक कथित प्रेम प्रसंग। ऐसा लगता है कि मैं कुछ समय से विवादों की रानी बनी हुई हूँ।
कारण। मैं बस अपने काम पर ध्यान केंद्रित करना चाहती हूँ। मुझे बहुत खुशी हुई कि लोग
वे मेरे प्रदर्शन और मेरे काम के बारे में बात कर रहे थे।'
उन्होंने अक्षय कुमार के साथ भविष्य में काम न करने के अपने फैसले के बारे में कुछ नहीं कहा, लेकिन इतना ज़रूर कहा कि उन्हें अक्षय कुमार से बात करने की ज़रूरत महसूस नहीं हुई ताकि दोनों के बीच कोई मतभेद न हो।

गलतफहमी दूर करने के लिए। करण ने प्रियंका को अपनी बात कहने का एक और मौका दिया।
मीडिया से बात करना चाहती थीं। कैमरे की ओर सीधे देखते हुए प्रियंका ने कहा, 'क्या नहीं?'
क्या आप इससे थक गए हैं? मतलब, ये तो कब से चल रहा है। चलिए बात करते हैं। कुछ दिलचस्प और नया।
एक दशक से भी अधिक समय बाद, फरवरी 2017 में, अक्षय ने पहली बार,
उन्होंने एक साक्षात्कार के दौरान इस मुद्दे पर बात की। वे अपनी फिल्म जॉली एलएलबी का प्रचार कर रहे थे।
टीवी शो 'आप की अदालत' में (2017) उनसे उनके बारे में पूछा गया था। प्रियंका के साथ किसी भी फिल्म में काम न करने का फैसला। 'ये सब बातें आपको कौन बताता है?'
'चीज़ें?' अक्षय ने पूछे गए सवाल का जवाब दिया। और फिर आगे बढ़े... प्रियंका के साथ कथित प्रेम प्रसंग के मुद्दे को टालना।77
‘यह सच नहीं है। मैंने प्रियंका के साथ करीब 4-5 फिल्में की हैं। मैंने उनके साथ काम किया है।
रानी मुखर्जी को छोड़कर उस समय की सभी अभिनेत्रियों के साथ। यह सच नहीं है कि मैं
मैंने प्रियंका के साथ कोई फिल्म नहीं की है।’ और फिर उन्होंने आगे कहा कि वह ‘काम करेंगे’।
अगर प्रियंका को ऐसी कोई फिल्म ऑफर की जाती है तो मैं उनके साथ काम करूंगी। कॉफी विद करण में अपनी पहली उपस्थिति के दौरान, प्रियंका ने कहा था कि बार-बार कहा गया कि अब सभी को आगे बढ़ने का समय आ गया है। इसलिए उसी शो में, करण जौहर ने इस मौके का फायदा उठाते हुए प्रियंका से पूछा कि
एक और व्यक्ति जिसका नाम उससे जुड़ा हुआ प्रतीत होता था।
जोहर ने शरारती मुस्कान के साथ पूछा, 'हरमन बावेजा कौन हैं?' प्रियंका
वह छटपटाने लगी। उसने अपने बाल पीछे हटाए। हालाँकि वह मुस्कुराती रही— शायद यह सबक उन्होंने मिस इंडिया और मिस वर्ल्ड के दौरान सीखा था।
प्रशिक्षण—ऐसा लग रहा था मानो वह पछता रही हो कि उसने करण का निमंत्रण स्वीकार क्यों किया।
अपने शो पर। 'हे भगवान,' उसने कहा और फिर यह बताने लगी कि हरमन कौन है।

बावेजा थे। 'वह हैरी बावेजा के बेटे हैं और मैं उनकी फिल्म कर रहा हूँ जिसका नाम है
करम (2005 में बनी एक फिल्म, जिसका निर्देशन संजय गुप्ता ने किया था और जिसमें जॉन अब्राहम ने अभिनय किया था);
फिल्म बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप रही। और इसी तरह मैं हरमन को जानता हूं।' यह था इसके बाद करण ने कुछ मनोरंजक सवाल पूछे, जो ऐसा लग रहा था कि...
प्रियंका जितना खुलासा करने को तैयार थी, उससे कहीं अधिक बातें जानना।

करण: वहां कुछ नहीं हो रहा है?

प्रियंका: नहीं, वह मेरा दोस्त है।

करण: ओह, वह मेरा दोस्त है।

प्रियंका: मतलब, मैं उसे जानती हूँ।

करण: (मुस्कुराते हुए और थोड़ा व्यंग्यपूर्ण लहजे में) तुम तो बस कमाल हो! दोस्त?
प्रियंका: हे भगवान, उस मुस्कान को तो देखो!

बात वहीं खत्म हो गई। लेकिन करण अगली बार प्रियंका से मिलने पर इस मुद्दे को फिर उठाएगा।
वह उनके शो में दिखाई दिए।
बाद में, करण ने मुझे बताया कि उसने प्रियंका की दोस्ती के बारे में सुना था।
Harman Baweja from Kareena Kapoor. At one point, Kareena and Priyanka वे काफी करीबी थीं और अक्सर डबल डेट पर जाया करती थीं—करीना अपने तत्कालीन साथी के साथ।
बॉयफ्रेंड शाहिद कपूर और प्रियंका हरमन के साथ।
प्रियंका ने हरमन के साथ दो फिल्में कीं—लव स्टोरी 2050 (2008 की एक साइंस फिक्शन फिल्म)।

हैरी बावेजा द्वारा निर्देशित फिल्म) और व्हाट्स योर राशी? (2009) आशुतोष गोवारिकर द्वारा निर्देशित फिल्म जिसमें प्रियंका ने कई भूमिकाएँ निभाईं।
दोनों फिल्में समीक्षकों और बॉक्स ऑफिस दोनों ही दृष्टि से बुरी तरह फ्लॉप रहीं। लेकिन जब तक प्रियंका
उन्होंने 18 फरवरी को प्रसारित जोहर के टीवी शो में दूसरी बार शिरकत की। 2007-78 में वह हरमन के साथ अपने रिश्ते के बारे में कुछ हद तक खुलकर बात कर रही थीं।
बावेजा। इस बार वह ऋतिक रोशन के साथ शो में अतिथि के रूप में आई थीं।
इन दोनों ने हिट फिल्म 'कृष' दी थी। और करण एक बार फिर अपने पुराने फॉर्म में लौट आए थे।
प्रियंका पर दबाव डाला जा रहा है कि वह इस बार किसे डेट कर रही हैं, इस बारे में बात करें।
काफी सोच-विचार करने के बाद, प्रियंका ने पहले कहा, 'मैं कुछ इस तरह की स्थिति में हूँ।'
'मध्य' के बाद, 'ठीक है, जैसा कि मैंने कहा, यह कुछ हद तक उस दिशा में बढ़ रहा है, लेकिन अभी तक पूरी तरह से नहीं।'
तो, करण ने आखिरकार अपने अगले प्रश्न में सब कुछ कह दिया, 'ऐसा अफवाह है, और मैं केवल
अफवाहों के बारे में बात करें, आप उन्हें नकार भी सकते हैं और उनकी पुष्टि भी कर सकते हैं। यह पूरी तरह से आपका फैसला है।
अफवाह है कि हरमन बावेजा, जो आपकी एक फिल्म के हीरो हैं,
इसका नाम है लव स्टोरी, 2050। तो क्या यह 2050 में रिलीज़ होगी, या फिर कुछ और समय बाद?
'उससे पहले?' प्रियंका ने जवाब दिया, 'खैर, वह वास्तव में बहुत अच्छा है।' दोस्त। हम अक्सर साथ में समय बिताते हैं। उसकी संगत बहुत अच्छी होती है, लेकिन इसके अलावा हम कुछ नहीं जानते।
'अभी तक पता नहीं?' लेकिन करण, एक चिड़चिड़ी चाची की तरह, और जानना चाहता था। 'ठीक है तो'
'अभी यही स्थिति है?' उसने पूछा। 'तुम लोग बहुत साथ घूमते हो, तुम लोग...' दोस्ताना, और तुम नहीं जानते…’ प्रियंका ने उसके लिए वाक्य पूरा किया, ‘…

भविष्य में क्या होने वाला है।'
खबरों के मुताबिक, प्रियंका और हरमन का ब्रेकअप फिल्म की असफलता के बाद हुआ।
उन्होंने लव स्टोरी 2050 में एक साथ काम किया और व्हाट्स योर राशि? (2009) में भी साथ अभिनय किया।
हालांकि उस समय वे एक-दूसरे को डेट नहीं कर रहे थे।

फिल्म इंडस्ट्री में प्रियंका के शुरुआती दिन कम से कम एक और घटना से घिरे हुए थे।
विवाद। यह विवाद उनके सचिव/प्रबंधक प्रकाश जाजू से संबंधित है, जो... किसी समय प्रियंका और उसके माता-पिता के साथ उसका मतभेद हो गया था, और जाजू को नौकरी से निकाल दिया गया। प्रियंका के पेशेवर और कभी-कभी निजी जीवन के सभी पहलुओं में सक्रिय रूप से शामिल रहने वाले जाजू को अचानक लगा कि वह जीवन से बाहर हो गए हैं।
उसे यह एहसास अच्छा नहीं लग रहा था। 2008 में, जाजू को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।
मध्य प्रदेश के मऊ में। पुलिस एक शिकायत के आधार पर कार्रवाई कर रही थी। प्रियंका के पिता, डॉ. अशोक चोपड़ा ने कहा कि वह धमकी दे रहे थे।
परिवार और प्रियंका के खिलाफ झूठे आरोप लगाना।79
जाजू ने प्रियंका के बॉलीवुड के शुरुआती दिनों से ही उनके साथ काम किया था और वह
उन्हें कुछ बेहतरीन असाइनमेंट मिले—द हीरो: लव स्टोरी ऑफ अ स्पाई और अंदाज़। लेकिन उनके बारे में यह भी कहा जाता था कि वह एक जुनूनी और दखलंदाजी करने वाले व्यक्ति थे।
और इसलिए, उन्हें नौकरी से निकाल दिया गया। उन पर कुछ आरोप भी लगे थे। पैसों का दुरुपयोग किया जा रहा था, जबकि जाजू ने दावा किया कि उन्हें उनका पूरा वेतन नहीं दिया गया था।
प्रकाश जाजू की कहानी कुछ समय तक शांत नहीं हुई। 2014 की गर्मियों में,

प्रियंका ने अपने एक और पूर्व प्रेमी, जो कि मॉडल और अभिनेता हैं, के खिलाफ मुकदमा दायर किया है।
असीम मर्चेंट (खबरों के मुताबिक, प्रियंका के समय दोनों के बीच कुछ समय के लिए डेट हुई थी)
(फिल्म करियर शुरू होने से पहले मॉडलिंग करती थी)। मर्चेंट ने एक फिल्म का निर्माण करने का फैसला किया था।
फिल्म का नाम 67 दिन है—जो 2008 में जाजू को जेल में बिताए गए दिनों की संख्या को संदर्भित करता है।
मर्चेंट का कहना था कि यह फिल्म जाजू की जीवनी पर आधारित होगी।
प्रियंका के वकील आनंद देसाई द्वारा दायर शिकायत में कहा गया है: 'हमारी मुवक्किल सदमे में है'
यह ध्यान देने योग्य है कि हालांकि सभी समाचार लेखों में प्रस्तावित फिल्म का उल्लेख आपके द्वारा किया गया है
(जाजू की) बायोपिक के प्रचार में मुख्य रूप से हमारे क्लाइंट और उनके समावेश का जिक्र किया गया है।
आपके संदर्भों के बजाय उसके और उसके पारिवारिक जीवन के पहलुओं पर ध्यान केंद्रित किया गया है।
शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया कि फिल्म बनाना ‘उल्लंघन’ होगा।
हमारे मुवक्किल के अधिकार, जिनमें निजता का अधिकार, हमारे मुवक्किल को बदनाम करने का अधिकार और
उनकी प्रतिष्ठा को धूमिल करना, उन्हें घृणा और उपहास का पात्र बनाना।
अंततः फिल्म को रोक दिया गया।
जाजू ने प्रियंका के बारे में ज्यादा बातें की हैं, संभवतः मनगढ़ंत कहानियां गढ़ते हुए।
इसमें 2016 में किए गए कई ट्वीट भी शामिल हैं जिनमें कहा गया है कि अभिनेत्री ने एक बार कोशिश की थी
आत्महत्या कर लें। इस बार तो प्रियंका की सुरक्षात्मक लेकिन अन्यथा मीडिया-
शर्मीली और शांत स्वभाव वाली मां अपनी बेटी के बचाव में सामने आई। एक ट्वीट में एक महिला ने अपनी बेटी का बचाव किया।
डॉ मधु चोपड़ा के हवाले से कहा गया है, 'उस झूठे कमीने ने समय बिताया है...'

जेल… उसके बूढ़े माता-पिता पुलिस कांस्टेबल के चरणों में गिरकर क्षमा मांगने लगे।’81
बाद में वह ट्वीट डिलीट कर दिया गया।
कॉफी विद करण शो में अपनी पहली उपस्थिति के दौरान, प्रियंका ने कहा कि यहां तक कि यह भी सुझाव दिया गया कि जाजू ही वह व्यक्ति हो सकता है जो इसे फैलाने के लिए जिम्मेदार था।
अक्षय कुमार के साथ उनके संबंधों के बारे में कहानियां। 'मैं सच में बहुत सोचती हूं,' उन्होंने कहा।
उन्होंने कहा, ‘आपके हर रिश्ते, चाहे वह आपके परिवार के साथ हो या आपके दोस्तों के साथ,
चाहे आपकी सेक्रेटरी के साथ आपका कामकाजी रिश्ता हो या कोई और रिश्ता, हर रिश्ते की एक सीमा होती है।
और जब आप उस सीमा को पार कर लेते हैं, तभी चीजें खतरनाक और खराब होने लगती हैं। और इस रिश्ते में भी यही हुआ।
वह मेरा सचिव था और उसे वहीं रहना पड़ता था, लेकिन उसे धीरे-धीरे परेशानी होने लगी।
अन्य चीजों में रुचि रखने वाले।
विवादों को एक तरफ रखते हुए, प्रियंका पहले से ही अपने एक प्रोजेक्ट पर आगे बढ़ रही थीं।
जीवन का उनका सबसे बड़ा लक्ष्य एक प्रभावशाली अभिनेत्री बनना था। और वह निश्चित रूप से सफल भी हुईं।
धीरे-धीरे लेकिन निश्चित रूप से हम उस ओर बढ़ रहे हैं। यह प्रक्रिया कुछ फिल्मों से शुरू होगी जैसे कि...
ब्लफमास्टर! और कृष।

4

एक अभिनेत्री का निर्माण

-मैं

सौजन्य : वीबी पिक्चर्स /फोटो : सी . एच. बालू

प्रियंका चोपड़ा के अभिनय कौशल को विकसित होने में समय लगा। वह सैफ अली खान, करीना कपूर, अभिषेक बच्चन और यहां तक कि ऐश्वर्या राय जैसे उन अभिनेताओं में से एक हैं, जिनके अभिनय में निखार तब आता है जब वे किसी मंच पर काम करने लगते हैं।
वे शीर्ष निर्देशकों के साथ काम करते हैं।
प्रियंका बेहद खूबसूरत हैं और मिस वर्ल्ड का खिताब जीतने से उनका व्यक्तित्व पूरी तरह बदल गया।
बरेली के एक अनाड़ी किशोर से लेकर एक परिपक्व, बुद्धिमान वयस्क तक, और एक आकर्षक महिला। लेकिन बॉलीवुड में अपने करियर के एक बड़े हिस्से में, वह उन्हें एक उत्कृष्ट अभिनेत्री के बजाय एक सेक्स सिंबल के रूप में देखा जाता रहा।
धीरे-धीरे विकसित हो रहा है।
उसने कभी-कभी इसे स्वीकार किया है, जिसमें एक बार कॉफ़ी पर भी ऐसा ही हुआ था।
करण के साथ बातचीत में उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है मैंने अपना रास्ता खुद बनाया है। मुझे लगता है मैं
जब मैंने शुरुआत की थी तब मैं एक बहुत ही खराब अभिनेत्री थी। मुझे तो "अभिनेत्री" शब्द में "अभिनय" का अर्थ भी नहीं पता था। लेकिन
मैंने खुद ही सीखा।’82
जब रोहन सिप्पी ने अपनी दूसरी फिल्म ब्लफमास्टर! बनाने का फैसला किया, तो उन्होंने एक बार
उन्होंने एक बार फिर अपने बचपन के दोस्त अभिषेक बच्चन के साथ काम करने का फैसला किया, जो उस समय...
उस दौर में, वह कुछ हिट फिल्मों की सफलता पर निर्भर था—धूम (2004),
बंटी और बबली (2005)। ब्लफमास्टर! एक ऐसे धोखेबाज की कहानी है जो
एक बड़े खेल में धोखा खाया गया है और यह स्पष्ट रूप से अर्जेंटीना की फिल्म से प्रेरित है।
नाइन क्वींस (2000)। इसमें मिलते-जुलते दृश्य हैं और कथानक समानांतर चलता है।
ट्रैक। बेशक, सिप्पी ने, अन्य बॉलीवुड फिल्म निर्माताओं की तरह, आवश्यक बदलाव किए और अपनी फिल्म को बॉलीवुड मनोरंजन का तड़का दिया,

एक आकर्षक मुख्य अभिनेत्री - प्रियंका चोपड़ा के लिए गाने।
खबरों में बताया गया कि फिल्म में कास्टिंग को लेकर कुछ दिक्कतें थीं।
पत्रकार
बॉलीवुड की अंदरूनी खबरों से अक्सर अवगत रहने वाले सुभाष के. झा ने एक रिपोर्ट लिखी।
रोहन ने मूल रूप से इस भूमिका के लिए ऐश्वर्या राय को चुना था। लेकिन बाद में उन्होंने
उन्होंने अपना मन बदल लिया और प्रियंका को कास्ट किया। झा ने काफी नाराज ऐश्वर्या के हवाले से कहा।
उन्होंने कहा, ‘ऐसा कैसे हो सकता है? मैंने सब कुछ फाइनल कर लिया है, रोहन को तारीखें भी दे दी हैं।’
मुझे चाहिए था। बेशक, मेरा उनके साथ कोई लिखित अनुबंध नहीं है। लेकिन क्या किसी का होता है?
दोस्तों के साथ औपचारिक कागजात पर हस्ताक्षर करने की आवश्यकता है? एम्स्टर्डम में, अभिषेक और मैं थे
हम इस बारे में बात कर रहे थे कि दोबारा साथ में शूटिंग करना कितना मजेदार होगा। (अभिषेक और
ऐश्वर्या रोहन की पहली फिल्म 'कुछ ना कहो' में मुख्य भूमिका में नजर आई थीं।
[2003]। फिल्म की रिलीज के डेढ़ साल बाद दोनों ने शादी कर ली। ब्लफ़मास्टर! 83)।
और उन्होंने आगे कहा, 'मेरी मुलाकात रमेशजी (सिप्पी के पिता और निर्माता/निर्देशक) से हुई।'
कुछ समय पहले मेरी मुलाकात रमेश सिप्पी से हुई थी और हमने इस प्रोजेक्ट के बारे में बात की थी। रोहन इसमें कैसे योगदान दे सकता है?
क्या हमने ऐसा किया? हम दोस्त हैं। 'कुछ ना कहो' करते हुए हमें बहुत मज़ा आया।
जब झा ने प्रियंका से इस बारे में टिप्पणी मांगी, तो उन्होंने कूटनीतिक जवाब दिया। ‘मुझे इस बात की कोई जानकारी नहीं है कि मुझसे पहले किसी और से संपर्क किया गया था या नहीं। मुझे बस इस बात की चिंता है कि क्या हुआ।’ मुझे ऑफर मिला है। और ब्लफ़मास्टर! बहुत मज़ेदार लग रहा था।

राकेश रोशन की फिल्म 'कृष' की कुछ तारीखें रद्द हो गईं (क्योंकि ऋतिक की वजह से)।
रोशन का एक्सीडेंट हो गया था), इसलिए मैंने उन्हें ब्लफमास्टर के लिए इस्तेमाल करने का फैसला किया!’ और वह
उन्होंने आगे कहा, 'इस उद्योग में भूमिकाओं का यह आदान-प्रदान हर समय होता रहता है।'
फिल्म के प्रचार के दौरान, Rediff.com के साथ एक चैट में, रोहन से पूछा गया कि उन्होंने ऐसा क्यों किया।
प्रियंका को फिल्म में कास्ट किया गया। 'मुझे लगता है कि बेहतर सवाल यह है कि उन्होंने फिल्म क्यों चुनी।'
मैं!’ उसने जवाब दिया। ‘मुझे लगता है कि वह प्रतिभाशाली है, और वह इस भूमिका के लिए उपयुक्त थी। क्या था
उनकी एक और अच्छी बात यह है कि उन्होंने फिल्म में काम करने के लिए सहमति दी, भले ही यह संभव नहीं था।
यह पूरी तरह से "नायिका" की भूमिका नहीं है। वह समझती थी कि वह एक
वह कलाकारों के समूह में शामिल थे और वास्तव में एक बेहतरीन टीम प्लेयर थे!
‘स्वाभाविक रूप से, वह एक बेहतरीन अभिनेत्री हैं,’ रोहन ने मुझे एक साक्षात्कार में बताया।
गोवा में राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम के फिल्म बाजार में आयोजित
नवंबर 2017 में। 'उस समय हम कुछ अलग करने की कोशिश भी कर रहे थे।'
एक ऐसी अभिनेत्री का साथ होना बहुत अच्छा था जो हमारी सोच से मेल खाती हो। टीम में। भले ही समय के हिसाब से उनकी भूमिका बहुत बड़ी न हो, लेकिन वह धूर्तता में माहिर हैं।'
उन्होंने आगे कहा कि हालांकि प्रियंका की भूमिका अभिषेक की सहायक भूमिका थी।
अपने चरित्र के कारण, वह सहज थी और 'यह समझने के लिए पर्याप्त समझदार थी कि यह क्या है'
उनकी भूमिका की जो आवश्यकता थी।
फिल्म की शूटिंग ज्यादातर मुंबई में हुई थी और अक्सर दिन 14 घंटे के होते थे।

लंबा। 'किस्मत से अभिषेक की तारीखें अनुकूल रहीं और हम ऐसा कर पाए।' रोहन ने कहा, 'मानसून के दौरान शूटिंग करना थोड़ा जोखिम भरा है, लेकिन...' इसका परिणाम बहुत अच्छा है। और कभी-कभी प्रियंका को चौथे नंबर पर आना पड़ता था।
सुबह का समय था क्योंकि हमारे पास एक खास सीन शूट करने के लिए वही समय था। ब्लफ़मास्टर! में प्रियंका ज्यादातर समय बेहद खूबसूरत दिखती हैं, खासकर जब
वह अपनी सगाई की पार्टी में 'से ना से' गाने पर नाच रही है, उसने एक
रंगीन बॉर्डर पर चांदी की कढ़ाई वाली सफेद साड़ी, और बेहद खूबसूरत लग रही हैं।
हॉट। साड़ी कमर दिखाने के लिए नीचे बंधी हुई है। या फिर 'राइट हियर राइट' में।
'नाउ' गाने में चार सेक्सी मॉडल और बाकी कलाकार भी नजर आते हैं।
फिल्म के क्रू मेंबर्स के साथ, प्रियंका एक बिकिनी टॉप में हैं जिसमें अतिरिक्त पट्टियां लटक रही हैं।
वह गायिका होने का नाटक कर रही थी और अभिषेक उसके चारों ओर नाच रहा था, हवा एक
स्टूडियो के अंदर पंखा उसके बालों को उड़ा रहा था।
रोहन को यह भी याद है कि प्रियंका ने संगीत के क्षेत्र में टीम के साथ कैसे काम करना शुरू किया था।
‘राइट हियर राइट नाउ’ गाने में उन्होंने अपनी आवाज़ दी है और पाँच शब्द गाए हैं।
- 'मैं एक अच्छी लड़की हूं'।
लेकिन अगर प्रियंका अपने अभिनय के लिए कोई बड़ी पहचान की उम्मीद कर रही थीं, तो
फिल्म में उन्हें निराशा ही हाथ लगी। Rediff.com की समीक्षा में प्रियंका का ज़िक्र सिर्फ पांच शब्दों में हुआ। ‘प्रियंका चोपड़ा बिल्कुल परफेक्ट हैं’
राजा सेन ने लिखा, 'विश्वसनीय।'85 और जबकि इंडिया टुडे की कावेरी बामज़ई को यह पसंद आया।

फिल्म के बारे में, उन्होंने अपनी समीक्षा की आखिरी पंक्ति में यही लिखा, 'एकमात्र तेज आवाज'
फिल्म में मौजूद चीजें शीर्षक में विस्मय चिह्न और चोपड़ा की हैं। पाउट।’86 बमज़ई की समीक्षा में प्रियंका का यही एकमात्र उल्लेख होगा।
ब्लफ़मास्टर! के निर्माण के दौरान एक अंदरूनी कहानी ने दर्शकों के बीच धूम मचा दी।
प्रेस और प्रियंका के प्रशंसक। फिल्म की शूटिंग के दौरान, अभिषेक बच्चन ने प्रियंका को पिगी चॉप्स उपनाम देने का फैसला किया।
यह उपनाम उनके साथ जुड़ गया और कुछ समय तक प्रियंका को इससे कोई आपत्ति नहीं थी।
"मिस पिगी चॉप्स" कहलाना प्यारा लगता है,' उसने राजीव मसंद से कहा।87 लेकिन फिर,
उसे आश्चर्य हुआ कि टैक्सी नंबर 9 2 11 के क्रेडिट्स में उसका परिचय इसी तरह दिया गया है।
(2006), जिसमें उन्होंने अतिथि भूमिका निभाई थी।
बॉक्स ऑफिस इंडिया ने ब्लफमास्टर! को अर्ध-हिट बताया था। लेकिन प्रियंका की सबसे बड़ी हिट—शायद उनके करियर की अब तक की सबसे बड़ी हिट— होगी
अगले साल रिलीज हुई। फिल्म कृष के निर्माता और निर्देशक राकेश थे।
रोशन की सुपरहीरो फिल्म 'कोई मिल' उनकी फिल्म 'ई.टी.: द एक्स्ट्रा टेरेस्ट्रियल' का सीक्वल है, जो उनकी इसी फिल्म से प्रेरित है।
गया (2003)। यह उनके बेटे ऋतिक रोशन के करियर को बढ़ावा देने का उनका प्रयास था।
नतीजा यह हुआ कि कृष और इस श्रृंखला का तीसरा भाग बॉक्स ऑफिस पर बड़ी सफलता हासिल कर चुका था।
कृष 3 (2013) बहुत बड़ी हिट साबित हुई। समीक्षक फिल्म से संतुष्ट नहीं थे, लेकिन
भारतीय दर्शकों ने देसी सुपरहीरो को पसंद किया—एक नकाबपोश आदमी जो चोगा पहने हुए था,
एक परोपकारी व्यक्ति जिसने जलते हुए सर्कस के तंबू के अंदर फंसे बच्चों को बचाया और फिल्म के

ग्लाइडिंग दुर्घटना में घायल हुई मुख्य अभिनेत्री ने उसके साथ नृत्य किया और गाने गाए।
उन्होंने बुरे लोगों से भी लड़ाई की। बच्चों को ऋतिक रोशन के आने का विचार बहुत पसंद आया।
भारत की ओर से बैटमैन और सुपरमैन के जवाब के रूप में। और इसलिए, बच्चों और युवा लड़कियों,
रोशन के आकर्षक रूप और सुगठित शरीर से मोहित होकर, सबसे बड़े
फिल्म के दर्शक।
कृष को कई नकारात्मक समीक्षाएँ मिलीं। (द न्यूयॉर्क टाइम्स)
आम तौर पर बॉलीवुड के प्रति नरम रवैया अपनाया जाता है, लेकिन लौरा केर्न ने अपने भाषण में यह बात कही।
समीक्षा: ‘कृष बहुत लंबा, भावुक, पूरी तरह से नकल किया हुआ और कुछ कमियों से भरा हुआ है’
बेहद निराशाजनक गाने और नृत्य प्रस्तुतियाँ। कहीं और से आने वाले लोग इन्हें देखकर हैरान रह जाते हैं।
कुछ तत्वों को स्पष्ट खामियां माना जा सकता है। बॉलीवुड में वे न केवल अपेक्षित तो है, लेकिन अक्सर, जैसा कि इस फिल्म में दिखाया गया है, वे सद्गुणों के रूप में भी प्रकट होते हैं।' 88
भारत में, रेडिफ डॉट कॉम के समीक्षक ने फिल्म में एक सकारात्मक पहलू देखा। उन्होंने कहा, 'हालांकि हममें से कई लोग कृष के प्रति तिरस्कार की भावना रखते होंगे, लेकिन उन्हें देखना उत्साहजनक है।'
फैंटेसी ने आधिकारिक तौर पर मुख्यधारा के बॉलीवुड में प्रवेश किया।
और आलोचक सैबल चटर्जी ने फिल्म की जमकर आलोचना करते हुए कहा कि यह बिल्कुल भी सफल नहीं हुई।
‘कोई कथात्मक तर्क नहीं, कोई मनोवैज्ञानिक यथार्थवाद नहीं और सतही रोमांस की भरमार, बासी गीत और नृत्य दृश्यों के साथ, लेकिन कुल मिलाकर तीन घंटे का सरल, शुद्ध मनोरंजन। अगर सिनेमा इसी तरह का होने वाला है तो।
बॉलीवुड का भविष्य, कोई मुझे चाँद का टिकट दे दो। मैं
यहाँ से निकल जाओ!’90
फिल्म पत्रकार सुभाष के. झा ने पहले सुझाव दिया था कि प्रिया की भूमिका

कृष में (प्रियंका का किरदार) पहले ऐश्वर्या राय को ऑफर किया गया था। 'ऐश ने
कृष के लिए लगभग सब कुछ तय हो चुका था। उनकी तारीखें और फीस भी तय हो चुकी थीं।
बातचीत हुई। जिस रात उसे यूनिट के साथ बैंकॉक के लिए रवाना होना था, उससे एक रात पहले,
उन्हें बताया गया कि उन्हें जाने की जरूरत नहीं है। प्रियंका फिल्म कर रही थीं। 1991 यह बदलाव और
ब्लफ़मास्टर! में इसने निश्चित रूप से बहुत अधिक टकराव पैदा किया होगा। ऐश्वर्या और प्रियंका।

प्रियंका को 'कृष' में देखा गया था, लेकिन Rediff.com को लगा कि उन्हें अपने किरदार को निभाने में कुछ दिक्कतें आ रही थीं।
भूमिका। 'बेचारी प्रियंका को बेहद मुश्किल भूमिका मिली है: एक भोली-भाली लड़की जो...'
पहले तो वह एक शरारत में फंस गई, डरी हुई थी लेकिन उत्सुक भी थी, और फिर उसे प्यार हो गया। प्रिया
वह कभी गर्म तो कभी ठंडी पड़ जाती है, फिर सांसारिक और (हानिरहित रूप से) स्वार्थी हो जाती है, लेकिन
अंततः कृष्ण उसे अपने साथ ले जाते हैं। संक्षेप में, अभिनेत्री को यह भूमिका विश्वसनीय ढंग से निभानी होती है।
मोहित होना, आकर्षक होने का दिखावा करने से कहीं अधिक कठिन काम है।'92 आलोचक
उन्होंने आगे कहा कि 1970 के दशक में परवीन बाबी इस भूमिका को बखूबी निभा सकती थीं।
काफी आसान था, लेकिन प्रियंका चोपड़ा के लिए यह एक कठिन काम लग रहा था।
सात साल बाद, राकेश रोशन बॉलीवुड की और भी फिल्मों के साथ वापस लौटे।
कृष 3 के साथ एक दोस्ताना सुपरहीरो एडवेंचर। फिल्म ने आखिरकार काफी अच्छा प्रदर्शन किया।

बॉक्स ऑफिस पर तो इसने खूब कमाई की, लेकिन घटिया स्पेशल शोज के मामले में यह पूरी तरह से नाकाम रही।
कई सुपरहीरो फिल्मों के संदर्भ में प्रभाव और व्युत्पन्न कथा।
हॉलीवुड। और आलोचकों ने इसे कृष से भी ज़्यादा नापसंद किया। Firstpost.com आलोचक ने कहा, 'यह फिल्म ढाई घंटे की बेहद कष्टदायक और खराब ढंग से प्रस्तुत की गई फिल्म है।'
नीरस एक्शन दृश्य, घटिया कंप्यूटर ग्राफिक्स, कल्पनाहीन
कहानी कहने का तरीका और हॉलीवुड की चोरी, सबसे बेशर्म और निर्लज्ज किस्म की है।
प्रियंका के बारे में लिखते हुए, जो एक बार फिर कृष (ऋतिक रोशन) की पत्नी की भूमिका निभा रही हैं,
रेडिफ डॉट कॉम की समीक्षक प्रिया ने कहा कि उनका किरदार 'तेज हंसी वाली' है।
यह सबसे निरर्थक भूमिका है।
कृष 3 की रिलीज ने एक बार फिर बॉलीवुड के उस पहलू को उजागर कर दिया है जिस पर पहले सवाल उठ रहे थे।
यह प्रतिद्वंद्विता पहली बार प्रियंका की 2008 में रिलीज हुई फिल्म 'फैशन' के बाद सामने आई।
कृष 3 के रिलीज होने से पहले, प्रियंका ने कई इंटरव्यू में कहा था कि वह फिल्म में मुख्य भूमिका निभाने वाली कंगना रनौत ने सिर्फ एक छोटी भूमिका निभाई थी, जबकि उनकी सह-कलाकार ने फिल्म में सिर्फ एक छोटी भूमिका निभाई थी।
फिल्म में एक सहायक किरदार। पीटीआई की एक खबर में, प्रियंका ने इस बात पर जोर दिया कि उन्हें हिंदी फिल्मों में स्क्रीन शेयर करने को लेकर कभी कोई असुरक्षा महसूस नहीं हुई। फिल्म 'द हीरो' में:
लव स्टोरी ऑफ अ स्पाई और अंदाज़ में काम करने के बाद ही वह स्क्रीन पर नज़र आईं।
विराम। लेकिन उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि वह निश्चित रूप से मुख्य अभिनेत्री थीं।
कृष 3. ‘मैं फिल्म की हीरोइन हूं, मैं ऋतिक की पत्नी का किरदार निभा रही हूं और यही बात है।

'यह कैसा है,' इंडिया टुडे ने पीटीआई की खबर में उनके हवाले से कहा।
लेकिन कई आलोचकों ने उल्लेख किया कि फिल्म में कंगना की खलनायकी
इस किरदार में प्रियंका के व्यक्तित्व से कहीं अधिक पहलू थे। यह भूमिका प्रियंका द्वारा निभाए गए किरदार से कहीं अधिक चुनौतीपूर्ण। एक कहानी में इंडिया टुडे ने दोनों अभिनेत्रियों की भूमिकाओं के बीच के अंतर को उजागर किया:
फिल्म में मुख्य अभिनेत्री के लिए मुख्य भूमिका निभाने के अलावा और कुछ खास करने को नहीं है।
चमकीले काले चमड़े के वस्त्र पहने शूरवीर ने उसे बचाया। दूसरी ओर, कंगना। वह सिर्फ एक खूबसूरत चेहरा नहीं है—वह एक उत्परिवर्ती की भूमिका निभाती है और यही उसे आगे बढ़ने का मौका देता है।
उनके अंदर छिपी अभिनेत्री को अभिनय करने के लिए एक विशाल कैनवास मिला है... वह अपने किरदार को बखूबी निभाती हैं।
पूरे समय अपने भावों को बरकरार रखते हुए वह सहजता से सेक्सी दिखती है।
फिल्म। कंगना ने इस भूमिका में जान डाल दी है।
मधुर ने प्रियंका और कंगना को सबसे पहले एक ही फिल्म में कास्ट किया था। भंडारकर (चांदिनी बार [2001] के राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता निर्देशक, पृष्ठ)
3 [2005] और ट्रैफिक सिग्नल [2007]) फैशन में। एक बड़े कलाकारों के समूह के साथ,
फैशन पत्रिका ने भारत में उभरते मॉडलिंग उद्योग के काले पक्ष पर प्रकाश डाला और
उदारीकृत अर्थव्यवस्था की शुरुआत के बाद फैशन उद्योग में बदलाव आया है। भारत में
मध्यम और उच्च मध्यम वर्गों की संख्या और क्रय शक्ति में वृद्धि हुई। जैसे-जैसे उनका विस्तार हुआ, उन्होंने उपभोक्ता वस्तुओं पर अधिक से अधिक पैसा खर्च करना शुरू कर दिया।
वस्त्र उद्योग और उच्च स्तरीय फैशन उद्योग का भी विस्तार हुआ।
इससे मांग में वृद्धि हुई। फैशन शो और सौंदर्य प्रतियोगिताओं का प्रसारण होने लगा।

टीवी पर, उन्होंने छोटे शहर की लड़कियों का एक ऐसा समूह बनाया, जिन्होंने सपने देखना शुरू कर दिया।
ग्लैमर, सेलिब्रिटी बनना, हाई फैशन और रैंप पर चलना। दरअसल,
प्रियंका ने फिल्म में एक छोटे शहर की लड़की का किरदार निभाया, जो कुछ हद तक उससे मिलती-जुलती थी।
वह खुद बरेली की लड़की थी। फर्क सिर्फ इतना था कि उसका किरदार
फैशन डिजाइनर मेघना माथुर को अपने माता-पिता से संघर्ष करना पड़ा ताकि वह वहां जा सकें।
मुंबई। असल जिंदगी में, प्रियंका चोपड़ा के माता-पिता अपनी बेटी को इस तरह से रहने देने में खुश थे।
बेटी मॉडलिंग, फैशन और अंततः फिल्म उद्योग में प्रवेश करे।
स्पष्ट रूप से, फिल्म में प्रियंका मुख्य भूमिका में थीं, लेकिन कंगना की भूमिका दिलचस्प थी।
सहायक भूमिका—एक ऐसे मॉडल की जो ड्रग्स की आदी है और विनाशकारी रास्ते पर है। दोनों
इस फिल्म के लिए अभिनेत्रियों को राष्ट्रीय पुरस्कार मिले—सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार (प्रियंका)
और सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेत्री (कंगना) श्रेणियों में भी पुरस्कार जीते। लेकिन प्रेस ने इसे विवादित बनाने की कोशिश की।
उनकी प्रतिद्वंद्विता के बारे में एक बड़ी बात। इन प्रतिद्वंद्विता की रिपोर्टों पर प्रतिक्रिया देना—यहाँ तक कि
फिल्म की शूटिंग शुरू होने से पहले कंगना ने सुभाष के. झा से कहा था, 'अनुराग बसु की फिल्म 'लाइफ इन अ मेट्रो' को छोड़कर मेरी ज्यादातर फिल्में एकल नायिका वाली फिल्में रही हैं।'
मेरे किरदार के इर्द-गिर्द घूमती हुई।97 यह पहली बार है जब मैं किसी के साथ सह-कलाकार के रूप में काम कर रहा हूँ।
एक और अभिनेत्री। मुझे इस बात को लेकर कोई असुरक्षा नहीं है। मुझे क्यों होनी चाहिए? प्रियंका और मैं।
हम सबकी अलग-अलग शख्सियतें हैं और इसीलिए मधुर ने हमें ये भूमिका निभाने के लिए चुना है।
दो बिल्कुल अलग-अलग किरदार।

जब झा ने बताया कि जब भी उनका मुकाबला किसी और से होता था
actress such as Kareena Kapoor (Aitraaz) and Lara Dutta (Andaaz) Priyanka कंगना ने दमदार प्रदर्शन करने का तरीका ढूंढ लिया था, ऐसा लग रहा था जैसे वह इस चुनौती को स्वीकार कर रही हों।
चुनौती। 'अच्छा!' उसने कहा। 'यह स्वस्थ प्रतिस्पर्धा होगी। हम दोनों अपना- अपना प्रयास करेंगे।
सर्वश्रेष्ठ। फिल्म कबड्डी प्रतियोगिता की तरह नहीं होनी चाहिए।'
मधुर को प्रतिद्वंद्विता से जुड़ी प्रेस रिपोर्टें याद हैं, लेकिन उनका यह भी मानना है कि
कि बेवजह ही बात को बहुत बड़ा बना दिया गया। 'कुछ लोग ऐसे हैं जो चाहते हैं कि...'
मधुर कहती हैं, 'उनकी अपनी जगह होती है। इसका मतलब यह नहीं है कि वे मूडी होते हैं।'
लोगों ने दरार पैदा करने की कोशिश की, लेकिन कभी कोई समस्या नहीं हुई। वे एक-दूसरे के प्रति बहुत विनम्र थे। प्रियंका बहुत सहज थीं।’ मधुर कहती हैं कि जब
जब उन्हें फैशन बनाने का विचार आया, तो उनके दिमाग में सिर्फ प्रियंका का ही ख्याल आया।
चोपड़ा उनकी फिल्म के मुख्य किरदार की भूमिका निभाएंगे।
फैशन फिल्म से पहले, प्रियंका की कई फिल्में फ्लॉप रहीं—बिग ब्रदर (2007), द लीजेंड ऑफ द्रोण (2008), चमकु (2008) और लव स्टोरी 2050
(2008)। इनमें से अधिकांश फिल्में तब तक रिलीज़ नहीं हुई थीं जब मधुर की मुलाकात प्रियंका से हुई थी।
गोवा के पणजी में ताज होटल की लॉबी में। दोनों वहां मेहमान के तौर पर मौजूद थे।
और भारत के अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव के प्रतिनिधि। और मधुर की फिल्म कॉर्पोरेट (2006) फिल्म महोत्सव के इंडियन पैनोरमा सेक्शन में दिखाई जा रही थी।
भंडारकर कहते हैं, 'मेरी उनसे कुछ अन्य समारोहों में ही संक्षिप्त मुलाकात हुई थी।'

मैंने उसे नमस्कार किया और तभी मैंने कहा, “प्रियंका, मेरे पास तुम्हारे लिए कुछ है।
मैं फैशन जगत पर एक फिल्म बनाना चाहती हूँ।” और उसने सबसे पहले कहा, “ओह अब आप उन्हें निशाना बनाने जा रहे हैं? मुझे लगता है चांदनी बार, पेज 3 और कॉरपोरेट जगत के लोग कहने लगे थे, "मधुर हमेशा किसी न किसी को निशाना बना रहा है।"
समाज के किसी न किसी वर्ग को।
दो महीने बाद, वे मुंबई में फिर मिले। स्क्रिप्ट तैयार थी और
प्रियंका मेघना के किरदार से जुड़ाव महसूस करती थीं। मधुर ने फिल्म की शूटिंग एक
कालानुक्रमिक क्रम। 'मैं चाहता था कि शूटिंग के दौरान किरदार का विकास हो।'
भंडारकर कहते हैं, 'फिल्म। प्रियंका उस ग्राफ को समझ गई थी जिसे मैं ट्रैक कर रहा था।'
फिल्म में प्रियंका के प्रेमी अर्जुन नाम के एक अपेक्षाकृत नए कलाकार थे। बाजवा—एक आकर्षक अभिनेता जिन्होंने कुछ तेलुगु फिल्मों में काम किया था, लेकिन
हिंदी सिनेमा में कोई महत्वपूर्ण भूमिका नहीं निभाई है। भंडारकर कहते हैं कि एक बार
उन्होंने प्रियंका को मुख्य भूमिका में लिया था और चूंकि यह एक महिला प्रधान कहानी थी, इसलिए उन्हें पूरा यकीन था कि कोई भी बड़ा मुख्यधारा का बॉलीवुड अभिनेता यह भूमिका स्वीकार नहीं करेगा।
मानव भासिन। मधुर कहती हैं, 'अभिनेताओं में अपनी असुरक्षाएँ होती हैं।' 'अधिकांश
अगर अभिनेत्री मुख्य किरदार होती तो मैं फिल्म नहीं करना चाहता। इसलिए मैं नहीं गया।
उस रास्ते पर।
फैशन फिल्म प्रियंका के करियर की एक निर्णायक फिल्म साबित हुई। राजीव मसंद
लिखा गया है कि फिल्म मधुर के वास्तविकता के संस्करण का अनुसरण करती है, लेकिन इसमें कुछ झलकियाँ भी हैं

फिल्म में प्रामाणिकता का भाव है। प्रियंका के बारे में उन्होंने लिखा, 'प्रियंका चोपड़ा बदल देती हैं'
एक सम्मानजनक प्रदर्शन में, जो निस्संदेह उनके सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के रूप में याद किया जाएगा।
Rediff.com के आलोचक प्रियंका के प्रदर्शन से कुछ हद तक आश्चर्यचकित दिखे। फिल्म। 'अब या तो सुश्री चोपड़ा ने कुछ नई तरकीबें सीख ली हैं (जहाँ तक उनका प्रदर्शन (पिछले कुछ मुकाबलों के बाद से) ऐसा ही है या क्या वह वास्तव में मेघना माथुर हैं?
(स्वभाव के लिहाज से) और आखिरकार खुद का किरदार निभाने में सक्षम होने पर उसे राहत मिली।
स्क्रीन। मुझे संदेह है कि सच्चाई कहीं बीच में ही छिपी है।
प्रियंका के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार जीतना सोने पर सुहागा था।
चोपड़ा।
साल की निराशाजनक शुरुआत के बावजूद, प्रियंका ने 2008 का अंत शानदार तरीके से किया।
एक और अपेक्षाकृत महत्वपूर्ण फिल्म, जिसने एक अमिट छाप छोड़ी,
कम से कम अपने लोकप्रिय गानों और हास्य अभिनय के लिए। रिलीज के कुछ हफ्तों बाद
फैशन की दुनिया से बाहर आने के बाद, वह करण जौहर के प्रोडक्शन के साथ स्क्रीन पर वापस लौटीं।
दोस्ताना, जिसका निर्देशन तरूण मनसुखानी ने किया है। एक बार फिर प्रियंका ने निभाया किरदार
एक ग्लैमरस भूमिका, लेकिन इस बार एक अलग अंदाज़ के साथ, एक खास तरह की शीतलता के साथ। और यह तथ्य कि
फिल्म की कहानी मियामी में घटित होती है—और सभी बाहरी दृश्यों की शूटिंग फ्लोरिडा में की जाती है—
दोस्ताना एक मनोरंजक और महत्वपूर्ण फिल्म है—यह बॉलीवुड की एक बड़ी फिल्म है।
इस प्रोडक्शन ने समलैंगिकता के बारे में बातचीत शुरू की।
जैसा कि प्रियंका के करियर में आम बात हो गई थी, नेहा की भूमिका

दोस्ताना सीरियल में फैशन एडिटर का किरदार निभाने वाली मेलवानी का रोल सबसे पहले ऐश्वर्या राय को ऑफर किया गया था।
उन्हें अपने अपेक्षाकृत नए पति अभिषेक के साथ अभिनय करना था।
बच्चन और सैफ अली खान। लेकिन इस बार ऐश्वर्या ने फिल्म से अपना नाम वापस ले लिया।
प्रोजेक्ट। कोई केवल अनुमान लगा सकता है कि स्विमसूट में नेहा का सेक्सी लुक और
अन्य टाइट-फिटिंग ड्रेस पहनना ऐश्वर्या के लिए एक बड़ी चुनौती होने वाली थी।
जो अब अमिताभ और जया बच्चन की बहू थीं। पहली और
ऐश्वर्या ने पर्दे पर सिर्फ एक बार धूम 2 में किस किया था। इसके अलावा, कुछ और भी थे।
ऐसी खबरें हैं कि उनकी और अभिषेक की सगाई के बाद अमिताभ बच्चन ने उन्होंने धूम 2 के निर्माता यश चोपड़ा से चुंबन दृश्य को संपादित करने का अनुरोध किया।
इसलिए, यह समझना स्वाभाविक है कि अश्वर्या को यह भूमिका निभाने में असहजता होगी।
Neha’s character in Dostana.
ऐश्वर्या का नुकसान प्रियंका का फायदा साबित हुआ। इससे पहले भी दोनों ने एक बार अपनी भूमिकाएं बदली थीं। प्रियंका को मूल रूप से जे.पी.
दत्ता की फिल्म उमराव जान (2006) में उन्होंने अभिनय किया था। लेकिन तारीखें न दे पाने के कारण उन्हें यह भूमिका नहीं मिल पाई।
ऐश्वर्या को दिया गया। 1981 की उत्कृष्ट कृति का रीमेक, नई उमराव जान। यह समीक्षकों और बॉक्स ऑफिस दोनों ही दृष्टि से एक बड़ी असफलता थी।
करण जौहर का कहना है कि ऐश्वर्या के दोस्ताना से जाने के बाद, उन्होंने और तरुण ने मुख्य भूमिका के लिए किसी के बारे में नहीं सोचा था। 'मुझे लगता है कि उसने बस एक मौका दिया था।'
ब्लफमास्टर! और क्रिश,’ करण कहते हैं। ‘वह पूरी तरह से अपने ही रंग में थी।
वह काफी लोकप्रिय हो रही थी। इसलिए हमने उसे दोस्ताना ऑफर किया।' बाद में सैफ अली खान ने भी उसे छोड़ दिया।
उन्हें बाहर कर दिया गया और उनकी जगह जॉन अब्राहम को लाया गया।

उसे। 'तो वह, मैं और (कॉस्ट्यूम डिजाइनर) मनीष (मल्होत्रा) खरीदारी करने गए।
मियामी। वह बहुत उत्साहित थी (सुनहरे रंग के बैकलेस वन-पीस में)। स्विमसूट) और उसी क्षण से, वह शुरू हो गई।' वैसे भी, तरुण कहते हैं कि फिल्म की आउटडोर शूटिंग मियामी में हुई थी, 'जहां अगर आप स्विमसूट में नहीं हैं तो'
तब यह एक समस्या है।
दोस्ताना फिल्म प्रियंका को बेहद बॉलीवुड अंदाज में पेश करती है, जिसमें अपने शारीरिक गुणों के साथ खेलते हुए अपने चरित्र के रहस्य को उजागर करना। बच्चन
और अब्राहम के पात्र एक अपार्टमेंट की तलाश में आते हैं (आंतरिक दृश्य) फिल्म का कुछ हिस्सा मुंबई के एक स्टूडियो में शूट किया गया था। दोनों समलैंगिक होने का नाटक करते हैं।
वे अपेक्षाकृत सस्ते अपार्टमेंट में रहने की उम्मीद से आए थे। उन्हें बताया गया कि
रियल एस्टेट एजेंट का आवेदन स्वीकृत हो जाएगा, लेकिन अंतिम निर्णय नेहा को ही लेना है। 'ये नेहा कौन है?' बच्चन पूछते हैं।
और हमें प्रियंका की आवाज सुनाई देती है, 'मैं नेहा हूं।'
उसके गुलाबी होंठ देखिए, और जैसे ही वह 'हाय' कहती है, उसके होंठ खुल जाते हैं। फिर, हम उसे देखते हैं।
खूबसूरत हरी आंखें और नारंगी रंग की पोशाक। इसके अलावा भी कई और खूबियां हैं।
प्रियंका का पूरा चेहरा दिखने तक तस्वीरें खींची जाती हैं। दोनों लड़के बेहद खुश हैं।
'जब भी कोई ऐसी तस्वीर लेना चाहता है जो ग्लैमर को दर्शाती हो, तो यह बहुत महत्वपूर्ण होता है।'
तरुण कहते हैं, 'किसी को भी अश्लीलता का सहारा नहीं लेना चाहिए। आपको यह जानना होगा कि कैसे...'
उसकी तस्वीर खींचो, उसे कैसे पोज देना चाहिए, कैसे खड़ा होना चाहिए। यह बहुत आसान है।

कैमरा पीठ को दिखाने और नितंबों पर फोकस करने के लिए है। हम मुख्य रूप से एक खास वर्ग के ग्राहकों को सेवा प्रदान करते हैं।
पारिवारिक दर्शकों के लिए, आप नहीं चाहेंगे कि दर्शक असहज महसूस करें और सोचें कि उन्हें यह क्यों पसंद आ रहा है।
लोग इसे देख रहे हैं।
फ़ैशन और दोस्ताना की शूटिंग एक साथ हुई थी और प्रियंका के अभिनय ने दोनों प्रोडक्शन के दौरान इसमें बदलाव आया। लेकिन तरुण को इसे और बेहतर बनाने के लिए उसके साथ काम करना पड़ा।
किशोर नामित कपूर के स्कूल में सीखी हुई अभिनय कला के आधार पर।
और उनकी शुरुआती बॉलीवुड फिल्मों में।
जब वह दोस्ताना में आई तो वह एक खास तरह की अभिनय शैली के साथ आई थी।
‘यह वह गुणवत्ता थी जो हिंदी फिल्म उद्योग के लिए एक मानक बन गई थी,’ तरुण कहते हैं। ‘यह
यह दुनिया थोड़ी अतिरंजित थी। इसलिए जब उसने मुझे पहला मौका दिया तो... मुझे याद है कि मैंने उसके पास जाकर कहा था, "ऐसा मत करो। बस जैसी हो वैसी ही रहो।"
जब हम अगले शॉट की तैयारी कर रहे थे, तो वह मेरे पास आई और मुझसे पूछा, "क्या क्या आपको इस बात का पूरा यकीन है? क्योंकि यह अभिनय जैसा नहीं लग रहा है।” और मेरी प्रतिक्रिया थी,
“यह अभिनय नहीं है। बस खुद बनो।” वह मेरी बात समझने लगी।
वह ऐसा कह रही थी और उसका प्रदर्शन अधिक सामान्य हो गया।
शूटिंग के दौरान एक ऐसा समय आया जब तरुण और प्रियंका के बीच वाकई गहरी केमिस्ट्री देखने को मिली।
प्रियंका अक्सर किसी दृश्य या किसी खास बात पर टिप्पणी करती थीं।
संवाद के दौरान, 'प्रियंका ही वह थी जो मेरे पास आती और मुझे बताती कि अगर किसी बात में कोई कमी है तो वह क्या है।'
तरुण याद करते हुए बताते हैं, 'एक खास संवाद में एक शब्द का दो बार इस्तेमाल हुआ था। वह कहती थीं,
“कोई दूसरा शब्द क्यों नहीं हो सकता, क्योंकि ऐसा लग रहा है जैसे मैं दोहरा रहा हूँ।”
खुद को।" इसलिए वह मुझे हमेशा सतर्क रखती थी और यही सबसे अच्छी बात थी।

मैं निर्देशक बन सकता था। मुझे लगातार चिंता सताती रहती थी कि प्रियंका क्या करेगी।
सेट पर आओ और मुझसे सवाल पूछो।'
दोस्ताना ने बॉक्स ऑफिस पर मिला-जुला कारोबार किया—या यूं कहें कि 'औसत' प्रदर्शन किया।
बॉलीवुड फिल्मों के बॉक्स ऑफिस पर विशेषज्ञता रखने वाले लोग ऐसा कहेंगे। समीक्षाएँ थीं
फिल्म में समलैंगिक किरदारों को जिस तरह से चित्रित किया गया है, उसकी आलोचना करते हुए—फिल्म
उन पर हँसा, उनके साथ नहीं। लेकिन समीक्षाओं में हमेशा इसका ज़िक्र होता था।
प्रियंका द्वारा अभिनीत कामुक चरित्र नेहा। जैसा कि राजा सेन ने रेडिफ डॉट कॉम पर लिखा है,
'यौन गतिशीलता की बात करें तो, प्रियंका चोपड़ा की पोशाकों के संदर्भ में यहां काफी कुछ प्रदर्शित किया गया है। ऐसा नहीं है कि हमें इससे कोई शिकायत है।'
अभिनेत्री बेहद आकर्षक लग रही हैं, और हालांकि उनके परिधान थोड़े अधूरे हैं।
यह कुछ ज़्यादा ही हो गया, हम तो बस घूरने में इतने मशगूल हैं कि इस पर कोई मुद्दा ही नहीं बना पा रहे। वह दिखती है
कई अतिरंजित भूमिकाओं के बाद वह बेहद सहज और तरोताजा नजर आ रही हैं, और पर्दे पर उनका प्रदर्शन
आनंद स्वाभाविक और मजेदार है। और क्या मैंने उन टांगों का जिक्र किया? हे भगवान!
राजीव मसंद ने प्रियंका की नेहा को 'हॉट लेकिन दिल की अच्छी' बताया। 'सोना।' उन्होंने आगे कहा, 'वह इस फिल्म में बेहद खूबसूरत लग रही हैं, पहले से कहीं बेहतर।'
पहले देखा था।’102
दोस्ताना की एक अमिट विरासत हिट गाना 'देसी गर्ल' है, जिसने एक तरह से
यह गीत प्रवासी दक्षिण एशियाई महिलाओं के लिए एक राष्ट्रगान बन गया है— अमेरिका में रहने वाली महिलाओं के लिए,

यूके में हो या कहीं और। 'प्रियंका और मैं इस बारे में हंसते हैं,' करण जौहर कहते हैं। 'वह
वह मुझसे कहता है, "यार, मैं जहां भी जाता हूं, मुझसे हर बार देसी गर्ल गाने पर डांस करने के लिए कहा जाता है।"
It’s the line Dekhi Lakh Lakh Pardesi Girl/Ain’t Nobody Like My Desi Girl’. यह हर देसी लड़की पर लागू होता है। यह न तो भारत-केंद्रित है, न ही पाकिस्तानी।
बांग्लादेशी। प्रियंका के लिए अमेरिका में भी यही ब्रांडिंग कारगर साबित हुई।

जब प्रियंका चोपड़ा मियामी में शूटिंग कर रही थीं, तब उनसे एक मेहमान मिलने आया था।
मुंबई। फिल्म निर्माता विशाल भारद्वाज कहानी सुनाने के लिए मियामी तक गए। जिस फिल्म की पटकथा वह बनाने की योजना बना रहा था—कमीने (जो एक साल बाद रिलीज हुई)
दोस्ताना)।
विशाल को याद आया कि उसने प्रियंका को एक फिल्म में देखा था और वह उससे काफी प्रभावित हुआ था।
उनकी अभिनय क्षमता को देखते हुए, उन्होंने यह भी महसूस किया कि वह एक 'बुद्धिमान व्यक्ति' थीं।
और इसलिए उन्होंने स्वीटी की भूमिका के लिए उनसे संपर्क किया।
मुझे एक ऐसी अभिनेत्री चाहिए थी जो थोड़ी मराठी जैसी दिखती हो और सांवली हो।
'कमीने' में अपने किरदार के बारे में विशाल कहते हैं। उन्होंने प्रियंका से पहले संपर्क किया था, इससे पहले कि वह...
दोस्ताना की शूटिंग के लिए रवाना हो गए। उन्होंने कहानी की संरचना के बारे में बताया क्योंकि वे
अभी भी स्क्रिप्ट पर काम चल रहा है, उम्मीद है कि प्रियंका तारीखों पर फिल्म रिलीज़ करने के लिए तैयार हो जाएंगी।

मैं मुंबई की बारिश को कैमरे में कैद करना चाहता था और मानसून के दौरान शूटिंग करना चाहता था।
मौसम।'
जब उन्होंने मुझसे कहानी सुनी, तो उन्होंने पहले तो इस परियोजना के लिए मना कर दिया।
विशाल आगे कहते हैं, ‘उसने कहा कि फिल्म में नायिका के लिए कोई भूमिका नहीं थी, क्योंकि
यह जुड़वां भाइयों की कहानी थी। लेकिन मैंने उससे कहा, "शायद तुम इसे देख नहीं पा रही हो।"
अभी नहीं, वरना शायद मैं आपको समझा नहीं पाऊँगा। लेकिन स्क्रिप्ट तैयार हो जाने पर।
आपकी भूमिका काफी स्पष्ट हो जाएगी।” इसलिए मैंने उससे कहा, “अभी हाँ मत कहो, लेकिन
कृपया मना भी मत कीजिएगा।
और उसने वादा किया कि स्क्रिप्ट तैयार होते ही वह उससे मियामी में मिलेगा।
‘और वह हंसने लगी और बोली, “आप मियामी में कहां आएंगे?”’ लेकिन
वह सचमुच मियामी गया था और तभी उसे एहसास हुआ कि वहाँ बहुत कुछ है। स्क्रिप्ट में। 'स्वीटी का किरदार एक जोशीली, मजबूत महिला का था। मेरे पास था।
मैंने उसे बताया कि मेरे महिला पात्र हमेशा बहुत मजबूत होते हैं। मैंने आगे कहा कि यह
एक मराठी लड़की का किरदार निभाना आपके लिए एक चुनौती होगी। फिर उन्होंने इसे स्वीकार कर लिया।
प्रियंका ने महाराष्ट्रीयन किरदार को बखूबी निभाने के लिए बहुत मेहनत की। उसे नियुक्त किए गए एक कोच से भाषा सीखना और बोलना
फिल्म के क्रू के साथ मराठी में बात करते हुए। मैंने उससे कहा, 'अगर तुम गलत बोलोगी तो वे...'
'मैं आपको सही कर रहा हूं,' विशाल कहते हैं। 'जब हमने तैयारी शुरू की तो मैंने उनसे कहा कि सेट पर।
क्रू के 90 प्रतिशत सदस्य मराठी भाषी होंगे, और मैं उसकी आवाज़ डब नहीं करना चाहता था।

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
as an excited bride in the song ‘Raat Ke Dhai Baje’, dressed in a green sari
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

शाहिद (उनका रफ एंड टफ, मस्कुलर और लंबे बालों वाला लुक बेहद आकर्षक है), उतने ही सेक्सी हैं।
प्रियंका (वह एक दृढ़ निश्चयी मराठी महिला का किरदार बहुत अच्छे से निभाती हैं)
“मुल्गी” (कि आप उसके बेदाग फ्रेंच मैनीक्योर को लगभग नज़रअंदाज़ कर देते हैं)।103
Rediff.com के आलोचक ने कहा, 'प्रियंका चोपड़ा की बेहद चुलबुली स्वीटी' वह बेहद प्रभावशाली प्रवाह के साथ हास्यास्पद मराठी बोलता है। प्रियंका एक रात के दृश्य की शूटिंग के दौरान दुर्घटना का शिकार हो गईं, जिसमें स्वीटी और गुड्डू (शाहिद) स्कूटर पर भागने की कोशिश कर रहे थे। फिल्म के नाटकीय रूप को निखारने के लिए, छायाकार तसद्दुक हुसैन ने इसे गीला कर दिया था।
भारद्वाज ने सुझाव दिया कि स्कूटर को कोई दूसरा व्यक्ति चला सकता है, लेकिन प्रियंका ने सड़क पर यह सुझाव दिया।
उसने ज़िद की कि वह ऐसा करेगी। और जैसे ही उसने स्कूटर चलाना शुरू किया, वह फिसल गया।
विशाल कहते हैं, 'उसे चोट लगी थी। मैं मॉनिटर पर देख रहा था और...'
अचानक ऐसा लगा जैसे वह मॉनिटर पर आ रही हो। लोग चौंकने लगे।
अगर वह भागती तो उसके चेहरे पर चोट लग सकती थी। लेकिन सौभाग्य से शाहिद का हाथ बच गया।
उसने अपना चेहरा ढक लिया। वह बहुत शर्मिंदा थी। हमने सोचा कि हम अपना सामान पैक कर लेंगे।
क्योंकि काफी रात हो चुकी थी—लगभग 2-3 बजे थे। लेकिन उसने कहा, "नहीं, मैं नहीं आ पाऊंगी।"
मुझे नींद आ रही है। आपको मेरे साथ इंजेक्शन लगाना होगा। नहीं तो मुझे नींद नहीं आएगी।
निराश और उदास महसूस कर रहे हैं।" इसलिए हमें एक शॉट लेना पड़ा। ये प्रियंका चोपड़ा का शॉट है।
समर्पण।'
प्रियंका के समर्पण के कारण ही विशाल ने उन्हें यह प्रस्ताव दिया था।

उनकी सबसे चुनौतीपूर्ण फिल्मों में से एक, 7 खून माफ (2011) में मुख्य भूमिका।
सुज़ाना अन्ना-मैरी जोहान्स की भूमिका—एक ऐसी महिला जिसने अपने छह बच्चों की हत्या कर दी।
पति का किरदार निभाना बेहद मुश्किल था, प्रियंका के लिए यह निश्चित रूप से सबसे कठिन भूमिकाओं में से एक थी।
हो गया। कई अलग-अलग अभिनेताओं के साथ अभिनय करने के अलावा—नसीरुद्दीन प्रियंका के अलावा शाह, इरफान खान, जॉन अब्राहम, अन्नू कपूर और अन्य कलाकार भी थे।
फिल्म में उनका किरदार भी उम्र के साथ बदलता है, एक किशोरी से लेकर 60 के दशक की एक परिपक्व महिला तक।
विशाल कहते हैं, 'मुझे ऐसा करने में बहुत झिझक और घबराहट हो रही थी।' 'वहाँ एक
इस बात की चिंता थी कि वह इसे कर पाएगी या नहीं। इसलिए बहुत कुछ था। तैयारी का काम चल रहा था और फिर एक समय विशाल ने उससे कहा कि वह अपने व्यवहार में सहज रहे।
प्रदर्शन।
विशाल आगे कहते हैं, ‘प्रियंका वास्तव में निर्देशन इकाई का हिस्सा बन गईं।’ ‘वह
उन्हें सब कुछ पता था कि क्या हो रहा है, हम दूसरे के साथ क्या कर रहे थे। अभिनेता। वह हमारे कार्यालय आती थीं और हमारे साथ समय बिताती थीं। मैंने काम किया है।
कई अन्य अभिनेताओं के साथ। फिल्म सितारे आमतौर पर अपनी ही दुनिया में रहते हैं। एक बार
उनकी शिफ्ट खत्म हो गई है और उनका दिन का काम पूरा हो गया है, अब उनकी एक और जिंदगी है। प्रियंका...
बहुत अलग। जब वह किसी फिल्म में होती है, तो वह आपकी सबसे अच्छी दोस्त, आपकी सबसे अच्छी साथी बन जाती है।
सहायक, वह एक स्पॉट बॉय की तरह है। इसलिए वह आपके लिए 24 घंटे उपलब्ध है। यह उसका काम है और वह इसे अपना बना लेती है, कभी-कभी मुझसे भी ज्यादा। मुझे तो ऐसा करना ही पड़ेगा।

कभी-कभी मैं उससे कहता हूं कि मैं निर्देशक था, यह मेरी फिल्म थी और मुझे अपना काम आता था।
और फिर वो कहती, “ओह, सॉरी, सॉरी।”
7 खून माफ़ का एक भाग—वह खंड जहाँ सुज़ाना कवि से विवाह करती है वसीउल्लाह खान (इरफान खान) को श्रीनगर में गोली मार दी गई और राजनीतिक शहर में हालात तनावपूर्ण थे। एक दिन सुबह तड़के 15 मिनट तक बिजली गुल रही। श्रीनगर के डाउनटाउन में स्थित एक मस्जिद के अंदर गोलीबारी की गई। यह एक खतरनाक इलाका था और सुरक्षा कारणों से तथा मस्जिद के सम्मान में पुलिस ने ऐसा करने की अनुमति नहीं दी।
यहां तक कि बंदूकें भी अंदर ले जा सकते थे। क्रू उस दृश्य को शूट करने में सक्षम था।
प्रियंका और इरफान से पुलिस अधीक्षक और प्रभारी अधिकारी काफी प्रभावित हुए।
इसलिए भारद्वाज ने अपनी किस्मत आजमाई और लाल चौक पर एक त्वरित तस्वीर लेने की अनुमति मांगी।
अधीक्षक सहमत हो गए, लेकिन समस्या यह थी कि वहाँ कोई जगह नहीं थी।
प्रियंका को अपने कपड़े बदलने होंगे।
मैंने प्रियंका से कहा कि एसएसपी मान गए हैं लेकिन लोग जल्द ही आ जाएंगे। भारद्वाज याद करते हुए कहते हैं, 'और हम शॉट नहीं ले पाएंगे। इसलिए प्रियंका...'
उसने सुझाव दिया कि हमें लोगों को एक वैन के चारों ओर चादरें ओढ़कर खड़ा करना चाहिए और उसने
वह अंदर ही अपने कपड़े बदल सकती थी। उसने अपने कपड़े बदले और तीन मिनट के भीतर ही।
कुछ ही मिनटों में वह बाहर चली गई। कोई भी मुख्यधारा की अभिनेत्री ऐसा नहीं करेगी।
जल्दी से।'
एक अन्य दिन, टीम श्रीनगर के एक घर के अंदर शूटिंग कर रही थी।
यह खबर फैल गई कि प्रियंका चोपड़ा अंदर हैं और लगभग चार सौ लोग
लोग बाहर जमा हो गए। केंद्रीय रिजर्व पुलिस का एक जवान आया और उसने दल को बताया।

हालात बेकाबू हो सकते हैं, इसलिए तुरंत सामान पैक करना होगा। लेकिन शूटिंग रात 8 बजे तक चलने वाली थी।
प्रियंका ने मेरा हाथ पकड़ा और मुझे एक संकरे रास्ते और सीढ़ियों से होते हुए ले गई।
(पुलिस अधिकारी की सलाह के विरुद्ध) उसने बालकनी से हाथ हिलाया।
विशाल कहते हैं, 'हम भीड़ से अनुरोध कर रहे हैं कि हमें अपना काम पूरा करने दें। आपको...'
मैंने भीड़ देखी। वे उछल-कूद कर रहे थे और जयकारे लगा रहे थे। हमने काम खत्म कर दिया।
उस दिन शूटिंग हुई थी। अगले दिन भी उन्होंने उसी स्थान पर शूटिंग की अनुमति दी थी।
ये प्रियंका है। वो बहुत साहसी है।'
लेकिन प्रियंका के लिए सबसे बड़ी चुनौती वह दिन था जब उन्होंने सेक्स सीन की शूटिंग की।
इरफ़ान एक आकर्षक कवि की भूमिका निभा रहे हैं, जिसका एक काला पक्ष भी है। वह शारीरिक रूप से हिंसक है।
सेक्स करते समय। 'इरफान थिएटर से आते हैं, वह एक
विशाल कहते हैं, 'वह एक राक्षस जैसी थी, लेकिन प्रियंका का थिएटर से कोई संबंध नहीं था।' 'वह बहुत ही...
मुझे डर था कि शारीरिक शोषण पर उसकी क्या प्रतिक्रिया होगी। मैंने उससे कहा कि पहले सब कुछ छोड़ दो।
अपनी झिझक को दूर करो। एक माहिर की तरह सोचो। इसके अलावा कुछ और मत सोचो। मुझे एक बार किसी ने कहा था।
that, “Seekho to shagird ki tarah, karo to ustad ki tarah. Karne ke time appne
आप को उस्ताद मानो (छात्र की तरह सीखो, लेकिन जब प्रदर्शन करो तो उस्ताद बनो)।
"जब भी आप कोई काम कर रहे हों या कुछ कर रहे हों, तो खुद को उस्ताद समझें।" मैंने उससे कहा।
कि उसे खुद को इरफान की फिल्म में मेरिल स्ट्रीप जैसी उस्ताद समझना चाहिए।

अपनी मौजूदगी से उन्होंने आत्मविश्वास हासिल किया। और उस दृश्य में उन्होंने इरफान का बखूबी साथ दिया।
विशाल भारद्वाज का कहना है कि प्रियंका का एक अभिनेत्री के रूप में विकास उल्लेखनीय है।
वह कड़ी मेहनत करती है और अपने काम से कभी भी पूरी तरह संतुष्ट नहीं होती। वह हमेशा
बेहतर करने के लिए प्रयासरत। अगर मैं उसे थोड़ा सा बदलाव करने का सुझाव देती, तो वह निराश होने लगती, उसे लगता कि उसे खुद ही इसके बारे में सोचना चाहिए था।
चरित्र। ये चीजें आपको मेहनत करने के लिए प्रेरित करती हैं। फिर अगली बार जब आप सेट पर जाएं,
आपको पता है कि आपको काम करते रहना है और बहुत ज्यादा आत्मसंतुष्ट नहीं होना है।'
And then there is Priyanka’s love for food. ‘Khane ki bahut shaukeen hai woh (She loves to eat),’ Vishal says. ‘Bhagwan ne usko kya metabolism diya है (भगवान ने उसे अद्भुत चयापचय दिया है)। आमतौर पर, अभिनेत्रियाँ लाती हैं
दोपहर के भोजन में उनका उबला हुआ खाना होगा। प्रियंका सेट पर समोसे और कचौड़ी लाएंगी।
और चर्बी कभी उसके शरीर में जमा नहीं होती।
कमीने की क्लाइमेक्स शूटिंग के दौरान, क्रू के सदस्य ठीक बगल में खड़े थे। बेकरी। 'जब हम सुबह सेट पर पहुँचे, तो उसे ताज़ी बेक्ड चीज़ों की खुशबू आ रही थी।'
उसे ब्रेड चाहिए थी और वह सीधे बेकरी चली गई। वह खाने-पीने की इतनी शौकीन है।'
विशाल प्रियंका के साथ अपनी दोस्ती को भी याद करते हैं। ‘मेरा प्रियंका के साथ एक गहरा रिश्ता बन गया था।
उनके साथ मेरा बहुत अच्छा तालमेल है,’ वे कहते हैं। ‘मेरा उनके साथ कभी इतना अच्छा तालमेल नहीं रहा।’
किसी भी अभिनेता के साथ, जैसा कि मैंने प्रियंका के साथ किया था। मैंने पंकज के साथ तीन फिल्में की हैं।

(कपूर) जी, तो मुझे लगता है कि दूसरे अभिनेता पंकज जी हैं। लेकिन फिर भी यह कभी नहीं था।
जिस तरह से मेरा प्रियंका से जुड़ाव हुआ। मुझे उनके साथ काम करने में इतना मज़ा पहले कभी नहीं आया।
किसी भी अन्य अभिनेता की तरह नहीं। वह अभी भी इंडस्ट्री में मेरी इकलौती दोस्त है। वह बहुत अच्छी है और
वह एक बहुत ही बुद्धिमान अभिनेत्री हैं।

खबरों के मुताबिक, 'कमीने' की शूटिंग के दौरान ही प्रियंका और उनके करीबी बने थे।
शाहिद कपूर। शाहिद और करीना कपूर का बहुचर्चित रिश्ता।
यह रिश्ता तब खत्म हुआ जब दोनों इम्तियाज अली की फिल्म '105 जब वी मेट' (2007) बना रहे थे।
यह शाहिद की अब तक की सबसे सफल फिल्म भी होगी।
शायद उनके रिश्ते की जड़ फिल्म 'कमीने' के किसिंग सीन में थी।
कम से कम करण जौहर ने अपने 'कॉफी विद करण' शो में तो यही संकेत दिया था।
19 दिसंबर 2010 को प्रसारित एक सेगमेंट में शाहिद और प्रियंका उनके अतिथि थे।106
प्रियंका के अनुसार, वह उस सीन के लिए शाहिद को किस नहीं करना चाहती थीं। स्क्रिप्ट में किसिंग सीन नहीं लिखा था। शाहिद ने कहा, 'यह हम दोनों के लिए एक सरप्राइज था।'
शो में उन्होंने कहा, ‘लेकिन विशाल सर का मानना था कि यह कुछ महत्वपूर्ण था।’
क्योंकि उन्होंने कहा कि फिल्म में एक ऐसा दृश्य होना चाहिए जिसमें आपको देखना होगा
ये दोनों लोग प्रेम कर रहे हैं। वरना यह बहुत उबाऊ और पुराना लगता है। और इस पर प्रियंका ने आगे कहा, 'स्वीटी और गुड्डू के किरदारों का आधार यही है।'

बात यह थी कि वे एक बच्चे की उम्मीद कर रहे थे।’ और उन्होंने यह भी कहा, ‘मुझे कहना होगा
शाहिद ने इस मामले में काफी शालीनता दिखाई और कहा, "यह पूरी तरह से निर्भर करता है कि..."
प्रियंका अगर चाहे और अगर उसे इसमें सहजता महसूस हो तो।’ इस पर शाहिद ने कहा।
उन्होंने आगे कहा, 'क्योंकि अगर इस बारे में पहले चर्चा नहीं हुई है, तो अगर यह कोई नई बात है तो अभिनेताओं का विशेषाधिकार है।'
लेकिन करण को बस यह जानने में दिलचस्पी थी कि क्या यह शुरुआत थी।
रिश्ते को लेकर। और वह दृढ़ था।

करण: तो क्या उसके बाद दोनों के बीच केमिस्ट्री पनपने लगी?

प्रियंका: मुझे लगता है कि जब हम पहली बार मिले थे, तभी से हमारे बीच एक खास तालमेल था…

शाहिद: एक बार जब हमने बात करना शुरू किया। उससे पहले हमने कभी बात नहीं की थी।

प्रियंका: मुझे लगता है कि हमारे पास यह था और अभी भी है।

करण: और यह सिलसिला जारी रहेगा?

प्रियंका: बिल्कुल।

इसी एपिसोड में, करण ने और अधिक जानकारी जुटाने की कोशिश की और पूछा कि क्या दोनों अभिनेता...
वे डेटिंग कर रहे थे। एक समय शाहिद ने कहा था कि वह सिर्फ इसलिए शो में आना चाहता था क्योंकि...
शो का मकसद यह स्पष्ट करना था कि क्या वह और प्रियंका डेटिंग कर रहे हैं, और फिर वह उसकी ओर मुड़ गया।

और पूछा, ‘क्या हम एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं?’ और प्रियंका ने जवाब दिया, ‘नहीं, हम डेट कर रहे हैं।’
नहीं।'
मेजबान और उनके दोनों मेहमानों के बीच हंसी-मजाक और नोकझोंक जारी रही। एक मौके पर करण ने पूछा, 'इसमें बड़ी बात क्या है?' तो शाहिद ने प्रियंका की ओर रुख किया।
और कहा, 'मैं आपकी भागीदारी के बिना निर्णय नहीं ले सकता। यह इसके बारे में है...'
हम दोनों।’ प्रियंका ने अंत में जवाब दिया, ‘मैं इस सवाल का जवाब दूंगी। मुझे नहीं पता।’
जैसे कि मेरे निजी जीवन के बारे में सवालों के जवाब देना, मैंने कभी नहीं दिया है और न ही कभी दूंगा।
जब तक मुझे यह महसूस न हो कि मैं यह करना चाहता हूँ, तब तक मैं ऐसा करूँगा। के बारे में बात।'
लेकिन करण के अगले प्रश्नों की ओर बढ़ने से पहले ही वह अंतिम चरण में पहुंच गए।
घोषणा। ‘मैं इसे नहीं खरीद रहा,’ उन्होंने कहा। ‘मैं तो बस यह घोषणा कर रहा हूँ कि आप
डेटिंग कर रहे थे। आप अभी डेटिंग कर रहे हैं या नहीं, मुझे नहीं पता, क्योंकि
स्पष्ट रूप से जो रसायन विज्ञान सामने आ रहा है, उससे निश्चित रूप से पता चलता है कि
कुछ तो हो रहा है।’ और उन्होंने शो का समापन यह कहते हुए किया, ‘मुझे बहुत मज़ा आया।’
मुझे भले ही कोई पुष्टि न मिली हो, लेकिन जैसा कि मैंने कहा, हम सभी ने इसका पता लगा लिया है।
बाहर। हमें अच्छा लगता है जब माहौल में प्यार होता है।'
शो का समापन करण के रैपिड-फायर राउंड के साथ हुआ। करण से एक सवाल पूछा गया। शाहिद कपूर ने कहा था: 'अगर आप एक सुबह उठें और प्रियंका बन जाएं तो क्या होगा?'
चोपड़ा, आप क्या करेंगे?’ शाहिद ने लगभग अपने रिश्ते का खुलासा कर दिया था

एक हास्यास्पद जवाब देते हुए उन्होंने कहा, 'मैं सोचती कि मैं शाहिद में क्या कर रही हूँ।'
कपूरी के बेडरूम में जाओ और अगले विंग तक पैदल चलो, क्योंकि मैं वहीं रहता हूँ।'
(उस समय शाहिद और प्रियंका मुंबई में एक ही इमारत में रहते थे— यारी रोड पर स्थित राज क्लासिक में, हालांकि उनके अपार्टमेंट अलग-अलग विंग में थे) (जग परिसर)। प्रियंका ने हैरानी भरी नज़र डाली और उसका मुंह खुला रह गया। हंसी भी।
अगले महीने सोमवार, 24 जनवरी 2011 को आयकर विभाग की छापेमारी हुई। प्रियंका चोपड़ा के अपार्टमेंट में। (साथ ही साथ एक और जगह पर भी छापा मारा गया।)
कैटरीना कैफ का अपार्टमेंट।) जैसा कि प्रथा है, आयकर अधिकारी
वे सुबह 6 बजे अपने कार्यालय में एकत्रित हुए और फिर वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा उन्हें यारी ले जाया गया।
सड़क। छापेमारी से ठीक पंद्रह मिनट पहले ही यह घटना घटी थी। अधिकारियों और साथ आए पुलिसकर्मियों को बताया गया कि कौन सा अपार्टमेंट किसका है।
उन्हें उस अपार्टमेंट में प्रवेश करना था। सुबह 7:30 बजे, जब अधिकारियों ने घंटी बजाई तो
प्रियंका चोपड़ा के अपार्टमेंट का दरवाजा नींद में डूबे कपूर ने खोला, जिन्होंने
उसने सिर्फ शॉर्ट्स पहन रखे थे।
इस घटना की खबर कई अखबारों और बॉलीवुड में छपी।
वेबसाइटों पर। ऐसा प्रतीत होता है कि यह उस अफवाह की पुष्टि है कि प्रियंका और
शाहिद और शाहिद डेटिंग कर रहे थे। बाद में, इस बात को छुपाने की कोशिश की गई, या कम से कम ऐसा प्रतीत हुआ।
कम से कम यह तो बता दो कि शाहिद प्रियंका के घर में क्या कर रहा था। अपार्टमेंट। कुछ दिनों बाद, प्रियंका ने इसी तरह की एक व्याख्या दी जब वह उन्होंने डीएनए अखबार से कहा: 'हां, जब यह घटना हुई तब शाहिद मेरे अपार्टमेंट में मौजूद थे।'

(आयकर विभाग का छापा) पड़ गया। वह मेरे घर से सिर्फ तीन मिनट की दूरी पर रहता है।
घर पर होने के कारण, जब सब कुछ ठीक हो गया तो उसे फोन करना मेरे लिए स्वाभाविक ही था।
हो रहा है। मेरी माँ को भी वहाँ होना था लेकिन वह नहीं आ सकीं।
इसलिए मैंने उसे फोन किया और वह तुरंत मेरे अपार्टमेंट में आ गया।
(कथित तौर पर शॉर्ट्स में)।’107 कोष्ठक में तीन शब्द—‘कथित तौर पर शॉर्ट्स में’
अखबार द्वारा 'शॉर्ट्स' शब्द जोड़े गए थे।
प्रियंका और शाहिद का रिश्ता आखिरकार खत्म हो गया। कुछ अच्छी बातों के बाद...
चर्चित प्रेम संबंधों के बाद, शाहिद ने जुलाई 2015 में दिल्ली की लड़की मीरा राजपूत से शादी की।
5 जनवरी 2014 को प्रसारित हुए 'कॉफी विद करण' के एपिसोड में करण ने बात की। एक पुराने समय के बारे में जब वह और प्रियंका एक पार्टी में थे और उन्होंने देखा
शाहिद वहां थे। 'जब आप एक ही बिरादरी में होते हैं, तो हां, आप एक-दूसरे से टकराते ही हैं।'
उन्होंने आगे कहा, 'अन्य।'108
प्रियंका की निजी जिंदगी प्रशंसकों के बीच अटकलों का विषय बनी हुई है। और गॉसिप मैगज़ीन। फिल्मफेयर के साथ हाल ही में एक इंटरव्यू में प्रियंका ने खुलासा किया।
यह उनके जीवन का एक महत्वपूर्ण पहलू है। जब उनसे उनके रिश्ते की स्थिति के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा कि...
उसने चौंकाने वाला जवाब दिया कि पिछले साल तक वह एक दीर्घकालिक रिश्ते में थी।
संबंध।
उन्होंने फिल्मफेयर ऑन 6 को बताया, 'मैं बहुत लंबे समय बाद सिंगल हुई हूं।' फरवरी 2018. 'मैं एक बहुत ही गंभीर रिश्ते में थी। लेकिन लगभग एक साल से मैं अकेली हूँ। मैं कई लोगों से मिली हूँ। मैं लोगों के साथ बाहर गई हूँ।'

मैंने किसी को मुझे रिझाने की कोशिश करने दी, लेकिन नहीं... मेरा दिमाग अभी तक फटा नहीं है, अभी तक तो नहीं!
इंटरव्यू के बाद से और यहां तक कि उनके इस बारे में बोलने से पहले भी, कुछ बातें चल रही थीं।
उसके साथ किसका रिश्ता था, इस बारे में अटकलें लगाई जा रही थीं। उसके पुरुष मित्रों के नाम भी सामने आए।
बातचीत में भारतीय फिल्म उद्योग के साथियों का जिक्र हुआ था, लेकिन प्रियंका ने कोई संकेत देने से इनकार कर दिया। एक ऐसी सार्वजनिक हस्ती के लिए, जिसका जीवन
भारत और अमेरिका में उन पर कड़ी नजर रखी जा रही थी, लेकिन उन्होंने इसे पूरी तरह से गुप्त रखा।
लेकिन अफवाहों या वास्तविक रिश्तों ने प्रियंका चोपड़ा को कभी नहीं रोका। अपने काम पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय, अगले कुछ वर्षों में उन्होंने केवल एक प्रोजेक्ट किया।
एक के बाद एक ऐसी तस्वीरें आईं जिनमें उनके अंदर छिपी अभिनेत्री झलक रही थी। वह जल्दी में लग रही थीं।
परियोजनाओं के साथ। शायद वह देख सकती थी कि उसका भाग्य उसे उस ओर ले जाएगा।
हम।

5

एक अभिनेत्री का निर्माण

—II

[redacted]: [redacted]

प्रियंका चोपड़ा अक्सर अमेरिका में टॉक शो होस्ट और अन्य पत्रकारों को बताती हैं कि उन्होंने पचास से अधिक फिल्मों में अभिनय किया है। यह बात सही लगती है, अगर
प्रियंका का imdb.com पर मौजूद पेज भी शामिल है, जिसमें उनकी सभी जानकारी मौजूद है।
अतिथि भूमिकाएँ। लेकिन हॉलीवुड के लिए यह एक बड़ी संख्या लगती है।
‘मुझे नहीं लगता कि डी नीरो ने पचास फिल्में की हैं,’ स्टीफन कोलबर्ट ने कहा।
प्रियंका फरवरी 2017 की शुरुआत में उनके टॉक शो में आई थीं। 'हां, वह' 'शायद नहीं,' प्रियंका ने अपने बालों से खेलते हुए, थोड़ा शर्माने की कोशिश करते हुए कहा।
विनम्र। लेकिन यह एक सच्चे सितारे की विनम्रता थी। 'मैं बहुत काम करता हूँ।'109
असल में, रॉबर्ट डी नीरो ने लगभग 90 फिल्मों में अभिनय किया है।110 लेकिन उन्होंने अपने करियर की शुरुआत की थी।
प्रियंका के जन्म से बहुत पहले, 1960 के दशक के मध्य में उनका करियर शुरू हुआ था।
हालांकि, पचास फिल्मों के बावजूद, प्रियंका ने उनमें से केवल कुछ ही फिल्मों में काम किया है।
जिसे अच्छी सिनेमा की श्रेणी में रखा जा सकता है—जहां भूमिकाओं ने उन्हें चुनौती दी और उन्हें निखारा।
कुछ समय के लिए उन्हें जिस सेक्स सिंबल की छवि में बांध दिया गया था, उससे आगे बढ़कर चमकें।
फिल्म उद्योग में शामिल होने के बाद।
और उनके इन उत्कृष्ट कार्यों में डॉन और डॉन 2 को भी शामिल करना आवश्यक है।
दोनों फिल्मों का निर्देशन फरहान अख्तर ने किया है, जो इन्हें समकालीन रूप देना चाहते थे।
चंद्र बरोट द्वारा निर्देशित मूल डॉन (1978), जिसमें अमिताभ बच्चन ने अभिनय किया था।

मुख्य भूमिका में, और जावेद अख्तर और सलीम खान द्वारा लिखित। फरहान ने शाह को कास्ट किया।
उनके संस्करण में रुख खान डॉन की भूमिका निभाएंगे। और उन्होंने प्रियंका चोपड़ा को इसके लिए चुना है।
ज़ीनत अमान द्वारा मूल रूप से निभाई गई रोमा की भूमिका को निभाएं। 2006 तक,
प्रियंका, कृष में अभिनय करने के बाद एक बड़ी स्टार बनने की कगार पर थीं। ब्लफमास्टर! और अक्षय कुमार के साथ पहले की फिल्में, जिनमें ऐतराज़ भी शामिल है।
फरहान ने दिलचस्प कास्टिंग विकल्प चुने, जिससे एक अधिक स्थापित किरदार को मौका मिला।
अभिनेत्री करीना कपूर—वह पहले ही कई फिल्मों में काम कर चुकी थीं— including Kabhi Khushi Kabhie Gham… (2001), Chameli (2003), Yuva (2004) और ओमकारा (2006 में पहले रिलीज़ हुई) में हेलेन की भूमिका को फिर से निभाने के लिए।
कामिनी। डॉन की शुरुआत में ही कामिनी का किरदार मर जाता है। रोमा निश्चित रूप से
फिल्म में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका है।
नई फिल्म की रिलीज से ठीक पहले sifymovies.com को दिए एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि
प्रियंका ने विनम्रता से कहा, 'जब मुझे डॉन का ऑफर मिला, तो मैंने इसे देखा तक नहीं था।'
(मूल संस्करण) दोबारा, क्योंकि मैं इसे ज़ीनत अमान की तरह नहीं करना चाहती थी।
प्रियंका ने कहा, ‘अगर मैंने उसकी तरह बनने की कोशिश की होती, तो मैं ऐसा नहीं कर पाती।’
रोमा समुदाय को न्याय मिले क्योंकि ज़ीनत अमान ने शानदार काम किया है। तुलनाएँ
यह अपरिहार्य है, लेकिन ज़ीनत हमेशा असली रोमा ही रहेंगी। मैं बस यही कोशिश कर रहा हूँ।
किरदार को थोड़े अलग तरीके से फिर से बनाएं।'

जिन लोगों ने भी इन दोनों डॉन को देखा है, वे इस बात से सहमत होंगे कि प्रियंका हर तरह से
इसका मतलब है कि एक कहीं बेहतर रोमा। प्रियंका के संवादों में बॉलीवुड का पुट था, लेकिन यह निश्चित रूप से वास्तविकता के करीब था। ज़ीनत ने अपने पूरे करियर में,
वह हिंदी को स्पष्ट उच्चारण के साथ बोलती थी। वह हमेशा ऐसा जताती थी कि हिंदी उसकी मातृभाषा नहीं है।
यह उनके लिए एक विदेशी भाषा थी, और इसे बोलना उनके लिए एक संघर्ष था। उनका अभिनय
उनकी क्षमताओं पर भी हमेशा संदेह बना रहता था।
करण जौहर ने भी प्रियंका की तुलना ज़ीनत से करते हुए मुझसे यही बात कही थी।
‘वह ज़ीनत अमान थीं जो अभिनेत्री बनीं,’ करण ने इस तथ्य की ओर इशारा करते हुए कहा।
ज़ीनत और प्रियंका दोनों ने अपने करियर की शुरुआत ब्यूटी पेजेंट विजेता के रूप में की थी।
‘वह कुछ हद तक सेक्सी और ग्लैमरस थी, लेकिन आगे चलकर वह एक कलाकार के रूप में उभरी।’
बेशक, प्रियंका के पास एक सच्ची कलाकार के रूप में उभरने के लिए अभी भी समय था, लेकिन वह
एक अभिनेत्री के रूप में वह पहले से ही ज़ीनत से काफी आगे हैं। विडंबना यह है कि गर्मियों में
2017 में, ज़ीनत ने प्रेस से अपने जीवन पर आधारित एक बायोपिक की संभावना के बारे में बात की थी।
जीवन। और उन्होंने कहा कि वह चाहती हैं कि प्रियंका उनका किरदार निभाएं। 'मुझे लगता है कि वह
बहुत अच्छी और प्यारी,’ ज़ीनत ने कहा, ‘प्रियंका इस भूमिका के लिए आदर्श अभिनेत्री होंगी।’
मुझे अपनी भूमिका निभानी होगी।
डॉन में प्रियंका के कुछ शानदार पल हैं, जिनमें पहली बार जब वह
हमें इससे परिचित कराया गया। फरहान की नई फिल्म में प्रियंका की रोमा को दिखाया गया है।

अपनी पतली, लेकिन मजबूत भुजाओं से मार्शल आर्ट का प्रदर्शन करते हुए। ऐसा लगता है मानो वह
वह काले रंग के टैंक टॉप में धीमी गति से ध्यानमग्न, ताई ची से प्रेरित नृत्य कर रही है और
काली पैंट। नए डॉन में सब कुछ शानदार, आधुनिक और ट्रेंडी है।
एक समीक्षक के अनुसार, प्रियंका की 'रोमा' फिल्म का सबसे बड़ा आश्चर्य थी। ज़ीनत अमान की जगह लेना एक मुश्किल काम है, लेकिन उन्हें वास्तव में इसकी ज़रूरत नहीं है।
इस आलोचक ने लिखा, 'उस खूबसूरत अभिनेत्री की उत्तराधिकारी होने का दिखावा करने में समय बर्बाद करना,'
ज़ीनत अमान के प्रति कुछ ज़्यादा ही दयालुता दिखाई गई।113 'चोपड़ा अपनी भूमिका को कुशलता से निभाती हैं,
वह हर तरह से एक सक्षम और कर्मठ महिला लग रही थी—और एक बेहद खूबसूरत हसीना भी।
वह सफेद रंग के टाइट-फिटिंग जंपसूट में बेहद खूबसूरत लग रही है। रोमा का किरदार निभाना मुश्किल है।
लेकिन पूरी फिल्म में प्रियंका का रवैया बेहद गंभीर और संयमित है। यह एक यह अभिनेत्री खुद को आगे बढ़ाने के लिए तैयार है और इसमें पर्दे पर जादू बिखेरने की निश्चित क्षमता है।
और हां, उनकी प्यारी मुस्कान का तो कहना ही क्या।
लोग इस बात पर बहस करते रहेंगे कि अमिताभ बच्चन की फिल्म 'डॉन' कितनी सफल रही थी।
शाहरुख खान के मुकाबले बेहतर। लेकिन प्रियंका ने यह बात स्पष्ट कर दी।
फिल्म में उन्हें नई रोमा के रूप में दिखाया गया था और दर्शकों को तुलना करना भूलना पड़ा।
वह ज़ीनत के साथ।
फिल्म उद्योग ने डॉन को हिट घोषित कर दिया, और इसलिए पांच साल बाद,
फरहान ने सीक्वल बनाने की योजना बनाई। इस बार, मूल फिल्म की सीमाओं से मुक्त होकर।
1978 की फिल्म में, फरहान ने सलीम-जावेद की जोड़ी द्वारा बनाए गए किरदारों पर ध्यान केंद्रित किया। लेकिन

उन्होंने उन्हें चंद्र बरोट फिल्म की तंग संरचना से परे ले गए। डॉन 2 (2006 की फिल्म डॉन की तरह) यह फिल्म मूल रूप से शाहरुख खान के आकर्षण और दमदार अभिनय पर टिकी है। लेकिन प्रियंका की रोमा को अपने अभिनय कौशल का भरपूर प्रदर्शन करने का मौका मिला है।
साथ।
इस बार प्रियंका के एक्शन सीन ज़्यादा हैं और एक बार फिर हम उन्हें उनके पुराने अंदाज़ में देखते हैं।
टैंक टॉप, या साधारण पैंट और शर्ट (वह एक इंटरपोल अधिकारी हैं),
आकर्षक और खतरनाक। और शाहरुख के डॉन के पास उसके लिए एक प्यारा सा डायलॉग है।
'रोमा, रोमा मेरी जंगली बिल्ली, कब तक मेरा पीछा करती रहूंगी'
(रोमा, रोमा, मेरी जंगली बिल्ली, तुम कब तक मेरा पीछा करोगी?)’ द टेलीग्राफ प्रियंका रॉय ने प्रियंका की रोमा के बारे में यह कहा, 'प्रियंका चोपड़ा किक मारती हैं'
कुछ बेहतरीन एक्शन दृश्यों के साथ-साथ, इसमें शानदार केमिस्ट्री भी देखने को मिलती है।
शाहरुख के साथ।’ लेकिन उन्हें लगा कि प्रियंका रोमा में वो जोश और उत्साह भरने में नाकाम रहीं।
पहली फिल्म का।’114
डॉन 2 एक बेहतरीन थ्रिलर बनने के सभी अच्छे इरादों को पूरा करती है, हालांकि
इसमें रोमांचकारी क्षणों की कमी है। लेकिन इसकी कार चेज़ और शानदार एक्शन इसे खास बनाते हैं।
फिल्म के कई दृश्य—जिनमें से कई बर्लिन की सड़कों पर फिल्माए गए थे—हिट रहे और यह फिल्म हिट हो गई। अब
फरहान अख्तर के डॉन 3 बनाने की योजना की चर्चा चल रही है। लेकिन लगता है कि प्रियंका चोपड़ा
मैं उस टीम का हिस्सा नहीं रहूंगा।
डॉन 2 के बारे में एक दिलचस्प बात यह है कि इसमें लारा दत्ता मुख्य भूमिका निभा रही हैं।

फिल्म में आयशा की सहायक भूमिका। प्रियंका और लारा ने अपने करियर की शुरुआत की थी।
2000 में मिस इंडिया प्रतियोगिता के साथ-साथ ग्यारह वर्षों में करियर भी विकसित हुए।
बाद में, प्रियंका ने अपनी अथक मेहनत से काफी तरक्की कर ली थी, और निश्चित रूप से, कुछ हद तक।
भाग्य भी मायने रखता है।
अगले साल, प्रियंका चोपड़ा ने अनुराग बसु की फिल्म बर्फी! (2012) में अभिनय किया।
निस्संदेह यह अब तक का उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था—और यह एक बेहद चुनौतीपूर्ण प्रदर्शन था।
बर्फी! में प्रियंका झिलमिल चटर्जी का किरदार निभा रही हैं, जो एक ऑटिस्टिक लड़की है और प्यार में पड़ जाती है।
उसका बचपन का दोस्त बर्फी (रणबीर कपूर अपने सबसे आकर्षक और बेहतरीन अंदाज में)
एक मूक-बधिर पात्र के रूप में प्रदर्शन)।
लेकिन जब अनुराग पहली बार प्रियंका से मिले—जो कि एक सिफारिश के आधार पर हुआ था
उनकी पत्नी और सह-पटकथा लेखिका तानी बसु—उन्हें इस बात का पक्का यकीन नहीं था कि वह ही थीं
झिलमिल का किरदार निभाने के लिए सही अभिनेत्री। 'जब मैं गई थी तो वह बहुत ही ग्लैमरस लग रही थीं।'
अनुराग कहते हैं, 'कहानी सुनाने के लिए वहां कोई मौजूद था। इसलिए मेरे दिमाग में यह कल्पना करना संभव नहीं था।' 'इसलिए मैं अपने मन में यह सोच ही नहीं पा रहा था।
उसे झिलमिल का किरदार निभाते हुए। फिर, एक समय अनुराग रुका और उससे कहा कि वह
मुझे यकीन नहीं था कि वह सही विकल्प है या नहीं। वह हैरान थी। वह पहले कभी नहीं आई थी।
एक ऐसे निर्देशक के सामने जो उससे कहता, "माफ़ कीजिए, मैं आपको कास्ट नहीं कर सकता।" और उसका

जवाब था, "मुझे भी इस बारे में पूरी तरह से यकीन नहीं है।" तभी अनुराग को यह बात समझ में आई।
उन्होंने सुझाव दिया कि उनके साथ कुछ दिनों की कार्यशाला आयोजित की जाए ताकि यह निर्धारित किया जा सके कि क्या वह वास्तव में
झिलमिल के लिए सही अभिनेत्री।
यह एक अपरंपरागत कार्यशाला थी। अनुराग याद करते हुए कहते हैं, 'पहले दिन तो बस माहौल को हल्का करने की कोशिश थी। वह मुझे सर कहकर बुला रही थीं और बहुत सम्मान दे रही थीं।
मैं सचमुच चाहती थी कि वह मेरी दोस्त बने और उस निर्देशक-अभिनेता के साथ मेरा रिश्ता न हो।
रिश्ता। इसलिए मैंने उससे कहा कि वह मेरा कॉलर पकड़े और मुझे हिंदी में गाली दे, कहे
उसने सारे अपशब्द कहे। उसने ऐसा किया और जोर-जोर से चिल्लाई।
जब हमने आपस में बातचीत शुरू की तभी वह मुझ पर भरोसा कर पाई।
प्रियंका ने ऑटिस्टिक बच्चों, उनकी शारीरिक भाषा और उनके व्यवहार का अवलोकन करने में समय बिताया।
हालांकि उन्होंने इस भूमिका के लिए काफी तैयारी की थी, फिर भी वह हमेशा चिंतित और घबराई हुई रहती थीं।
शायद यह अच्छी बात थी। कमजोर होना किसी व्यक्ति के सर्वोत्तम गुणों को सामने ला सकता है।
अभिनेता।
अनुराग बसु की कल्पना के अनुसार, झिलमिल के बाल घुंघराले होने चाहिए थे।
और इसलिए प्रियंका ने किरदार निभाने के लिए घुंघराले बालों वाली विग पहनी। पहले दिन
शूटिंग वाले दिन अनुराग ने प्रियंका को उसके मेकअप वैन में रोते हुए पाया। किसी ने उससे कहा था कि वह सचिन तेंदुलकर जैसी दिखती है (के साथ)
अनुराग कहते हैं, 'क्योंकि उसे बहुत समय लग रहा था, इसलिए मैं अंदर जाकर देखने गया।' 'क्योंकि उसे विग लगाने में बहुत समय लग रहा था, इसलिए मैं अंदर गया।'
और वह रो रही थी। उसने कहा, “मैं बहुत डरी हुई हूँ, मुझे नहीं पता, सर, मैं कैसे करूँगी।”

क्या तुम ऐसा करोगी?’ और वह आगे कहते हैं, ‘यही बात उसे इतना खास बनाती है।
वह ऐसी नहीं थी।
अति आत्मविश्वास से भरी हुई। इसके बजाय वह डरी हुई थी, वह हमेशा अनिश्चित रहती थी कि क्या वह
वे ऐसा कर पाएंगे या नहीं।
एक महिला मुख्य किरदार के तौर पर, प्रियंका को फिल्म शुरू होने के लगभग 27 मिनट बाद पहली बार दिखाया जाता है।
फिल्म। फिर हम उसके होंठ देखते हैं जब वह कागज का हवाई जहाज उड़ाने के लिए हवा फूंकती है। और केवल दो।
कुछ मिनट बाद, उसके पार्श्व प्रोफ़ाइल की कुछ झलकियाँ देखने के बाद, हमें उसका चेहरा दिखाई देता है।
वह बिस्तर के नीचे रखे कांच के जार में अपनी मछली ढूंढने के लिए झुकती है।
इसमें प्रियंका की घुंघराले बालों वाली एक खूबसूरत तस्वीर है, जिसमें वह दूर से देख रही हैं।
कार की पिछली खिड़की से, उसका चेहरा रोशनी और प्रतिबिंब से आंशिक रूप से छिपा हुआ था।
रणबीर को देखते हुए प्रियंका पत्तों को बिखेरती है। प्रियंका एक प्यारी, शांत, कोमल और मधुर भाव व्यक्त करती है।
बेहद संयमित प्रदर्शन—बॉलीवुड अभिनेता के लिए यह एक दुर्लभ उपलब्धि है। बर्फी! विदेशी भाषा ऑस्कर के लिए भारत की आधिकारिक प्रविष्टि थी, हालांकि इसे नामांकन भी नहीं मिला। भारत में, कई फिल्म समीक्षकों ने
निर्देशक पर विभिन्न फिल्मों से दृश्यों की नकल करने का आरोप लगाया गया।
चार्ली चैपलिन और बस्टर कीटन, सिंगिन इन द रेन (1952) और द
नोटबुक (2004)। लेकिन फिल्म में बहुत आकर्षण था, एक मनमोहक और अनोखापन था। और इसमें दिल को छू लेने वाले रोमांटिक पहलू भी थे। अधिकांश आलोचकों ने प्रियंका की प्रशंसा की।
उनके प्रदर्शन के लिए। हिंदुस्तान टाइम्स के लिए लिख रही अनुपमा चोपड़ा ने कहा,
‘आश्चर्य की बात तो प्रियंका हैं… उन्होंने ग्लैमर और वेशभूषा के दिखावे को त्याग दिया है।’

और वह पूरी ईमानदारी से कोशिश करती है कि आप यह भूल जाएं कि आप प्रियंका को देख रहे हैं।
चोपड़ा.'115
और प्रियंका के सह-कलाकार रणबीर कपूर ने झिलमिल के किरदार में उनके ढलने के बारे में कहा, 'प्रियंका एक ऑटिस्टिक लड़की है लेकिन वह एक
एक प्यारा सा पिल्ला, जिससे आपको प्यार हो जाएगा। एक खूबसूरत पिल्ला... एक क्यूट
पिल्ला.’116
लेकिन 2012 हिंदी फिल्मों के लिए एक मजबूत साल था। सुजॉय घोष की फिल्म 'कहानी' के साथ
इसके कई उतार-चढ़ावों ने इसे एक अप्रत्याशित हिट साबित कर दिया और विद्या बालन ने इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।
अपने पति की तलाश कर रही गर्भवती महिला के किरदार में उनके अभिनय की प्रशंसा की गई।
हत्यारा। और इसलिए, बॉलीवुड के पर्यवेक्षकों को तब आश्चर्य नहीं हुआ जब बालन का अंत हुआ।
सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री श्रेणी में अधिकांश पुरस्कार जीतने वाली, जिनमें शामिल हैं
प्रतिष्ठित राष्ट्रीय पुरस्कार।
प्रियंका स्पष्ट रूप से निराश थीं। 5 जनवरी 2014 को वह उपस्थित हुईं।
कॉफी विद करण शो में। इसी दौरान करण ने उनके बारे में यह मुद्दा उठाया था। बर्फी! का प्रदर्शन। 'पिछले साल आपका प्रदर्शन (शो रिकॉर्ड किया गया था) 2013) ने वास्तव में आपको वैश्विक स्तर पर मिली तमाम प्रशंसा और सम्मान दिलाया।
बर्फी!—वास्तव में एक शानदार प्रस्तुति,’ उन्होंने कहा। और फिर उन्होंने उस नाजुक लड़की से पूछा।
सवाल। 'क्या होता है, क्या आपको बुरा लगता है जब कभी-कभी आपको वह नहीं मिलता जो आपको मिलता है?'
आपको कौन सा पुरस्कार मिलना चाहिए? मुझे याद है... फिल्मफेयर पुरस्कार समारोह में, मैं वहां था।

मैंने नामांकन की घोषणा की और मुझे पता था कि आपकी प्रार्थना में एक उम्मीद छिपी है।
इसे जीतने के लिए दिल से कोशिश की। लेकिन तुम नहीं कर पाए। मैंने तुम्हारी तरफ देखा और मुझे लगा कि वहाँ एक
आपके हावभाव में निराशा का भाव झलक रहा है। वास्तव में कैसा महसूस हो रहा है?
प्रियंका ने अपनी भावनाओं को लेकर ईमानदारी और खुलेपन से बात की। उन्होंने कहा, 'मेरे लिए यह फिल्म
बहुत खास। और मुझे पता था कि मुझे (फिल्मफेयर पुरस्कार) पहले की तरह नहीं मिलेगा।
लेकिन मैं पूरी सभा में बैठा रहा। असल में मेरे पिताजी ने मुझे बताया था।
वे बीमार थे, अस्पताल में भर्ती थे।
उस समय, मैंने उनसे कहा कि मैं फिल्मफेयर के लिए जा रहा हूँ। उन्होंने कहा, "शुभकामनाएं।"
आपका प्रदर्शन शानदार था।
जब प्रियंका शो में पहुंचीं तो उन्हें पता चला कि उन्हें शो में नहीं लिया जाएगा।
विजेता। मुझे याद है मैंने उन्हें (अपने पिता को) फोन किया था और कहा था, "मैं नहीं हूँ।"
"मैं इसे जीत रहा हूँ, तो मुझे क्यों रुकना चाहिए?" और उसने कहा, "क्योंकि तुम एक अच्छे हो।"
"खिलाड़ी। रुककर किसी और के लिए ताली बजाओ, कोई बात नहीं।" इसलिए मैंने फैसला किया कि मैं ऐसा ही करूंगा।
हाँ, और इससे मुझे दुख हुआ—खासकर उस साल।
‘क्या तुम्हें लगता था कि तुम विद्या से बेहतर हो?’ करण ने उससे पूछा। ‘मुझे लगता है कि मेरी
प्रियंका ने जवाब दिया, 'प्रदर्शन कहीं अधिक सूक्ष्म और अलग था।'
मेरे लिए यह बिल्कुल अलग तरीके से किया गया था। लेकिन फिल्म कहानी, विद्या उसने इसे पूरी तरह अपने कंधों पर संभाला। और यह फिल्म पूरी तरह से इसके बारे में थी।

उसके लिए। तो मैं समझती हूँ। यह हमेशा जूरी-दर-जूरी का फैसला होता है। लेकिन मुझे बर्फी! के लिए बुरा लग रहा है।
मैं बहुत ही खास थी। मैंने बहुत मेहनत की। यह वाकई बहुत मुश्किल था।'
और अनुराग आगे कहते हैं, 'मैं बहुत निराश था। मैंने कुछ सर्वश्रेष्ठ निर्देशक के पुरस्कार जीते और
उन्हें सर्वश्रेष्ठ फिल्म पुरस्कार के लिए नामांकित किया गया था, लेकिन वह जीत नहीं पाईं और ज्यादातर समय मुझे लगता था कि प्रियंका निश्चित रूप से जीतेंगी। विद्या कॉलेज के दिनों से मेरी बहुत अच्छी दोस्त हैं, लेकिन मैं
मुझे लगता है कि प्रियंका के लिए झिलमिल के किरदार में ढलना कहीं ज्यादा मुश्किल था।
than for Vidya to play the Kahaani role.’

बर्फी! को कोई बड़ा पुरस्कार न मिलने की निराशा ने हार नहीं मानी। प्रियंका चोपड़ा आगे बढ़ने के लिए तैयार हैं। बर्फी! से लेकर अगले चार वर्षों तक।
(2013-16) के दौरान, जब वह अमेरिका की ओर देखने लगी थीं, तब उन्होंने काम भी किया।
कुछ चुनिंदा फिल्मों में काम किया जो उनके बॉलीवुड करियर के अनमोल रत्न बन गईं।
These include Goliyon Ki Rasleela Ram-Leela (guest appearance) (2013), Dil धड़कने दो, बाजीराव मस्तानी (2015) और जय गंगाजल (2016)।
सबसे पहले, उन्होंने एक आइटम डांस नंबर में अतिथि भूमिका निभाई।
Sanjay Leela Bhansali’s Goliyon Ki Rasleela Ram-Leela. Starring Deepika पादुकोण और रणवीर सिंह अभिनीत यह फिल्म गुजरात में हुए खूनी कबीले युद्धों पर आधारित है।
यह रोमियो और जूलियट का रूपांतरण था। भंसाली की सभी फिल्मों की तरह, राम-लीला में बहुत सी अतिशयोक्तियाँ थीं, लेकिन उसमें अद्भुत सुंदरता भी थी। And Priyanka’s ‘Ram Chahe Leela’ dance, choreographed by Vishnu Deva

जहां वह रणवीर के राम का मनोरंजन करती है, वह सबसे कामुक और सेक्सी दृश्यों में से एक है।
ये गाने हाल ही में रिलीज हुई एक बॉलीवुड फिल्म के लिए शूट किए गए हैं।
एक आलीशान हॉल में स्थित, हजारों मोमबत्तियों से सजा हुआ (शायद एक संकेत) मुगल-ए-आजम के शीश महल की धुन पर आधारित इस गाने में कई पुरुष कलाकार हैं।
पीछे बैठे मेहमान—सभी ने लाल पगड़ी पहनी हुई थी—और रणवीर सिंह बैठे हुए थे।
सोफे पर बैठा, गले में गेंदे के फूलों की माला पहने, सीधे व्हिस्की पी रहा था।
बोतल से (दृश्य का एकमात्र घिसा-पिटा हिस्सा)। फिर हमारे पास प्रियंका है, उसकी मोहक मुस्कान, भौंहें ऊपर उठाना, सफेद चोली और एक
धोती पहने हुए - और उनके साथ पृष्ठभूमि में नृत्य करने वाली नर्तकियों का समूह भी इसी तरह की पोशाक में था, लेकिन नीले रंग में।
इंडियन आइडल की प्रतियोगी भूमि त्रिवेदी ने यह गाना गाया था।
गीत सिद्धार्थ-ग्रीमा द्वारा लिखे गए हैं और संगीत स्वयं भंसाली द्वारा रचित है।
आइटम नंबरों की बात करें तो, यह निश्चित रूप से विजेता है। एक डीएनए रिपोर्ट में कहा गया है कि
प्रियंका द्वारा किए गए कई अश्लील और भद्दे आइटम नंबरों के बाद
हाल के वर्षों में उन्होंने अपनी कुछ औसत दर्जे की फिल्मों में अभिनय किया है— ‘बबली बदमाश’
(शूटआउट एट वडला, 2013), और 'पिंकी' और 'मुंबई के हीरो' (दोनों से)
ज़ानज़ीर (2013) के अनुसार, उन्होंने संजय में अपने नवीनतम गाने से खुद को साबित कर दिया है।
Leela Bhansali’s 118 Ram-Leela .’
‘मैंने तुम्हें राम-लीला के गाने में देखा था,’ करण जौहर ने प्रियंका से कहा।
कॉफी विद करण के 5 जनवरी 2014 के एपिसोड में। 'यह एक चलती-फिरती सेक्स पार्टी की तरह था।'
मैंने सोचा, यह मशीन का गाना है। मैं जानना चाहता हूँ कि इसमें इतना आकर्षण कहाँ से आता है।

'119 से प्रियंका ने पहले मासूमियत दिखाने की कोशिश की, करण के सवाल का जवाब देते हुए।
‘यह बस ऐसा ही है,’ उसने कहा। ‘मैंने इसके अलावा कभी कुछ और जाना ही नहीं।’ लेकिन
तब करण चौंक गया और उसने पूछा, 'सेक्सी होने के अलावा?'
प्रियंका ने वही किया जो सभी अभिनेता करते हैं—उन्होंने अपने निर्देशक को श्रेय दिया। ‘मैं नहीं’
मुझे पता है, ऐसा नहीं है कि मैं जानबूझकर ऐसा करता हूँ। राम-लीला का गाना पूरी तरह से संजय का था।
(भंसाली) सर की कल्पना थी। यही उनका विचार था।'
प्रियंका की फिल्मोग्राफी में एक और उल्लेखनीय फिल्म कोलकाता में बनी है। रणवीर सिंह और अर्जुन कपूर अभिनीत क्राइम ड्रामा फिल्म गुंडे (2014) मुख्य भूमिका में, बांग्लादेश से आए दो शरणार्थियों का किरदार निभा रहे हैं जो गैंगस्टर बन जाते हैं।
प्रियंका के करियर में अक्सर ऐसा होता था कि उन्हें तीसरी भूमिका मिलती थी। आलोचकों का मानना है कि
गुंडे की जमकर आलोचना की गई और फिल्म को आसानी से भुलाया जा सकता था, सिवाय कुछ बातों के।
फिल्म में भरपूर ऊर्जा है और रणवीर और के बीच एक मनमोहक गाना है। अर्जुन—‘तूने मारी एंट्रियां’—इतने सारे किरदारों के साथ और पृष्ठभूमि नर्तक, ऐसा लगता है मानो आधे कोलकाता के लोग प्रदर्शन कर रहे हों।
और दूसरा, फिल्म में प्रियंका का लुक—एक तरफ चोटी वाले बाल।
उनके कंधे पर कई खूबसूरत बंगाली साड़ियां लिपटी हुई थीं, जिनका चयन किया गया था।
फिल्म की कॉस्ट्यूम डिजाइनर सुबर्णा रे चौधरी, जिन्होंने पहले भी काम किया था
परिणीता (2005), लुटेरा (2013) और बजरंगी भाईजान जैसी फिल्मों पर (2015).
हालांकि चौधरी अब मुंबई में रहती हैं, लेकिन उनका पालन-पोषण कोलकाता में हुआ।

गुंडे फिल्म के लिए प्रियंका को तैयार करते समय, उन्होंने महिलाओं को देखने की अपनी यादों का सहारा लिया।
कोलकाता के दुर्गा पूजा पंडालों में। 'मुझे याद है मैंने वहां खूबसूरत लड़कियों को देखा था।
20 की उम्र की और यहाँ तक कि शादीशुदा महिलाएँ भी अच्छी, सेक्सी, स्लीवलेस ड्रेस पहनती थीं।
'ब्लाउज, उन्हें बंगाली साड़ियों के साथ मैच करना,' सुबर्णा कहती हैं।
इसलिए उन्होंने फैसला किया कि...
बंगाली महिलाओं द्वारा आधी बाजू के पारंपरिक परिधान पहनने की प्रथा को समाप्त करें।
लाल बॉर्डर वाली ब्लाउज और साड़ियां।
उनका प्रयोग सफल रहा। फिल्म में प्रियंका ने हथकरघा से बनी पोशाक पहनी है।
कंथा कढ़ाई सहित कढ़ाई वाले ब्लाउज़। इन्हें हथकरघा परिधानों के साथ मैच किया गया है।
साड़ियाँ—जिनमें ढाका की मलमल की साड़ियाँ भी शामिल हैं जो सुबर्णा ने एक आपूर्तिकर्ता से मंगवाई थीं।
बांग्लादेश। वह बताती हैं कि ढाका की साड़ियाँ कड़क होती हैं और बड़ी दिखती हैं।
औरत।
मैं इन साड़ियों को लेती, उनमें से स्टार्च निकालती, फिर उन्हें उपचारित करवाती।
वह कहती हैं, 'खूब सारा फैब्रिक सॉफ्टनर इस्तेमाल करो। और फिर साड़ियाँ इतनी मुलायम और लचीली हो जाती हैं।' '
मलमल की तरह। प्रियंका का शरीर खूबसूरत है, इसलिए उसे किसी और चीज़ की ज़रूरत नहीं है।
फूला हुआ सा दिख रहा है। आपको उसके शरीर की बनावट साफ दिखनी चाहिए।' कुछ ब्लाउज़
सुबर्णा ने जो ड्रेस चुनीं, वे बैकलेस थीं। 'अगर आपको मून मून सेन याद हैं, तो उन्होंने कैसे...'
सुबर्ना कहती हैं, 'उसने अपनी ब्लाउज पहनी हुई थी। वह बहुत सेक्सी लग रही थी। 80 के दशक में कई महिलाएं ऐसी सेक्सी ब्लाउज पहना करती थीं।'

प्रियंका ने सुबर्णा द्वारा दिखाई गई बीस साड़ियों में से दस से अधिक साड़ियाँ पहनीं।
और उससे कहा कि वह अपने लिए खरीदी गई तीस और चीजें भी ले आए। और
इसके अलावा, सुबर्णा ने असम के बांस से बने हेयर क्लिप खरीदे जो देखने में आकर्षक थे।
प्रियंका के बालों पर ये बहुत खूबसूरत लग रहे थे। कभी-कभी वो सिर्फ सोने की हेयर क्लिप्स ही पहनती थीं।
उसके बालों में फूल लगे हुए थे।
प्रियंका की नंदिनी, जो बाद में एक पुलिस एजेंट के रूप में सामने आती है, देखने में बहुत खूबसूरत लगती है।
1980 के दशक की एक खूबसूरत आधुनिक बंगाली महिला की तरह, जिसमें दृश्य भी शामिल है।
जहां वह एक कैबरे डांसर है। लेकिन अधिकांश आलोचक उसकी आलोचना करने में इतने व्यस्त थे कि...
फिल्म को लेकर प्रियंका के लुक की तारीफ करने में उन्हें कोई मतलब नहीं दिखा। फिल्म को लेकर
‘बिल्कुल बकवास’, आलोचक राजा सेन ने प्रियंका के बारे में अपनी समीक्षा में यह कहा था:
इस सारी गड़बड़ी के बीच कहीं प्रियंका चोपड़ा भी हैं, जो किसी बॉबलहेड की तरह दिख रही हैं और
लगभग उतना ही समझ में आ रहा है। भूमिका के प्रति उनकी प्रतिबद्धता उनके व्यवहार में झलकती है।
वह इतराती हुई चलती है, और हालांकि वह लड़कों की तुलना में ज्यादातर संवाद बेहतर ढंग से बोलती है, फिर भी वह...
एक बेहद असंगत चरित्र को देखते हुए।
लेकिन कम से कम एक आलोचक, डेविड चूट—एक अमेरिकी जो एक उत्साही
बॉलीवुड फिल्मों के एक पर्यवेक्षक ने प्रियंका द्वारा नंदिनी के किरदार में बहुत कुछ देखा।
वैरायटी में लिखते हुए शूट ने कहा, 'चोपड़ा इस भूमिका में बहुत ही जीवंतता लाती हैं।'

उस घातक स्त्री के बारे में जो हमारी हाल की सभी नवोदित हस्तियों की यादों को मिटा देती है।
कैटरीना कैफ और दीपिका पादुकोण, जिनके पास प्राकृतिक सुंदरता तो है लेकिन सबसे महत्वपूर्ण, साहसी रवैया—यानी, इसके बारे में आप क्या करने वाले हैं — को नज़रअंदाज़ कर देना।
ऐसा आत्मविश्वास जो पुरुषों को चुनौती का सामना करने के लिए प्रेरित करता है।

प्रियंका चोपड़ा जब 'गुंडे' पर काम कर रही थीं, तब वह साथ ही साथ कई कंपनियों के साथ बातचीत भी कर रही थीं।
ओमंग कुमार की फिल्म 'मैरी कॉम' (2014) में अभिनय करने के लिए, जो मैरी कॉम के जीवन पर आधारित एक बायोपिक है।
मणिपुरी मुक्केबाज मंगते चुंगनेइजैंग मैरी कॉम ने 2013 फीफा विश्व कप में पदक जीता है
छह विश्व चैंपियनशिप में से प्रत्येक में। यह ओमंग की पहली चैंपियनशिप होने वाली थी।
फिल्म जगत के ऐसे व्यक्ति जो तब तक फिल्मों के लिए कला और प्रोडक्शन डिजाइनर के रूप में काम कर चुके थे,
ब्लैक (2005) और सांवरिया (2007)—दोनों का निर्देशन संजय लीला ने किया था।
भंसाली, जो मैरी कॉम के निर्माण की जिम्मेदारी संभालेंगे।
‘हमने सिर्फ प्रियंका से संपर्क किया क्योंकि मैं उन्हें चाहता था, और क्योंकि वह इस पद के लिए उपयुक्त हैं।’
ओमंग कहते हैं, 'वह बिल का पूरा भुगतान करेंगी। वह एक समर्पित अभिनेत्री हैं जो ऐसा करेंगी।' 'वह बिल का पूरा भुगतान करेंगी।'
मैंने इस भूमिका के लिए अपना सब कुछ दे दिया। और यह फिल्म और यह भूमिका बहुत जटिल थी।
यह सिर्फ अभिनय नहीं था। उसे किरदार में ढलना था। उसे एक बॉक्सर बनना था।

जो कोई और अभिनेत्री नहीं कर सकती थी।’ यह मददगार रहा कि ओमंग ने काम किया था।
उन्होंने प्रियंका के साथ कुछ फिल्मों में काम किया है। वे वक्त: द रेस अगेंस्ट टाइम और लव स्टोरी 2050 के कला निर्देशक थे।
और ओमंग को एक बड़े स्टार की जरूरत थी, क्योंकि वह खुद एक जाना-माना नाम नहीं था।
खुद। उन्हें यकीन था कि वे सिर्फ मैरी कॉम के भरोसे फिल्म नहीं बेच सकते।
नाम। 'अरे किसको पता है ये कहानी? गरीब भारत को मालूम नहीं मेरी
कोम कौन थी (यह कहानी कौन जानता था? भारत में शायद ही कोई जानता था कि कौन) मैरी कॉम थीं। लोग क्रिकेट के अलावा कुछ नहीं जानते।
लेकिन प्रियंका के बारे में घोषणा होने पर एक बड़ा विवाद खड़ा हो गया।
चोपड़ा, जो एक पंजाबी महिला हैं, एक मणिपुरी किरदार निभाएंगी। और ऐसा नहीं हुआ।
फिल्म निर्माता और उनकी प्रोडक्शन टीम ने हॉलीवुड मेकअप आर्टिस्ट को काम पर रखा, जिससे मदद मिली।
प्रियंका की पलकों को अधिक उभरा हुआ दिखाने के लिए कलाकार ने उन्हें एक नया रूप दिया ताकि उनकी पलकें एशियाई जैसी दिख सकें।
विशेषताएं। 'वह विचार छोड़ दिया गया,' ओमंग कहते हैं। 'कृत्रिम अंग नहीं थे।
क्योंकि यह एक बॉक्सिंग फिल्म थी, इसलिए काम करना मुश्किल था। हर बार कृत्रिम अंग निकालने पड़ते थे।
लड़ाई के दृश्य के बाद का समय। हमने एक ट्रायल रन किया लेकिन फिर उसे टाल दिया।
पूरी तरह।'
लेकिन ओमंग और उनकी प्रोडक्शन टीम की योजना—भले ही वह पहले से ही
त्याग देना—यह एक बहुत बुरा विचार लग रहा था। यही मैंने 28 अप्रैल को लिखा था।
मुंबई मिरर में 2013 में प्रकाशित योजना के बारे में एक लेख में लिखा गया था: 'मैं इस बात पर जोर नहीं दे सकता कि यह योजना कितनी बुरी है।'
यह सब सुनकर मुझे आश्चर्य हुआ कि मणिपुर और अन्य जगहों के लोग ऐसा क्यों कह रहे हैं।

पड़ोसी राज्यों ने इस योजना पर कोई आपत्ति नहीं जताई है। मुझे तो यह विचार इसमें नस्लवादी लहजे की झलक साफ दिखती है, लगभग उसी दौर के बराबर जब हॉलीवुड में
वे श्वेत अभिनेताओं के चेहरों पर काला रंग लगाते थे—यह सिलसिला अल के समय से चल रहा है।
जोल्सन ने 122 द जैज़ सिंगर (1927) में और पीटर सेलर्स ने द पार्टी (1968) में अभिनय किया था।
विवाद का मुद्दा ओमंग के निर्णय को लेकर हुई बहस नहीं थी।
प्रियंका की आंखों में कृत्रिम अंग लगाने का निर्णय लिया गया था, हालांकि ऐसा न करने का फैसला किया गया था।
इस विकल्प पर विचार किए जाने के तथ्य के बारे में और अधिक। और दुर्भाग्यपूर्ण
बात यह है कि फिल्म उद्योग में कई लोग इस तर्क को आसानी से स्वीकार कर लेते हैं कि केवल एक
एक बड़ा सितारा इस तरह की फिल्म में दर्शकों को आकर्षित कर सकता है। निश्चित रूप से, एक अच्छी तरह से बनी फिल्म में...
एक दमदार पटकथा कम प्रसिद्ध अभिनेत्री के साथ भी सफल हो सकती थी।
पूर्वोत्तर की कई योग्य अभिनेत्रियाँ थीं जो यह भूमिका निभा सकती थीं।
वह प्रियंका को मिला।
ओमंग ने विवाद का सामना किया। और वह सही समय का इंतजार करता रहा।
विवाद समाप्त हो जाए। 'उन्हें (विरोधियों को) गलत साबित करने के लिए हमने कहा कि जब...'
पहला पोस्टर सामने आएगा, आप सभी हैरान रह जाएंगे और उसके किरदार पर यकीन कर लेंगे।'
ओमंग कहती हैं, 'मैंने उसके चेहरे पर कुछ हल्के धब्बे लगाने के अलावा कुछ नहीं किया, बस थोड़ा सा।'
उसकी आंखों के नीचे मेकअप लगा हुआ था। और उसके बालों की लटें उस किरदार में बिल्कुल फिट बैठ रही थीं।
माथे पर। लोग मानने लगे कि वह खुद मैरी कॉम हैं।' उन्होंने उसे काम पर रखा।

दो मणिपुरी बोली प्रशिक्षकों की भी आवश्यकता थी। हालाँकि फिल्म हिंदी में थी, लेकिन उसकी शैली ऐसी थी कि वह मणिपुरी जैसी लगनी चाहिए थी, और फिर भी उन्हें इसे इस तरह बनाना था कि वह मणिपुरी बोली की लगे।
मुझे पूरा यकीन था कि भारत के हिंदी भाषी क्षेत्र में मौजूद विशाल दर्शक वर्ग इसे समझ सकेगा।
इसे समझें। इसके अलावा, ओमंग ने अपने चारों ओर असली मुक्केबाजों को इकट्ठा कर लिया था।
— यहां तक कि उन्हें फिल्म में भी कास्ट कर लिया।
फिल्म की शूटिंग को दो हिस्सों में बांटा गया था। हफ्तों की ट्रेनिंग के बाद...
प्रियंका और ओमंग ने क्लाइमेक्स के दृश्यों और हर बॉक्सिंग मैच की शूटिंग 20 दिनों में की।
इसके बाद प्रियंका कोलकाता में 'गुंडे' की शूटिंग के लिए वापस चली गईं और उन्होंने कुछ और काम भी किए।
राम-लीला में उनका आइटम नंबर।
लेकिन तभी, जब प्रियंका मैरी कॉम के लिए वापसी करने ही वाली थीं,
शूटिंग के दौरान उनके पिता डॉ. अशोक चोपड़ा का निधन हो गया। 'यह एक बड़ा झटका था।'
ओमंग कहती हैं, 'यह मुख्य गोलीबारी से पहले हुआ था और उसे रुकना पड़ा।' व्यायाम कर रही थी। लेकिन एक हफ्ते में वह वापस आई और उसने कहा, "जिंदगी चलती रहनी चाहिए।"
और मेरे पिता चाहते थे कि मैं ऐसा करूं।
ओमंग को शूटिंग के दौरान का एक मजेदार पल याद आता है। पहले जब उन्होंने कहानी सुनाई,
प्रियंका को स्क्रिप्ट दी गई, और वह जाकर एक बड़ा बर्गर खा गई। 'मैंने इसे रिकॉर्ड कर लिया,' ओमंग ने कहा।
हंसते हुए कहती हैं, 'मैं इसे किसी को दिखा नहीं सकती, लेकिन उस कहानी के बाद मुझे पता चल गया था कि वह...'
वह अब और बर्गर नहीं खाएगी। क्योंकि एक बार जब उसने फिल्म के लिए साइन अप कर लिया था, तो वह

मैं भूखा रहने वाला था, डाइट पर रहने वाला था और मांसपेशियां बनाने वाला था।'
मैरी कॉम ने सर्वश्रेष्ठ लोकप्रिय फिल्म के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार जीता।
फिल्म को संपूर्ण मनोरंजन श्रेणी में रखा गया है। लेकिन समीक्षकों को यह फिल्म पसंद नहीं आई।
फर्स्टपोस्ट में अपनी समीक्षा में, समीक्षक दीपांजा पाल ने कहा, 'ओमंग कुमार की मैरी कॉम'
एक नीरस फिल्म जो तनाव की कमी के कारण जल्दी ही उबाऊ हो जाती है।
कहानी। लाइवमिंट की संजुक्ता शर्मा ने प्रियंका की तब भी प्रशंसा की जब उन्हें पता चला कि वह मुश्किल में हैं।
फिल्म में खामियां हैं। 'प्रियंका चोपड़ा ने किरदार में अपना पूरा दम लगा दिया है,
शर्मा ने लिखा, 'ऊर्जा और दिल की आपूर्ति करते हुए। उनकी शारीरिक तैयारी...' यह भूमिका उल्लेखनीय है। स्थानीय जिम में असंभव कसरत से परे या
मनाली के पहाड़ों में (ओमंग ने फिल्म की शूटिंग का विचार छोड़ दिया) (सुरक्षा कारणों से मणिपुर में शूटिंग नहीं की गई और इसके बजाय मनाली में शूटिंग की गई),
बेहद मुश्किल परिस्थितियों के बावजूद, वह महिला और जुझारू व्यक्तित्व को बखूबी उजागर करने में कामयाब रहती है।
सतही लेखन और लापरवाहीपूर्ण संपादन।’124
फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर औसत सफलता हासिल की, या कहें तो 'सेमी-हिट' रही। यह बॉलीवुड का एक शब्द है। शायद मैरी कॉम की कहानी के लिए कम सामग्री वाली एक छोटी फिल्म की ज़रूरत थी।
बॉलीवुड की चकाचौंध और प्रामाणिक स्पर्शों से भरपूर एक अभिनेत्री निश्चित रूप से पूर्वोत्तर क्षेत्र, साथ ही साथ एक अधिक सुव्यवस्थित पटकथा।

बॉलीवुड कलाकार बड़ी आसानी से एक प्रोजेक्ट से दूसरे प्रोजेक्ट में चले जाते हैं। लेकिन प्रियंका के मामले में जल्दबाजी थी, क्योंकि 2012 तक वह पहले ही कई प्रोजेक्ट्स में काम कर चुकी थीं।
भारत और अमेरिका के बीच लगातार यात्रा करना। इसलिए इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं थी कि
जब वह मैरी कॉम पर काम कर रही थीं, तब उन्हें अपना अगला प्रोजेक्ट मिल चुका था।
Bollywood project—Zoya Akhtar’s third film Dil Dhadakne Do (DDD), a
यह फिल्म एक अमीर, अव्यवस्थित परिवार के बारे में है जो अपने सबसे करीबी दोस्तों के साथ क्रूज पर जाता है।
प्रियंका, जोया की पहली पसंद नहीं थीं, आयशा मेहरा की भूमिका निभाने के लिए।
कमल और नीलम मेहरा (अनिल कपूर और) की सफल विवाहित बेटी
शेफाली शाह), जिसके पास भी एक राज़ है जिसे वह साझा करने से डरती है। उसे कोई मदद नहीं मिलती।
अपने अहंकारी, लिंगभेदी पति (राहुल बोस) के साथ संबंध को लेकर, और वह बहुत कुछ चाहती थी।
शादी में नहीं रहना चाहती। एक शानदार कास्टिंग के रूप में, ज़ोया
पहले तो वास्तविक जीवन के चचेरे भाई-बहन रणबीर कपूर और करीना कपूर को इस भूमिका के लिए चुना गया था।
मेहरा भाई-बहन। लेकिन रणबीर एक दूसरे प्रोजेक्ट में व्यस्त थे और इसलिए नहीं आ सके।
एक वर्ष के लिए तिथियां दीजिए।
इसलिए, ज़ोया ने अपने दूसरे विकल्पों पर विचार किया—उन्होंने रणवीर सिंह को चुना।
कबीर मेहरा की भूमिका में प्रियंका चोपड़ा और उनकी बहन आयशा की भूमिका में प्रियंका चोपड़ा। 'मैं चाहता था
जोया कहती हैं, 'एक ऐसी अभिनेत्री जो देखने में उसी परिवार का हिस्सा लगे।' प्रियंका एक बेहतरीन अभिनेत्री हैं। मैं हमेशा से उनके साथ काम करना चाहता था। उन्होंने अभी तक उनके साथ काम नहीं किया था।

'मैंने इस तरह का एक रोल किया है।' ज़ोया आगे कहती हैं, 'प्रियंका बेहद प्रभावशाली हैं, वह...'
वह बेहद बुद्धिमान और मेहनती हैं। वह एक सहानुभूतिशील व्यक्ति हैं।
वह सचमुच पात्रों के प्रति सहानुभूति रखती है। इसलिए भले ही आप उसे कोई त्रुटिपूर्ण पात्र दें,
वह इस चरित्र में मानवता ढूंढ लेगी। यही तो उसका स्वभाव है।'
प्रियंका अपनी मजबूत कार्य नैतिकता के लिए जानी जाती हैं। लेकिन इतना ही काफी नहीं था कि वह
मैरी फिल्म में एक बॉक्सर की भूमिका निभाना बेहद चुनौतीपूर्ण काम था। कॉम। वह 12 घंटे की थका देने वाली शूटिंग के बाद मैरी कॉम की शूटिंग पूरी करेंगी।
वह अपना शेड्यूल तय करती और फिर रात 10:30 बजे ज़ोया के अपार्टमेंट के लिए निकल जाती।
स्क्रिप्ट और अपनी नोटबुक के साथ। 'हम दृश्यों पर चर्चा करते और बनाते थे। ज़ोया कहती हैं, 'वह किसी भी चीज़ को हल्के में नहीं लेती।'
जोया प्रियंका को एक उदार अभिनेत्री और एक टीम प्लेयर के रूप में भी वर्णित करती हैं।
उन्होंने कलाकारों के समूह के साथ बहुत अच्छा काम किया। और उन पर इसका ज़रा भी असर नहीं पड़ा।
फिल्म में अनिल कपूर और शेफाली शाह को उच्च भूमिका दिए जाने का निर्णय श्रेय।
ज़ोया को वह दिन याद है जब फिल्म का पोस्टर शूट होने वाला था—
क्रूज जहाज की डेक कुर्सियों पर धूप सेंकते हुए छह मुख्य कलाकार।
उसने मुझे फोन किया और पूछा, "क्या तुम आ रहे हो?" और कहा कि वह थोड़ी चिंतित है।
कि वे रणवीर और उसे बीच में चाहेंगे। "और यह आपका नहीं है
“फिल्म,” उसने मुझसे कहा। मुझे लगा कि यह उसकी बहुत अच्छी बात है। वह बहुत आत्मविश्वासी है।
और उनकी सोच व्यापक है। वह सिर्फ अपने किरदार के बारे में नहीं सोच रही थीं।' आखिरकार, पोस्टर अनुष्का शर्मा, रणवीर और शेफाली के साथ शूट किया गया।

अनिल, प्रियंका और फरहान अख्तर कुर्सियों पर लेटे हुए थे। शेफाली और अनिल भी वहीं थे।
केंद्र में।
फिल्म के निर्माण के दौरान कई ऐसे क्षण आए जो आज भी यादगार हैं।
जोया के साथ, जैसे कि उस दिन जब प्रियंका 103 डिग्री तापमान में दौड़ रही थी।
तापमान कम था और वह एक ही टेक में फिल्माए जाने वाले गाने 'गलन गुड़िया' के लिए आई थी। या
यह तथ्य कि प्रियंका को टेनिस या रैकेटबॉल खेलना नहीं आता था। और
ज़ोया भी खिलाड़ी नहीं हैं। इसलिए उन्होंने राहुल बोस से कोरियोग्राफी करने को कहा।
प्रियंका के लिए तीन या चार बार की शिफ्टिंग। 'हर दिन दोपहर में वह
मैं उनके साथ ट्रेनिंग के लिए जाता था।
शायद प्रियंका और राहुल के लिए यह सबसे मुश्किल दृश्यों में से एक था। यह तब की बात है जब वे बिस्तर पर थे और उसका किरदार उसके साथ यौन संबंध बनाना चाहता था, लेकिन
उसे इसमें कोई दिलचस्पी नहीं है। 'जब आप सेक्स सीन शूट करते हैं तो हमेशा असहज महसूस होता है।'
राहुल कहते हैं, 'पूरी टीम आसपास मंडराती रहती है।'
उन्होंने आगे कहा, 'मैं उस दृश्य को लेकर बेहद चिंतित था। इसकी बारीकी से जांच हो रही है और...'
उस दृश्य में एक सच्चाई छिपी है जिसे आपको खोजना होगा। आपको धीरे-धीरे दूसरे व्यक्ति से पूछें कि यह कितना आरामदायक रहेगा। आपको दिखावा करना होगा।
कि यह व्यक्ति कई वर्षों से आपकी प्रेमिका या पत्नी रही है। इसलिए यदि तुम चुंबन कर रहे हो, यकीनन तुमने इससे पहले भी उसे कई बार चूमा होगा। उसे पता होना चाहिए कि दूसरे व्यक्ति का मुंह और नाक कहां है। लेकिन एक अन्य अभिनेता
कह सकते हैं, "नहीं, नहीं, मैं सीन से पहले तुम्हें किस नहीं कर सकता।" तो यह उस तरह का गैर-
अभिनय, थकान जो आप अभ्यास करते हैं। लेकिन वह पूरी तरह से तैयार थी। हम हैं

हम इसे करने वाले हैं और हम करेंगे। ऐसा नहीं था कि, "मुझे यहाँ मत छुओ," ऐसा कुछ भी नहीं था।
सामग्री।'
डीडीडी ने प्रियंका को एक अभिनेत्री के रूप में चमकने के कई मौके दिए— शांत स्वभाव वाली
जब उसकी सास (ज़रीना वहाब) या उसके द्वारा उसे ताना मारा जाता है तो वह जो भाव देती है।
पति। मुख्यधारा की हिंदी फिल्म के हिसाब से यह एक बेहद सूक्ष्म अभिनय है। और उनकी भूमिका भी बहुत अच्छी तरह से लिखी गई है। शायद किसी इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है।
एक बॉलीवुड फिल्म जिसमें एक बड़ी स्टार एक दुखी विवाहित महिला का किरदार निभाती है। और फिर
अंततः वह तलाक मांगने की हिम्मत जुटाती है। 'मैंने बहुत कोशिश की, मानव,' वह कहती है।
उसके पति ने कहा, 'लेकिन मैं अब और दिखावा नहीं कर सकती। मैं तुमसे प्यार नहीं करती।' यह भी पहली बार है।
बहस और तनाव के बीच, वह अपने पूर्व प्रेमी को पकड़ लेती है।
सनी (फरहान अख्तर) को चूमती है।
फिल्म की रिलीज से ठीक पहले एबीपी न्यूज के यासर उस्मान के साथ एक इंटरव्यू में उन्होंने यह बात कही।
फिल्म के बारे में बात करते हुए, प्रियंका ने अपने साथ अभिनय करते समय घबराहट महसूस करने के बारे में बताया।
director from Don and Don 2. ‘Jab Zoya ne mujhe pehlee baar bataya ke yeh Sunny ka kirdar play kar rahe hain, main to thodee see awkward ho gayee. Director jo hote hain na, woh boss hote hain film ke set par… As a director jab maine Farhan se baat karnee hotee thee, main pehle Shah Rukh ko boltee
थी. डायरेक्टर्स थोड़े से इंटिमिडेटिंग होते हैं (जब जोया ने मुझे बताया कि वह है
सनी का किरदार निभाने जा रही थी, तो मुझे थोड़ी असहजता महसूस हुई। निर्देशक आपके

फिल्म सेट पर बॉस। एक निर्देशक के तौर पर, अगर मुझे फरहान से बात करनी होती, तो मैं सबसे पहले उनसे बात करता।
शाहरुख से बात करो। निर्देशक थोड़े डराने वाले हो सकते हैं।
दिल धड़कने दो की रिलीज के कुछ महीनों बाद, फरहान ने यह बयान दिया था।
प्रेस में उन्होंने कहा कि वे प्रियंका को बहुत सम्मान देते हैं। एक प्रतिक्रिया के जवाब में
रिपोर्टर फरहान से प्रियंका के बारे में खबर पर प्रतिक्रिया जानने की कोशिश कर रहा था।
फरहान ने कहा कि वह हॉलीवुड फिल्म बेवॉच (2017) में अभिनय करने वाले थे।
बहुत बढ़िया, उन्हें बधाई हो। मैं उनका बहुत सम्मान करता हूँ।
प्रतिभा। उसे और अधिक शक्ति मिले...’ 125
कुल मिलाकर, कलाकारों और क्रू सदस्यों के बीच काफी सद्भावना दिखाई दी।
डीडीडी के। फिल्म के किरदारों की तरह, वे भी कुछ हफ्तों तक फंसे रहे। भूमध्य सागर के बीचोंबीच एक क्रूज जहाज पर। 'एक दिन, हम थे
शाम को डेक पर बैठे-बैठे किसी ने कहा, "यार, मुझे नहीं पता।"
जोया याद करती हैं, “मेरा उनसे कोई नेटवर्क नहीं है और मैं उनसे संपर्क नहीं कर पा रही हूँ। और प्रियंका
उन्होंने कहा, “दोस्तों, कृपया इसे देखिए। हम नौकायन कर रहे हैं, अफ्रीका के ऊपर सूरज डूब रहा है।”
हम वाकई बहुत भाग्यशाली हैं।" और यही बात उनके बारे में खास है। वह अपनी इस स्थिति से बेहद खुश हैं।
वह जो करती है, उसे लेकर वह बहुत गंभीर है। वह किसी भी चीज को हल्के में नहीं लेती।
और राहुल बोस प्रियंका को उनके नमकीन से भरे बैग के लिए प्यार से याद करते हैं।
वो जो नाश्ता वो जहाज पर लाई थी। 'हम हमेशा उसके नाश्ते में से थोड़ा-थोड़ा खा लेते थे।
शाम को टोकरी।

प्रियंका ने रणवीर के साथ लगातार तीन फिल्मों - गुंडे, दिल - में अभिनय किया।
Dhadakne Do and then Sanjay Leela Bhansali’s Bajirao Mastani—where उन्होंने पति-पत्नी की भूमिका निभाई। दोनों अभिनेताओं के लिए यह एक दुर्लभ अवसर था।
गुंडे में प्रेमियों और भाई-बहन के बीच तीन अलग-अलग प्रकार के रिश्तों को दर्शाया गया है।
दिल धड़कने दो में बहन और फिर बाजीराव में विवाहित जोड़े की भूमिका। इसके अलावा,
प्रियंका ने राम-लीला में आइटम नंबर भी किया था।
मुझे लगता है कि हम बेहद भाग्यशाली हैं कि हमें यह अवसर मिला है।
'अवसर,' प्रियंका ने डीडीडी के प्रमोशन के समय द नेशनल को बताया। 'मैं मुझे लगता है कि यह उन फिल्म निर्माताओं की मेहनत का प्रमाण है जिन्होंने हमारे साथ काम किया है, जिन्होंने
उन्होंने हम पर भरोसा किया और हम पर विश्वास किया कि हम सभी अलग-अलग कार्यों को सफलतापूर्वक पूरा कर पाएंगे।
किरदार। लेकिन अगर आप मुझसे ईमानदारी से पूछें, तो मुझे लगता है कि रणवीर वास्तव में एक
वह मेरे लिए भाई है। हम दिखने में भी एक जैसे हैं... इसलिए हम बहुत आसानी से भाई-बहन हो सकते हैं।'
फिर भी, दो अभिनेताओं के लिए अपनी भावनाओं को बदलना एक चुनौती हो सकती है और
एक के बाद एक फिल्म में एक-दूसरे के प्रति भावनाएं बदलती रहती हैं। 'यह आपको चौंका देता है। यह थोड़ा सा है।'
रणवीर ने उसी 126 द नेशनल इंटरव्यू में कहा, 'सब गड़बड़ है।' 'मुझे लगता है यह वाला (डीडीडी) सबसे अधिक विश्वसनीय होगा, क्योंकि जैसा कि हम हमेशा कहते हैं...
Priyanka cut him and added, ‘Humari feelings aisi hi hain ek doosre ki taraf (हमारे एक-दूसरे के प्रति यही भावनाएँ हैं।)

जब संजय लीला भंसाली ने पहली बार प्रियंका चोपड़ा को 'सहायक भूमिका' की पेशकश की थी
बाजीराव मस्तानी में काशीबाई की भूमिका के लिए हां कहने में उन्हें कुछ हिचकिचाहट थी।
शायद वह अलग-अलग निर्देशकों के साथ काम करना चाहती थी, और उसके पास केवल हाल ही में उन्होंने भंसाली की फिल्म राम-लीला में अतिथि भूमिका निभाई थी। उन्होंने तो यहाँ तक कह दिया था कि...
उन्होंने अपने सह-कलाकारों रणवीर सिंह और दीपिका पादुकोण को फिल्म बनाने से हतोत्साहित किया।
उसी निर्देशक के साथ दूसरी फिल्म, और वह भी पहली फिल्म के तुरंत बाद। ‘प्रियंका यह फिल्म नहीं करना चाहती थी… उसने कहा था कि वह चाहती है कि… 'जाओ,' रणवीर ने बाजीराव मस्तानी के ट्रेलर लॉन्च इवेंट में कहा। 'उसने कहा।'
आप सब पागल हैं... आप भंसाली के साथ दूसरी फिल्म कर रहे हैं। लेकिन वह एक... तेज़ सीखने वाला…और चीज़ें जल्दी समझ लेता था।’ 127
लेकिन बाद में, प्रियंका ने स्पष्ट किया कि उन्होंने यह भूमिका क्यों स्वीकार की, और शायद एक बार
फिल्म रिलीज होने के लिए तैयार थी, तभी उसका नजरिया बदल गया। 'लोग बातें करते हैं...'
उन्होंने कहा, 'बाजीराव-मस्तानी की प्रेम कहानी,' और आगे जोड़ा, 'मेरे लिए सबसे बड़ा कारण
काशी का किरदार निभाना एक ऐसे चरित्र को निभाना था जिसके बारे में इतिहास ने कभी बात नहीं की।
मैंने कभी इतना कोमल और संवेदनशील किरदार नहीं निभाया था।' और उन्होंने खुलासा किया कि कैसे
काशीबाई का चरित्र उनके वास्तविक व्यक्तित्व से बिल्कुल विपरीत था। 'यह बहुत मुश्किल है
मुझे एक ऐसी लड़की का किरदार निभाने के लिए चुना गया जो अपनी रक्षा नहीं कर सकती क्योंकि मैं एक आधुनिक लड़की हूँ।

आज मैं लोगों को पीट सकता हूँ, लेकिन आपको इस बात के लिए मनाना मेरे लिए एक चुनौती है।
इसे देखते ही आपका दिल उसके लिए दुख से भर आएगा। वह एक अद्भुत और प्यारी शख्सियत है।
तीसरी भूमिका मिलने के बावजूद, प्रियंका को अभिनय करते देखना बेहद दिलचस्प है।
महाराष्ट्रीयन पत्नी का किरदार—कमीने के बाद मराठी किरदार में उनका तीसरा प्रयास।
और अग्निपथ (2012)—एक गर्वित महिला, बाजीराव पेशवा की पत्नी। लेकिन फिल्म में, उसे अपना स्वाभिमान त्यागना पड़ता है क्योंकि उसका पति किसी और से प्यार करने लगता है।
एक और महिला—और वो भी एक मुस्लिम। अक्सर, सिर्फ अपनी आँखों और चेहरे के हाव-भाव से।
भावों और छोटे-छोटे इशारों से, प्रियंका इतना प्यार और स्नेह व्यक्त करने में सक्षम हैं।
काशीबाई के प्रति सहानुभूति।
बॉलीवुड सिनेमा में यह एक दुर्लभ क्षण है जहाँ भव्यता के बावजूद, भव्यता, विशाल युद्ध दृश्य, शानदार सेट और भव्यता से फिल्माए गए गाने - ये सभी चीजें भंसाली की खासियत हैं, लेकिन उनकी पटकथा उनके तीन किरदारों को कुछ राहत देती है।
मुख्य अभिनेताओं को अभिनय करने के लिए प्रेरित करते हैं। और एक निर्देशक के रूप में, वे सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करवाने में सक्षम हैं।
प्रियंका चोपड़ा। जब आप उन्हें बर्फी! जैसी फिल्मों में अभिनय करते हुए देखते हैं, तब आपको एहसास होता है!
बाजीराव मस्तानी को देखकर आपको एहसास होता है कि यह महिला सचमुच एक कलाकार बन चुकी है।
हिंदी सिनेमा की सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्रियों में से एक।
प्रियंका के सहायक भूमिका निभाने पर निर्देशक रोहन सिप्पी का कहना है कि यह एक
यह उनकी क्षमताओं पर उनके आत्मविश्वास का संकेत है। 2005 में, रोहन ने प्रियंका को निर्देशित किया था।

ब्लफ़मास्टर में! 'जब आप फिल्म (बाजीराव मस्तानी) से बाहर आते हैं तो...' उससे बहुत मजबूती से जुड़ें। यही एक अभिनेत्री के रूप में उसकी सुरक्षा है। इसी तरह।
वह सोचती है—“आप चाहे जिस भी रास्ते पर जा रहे हों, अगर मैं अपना काम अच्छे से करूँ तो मैं खड़ी रह सकती हूँ।”
बाहर।' यह एक बहुत अच्छी खूबी है।'
प्रियंका ने बाजीराव मस्तानी की शूटिंग तब की जब वह अपनी पहली फिल्म पर भी काम कर रही थीं।
कनाडा और अमेरिका में प्रसारित होने वाले उनके एबीसी टेलीविजन शो क्वांटिको के सीज़न में, कभी-कभी
वह सप्ताहांत में हवाई यात्रा करती है। हालांकि यह निश्चित है कि वह केवल प्रथम श्रेणी में ही यात्रा करती है, फिर भी सभी
इस अंतरमहाद्वीपीय यात्रा का असर अवश्य ही पड़ा होगा। यह काम बन गया था... उदय शिराली को प्रियंका की सिफारिश पर उन्हें यह जिम्मेदारी देने के लिए नियुक्त किया गया था।
काशीबाई की तरह दिखने और उनके काम और यात्राओं के तनाव को दूर करने के लिए। चेहरा।
एक इंटरव्यू में उदय ने प्रियंका को बिना मेकअप वाला लुक देने के बारे में बात की।
उन्होंने कहा, ‘वह बहुत अधिक शारीरिक और मानसिक तनाव से गुजर रही थी।’129 ‘और यह
उसके चेहरे पर दिख रहा था। मुझे विशेष ध्यान रखना पड़ा कि उसकी आंख में कोई समस्या न हो।
क्या उसकी आंखें लाल और सूजी हुई दिख रही थीं या आंखों के नीचे काले घेरे नहीं थे? मैं किसी का इस्तेमाल नहीं कर सका।
मेकअप इसलिए क्योंकि किसी पीरियड ड्रामा में रानी के लिए यह अजीब लगेगा। आँखें
उनकी लंबी पलकों और कहीं-कहीं थोड़े से आईशैडो के अलावा उनका पूरा शरीर नंगा था।
इसके अलावा, हालांकि सोलहवीं शताब्दी में काजल उपलब्ध था, लेकिन इसका उपयोग केवल मुगलों द्वारा ही किया जाता था।

उसने इसे पहना था। और उसकी मांग में सिंदूर नहीं था क्योंकि महाराष्ट्रीयन महिलाएं
मैंने इसे नहीं पहना था।
संजय लीला भंसाली की फिल्मों से जैसी उम्मीद की जाती है, इस फिल्म को बनाने में काफी मेहनत की गई है।
प्रत्येक अभिनेता का लुक तैयार करने में। प्रियंका के मामले में, बारीकियों में शामिल थे:
महाराष्ट्र की पारंपरिक हेयर बन जिसे खोपा कहते हैं और एक अर्धचंद्राकार बिंदी।
एक छोटी सी बिंदी के साथ। वह पेशवाई पैठानी साड़ियाँ और मोतियों की नथ पहनती थी।
नाक।
सभी आलोचकों ने प्रियंका के अभिनय की सराहना की। राहेल साल्ट्ज़ ने भी इस बात की प्रशंसा की।
न्यूयॉर्क टाइम्स फिल्म के केंद्रीय कथानक—रोमांस—से आकर्षित नहीं हुआ।
बाजीराव और मस्तानी के बारे में। लेकिन उन्होंने आगे कहा, 'हो सकता है कि आप खुद को बाजीराव और मस्तानी के पक्ष में पाते हों।' लेकिन
सुश्री चोपड़ा ने काशीबाई को दरकिनार कर दिया। उनके पास भरपूर खूबसूरती है और एक अच्छा गीत भी।
और एक ऐसी चीज जिसकी फिल्म के बाकी हिस्सों में कमी है—गर्मजोशी और हास्य का पुट।'
130 और द गार्जियन के आलोचक ने लिखा, 'चोपड़ा कभी भी काशी को अनुमति नहीं देते हैं
उपेक्षित हो जाना: वे आँखें पत्नी के दर्द को उतनी ही स्पष्टता से दर्शाती हैं
क्योंकि उन्हें अन्यत्र सुख प्राप्त है।’ 131
भारतीय समीक्षक भी प्रियंका के अभिनय से समान रूप से प्रभावित हुए। अनुपमा चोपड़ा ने हिंदुस्तान टाइम्स में लिखा: 'प्रियंका चोपड़ा शायद...' तीनों में से उनके सबसे कम दृश्य हैं, लेकिन वह सबसे अधिक प्रभाव पैदा करती हैं।

और Rediff.com के आलोचक ने लिखा, 'प्रियंका चोपड़ा, जो कि फिल्म में नहीं हैं,
बाजीराव मस्तानी की उपाधि भंसाली के पास है। उनकी भूमिका नैतिक रूप से सही पक्ष की है, लेकिन भंसाली
वह उसके चरित्र में निस्वार्थता और गरिमा को समाहित करने के लिए हर संभव प्रयास करता है।
चोपड़ा ने इस भूमिका में शानदार अभिनय किया है, उनकी बुद्धिमानी से अभिव्यंजक आंखें बोलती हैं।
उनकी विस्तृत रचनाएँ और उनकी स्पष्ट मराठी लय एकदम सटीक हैं।
बाजीराव मस्तानी हिट घोषित हुई। प्रियंका चोपड़ा जाने के लिए तैयार थीं।
(हालांकि उन्होंने हमेशा यही कहा है कि उन्होंने बॉलीवुड नहीं छोड़ा है) उन्होंने भारतीय फिल्म उद्योग में धमाकेदार शुरुआत की। लेकिन उन्हें अभी भी एक आखिरी फिल्म में काम करना बाकी था।
प्रकाश झा की फिल्म 'जय गंगाजल', जो उनकी 2003 की हिट फिल्म का एक तरह से सीक्वल है।
गंगाजल।

मानव कौल को वो पहला दिन याद है जब प्रियंका चोपड़ा फिल्म के सेट पर आई थीं।
भोपाल में जय गंगाजल। यह एक भीड़भाड़ वाले बाजार का दृश्य था। प्रियंका, शहर की नई पुलिस अधीक्षक की भूमिका निभा रही आभा माथुर ने पहना हुआ था एक काली पठानी सलवार कमीज और रे-बैन के धूप के चश्मे के साथ—और वह
वह बेहद आकर्षक लग रही थी।
मानव याद करते हुए बताते हैं, ‘मेरी उनसे बस थोड़ी देर के लिए ही मुलाकात हुई थी।’ ‘वह
मैं खड़ा था और किसी ने कहा, "आपका सीन तैयार है"। यह सुनकर मेरा मुंह खुला रह गया।
मैंने उसे देखा। उसने पूछा, "क्या तुम तैयार हो?" और मैंने उसे बताया, "मुझे थोड़ा समय लगेगा।"

आप बेहद खूबसूरत लग रही हैं। मुझे आपको देखना बंद करना होगा।” मैं अचानक से
मैं एक छोटे शहर का लड़का था और यह मेरी पहली छुट्टी जैसी लग रही थी। फिर मैंने उनसे पूछा कि जब उन्होंने प्रियंका को 'खूबसूरत' कहा तो प्रियंका ने कैसी प्रतिक्रिया दी। 'वह'
वह बहुत प्यारी थी और उसे पता था कि वह बेहद खूबसूरत है। लेकिन फिर एक समय के बाद जब
शूटिंग शुरू करते ही आप यह भूल जाते हैं कि आप प्रियंका के साथ शूटिंग कर रहे हैं।
चोपड़ा। वह इतनी सामान्य थी, बरेली की एक आम लड़की की तरह।
बरेली)।
मानव फिल्म में खलनायक बबलू पांडे का किरदार निभा रही हैं। लेकिन असल जिंदगी में उनका किरदार कुछ और ही है।
फिल्म में टकराव डिप्टी सुपरिटेंडेंट बी.एन. सिंह के साथ होता है।
(निर्देशक प्रकाश झा द्वारा अभिनीत, जो उनकी पहली प्रमुख ऑन-स्क्रीन भूमिका थी), एक भ्रष्ट व्यक्ति।
स्थानीय माफिया से गहराई से जुड़ा हुआ एक व्यक्ति, जिसका हृदय परिवर्तन तब होता है जब प्रियंका की आभा माथुर उसकी बॉस बन जाती है।
मैंने प्रियंका को बताया था कि बी.एन. सिंह का किरदार मैं निभा रहा हूं, एक बार भी नहीं।
प्रकाश कहते हैं, 'उसने हैरानी जताई। उसे अपनी क्षमताओं पर इतना भरोसा है।' कितना आत्मविश्वास था! मैंने सेट पर यह बात नोटिस की, यहाँ तक कि छोटे किरदारों को निभाने वाले अभिनेताओं में भी।
वह यह सुनिश्चित करती थी कि उन्हें वह दृश्य मिले और वे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करें क्योंकि वह
वह जानती थी कि अगर बाकी लोग अच्छा प्रदर्शन करेंगे, तो उसका काम भी चमक उठेगा।
प्रकाश झा ने कई फिल्मों का निर्देशन किया है, इसलिए वह भूमिका दूसरी थी। उनके लिए यह स्वाभाविक था। लेकिन एक प्रमुख भूमिका निभाना एक नया अनुभव था। 'कभी-कभी एक
'एक अजीब बात होती थी,' वह कहते हैं। प्रियंका के साथ एक शॉट के अंत में और

मैं उसकी ओर मुड़कर पूछता कि मैंने ठीक किया या नहीं। और वह हंसती और कहें, “हैलो, आपको तो मुझे बताना चाहिए था कि मैंने ठीक किया। मैं
हम आपके प्रदर्शन को नहीं देख रहे हैं।
प्रियंका को जय गंगाजल पर काम करने के लिए बहुत कम समय मिला था। बाजीराव मस्तानी और क्वांटिको के बीच। 'उन्हें क्वांटिको की ट्रेनिंग मिली।'
'हमारे साथ पुलिसवाले की तरह बर्ताव कर रही थी,' प्रकाश हंसते हुए कहती हैं। वह एक दिन भोपाल पहुंची।
शूटिंग से एक दिन पहले मैंने प्रकाश के साथ लगभग 12 घंटे बिताए और उनसे बातचीत की।
उसका चरित्र।
एक सीन के लिए, प्रियंका की माथुर को मानव के साथ लड़ाई करनी पड़ी। पांडे। लड़ाई का दृश्य पूरी तरह से कोरियोग्राफ किया गया था। दो क्षण थे जब प्रियंका को मानव को मारना था। 'उसे मुझे मुक्का मारना था,'
मानव कहता है, 'मैंने कहा कि तुम मुझे मार सकती हो। लेकिन जब उसने मारा तो मुझे अचानक एहसास हुआ।' 'लेकिन जब उसने मारा तो मुझे अचानक समझ आया।' उन्होंने अभी-अभी 'मैरी कॉम' फिल्म की थी। यह उनके लिए एक बहुत बड़ा झटका था।

INDIA

18 [illegible] [illegible] [illegible] 30 [illegible] 2000 [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible]
[illegible]: [illegible] [illegible]/[illegible]/[illegible] [illegible]

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] 17 [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

in Andaaz.

□□□□□□□: □□□□ □□□□□□ □□□□□□□□□□

□□□□□ □□□□□ □□ □□□□□ □□□ (2006) □□□ □□□□□□□□ □□□□□□ □□ □□□□ □□ □□□□□□ □□□□□□ □□, □□□□□□□ □□□□ □□□ □□□□ '□□' □□ □□□□□ □□□ □□□□ □□ □□□□ □□□ Ki Raat’.

□□□□□□: □□□□□□ □□□□□□□□□□□

□□□□□□ □□□□ □□ □□□□□□ □□□□ □□ □□□□ □□□□□□□□□□ □□□□□ □□, □□□□□□□□ □□ □□□□□ □□□□□ □□ □□□□ □□ □□□□□ □□□□□ □□□□□ □□□
□□□□□ □□ □□□ (2006)□
□□□□□□: □□□□□□ □□□□□□□□□□□

फिल्म 'फैशन' (2008) के लिए, मधुर भंडारकर की एकमात्र पसंद प्रियंका चोपड़ा ही थीं, जिन्होंने एक लड़की की भूमिका निभाई थी।
जो एक प्रमुख मॉडल बन जाती है।
सौजन्य: भंडारकर एंटरटेनमेंट, यूटीवी और डिज्नी इंडिया

प्रियंका चोपड़ा ने फिल्म फैशन (2008) में मेघना माथुर का किरदार निभाने के लिए अपना एकमात्र राष्ट्रीय पुरस्कार जीता था। सौजन्य: भंडारकर एंटरटेनमेंट, यूटीवी और डिज्नी इंडिया

7 खून माफ़ (2011) की शूटिंग के दौरान निर्देशक विशाल भारद्वाज के साथ सेट पर प्रियंका चोपड़ा
गाना ‘डार्लिंग’।
सौजन्य: वी.बी. पिक्चर्स/फोटो: सी.एच. बालू

विशाल भारद्वाज कहते हैं, 'प्रियंका के साथ मेरा जैसा तालमेल था, वैसा किसी और अभिनेत्री के साथ मेरा कभी नहीं रहा।'
नील नितिन मुकेश के साथ 7 खून माफ़ (2011) का सेट। सौजन्य: वी.बी. पिक्चर्स/फोटो: जयसिंह नागेश्वरन

फरहान अख्तर की फिल्म डॉन 2 (2011) में प्रियंका चोपड़ा ने अपने सह-कलाकार शाह के साथ एक्शन सीन किए थे।
रुख खान। डॉन 2 से एक तस्वीर।
सौजन्य: एक्सेल एंटरटेनमेंट

डॉन 2 (2011) में प्रियंका चोपड़ा द्वारा अभिनीत रोमा एक तेजतर्रार इंटरपोल अधिकारी है जो ग्लैमरस ढंग से कपड़े पहनती है।
अपराधियों का पीछा करने के लिए भव्य आयोजन।
सौजन्य: एक्सेल एंटरटेनमेंट

फिल्म 'दिल धड़कने दो' (2015) में प्रियंका चोपड़ा से उनके माता-पिता पूछते हैं कि वह अपनी जिंदगी से नाखुश क्यों हैं।
शादी।
सौजन्य: एक्सेल एंटरटेनमेंट

REALFICTION
Berliner Flughäfen
medienboard
Berlin-Brandenburg
Berlin Partner
Berlin Partner
Berliner Flughäfe

□□□□□□ □□□ □□ □□□□□□□□ □□□□□□ □□□□□□□□□ □□□ □□□ 2 (2011) □□ □□□□□□□ □□ □□□□□□

□□□□□ 2012□

□□□□□□: □□□□□

Priyanka Chopra with co-star Manav Kaul in Prakash Jha’s Jai Gangaajal (2016).
सौजन्य: प्रकाश झा प्रोडक्शंस द्वारा जय गंगाजल

प्रकाश झा मजाक में कहते हैं, 'प्रियंका चोपड़ा ने हमारे साथ क्वांटिको में पुलिसवाले की तरह अभिनय करने की ट्रेनिंग ली।' सौजन्य: प्रकाश झा प्रोडक्शंस

कुछ समय के लिए, एबीसी का क्वांटिको एक वैश्विक घटना बन गया था। यह तस्वीर एक बस के पीछे से ली गई थी।
शंघाई में।
सौजन्य: श्रेय खेतरपाल

[illegible] 2015 [illegible], [illegible] [illegible] [illegible] [illegible], [illegible] [illegible] [illegible] [illegible], [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

Photo: Aseem Chhabra

□□□□□□□□ □□□□□□ (□□□□ □□ □□□□□) □□□□□□ □□ □□□□ □□□□□ □□□ □□□□ □□□□□
'□□□□□' □□ □□-□□□□□□□□ □□ □□□□
□□□□□□: dpa □□□□□□ □□□□□□/Alamy

□□□□□□□: □ □□□□□ □□ □□□□□□□ □□ □□□□□ □□□□□□□□□□ □□. □□□ □□□□□□ □□ □□□□□□□□□ □□□□ □□□□□□□□□

□□□□□□ 2017 □□□ □□□□□□ □□□□□□□□□□□□□□ □□□□□ □□□□□□□ □□□ □□ □□□□□□

Photo: Aseem Chhabra

प्रियंका चोपड़ा को अपने प्रशंसकों से जुड़ना बहुत पसंद है, जैसा कि अमेरिका में उनके रहने के दौरान स्पष्ट हुआ।

सौजन्य: डेरेक स्टॉर्म/एवरेट कलेक्शन/अलामी

□□□□□□ □□□□□□□□ □□ □□□□ □□□□□□□□ □□□□□□ □□ □□□□ □□□□□□ □□□□□□ □□□□□□
□□ □□□, '□□□□ □□ □□□□□□ □□□□□ □□ □□□□'

□□□□□!'
□□□□□□□: □□□ □□□./□□□□: □□□□□□ □□□□□

□□□□□□□□□ □□ □□□□□□□, □□□□□□□ □□□□□□ □□□□ □□ □□□□ □□□□ □□ '□□□□-□□□□□ □□□□□ □□□□□□□□□' □□□

□□□□□□□: □□□□ □□□□./□□□□□: □□□□□□□ □□□□□□

OSCARS
OSCARS

[illegible] [illegible] [illegible] 2016 [illegible] [illegible] [illegible]

□□□□□ 2017 □□□, □□□□□□□□ □□□□□□ □□ □□□□ □□□□ □□□□□□ □□□□□ □□□□□□□□
□□□□□□ □□□ □□ □□□□□ □□□□□ □□□□□ □□□□□ □□□

सोने की परत चढ़ा हुआ राल्फ लॉरेन गाउन।
सौजन्य: गामा-यूएसए/अलामी

CAMERON
t Nightmare
IANT &
RCING!
It's over after just one year! Heartbroken Cameron faces life as a single mom at 43
ELLE
QUANTICO'S DIVINE
PRIYANKA CHOPRA
TARAJI P. HENSON
VIOLA DAVIS
JULIA LOUIS-DREYFUS
OLIVIA WILDE
WOMEN IN TV
INCLUDING: CAITLYN JENNER! SAMANTHA BEE! THE AFFAIR! CRAZY EX-GIRLFRIEND!
FASHION HOW TO LOOK CHIC IN A SUIT, IN SPARKLES, IN RED
What's the right heel for my look? p123
THE SEX THAT CHANGED MY LIFE
FINALLY HOW TO GET THE PERFECT BLOND
teen
GAME CHANGERS: BEAUTY PRODUCTS THAT DELIVER
STRANGER DANGER TEENS ON DATING APPS
the
AOKO
USB Power Adapter

क्वांटिको के लॉन्च के बाद, प्रियंका चोपड़ा कई पत्रिकाओं के कवर पेज पर नजर आईं। यह तस्वीर

यह तस्वीर न्यूयॉर्क शहर के एक सबवे स्टेशन पर स्थित एक न्यूज़ स्टैंड पर ली गई थी।
Photo: Aseem Chhabra

दूसरा वार मानव की छाती पर लात मारने का होना था, लेकिन गलती से प्रियंका का पैर उसके गले पर लग गया और उसने जूते पहने हुए थे।
मानव कहते हैं, 'मैंने वज़ीर में फरहान (अख्तर) के साथ एक लड़ाई का दृश्य किया था।'
(2016)। और मैं कराटे में ब्राउन बेल्ट हूं, इसलिए मैं लड़ाई को समझता हूं।' लेकिन इससे चोट तो लगी।
उसे। दरअसल, उसकी आवाज कुछ दिनों के लिए चली गई थी।
अपनी गलती का एहसास होते ही प्रियंका ने टैप किया।
मैंने मानव से पूछा, ‘मुझे उम्मीद है कि मैंने तुम्हें चोट नहीं पहुंचाई होगी,’—वह याद करते हैं। ‘मैंने कहा, “मैं हूँ
ठीक है।” लेकिन वह रोने लगी। उसे लगा कि उसने मुझे बहुत जोर से मारा है। बुरा नहीं था और मुझे कोई शिकायत नहीं थी। हमें शूटिंग आधे समय के लिए रोकनी पड़ी।
एक घंटा बीत गया। वह बार-बार कह रही थी, "यह अभी पूरा नहीं हुआ है, मैं यह नहीं कर सकती।"
प्रकाश आगे कहते हैं, 'वह बहुत संवेदनशील है—मुझे उसके बारे में यह बात पता नहीं थी।'
वो रोना बंद ही नहीं कर रही थी। इसलिए मुझे उस पर चिल्लाना पड़ा और उसे चुप रहने के लिए कहना पड़ा।'
उनकी कड़ी मेहनत के बावजूद (एक प्रोजेक्ट से दूसरे प्रोजेक्ट पर भागदौड़ करना और हवाई यात्रा करना)
आलोचकों का मानना था कि (भारत और अमेरिका में अपने दायित्वों को पूरा करने के लिए महाद्वीपों की यात्रा करने के बावजूद)
जय गंगाजल में प्रियंका के अभिनय से प्रभावित। शुभ्रा गुप्ता का

इंडियन एक्सप्रेस को लगा कि प्रियंका पुलिसवाली की भूमिका में फिट नहीं बैठतीं।
हिंदी भाषी क्षेत्र का परिवेश। 'एक कठिन परिस्थिति में नेतृत्व करने वाली महिला पुलिसकर्मी के रूप में-
प्रियंका चोपड़ा की पोस्ट में उनका पहनावा बनावटी और नाटकीय लग रहा है। गुप्ता ने लिखा, 134 ‘आप देख सकते हैं कि वह कड़ी मेहनत कर रही है, खासकर कुछ मामलों में।
ऐसे "एक्शन" सीक्वेंस जिनमें उसे लात-घूंसे मारने और हाथ-पैर पटकने पड़ते हैं, लेकिन वह
इस भूमिका के लिए यह बहुत ही सहज है।
और द हिंदू की नम्रता जोशी भी उतनी ही निराश थीं, इसके बावजूद
प्रियंका के एक्शन सीन। 'एक महिला पुलिस अधिकारी के रूप में, प्रियंका को जो कुछ भी करना पड़ता है, वह सब कुछ अपेक्षित है।'
भागना, पीछा करना, लड़ना, हाथापाई करना, लाठियों से गुंडों को पीटना, गोलियां चलाओ, 135 पठानी सूट और पुलिस की वर्दी पहनो, और गाढ़ा मेकअप करो। जोशी ने लिखा, ‘दूसरे शब्दों में कहें तो, एक पुरुष की तरह व्यवहार करने की कोशिश करें और कनिष्ठ पुलिसकर्मियों से धन्यवाद प्राप्त करें।’
उन्हें मर्द बनाने के लिए।’ फिर उन्होंने निष्कर्ष निकाला, ‘विडंबना यह है कि प्रियंका
वह अस्वस्थ, उदासीन और आसपास की घटनाओं से बेखबर प्रतीत होता है।
फिल्म का अधिकांश भाग।

6

इसे वापस देना : उत्पादन करना

फ़िल्में

सौजन्य : एक्सेल एंटरटेनमेंट

2014 के मध्य में ऐसी खबरें आईं कि प्रियंका चोपड़ा फिल्म निर्माण के बारे में सोच रही थीं। उन्होंने अपनी दोस्त से इस बारे में बातचीत की थी और निर्देशक मधुर भंडारकर—एकमात्र फिल्म निर्माता जिन्हें राष्ट्रीय पुरस्कार मिला।
प्रियंका का (फैशन फिल्म में) पुरस्कार के योग्य प्रदर्शन—फिल्म में अभिनय करने का मौका
called Madamji.
खबरों के मुताबिक प्रियंका फिल्म का निर्माण करेंगी और शायद इसमें अभिनय भी करेंगी।
वह अपनी प्रोडक्शन कंपनी पर्पल पेबल पिक्चर्स के बैनर तले फिल्म का वितरण करेंगी।
रिपोर्ट में सूचीबद्ध अन्य सह-निर्माता भंडारकर एंटरटेनमेंट और थे।
राम मिर्चंदानी की रैम्पेज मोशन पिक्चर्स.136
मुझे फिल्मों से जुड़ी हर चीज से प्यार है... प्रक्रिया से,
प्रियंका ने टाइम्स ऑफ इंडिया को बताया, 'रचनात्मकता, जादू।' 'यह एक
उसी का विस्तार। मैं सीखने, पागलपन और रोमांच का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूँ।
फिल्म को जीवंत बनाने से मिलने वाली रचनात्मक संतुष्टि।
उन्होंने आगे कहा, ‘एक निर्देशक के तौर पर, उनके (मधुर भंडारकर) पास स्पष्ट दृष्टिकोण है।’
उनकी सोच और कहानियों के चयन का तरीका दिलचस्प और रोमांचक है।
जब उन्होंने मुझे यह कहानी सुनाई, तो मुझे पता चल गया कि यह उनके लिए एक बेहतरीन पहला प्रोजेक्ट साबित होगा।
मुझे प्रोडक्शन में शामिल करें।'
यह उस समय की राजनीति पर आधारित एक बहुत ही समकालीन विषय था—एक
'आइटम गर्ल राजनेता बन रही है,' मधुर मुझे बताती हैं। लेकिन यह प्रोजेक्ट कभी पूरा नहीं हुआ।
प्रियंका लगातार फिल्मों में व्यस्त थीं, इसलिए उनकी फिल्में फ्लॉप हो गईं।
डीडीडी। मधुर आगे कहती हैं, 'मैंने किसी और अभिनेत्री से संपर्क नहीं किया।' 'फिर क्वांटिको।'

शुरू हुआ और मेरी दिलचस्पी खत्म हो गई। हमने मूल रूप से स्क्रिप्ट तैयार कर ली थी।
हमारे मन में प्रियंका चोपड़ा की ही छवि है।
मैंने मधुर से मैडमजी की पटकथा और एक अन्य पटकथा के बीच समानता के बारे में पूछा।
मल्लिका शेरावत की फिल्म डर्टी पॉलिटिक्स (2015), जो एक बार डांसर के जीवन पर आधारित थी।
अनोखी देवी और राजनीति में उनके उदय पर आधारित फिल्म 'डर्टी पॉलिटिक्स' बनी, लेकिन...
यह फिल्म समीक्षकों और बॉक्स ऑफिस दोनों ही दृष्टि से असफल रही। क्या यही कारण हो सकता है कि मैडमजी
क्या इसे स्थगित कर दिया गया है?
‘नहीं, ऐसा कुछ नहीं,’ वह कहते हैं। ‘वह भी एक महिला-प्रधान फिल्म थी।
यह कहानी राजस्थान की भंवरी देवी की कथा पर आधारित है। हमारे पास इसमें कुछ भी नहीं था।
उस परियोजना के साथ समान।
बाद में, प्रियंका ने यह भी स्वीकार किया कि मैडमजी की देरी का कारण यह था कि...
उनकी अपनी समय-सारणी संबंधी समस्याएं। 'मैं इतनी व्यस्त रही हूँ कि थोड़ी परेशानी हो रही है।'
उन्होंने 138 डीएनए को बताया, 'उत्पादन के मोर्चे पर गति धीमी है।' अंततः, पर्पल पेबल पिक्चर्स द्वारा निर्मित पहली फिल्म थी
Bhojpuri language—director Santosh Mishra’s Bam Bam Bol Raha Hai Kashi. The film, starring Bhojpuri actors Amrapali Dubey and Dinesh Lal Yadav ‘Nirahua’ opened in theatres in June 2016.
सितंबर 2017 में टोरंटो अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में दिए गए एक साक्षात्कार में
(TIFF) में प्रियंका की मां और प्रोडक्शन पार्टनर डॉ. मधु चोपड़ा ने बात की।
मैंने उससे पर्पल पेबल की रणनीति के बारे में पूछा। मैंने उससे पूछा कि उसने पर्पल पेबल को क्यों चुना।

भोजपुरी भाषा की फिल्म का निर्माण करने वाली यह उनकी पहली फिल्म है।
डॉ. चोपड़ा ने कहा, 'हम छोटे स्तर से शुरुआत करना चाहते थे,' साथ ही उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि
पहला साल हमेशा 'डरावना' होता है। फिर उसने आगे कहा, 'इसमें जोखिम कम था। आप जानते हैं,'
जैसे हम हिंदी में कहते हैं—उंगली गीली करना। हम बस अपनी उंगली गीली करना चाहते थे।
पहले स्थिति का जायजा लें।
दूसरा महत्वपूर्ण कारक यह था कि डॉ. चोपड़ा झारखंड से हैं (नक्काशीदार) (नवंबर 2000 में बिहार से बाहर)। 'यही मेरी पृष्ठभूमि है,' उन्होंने इसके बारे में कहा।
भोजपुरी भाषा। ‘यह मेरे पिता का स्थान है। और यह (भोजपुरी सिनेमा) था
एक स्थापित उद्योग।’ फिर उन्होंने आगे कहा, ‘लेकिन प्रियंका ने बाद में कहा कि
हमारे प्रोडक्शन हाउस का मूल उद्देश्य नवागंतुकों, नई कहानियों और नए कलाकारों को मौका देना है।
अन्य क्षेत्रों में भी।

प्रियंका के व्यक्तित्व का एक परोपकारी पहलू भी है। बॉलीवुड के कई अन्य सितारे भी ऐसा ही सोचते हैं।
अभिनेता अच्छी फिल्में बनाने के इरादे से और/या अन्य उद्देश्यों के लिए फिल्में बना रहे हैं।
पैसा कमाना। लेकिन प्रियंका इसे अलग तरीके से कर रही हैं। जनवरी 2017 की शुरुआत में,
सरवन (2017) की रिलीज से पहले—जो उनकी पंजाबी होम प्रोडक्शन फिल्म थी— प्रियंका ने डिप्स भामराह के लोकप्रिय बीबीसी एशियन नेटवर्क रेडियो कार्यक्रम में बात की।
शो में उन्होंने कहा कि वह समाज और अपने समुदाय को कुछ वापस देना चाहती हैं।

जो लोग मनोरंजन उद्योग में आना चाहते थे।
मैं अपनी प्रतिभा का उपयोग करना चाहता हूँ… मैं फिल्म उद्योग में इसलिए आया था ताकि
मुंबई में मेरे पास अपने माता-पिता और अपने जुनून के अलावा कुछ भी नहीं है। मैं बेहद
मैंने खुद को साबित किया है। यह एक बहुत ही कठिन और श्रमसाध्य यात्रा रही है, जो काफी चुनौतीपूर्ण रही है।
मेरे लिए एकाकी… क्योंकि मेरी पसंद अलग रही है और नहीं
पारंपरिक। लेकिन मैं यही अपना रास्ता बनाना चाहता था, पूरी तरह से अपना। अपना, अभूतपूर्व। और यही मेरी प्रोडक्शन कंपनी के साथ योजना है।
ठीक है। मैं समर्थन देना चाहता हूँ… चाहे मैं किसी भी व्यक्ति के लिए कितना भी मददगार क्यों न होऊं।
अब और मुझे जो मंच दिया गया है, विभिन्न क्षेत्रीय फिल्मों, हिंदी फिल्मों के लिए।
मैं फिल्में, अंग्रेजी फिल्में करना चाहता हूँ। मैं टेलीविजन में काम करना चाहता हूँ। और बस इतना चाहता हूँ कि मैं अपना काम कर सकूँ।
अच्छी कहानियाँ सामने लाएँ...और अद्भुत कलाकारों को शामिल करें—अभिनेता, निर्देशक, नई प्रतिभाएँ।
और फिल्म उद्योग में ऐसे समय में अवसर प्राप्त करें जब बाहरी व्यक्ति होना स्वीकार्य न हो।
आसान।’ 139
फिर भी, मुझसे शादी करोगे, ब्लफमास्टर! और दोस्ताना जैसी फिल्में करने के वर्षों बाद, प्रियंका को अचानक क्षेत्रीय फिल्मों का समर्थन करने के लिए क्या प्रेरित किया, यह एक सवाल है।
थोड़ा अस्पष्ट है, खासकर यह देखते हुए कि उसकी माँ ने कहा था कि बचपन में और
किशोरावस्था में उसने कभी हिंदी के अलावा किसी अन्य भाषा की भारतीय फिल्म नहीं देखी थी। यहां तक कि
प्रियंका ने बॉलीवुड में जितने साल काम किया, उतने वर्षों तक उन्होंने इसे देखने की कोई इच्छा नहीं दिखाई।
क्षेत्रीय फिल्में। दो अपवाद थे जब उसने कुछ तमिल फिल्में देखीं।

अपनी पहली फीचर फिल्म 'तमिलन' और फिर मराठी भाषा की फिल्मों की शूटिंग से पहले, उन्होंने कई फिल्में कीं।
जब वह विशाल फिल्म में एक महाराष्ट्रीयन महिला की भूमिका निभाने की तैयारी कर रही थी
Bhardwaj’s Kaminey.
'मुझे लगता है कि उसने शायद किसी मराठी कहानी का (अनुवादित संस्करण) पढ़ा होगा।'
डॉ. चोपड़ा ने रेडिफ डॉट कॉम को दिए एक इंटरव्यू में बताया, 'या शायद उन्होंने कोई वीडियो देखा होगा।'
फ्लाइट में मराठी फिल्म देखनी है। उसने कहा कि ये बहुत अच्छी कहानियां हैं, तो चलिए शुरू करते हैं।
हम क्षेत्रीय फिल्मों के साथ काम करेंगे और यथासंभव अधिक से अधिक क्षेत्रीय फिल्में बनाने का प्रयास करेंगे।
संभव है।’140
टीआईएफएफ के इंटरव्यू के दौरान, डॉ. चोपड़ा ने प्रियंका के बारे में और विस्तार से बात की।
क्षेत्रीय स्तर पर जाने के लिए प्रेरित करते हुए उन्होंने कहा, 'प्रियंका, हालांकि वह सीधी सोच रखती है, लेकिन वह
उनकी सोच थोड़ी अलग है। उन्होंने कहा कि बॉलीवुड ने हर क्षेत्र का शोषण किया है।
भारत में। हम अलग-अलग क्षेत्रों से कहानियां लेते हैं। दरअसल, सलमान की कुछ फिल्मों में।
खान की फिल्मों में भाषा पूरी तरह भोजपुरी थी। और आपके पास कहानियां हैं। राजस्थान से, महाराष्ट्र से। लेकिन वे सभी बड़ी ब्लॉकबस्टर बन जाती हैं।
बॉलीवुड में। हमने बदले में क्या दिया है? तो यही उनकी सोच थी। हम करेंगे उनकी कहानियों को लें, उनकी प्रतिभा का उपयोग करें और उनके क्षेत्रों से कलाकारों को चुनें।'
लगभग तीन वर्षों में, पर्पल पेबल ने कुछ क्षेत्रीय भाषा संस्करण बनाए हैं। मराठी भाषा की फिल्मों सहित तीन राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता फिल्में वेंटिलेटर (2016)। राजेश मापुस्कर द्वारा निर्देशित, वेंटिलेटर निश्चित रूप से एक बेहतरीन फिल्म है।

इस सूची में सबसे बेहतरीन फिल्म पंजाबी फिल्म करण गुलियानी की है। सरवन—और सिक्किम के एक नेपाली भाषा की फिल्म, जिसे पहली बार निर्देशन कर रहे निर्देशक ने बनाया है।
पाखी टायरवाला पाहुना: द लिटिल विजिटर्स (2017)। इसने प्रियंका को एक सितंबर 2017 में टीआईएफएफ में इसके प्रचार के दौरान काफी विवाद खड़ा हो गया था।
एक नई कंपनी होने के नाते, पर्पल पेबल ने कुछ त्वरित बदलावों का सामना किया।
शीर्ष संचालन का नेतृत्व करने वाले अधिकारी। कंपनी के पहले मुख्य कार्यकारी अधिकारी।
अधिकारी ईशान दत्ता की जगह संदीप भार्गवा को नियुक्त किया गया है, जो कि अधिक अनुभवी हैं।
बॉलीवुड के अंदरूनी सूत्र और उन्होंने कुछ हिंदी फिल्मों को कॉर्पोरेट रूप दिया है।
उद्योग के नए प्रोडक्शन हाउस—वायकॉम का स्टूडियो 18, बी4 यू रिलेटिविटी मीडिया और संजय दत्त प्रोडक्शंस। 2016 की गर्मियों में, पर्पल पेबल फिल्म और टेलीविजन में महिलाओं की संस्थापक पेट्रीना डी'रोजारियो को नियुक्त किया गया।
एसोसिएशन में, कंपनी के मुख्य परिचालन अधिकारी के रूप में, डी'रोजारियो बने रहे।
पर्पल पेबल के साथ पूरे एक साल तक।
2016 की शुरुआत में, जब कंपनी लगभग मजबूत स्थिति में पहुँचने ही वाली थी, तभी...
फिल्म स्टूडियो सेटिंग और संबद्ध मजदूर संघ के साथ मुसीबत में फंस गया। जिसके महासचिव, गंगेश्वर श्रीवास्तव ने भुगतान न होने का दावा किया। प्रियंका के प्रोडक्शन के लिए एक प्रोजेक्ट पर काम करने वाले यूनियन सदस्य
यूनियन ने कहा कि स्टूडियो ने 36 लाख रुपये का भुगतान करने के लिए एक अनुबंध पर हस्ताक्षर किए थे।
उस परियोजना के लिए जिसके लिए केवल 20 लाख रुपये का भुगतान किया गया था।
अनुस्मारक भेजे गए।

मिड-डे अखबार में प्रोडक्शन हाउस और एक यूनियन सदस्य के हवाले से यह बात कही गई है।
अखबार को लिखे पत्र में उन्होंने कहा, 'चूंकि हम दिहाड़ी मजदूर हैं, इसलिए हम चिंतित हैं।'
हमें अपने भुगतान की मंजूरी का इंतजार है।
डॉ. चोपड़ा का कहना है कि तमाम दिक्कतों के बावजूद, कंपनी के पास अब एक एक ऐसी नियमित प्रक्रिया स्थापित की गई है जिसमें स्क्रिप्ट जमा की जाती हैं और उनकी जांच की जाती है, और फिर एक
परियोजनाओं की चयनित सूची प्रियंका को अंतिम स्वीकृति के लिए भेजी जाती है।
एक बार जब हमने यह तय कर लिया कि हम सभी क्षेत्रों में जाएंगे, तो हम हमें हर क्षेत्र से स्क्रिप्ट मिलनी शुरू हो गईं और फिर हमारे पास लोगों की एक टीम है।
'जो लोग इन्हें शॉर्टलिस्ट करते हैं,' वह बताती हैं। कुछ स्क्रिप्ट क्षेत्रीय भाषाओं में लिखी जाती हैं।
भाषा तो ठीक है, लेकिन इसका अंग्रेजी में अनुवाद करना होगा, जो उनके अनुसार,
लेखकों के लिए यह दोहरा काम बन जाता है। 'इसमें छह से आठ महीने लगते हैं- किसी प्रोजेक्ट को शुरू करो।'
प्रियंका को केवल अंग्रेजी में अनुवादित स्क्रिप्ट ही भेजी जाती हैं। इसलिए
अभिनय के लिए आने वाली स्क्रिप्ट पढ़ने के अलावा, और निश्चित रूप से अपने नियमित कर्तव्यों का पालन करते हुए—क्वांटिको में अभिनय करने से लेकर (जब शो चल रहा था)
चैरिटी कार्यक्रमों में भाग लेने से लेकर, समारोहों में रेड कार्पेट पर चलने तक,
यूनिसेफ के सद्भावना राजदूत के रूप में युद्धग्रस्त क्षेत्रों का दौरा करना—
प्रियंका पर्पल पेबल प्रोजेक्ट्स के लिए शॉर्टलिस्ट की गई स्क्रिप्ट्स भी पढ़ती हैं।

डॉ. चोपड़ा आगे कहती हैं, 'लेकिन हमारी स्क्रिप्ट वह केवल रविवार को ही पढ़ सकती हैं।'
हंसता है।

राजेश मापुस्कर ने 'लगे रहो मुन्ना' के लिए सहायक निर्देशक के रूप में काम किया था।
Bhai (2006) and 3 Idiots (2009). He later directed Ferrari Ki Sawaari (2012).
इन तीनों परियोजनाओं का निर्माण विधु विनोद चोपड़ा के प्रोडक्शन हाउस ने किया था।
लेकिन अपनी पहली मराठी भाषा की फिल्म, वेंटिलेटर के लिए, उन्होंने प्रियंका से संपर्क किया।
प्रोडक्शन हाउस। ‘वे (विनोद चोपड़ा फिल्म्स) केवल हिंदी फिल्में बनाते हैं, न कि
राजेश कहते हैं, 'किसी और भाषा में नहीं। इसलिए मैंने वेंटिलेटर के लिए स्वतंत्र रूप से काम करने का फैसला किया।'
जब राजेश ने एक ऐसे निर्माता की तलाश शुरू की जो एक प्रोजेक्ट को आगे बढ़ा सके
₹3.5 करोड़ के मध्यम बजट वाली अपेक्षाकृत छोटी मराठी फिल्म में, वह थे अपने चार्टर्ड अकाउंटेंट से यह जानकर मुझे सुखद आश्चर्य हुआ कि प्रियंका चोपड़ा क्षेत्रीय परियोजनाओं की तलाश में हैं। 'प्रियंका चोपड़ा के होने से'
मराठी फिल्म से जुड़ना एक बेहतरीन मंच है क्योंकि इससे प्रोजेक्ट को काफी लोकप्रियता मिलेगी।
राजेश कहते हैं, 'तत्काल ध्यान देने की जरूरत है।'
एक बैठक आयोजित की गई जिसमें राजेश ने कहानी का सारांश सुनाया।
ईशान दत्ता और डॉ. चोपड़ा को। 'उन्हें यह तुरंत पसंद आ गया,' वे कहते हैं।
फिर,

2015 के अंत में, राजेश की प्रियंका से पहली बार आमने-सामने मुलाकात हुई, जो कि
क्वांटिको की शूटिंग से ब्रेक लेकर मुंबई में हैं।
उन्होंने कहा, 'मुझे बॉम्बे में प्रियंका के कार्यालय में उनसे हुई अपनी पहली मुलाकात याद है।'
वह कहती हैं, 'मैं थोड़ी तनाव में थी क्योंकि मैं उनसे कभी नहीं मिली थी और वह बहुत बड़ी थीं।'
'स्टार।' यह तब भी सच था जब राजेश ने विधु विनोद के साथ काम किया था। चोपड़ा और आमिर खान और संजय चोपड़ा जैसे लोगों के साथ उनकी बातचीत जरूर हुई होगी।
दत्त सेट पर थीं। 'मुझे चिंता थी कि वह फिल्म को कैसे लेंगी, एक अभिनेता की भावनाओं को वह कैसे लेंगी।'
महाराष्ट्रीयन परिवार।
लेकिन जब उन्होंने कहानी सुनाना शुरू किया—राजेश उस क्षण का वर्णन करते हैं
'जादुई' के रूप में। 'उन्होंने मुझे इतना सहज महसूस कराया और ऐसा लगा जैसे सिर्फ वो और मैं ही हों।'
वह कमरा, जहाँ वह हँस रही थी, रो रही थी,’ वह आगे कहते हैं। ‘मैं आनंद ले रहा था।
मैं उसकी भावनाओं को देख रहा था, जिस तरह से वह कहानी पर प्रतिक्रिया दे रही थी। तभी मुझे यह एहसास हुआ।
मुझे एहसास हुआ कि यह काम कर रहा है।
प्रियंका द्वारा छोटी फिल्मों को प्रायोजित करने के मुद्दे पर, वह कहते हैं, 'मुझे लगता है कि यह
बहुत साहसी, समझदार। उसके पास उत्पादन करने के लिए सारी शक्ति, धन और सामर्थ्य है।
इन फिल्मों के बारे में। लेकिन मुझे लगता है कि कहीं न कहीं इसका संबंध उसके आने से है।
वह खुद भी जमीनी स्तर से जुड़ी हुई हैं। वह फिल्म जगत से नहीं हैं और क्योंकि वह एक कलाकार, एक तकनीशियन, एक निर्देशक, एक
लेखिका। उनके मन में यह विचार अवश्य रहा होगा कि इन लेखकों को मंच देकर

वह कलाकारों की मदद करती थी। रचना करने में कहीं अधिक संतुष्टि मिलती है।
अच्छी विषयवस्तु और कहानियों वाली छोटी फिल्में। इन कहानियों को बताया जाना चाहिए।
प्रियंका के समर्थन के बिना यह बहुत मुश्किल होता। आर्थिक दृष्टि से भी यह बहुत कठिन होता।
बॉलीवुड आपको उन कहानियों को बताने की अनुमति नहीं देता जो अपरंपरागत हों।'
वेंटिलेटर की शूटिंग के दौरान प्रियंका अमेरिका में थीं। इसलिए राजेश मैं डॉ. मधु चोपड़ा के साथ हर दिन मिलकर काम करती थी। 'उनकी मां ने बहुत कुछ किया था।'
'मुझ पर विश्वास के कारण,' वे कहते हैं। 'उस स्तर पर कोई हस्तक्षेप नहीं हुआ। क्योंकि
वे नए थे, इसलिए वे सीख भी रहे थे। पहली बार निर्माता बनने वालों के साथ। कई संघर्ष और प्रतिरोध उत्पन्न हो सकते हैं क्योंकि वे भी इनका सामना कर रहे हैं।
पहली बार कुछ चीजें हुईं। कहीं न कहीं हम साझेदार के रूप में जुड़े और हमारे पास था।
पूरी आजादी।’ लेकिन प्रियंका टीम के संपर्क में थीं। वह
वह अक्सर उसे भेजे जाने वाले फुटेज को देखती थी। और वह सुझाव देती थी। उन्होंने ट्रेलर बनाने में मदद की और संपादन प्रक्रिया के दौरान भी सहयोग दिया।
प्रियंका ने फिल्म के लिए एक मराठी गाना भी गाया। ‘हमारा एक भावुक पल था।’ फिल्म में 'बाबा' गाना है और हमने सोचा कि अगर प्रियंका इसे गाती हैं, तो क्या होगा, यह जानते हुए कि
'पिता के साथ उसका गहरा रिश्ता और वह एक गायिका भी है, यह अच्छी तरह से काम कर सकता है,' राजेश ने कहा।
कहते हैं। और फिर, वे आगे कहते हैं, 'हम उसका और उसके व्यवसायीकरण नहीं करना चाहते थे।'
पिता के साथ संबंध।
लेकिन प्रियंका न्यूयॉर्क में क्वांटिको पर काम कर रही थीं। इसलिए कुछ मौकों के दौरान

भारतीय समुदाय में संपर्कों के माध्यम से, वेंटिलेटर टीम ने समर्थ को काम पर रखा।
नागरकर, न्यू जर्सी में स्थित एक हिंदुस्तानी शास्त्रीय गायक हैं प्रियंका के गायन प्रशिक्षक समर्थ को पता था कि प्रियंका एक गायिका हैं, लेकिन वह
उसे एहसास हुआ कि उसे उसके मराठी उच्चारण पर काम करना होगा, खासकर भारतीय शास्त्रीय संगीत की उन अलंकारों को समझना जिनसे वह परिचित नहीं थी।
समर्थ ने सबसे पहले स्काइप पर राजेश मापुस्कर से बात की और गाने के बारे में चर्चा की।
और फिल्म के दो संगीतकार, रोहन गोखले और रोहन प्रधान। और फिर
उन्होंने प्रियंका के साथ मैनहट्टन के एक स्टूडियो में कुछ घंटे बिताए और उनके काम पर ध्यान केंद्रित किया।
उच्चारण और बोलने का लहजा। 'वह एक बहुत ही समर्पित और पेशेवर कलाकार हैं।' समर्थ कहते हैं, 'जब वह कोई काम अपने हाथ में लेती है तो पूरी तरह से समर्पित हो जाती है।'
खुद को इसके लिए तैयार कर लो।’ और वह आगे कहते हैं, ‘वह एक अभिनेत्री के रूप में अपने काम में माहिर हैं, इसलिए
उनकी एक खूबी यह थी कि वह गाते समय भावनाओं को सही ढंग से व्यक्त कर लेती थीं।
उन्हें आश्चर्य हुआ कि प्रियंका ने इस दौरान एक बार भी ब्रेक नहीं लिया। रिकॉर्डिंग के दौरान, 'बाकी क्रू मेंबर टॉयलेट ब्रेक ले रहे थे, लेकिन वह वहीं खड़ी रही।'
माइक्रोफोन के पीछे, गाने को परिपूर्ण बनाने में लगा हुआ था।
लगभग ढाई घंटे लंबी और कई सहायक कलाकारों से सजी यह फिल्म
वेंटिलेटर एक परिवार और बड़े कबीले के मुखिया की एक प्यारी कहानी है... वह गणेश उत्सव समारोह की देखरेख करता है। जब कुलपिता वहाँ पहुँचते हैं... अस्पताल में, पूरा विस्तारित परिवार प्रतीक्षा कक्ष में आ जाता है। मुंबई के एक अस्पताल में। तमाम हास्य के बावजूद, वेंटिलेटर एक बेटे की कहानी है।

अपने बिछड़े हुए पिता से दोबारा संपर्क स्थापित करना। प्रियंका का गाना 'बाबा' बिल्कुल उनके लिए ही बना था।
फिल्म के लिए।
वेंटिलेटर की बड़ी कास्ट में फिल्म निर्माता (और कभी-कभी अभिनेता) भी शामिल थे।
आशुतोष गोवारिकर मुख्य भूमिका में हैं। आशुतोष ने इससे पहले प्रियंका को निर्देशित किया था।
व्हाट्स योर राशि?, लेकिन राजेश का कहना है कि इस कास्टिंग का इससे कोई लेना-देना नहीं था।
दरअसल, निर्देशक और अभिनेत्री एक दूसरे को जानते थे।
राजेश के पर्पल पेबल पिक्चर्स से संपर्क करने से बहुत पहले ही वे इस काम में शामिल हो गए थे।
राजेश कहते हैं, ‘मैं उनके संपर्क में था। वो मोहनजो के काम में व्यस्त थे।’
दारो (2016), लेकिन वह आगे क्या करना है, इस बारे में सोच रहे थे। उन्हें कहानी बहुत पसंद आई।
आशुतोष को कास्ट करने को लेकर भी वे बहुत आश्वस्त थे, क्योंकि उनका कद ऐसा है कि
फिल्म में राजा (एक प्रसिद्ध निर्देशक और परिवार के मुखिया के भतीजे) के किरदार के लिए आवश्यक है।
नागराज मंजुले की फिल्म के साथ वर्ष 2016 मराठी फिल्मों के लिए एक मजबूत वर्ष रहा।
सैराट ने 100 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई की। वेंटिलेटर ने भी काफी अच्छा प्रदर्शन किया।
फिल्म रिलीज होने से कुछ दिन पहले ही इसने लगभग 25 करोड़ रुपये कमाए।
भारतीय सरकार ने नोटबंदी कार्यक्रम शुरू किया।142 वेंटिलेटर
राजेश ने 2017 में तीन राष्ट्रीय पुरस्कार जीतकर सबको चौंका दिया।
उन्हें निर्देशन के लिए गोल्डन लोटस मेडल मिला, और फिल्म को इसके लिए भी सम्मानित किया गया।
संपादन और ऑडियो रिकॉर्डिंग।

वेंटिलेटर की सफलता ने प्रियंका को फिल्म बनाने के लिए और अधिक प्रोत्साहन दिया।
क्षेत्रीय भाषा की फिल्में। 'उन्होंने हिंदी फिल्म के निर्माण में हाथ नहीं आजमाया।'
राजेश कहते हैं, 'वह अभी भी क्षेत्रीय फिल्मों में काम कर रही हैं।' सितंबर 2017 के अंत में, फिल्म फेडरेशन ऑफ इंडिया ने घोषणा की कि निर्देशक अमित मसुरकर की फिल्म न्यूटन (2017) भारत की ओर से आधिकारिक प्रविष्टि होगी।
90 वें अकादमी पुरस्कारों में विदेशी भाषा श्रेणी की प्रतियोगिता। कुल मिलाकर
मुक्ति भवन (2016), दंगल सहित छब्बीस फिल्में दौड़ में हैं।
(2016), ए डेथ इन द गुंज (2016) और वेंटिलेटर। जबकि अन्य सभी फिल्में- निर्माताओं ने न्यूटन को अंतिम प्रतिनिधि के रूप में चुने जाने का स्वागत किया।
भारत में, पर्पल पेबल पिक्चर्स की ओर से एक अजीब प्रतिक्रिया आई।
तकनीकी तौर पर, प्रियंका ने कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया, लेकिन राजेश ने मैंने प्रेस से अभिनेत्री और निर्माता की निराशा के बारे में बात की। मैंने उनसे कहा, 'मैंने उनसे कहा था।'
राजेश ने उसे आश्वस्त करते हुए कहा, 'चिंता मत करो, केवल सर्वश्रेष्ठ फिल्म ही चुनी जाएगी।'
अखबार 143 डीएनए ने उद्धृत किया, 'जब हम थोड़ा निराश हुए तो'
मुझे फैसले के बारे में अगले दिन पता चला।
राजेश ने कहा कि उन्हें पूरा यकीन था कि प्रियंका फिल्म को आगे बढ़ाने के लिए जोर देतीं।
अगर इसे भारत की आधिकारिक प्रविष्टि के रूप में भेजा गया होता तो और भी बेहतर होता। 'प्रियंका को तो और भी ज्यादा खुशी होती।'
मुझे और भी निराशा हुई क्योंकि वह फिल्म को लेकर हमेशा महत्वाकांक्षी थीं।
अगर उनका चयन हो जाता, तो वह यह सुनिश्चित कर देतीं कि यह सबसे चर्चित फिल्म बने।
ऑस्कर की दौड़ में, खासकर तब जब वह पहले से ही एक स्थापित नाम हैं।

वहाँ।'

2016 की शुरुआत में, फिल्म निर्माता काराआन गुलियानी ने पर्पल पेबल पिक्चर्स का दौरा किया।
वह ऑफिस में थे। वह प्रियंका चोपड़ा को मुख्य भूमिका में लेकर एक हिंदी फिल्म बनाना चाहते थे।
हालांकि पर्पल पेबल टीम को काराआन की स्क्रिप्ट पसंद आई, फिर भी उन्होंने उसे समझा दिया।
प्रियंका क्वांटिको के साथ जुड़ी हुई थीं और शायद उपलब्ध नहीं होंगी। डेढ़ साल तक। फिर बातचीत क्षेत्रीय मुद्दों की ओर मुड़ गई।
सिनेमा की बात हो रही थी, और करण ने एक पंजाबी फिल्म की कहानी सुनाई, जिस पर वह विचार कर रहे थे। डॉ. मधु चोपड़ा को फोन किया गया, जिन्हें यह विचार पसंद आया। जब
प्रियंका ने भारत का दौरा किया, उन्होंने कहानी सुनी। और इस तरह करण की कहानी आगे बढ़ी।
गुलियानी की पंजाबी फिल्म 'सरवन' का जन्म हुआ।
डिप्स भामराह के बीबीसी रेडियो शो में बोलते हुए प्रियंका ने कहा, 'यह एक प्रतिशोध, धर्म की खोज और स्वयं की खोज के बारे में एक फिल्म।’144 सरवन एक यह कहानी कनाडा में एक पंजाबी गिरोह के सरगना के बारे में है जो गलती से दूसरे को मार देता है।
एक भारतीय वहां मौजूद था और उसी समय अपने गांव वापस भागकर गिरफ्तारी से बच गया।
पंजाब में। एक असमान कथानक वाली यह फिल्म दूसरे भाग में थोड़ी बेहतर हो जाती है।
कहानी का आधा हिस्सा तब बिगड़ जाता है जब हत्यारा गांव की एक युवती से प्यार कर बैठता है, लेकिन
परिस्थितियों के कारण, वह उससे अपने प्यार का इज़हार नहीं कर सकता। साथ ही, दूसरे भाग में, कथानक राज खोसला की फिल्म बॉम्बे का से मिलता-जुलता लगने लगता है।

Baboo (1960), with Dev Anand and Suchitra Sen.
सरवन में एक प्रमुख पंजाबी स्टार हैं—गायक और अब अभिनेता अमरिंदर। गिल। प्रियंका के दिवंगत पिता डॉ. अशोक चोपड़ा को श्रद्धांजलि के रूप में (उनका निधन हो गया था)
2013 में कैंसर से लंबे संघर्ष के बाद निधन हो गया), इस फिल्म में एक जाने- माने व्यक्ति को शामिल किया गया है।
Punjabi shabad—‘Mitar Pyare Nu’. Written by Guru Gobind Singh, the मोहम्मद रफी से लेकर जगजीत तक, हर बड़े गायक ने शबद गाया है।
सिंह और यहां तक कि नुसरत फतेह अली खान भी।
जनवरी 2017 की शुरुआत में ट्विटर पर हुई बातचीत में, मैंने प्रियंका से इस बारे में पूछा था।
रिकॉर्डिंग हो रही थी और उसने जवाब में यह लिखा: 'उसने (उसके पिता ने) रिकॉर्डिंग कर ली थी।'
यह गाना था और हम इसे रिलीज़ करने वाले थे, लेकिन फिर वह बीमार पड़ गया... ऐसा लगता है जैसे वह...
जब मैं इसे सुनता हूं तो वह मेरे बगल में होता है।
आलोचकों ने सरवन के प्रति बहुत दयालुता नहीं दिखाई। ट्रिब्यून ने फिल्म को एक- रेटिंग दी।
स्टार रेटिंग। 'सरवन एक अलग फिल्म होने के वादे को पूरा करने में विफल रहती है और
ट्रिब्यून के समीक्षक ने लिखा, 'मनोरंजक फिल्म। सिर्फ अच्छे गानों के साथ और...'
अमरिंदर गिल, आप सरवन से टूटे हुए दिल का बोझ उठाने की उम्मीद कैसे करते हैं?
कमजोर और बिखरी हुई पटकथा और निर्देशन का बोझ इसके कंधों पर है? यह एक स्टार रेटिंग के लायक भी नहीं है।
अमरिंदर गिल को इस भार को उठाने की कोशिश करने के लिए धन्यवाद।

अपने तीसरे प्रोडक्शन के लिए, चोपड़ा मां-बेटी की जोड़ी ने

सिक्किम में परियोजना। पूर्व अभिनेत्री पाखी टायरेवाला द्वारा निर्देशित, पाहुना: द
लिटिल विजिटर्स नामक फिल्म में नेपालियों के एक समूह की कहानी बताई गई है (फिल्म का शीर्षक है...)
नेपाली भाषा), अपने देश में राजनीतिक हिंसा से भाग रहे हैं और
भारत के सिक्किम राज्य में शरण लिए हुए एक शरणार्थी के दृष्टिकोण से यह फिल्म दिखाई गई है।
दो छोटे बच्चे जो समूह के बाकी सदस्यों से अलग हो जाते हैं, जिनमें शामिल हैं:
वे अपनी मां को खो बैठे, लेकिन अपने आकर्षण और सूझबूझ के बल पर जीवित रहने में कामयाब रहे।
पाखी का कहना है कि वह कहानी और किरदारों के प्रति सच्ची रहना चाहती थी, इसलिए उन्होंने यह किया।
यह फिल्म नेपाली भाषा में बनाई गई थी, हालांकि वह नेपाली भाषा नहीं बोलती हैं।
‘शुरू में मुझे लगा था कि फिल्म हिंदी में होगी, लेकिन जैसे ही मैंने लिखना शुरू किया...
स्क्रिप्ट पढ़ते समय, मुझे एहसास हुआ कि अगर फिल्म उस भाषा में नहीं होगी तो मैं फिल्म के प्रति ईमानदार नहीं रह पाऊंगा।
वहाँ बोली जाती थी,’ वह कहती हैं। ‘बच्चे नेपाल की नेपाली भाषा बोलते थे, क्योंकि उनके पास
वे वहीं से आते हैं। लेकिन जिन वयस्कों से उनकी मुलाकात होती है, वे नेपाली भाषा उसी तरह बोलते हैं जैसे वहाँ बोली जाती है।
सिक्किम।’ और वह आगे कहती हैं कि दार्जिलिंग, सिक्किम और पूरा क्षेत्र Nepal speaks one language—Nepali. ‘But lehja unka badalta rehta hai (Their
बोलने का तरीका बदल जाता है।
नेपाली भाषा में फिल्म बनाने को लेकर डॉ. चोपड़ा का कहना है, 'मुझे बहुत डर लग रहा था।'
भाषा। लेकिन प्रियंका ने स्क्रिप्ट पढ़ी और उसने पाखी से बात की। उसने कहा,

“हम इसे बना रहे हैं। बस यह देख लीजिए कि यह बजट के अंदर ही रहे।” और पाखी आगे कहती हैं,
प्रियंका ने कहा, “इसे क्षेत्रीय फिल्म जैसा मत बनाओ। मुझे आपकी सामग्री बहुत पसंद है।”
"सुनिश्चित करें कि यह एक अच्छी फिल्म हो।" वह आगे बताती हैं कि सिक्किम में केवल दो ही फिल्में हैं।
सिनेमाघरों को बंद करना पड़ा, और 2023 तक निवेश की वसूली की उम्मीद बहुत कम थी।
पूर्वोत्तर राज्य में फिल्म दिखाई जा रही थी। लेकिन प्रियंका नहीं चाहती थीं कि पाखी को फिल्म दिखाई जाए।
उत्पादन की गुणवत्ता से समझौता करना।
और फिर डॉ. चोपड़ा को अपनी बेटी द्वारा पाखी को दी गई एक और सलाह याद आई।
उन्होंने कहा, “अगर आप अच्छी फिल्म बनाएंगे तो हम उसे भारत में प्रदर्शित करेंगे। अगर आप एक
बहुत अच्छी फिल्म है, इसे विदेशों में फिल्म समारोहों में दिखाया जाएगा।
पाहुना का प्रीमियर टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में हुआ, जहां प्रियंका, डॉ. चोपड़ा और पाखी फिल्म के प्रमोशन के लिए पहुंचीं।
फिल्म के वर्ल्ड प्रीमियर की रात, प्रियंका ने बताया कि फिल्म क्यों इतनी लोकप्रिय हुई।
वह अपनी टीम के लिए महत्वपूर्ण थी। लेकिन उनके बेतरतीब भाषण ने अंततः बहुत सारी समस्याएं पैदा कर दीं।
विवाद।
यह फिल्म हमारे दो मुख्य पात्रों, हमारे दो बच्चों के नजरिए से दिखाई गई है।
जो (sic) पूर्वोत्तर भारत के सिक्किम में स्थित एक छोटे से गाँव से हैं, जो कि एक
पूर्वोत्तर राज्य जो हिंसा और विद्रोह से काफी हद तक ग्रस्त है क्योंकि प्रियंका ने कहा, 'राजनीतिक अशांति के बारे में। और यह मूल रूप से एक ऐसी दुनिया में स्थापित है जहां
इन बच्चों को अपने परिवारों के साथ नेपाल से भागना पड़ा और वे विस्थापित हो गए।

जहां वे रहते हैं, वहां से भागकर उन्हें शरणार्थी बनकर भारत आना पड़ता है।
इसमें इसके बारे में बात की गई है।
शरणार्थी संकट, बच्चों का विस्थापन, वयस्कों जैसे मुद्दे
उनके लिए निर्णय लें। जैसा कि हम अभी दुनिया में देख रहे हैं।
डीएसीए। यह एक बेहद प्रासंगिक विषय है।'
प्रियंका ने अगले दिन कुछ इंटरव्यू में भी इसी तरह के बयान दिए।
यह स्पष्ट था कि वह बहुत अधिक जानकारी से निपट रही थी और उसे आपस में मिला रही थी।
विवरण। एक बात तो यह है कि सिक्किम में कोई राजनीतिक अशांति नहीं है। और ऐसा लग रहा था कि वह सिक्किम और नेपाल के बीच भ्रमित हो गई थी। फिर यह भी था...
डीएसीए का संदर्भ—एक अमेरिकी आव्रजन नीति। लेकिन शायद,
प्रियंका यह भूल गई थीं कि वह अब अमेरिका में नहीं हैं। इसके बजाय, वह बोल रही थीं।
कनाडा में, जहां ज्यादातर लोग डीएसीए से परिचित नहीं थे।
अगले दिन, ईटी कनाडा से बात करते हुए, प्रियंका ने एक और तथ्यात्मक बयान दिया।
गलत बयान। 'यह उस क्षेत्र से आने वाली पहली फिल्म है,'
क्योंकि यह विद्रोह और चिंताजनक स्थितियों से बहुत ग्रस्त है,' उसने कहा।
कहा.145 वास्तव में, सिक्किम में काफी फिल्में बन चुकी हैं।
इसमें रालंग रोड (2017) भी शामिल है, जिसे प्रतियोगिता अनुभाग में दिखाया गया था।
2017 में कार्लोवी वेरी अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव। फिर विजय हैं।
आनंद की क्लासिक फिल्म ज्वेल थीफ (1967)।
प्रियंका के बयानों पर कई गुस्से भरी प्रतिक्रियाएं आईं और उन्हें ट्विटर पर कई लोगों ने उन्हें ट्रोल किया, जो उनसे नाराज (और शायद सही भी) प्रतीत हो रहे थे।
तथ्यात्मक रूप से गलत कथन।146
प्रियंका ने शालीनता से अपनी गलती स्वीकार की और माफी मांगी। एक बयान में उन्होंने कहा कि

सिक्किम के पर्यटन मंत्री उगेन ग्यात्सो को भेजे गए पत्र में उन्होंने कहा, 'मेरी टिप्पणी,
टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में एक इंटरव्यू के दौरान यह बात कही गई।
2017 का महोत्सव, जिसमें पाहुना ने विश्व स्तर पर अपनी शुरुआत की थी, को गलत समझा गया।
सिक्किमी फिल्म उद्योग और साथ ही इस विषय पर बात हो रही थी।
उस फिल्म में, मैंने बताया था कि सिक्किम शरणार्थी संकट से कैसे जूझ रहा है।
विद्रोहों के कारण। मेरा मतलब "पड़ोसी देशों" से था। मैं हूँ
मुझे पूरी तरह से पता है कि सिक्किम इतने सारे शरणार्थियों के लिए एक अविश्वसनीय मेजबान देश है और
हमारी फिल्म बच्चों के नजरिए से ठीक यही दिखाती है।’147 यहां तक कि उसकी माफीनामे में एक त्रुटि है। उन्होंने सिक्किम को एक राष्ट्र के रूप में संदर्भित किया।
उन्होंने आगे कहा, 'मुझे हमेशा से एक जानकार व्यक्ति होने पर गर्व रहा है।' दुनिया के बारे में, लेकिन इस बार दिए गए कुछ बयान गलत थे।
और हालांकि मुझे कुछ तथ्यों के बारे में बेहतर जानकारी होनी चाहिए थी, मैं पूरी जिम्मेदारी लेता हूँ।
मैंने जो कहा, उसकी जिम्मेदारी मेरी है। अब मुझे समझ आ गया है कि हमारी फिल्म पहली नहीं थी।
सिक्किमी फिल्म बनाई जाएगी, लेकिन हमारा उद्देश्य हमेशा से स्थानीय कलाकारों को अवसर प्रदान करना रहा है।
प्रतिभाओं के लिए, अभिनेताओं और तकनीशियनों दोनों के लिए, चमकने का एक वैश्विक मंच... मैं समझता हूँ
इन बयानों के प्रभाव और आशा है कि जनता और सरकार
सिक्किम के लोग मुझे क्षमा करने की कृपा करें।
प्रियंका की माफी स्वीकार कर ली गई, खासकर ग्यात्सो द्वारा। NDTV.com मंत्री के हवाले से कहा गया है, ‘मैं प्रियंका के बयान की निंदा करता हूं। एक होने के नाते

राज्यों।
लेकिन दुनिया मशहूर हस्तियों से और भी बहुत कुछ उम्मीद करती है। उनके विचारों और आवाज़ों से।
जॉर्ज क्लूनी या एंजेलीना जोली अफ्रीका या अन्य विषयों पर बात करते हैं।
दुनिया के अशांत क्षेत्रों की आवाज़ें सुनाई देती हैं। प्रेस उनकी खबरों को कवर करता है।
उनके हाव-भाव और उनके शब्दों से। इसलिए, उन्हें सतर्क और जानकार होना होगा।
उनके कहे अनुसार।
इस लिहाज से प्रियंका एक बड़ी परीक्षा में असफल रहीं। वह एक सेलिब्रिटी हैं—ये उनके अपने शब्द हैं।
वजन वहन करती है और इसकी रिपोर्ट हर दिन आती है। लेकिन उसने बार-बार साबित किया है।
वह अभी भी एक उभरती हुई वैश्विक हस्ती हैं। वह पाकिस्तानी लोगों से मिल सकती हैं।
संयुक्त राष्ट्र में कार्यकर्ता मलाला यूसुफजई और जॉर्डन में सीरियाई शरणार्थी बच्चे।
लेकिन वह अभी एंजेलीना जोली के स्तर पर नहीं है। वह स्तर अनुभव से आता है, एक
गहरी समझ, एक वैश्विक दृष्टिकोण, मजबूत सलाहकारों का होना और आगे बढ़ना सिर्फ रेड कार्पेट पर ग्लैमरस दिखने से कहीं बढ़कर। इसमें ध्यान केंद्रित करना शामिल है
दुनिया के लिए वास्तव में क्या मायने रखता है, क्या बोलना है और कैसे बोलना है। प्रियंका की
इस संबंध में प्रशिक्षण अभी अधूरा है।
हाल के वर्षों में प्रियंका कई अन्य विवादों में भी फंस चुकी हैं।
उसने इंस्टाग्राम पर अपनी और अपने भाई की मुस्कुराती हुई तस्वीरें पोस्ट कीं।
बर्लिन में होलोकॉस्ट मेमोरियल के सामने पोज देते हुए, जब वह वहां घूमने गई थीं।

□□□□□□□□□ □□□□□ □□□□□□ □□□□□□ □□ □□□□□□□□ □□ □□□□ □□□□ □□ □□□□□ □□ □□□□□□□ □□□□
□□□□□□□□□ □□□□□ □□□□□ □□□□ □□ □□□□ □□□□ □ □□□□ □□□□□
□□□□ □□□□□□ □□□□□ □□□□□ □□□□ □□ □□□□□□, □□□□□ □□□□ □□□□□□□ □□□□□ □□ '□□□□□□□□□□□'
□□□□□
#□□□□□□□ □□□□□□□□’ □□□□□□ □□□□□□□ □□□□, □□ □□□□□ □□□□ □□ □□□□ □□□□ □□ □□□□ □□□□ □□
□□□□□□ □□□□ □□□□□ □□, ‘@siddharthchopra89 □□ □□□□ □□□□□□□ □□□□□ □□□□ □□□□ □□□□□
□□□□□ □□ □□□□□ □□ □□□□□□□□ □□□□
□□□□□ □□□□□□□□ □□□□
□□□□□□□ □□□□□ □□□□□□ □□ □□□□□□□□□ □□□□□□□□□ □□ □□□□□ □□□□□ □□□□ □□□□□□□ □□□□□
□□□□□
□□ □□□□□□ □□□□ □□ □□□□□ □□□□□□□□ □□ □□ □□□□□□□ □□□□□ □□ □□□□□ □□ □□
□□□□□□□□□ □□□□ □□□□□□□□ □□□□□□ □□ □□□□□ □□□□□□ □□□□□□□□ □□ □□ □□ □□□□□□□□□
□□□□□□□ □□□□ □□□□□□□□□□ □□□□□□□□□□ □□□□□□ □□□□□□□□□ □□ □□□□, □□□□□ □□□□□□
□□□□□□□ □□□□□...
□□□□□□□ □□ □□□□□□□□□□□□□□ □□□□ □□ □□ □□□□□□□□□□ □□□□□□□□□□□—□□ □□□□□ □□□□□ □□□□
□□ □□
□□□□□ □□, □□□□ □□□□ □□□□ □□□□□ □ □□□□□ □□□□, □□ □□□□□□□□□□□□□, □□ □□□□□□□
□□□□□□□□□□□□□□ □□ □□□□□
□□□□□□□□□□□ □□□□□□□□ □□□□□□□ □□ □□□□□□ □□ □□ □□ □□ □□□□□□□□□□□□□ □□□□□ □□ □□□□□□□
□□ □□□□□ □□□□
□□□□□ □□ □□□□□□□ □□, □□□□□□□ □□ □□□□□□□ □□ □□□□□ □□ □□□□□□ □□□□ □□□□□ □□:
'□□□□□□□□□□'
□□□□□□□ □□ □□□□□□□□□□□ □□□□□□□ □□ □□□□□□□ □□... □□□□□ □□ □□□□□□ □□□□□□□□ □□□□□ □□
□□ □□ □□ □□□□□□ □□?
□□□□□□ □□ □□□□□ □□□□??? □□□□ □□□□□ □□□□□ □□□□□□ □□□□’150 □□ □□□□□ □□□□□□ □□□□ □□□□□
□□: ‘□□□□□□□ □□ □□□□ □□’
□□□□□□□□□□ □□□□□□□ □□ □□□□□ □□□□ □□□□□□□□ □□□□□□□□ □□ □□□□□□□ □□□□ □□ □□□□□ □□
□□□□□□□□□□□□□□□□ □□□□
□□□□□□□□’151
□□□□□ □□□□□□□ □□ □□ □□□□ □□□□ □□ □□□□□□ □□□□□□□□□ □□ □□ □□□□□□ □□ □□□□ □□ □□□□□□
□□□□□□□ □□ □□□□ □□

दर्शकों का मनोबल टूट चुका है, इस तरह की आलोचनाएं अमीरों को भी प्रभावित करती हैं और
ये ट्वीट काफी मशहूर हो गए। इन ट्वीट्स के चलते प्रियंका को दोनों तस्वीरें डिलीट करनी पड़ीं।
अक्टूबर 2016 में, प्रियंका ने कॉन्डे नास्ट के भारतीय संस्करण के लिए फोटोशूट करवाया था।
ट्रैवलर पत्रिका, जिसमें लोगों के यात्रा करने के कारणों के बारे में कहानियां होती थीं। वह खड़ी थी।
एक ऊंची इमारत की बालकनी, जिसके पीछे मैनहट्टन का नज़ारा दिख रहा था। उसने पहना हुआ था
एक सफेद स्लीवलेस टैंक टॉप जिस पर एक बॉक्स में चार शब्द लिखे हैं। इनमें से तीन शब्द
— ‘शरणार्थी, आप्रवासी, बाहरी’ शब्द काट दिए गए। चौथा शब्द इस प्रकार पढ़ा गया:
‘ट्रैवलर’। प्रियंका के इस बयान पर ट्विटर पर फिर से तीखी प्रतिक्रिया हुई।
शरणार्थी संकट के प्रति असंवेदनशील। 'शायद आपके संपादकों को संपादन में सुधार की आवश्यकता है।' मुझे समझ आ गया है।
आप क्या कहना चाह रहे हैं? लेकिन आपने एक गंभीर शरणार्थी मुद्दे को तुच्छ बना दिया है।
एक ट्वीट में कहा गया, जबकि दूसरे में लिखा था: 'सबसे बड़े आयोजन के बीच बेहद असंवेदनशील रवैया।'
शरणार्थी संकट। सूचीबद्ध अन्य सभी विकल्प उन लोगों पर थोपे गए हैं जिन्हें चुना नहीं गया है।
प्रियंका को दोबारा माफी मांगनी पड़ी। उन्होंने बरखा दत्त से ये बातें कहीं।
एनडीटीवी: 'मैं इस बात के लिए वास्तव में बहुत माफी चाहता हूं कि इतनी सारी भावनाएं आहत हुईं।'
मुझे बहुत दुख हुआ। मैं बहुत प्रभावित हुई और मुझे बहुत बुरा लगा।
ऐसा कभी इरादा नहीं था।153

जाहिर है प्रियंका ने जानबूझकर ये गलतियां नहीं कीं। क्या इन गलतियों से कोई फर्क पड़ेगा?
क्या निर्णय लेने में छोटी-मोटी गलतियाँ फिर से हो सकती हैं? इसकी काफी संभावना है। लेकिन ये गलतियाँ
ये अपेक्षाकृत मामूली रुकावटें हैं और अंततः उनके जीवन और करियर पर इनका कोई प्रभाव नहीं पड़ना चाहिए।
लक्ष्य।

7

हॉलीवुड क्रॉसओवर

शुरू होता है

[redacted]: [redacted]

रविवार, 27 सितंबर 2015 को, एबीसी ने अपने बहुचर्चित टेलीविजन ड्रामा - क्वांटिको का पहला एपिसोड प्रसारित किया। यह एक एक्शन थ्रिलर है जिसकी कहानी दक्षिणी भाग में इसी नाम के एक शहर में स्थित एफबीआई प्रशिक्षण केंद्र के इर्द-गिर्द घूमती है।
यह शो अमेरिका के वर्जीनिया राज्य में प्रसारित हुआ था। भारत में इसका प्रसारण एक सप्ताह बाद हुआ।
शो का मुख्य किरदार एलेक्स पैरिश है, जो एक भारतीय अमेरिकी एफबीआई प्रशिक्षु है।
यह किरदार प्रियंका चोपड़ा निभा रही हैं—जो किसी भारतीय अभिनेत्री के लिए एक बड़ी उपलब्धि है।
तब तक अमेरिका में वह लगभग अज्ञात थीं। लेकिन प्रियंका की यात्रा को समझने के लिए...
मुख्यधारा के अमेरिकी लोकप्रिय संगीत का हिस्सा बनना और उसमें समाहित हो जाना।
संस्कृति—इसके पीछे की मानसिकता को समझने के लिए हमें अपना ध्यान थोड़ा बदलना होगा।
बॉलीवुड स्टार।
वह दिमाग, या वह व्यक्ति जिसने प्रियंका को आज इस मुकाम तक पहुंचाया है, अंजुला है।
आचार्य, एक भारतीय अमेरिकी हैं जो ब्रिटेन में पले-बढ़े हैं। दरअसल, अंजुला बोलती हैं।
वह एक प्यारे ब्रिटिश लहजे में बोलती है और अक्सर अपने बचपन के अनुभवों को सुनाती है।
ब्रिटेन के बकिंघमशायर में एक पंजाबी अप्रवासी परिवार में, ऐसे समय में जब टेलीविजन या फिल्मों में दक्षिण एशियाई किरदारों को देखना असंभव था। 2014 में हफपोस्ट लाइव के एक इंटरव्यू में बोलते हुए अंजुला ने कहा कि प्रियंका जैसी भारतीय अभिनेत्री को सिनेमा जगत में लाने की प्रेरणा और जुनून
अमेरिका में आने का कारण (ब्रिटेन में) एक बच्चा होने के दौरान बहुत अधिक नस्लवाद का सामना करना था।

और मेरे पास कभी भी ऐसे रोल मॉडल नहीं थे जो मेरे जैसे दिखते हों या मेरे जैसा व्यवहार करते हों (पर
टेलीविजन या फिल्मों)' और 2015 में लाइवमिंट के साथ एक साक्षात्कार में उन्होंने कहा, 'द
मुझे सबसे बड़ी बात यह लगी कि टीवी पर हमें जिस तरह से देखा और प्रस्तुत किया गया, वह बहुत महत्वपूर्ण था।
इतना अपमानजनक और घोर गलत तरीके से प्रस्तुत किया गया।’154
फोर्ब्स को दिए एक अन्य साक्षात्कार में अंजुला ने कहा, 'लोगों ने ऐसा नहीं किया'
वे हमारे परिवार को अच्छी तरह से नहीं समझते और मुझे लगता है कि उन्होंने बस वही देखा जिस पर उन्होंने भरोसा किया।
टीवी या दक्षिण एशियाई लोगों के बारे में सुनकर उन्होंने यह निर्णय लिया कि हम कौन थे।
उन्होंने एक टीवी शो - ग्रेंज हिल - को याद किया, जिसमें एक भारतीय किरदार था।
एक रूढ़िवादी परिवार की युवा लड़की का किरदार। अगर उसके पिता उसे देख लेते तो...
किसी लड़के से बात करने पर भी, वह उसे कौमार्य परीक्षण करवाने के लिए मजबूर करता था। 'मुझे तंग किया जाता था।'
अंजुला ने आगे कहा, 'अगले दिन स्कूल में मुझे पहले से भी ज्यादा मुश्किलों का सामना करना पड़ा।'
अंजुला और उनके तत्कालीन पति, रंज बाथ, 2000 में अमेरिका चले गए।
उनकी पत्नी, रंज भी लोकप्रिय संस्कृति में समान रूप से रुचि रखती थीं। कुछ वर्षों बाद, दोनों...
एक अन्य साझेदार के साथ मिलकर, उन्होंने अपनी कॉर्पोरेट नौकरियां छोड़ दीं और एक बड़ी धनराशि जुटाई।
DesiHits.com नाम की वेबसाइट लॉन्च करने के लिए 6 मिलियन डॉलर की राशि दी गई।
पश्चिमी और भारतीय लोकप्रिय संस्कृति के बीच की खाई को पाटने का लक्ष्य।
इस परियोजना के प्रमुख निवेशकों में से एक जिम्मी आयोविन थे, जो सीईओ थे।

इंटरस्कोप रिकॉर्ड्स (2014 में, उनकी कंपनी को एप्पल इंक. ने खरीद लिया था।)
जिन्होंने लाना डेल रे और एमिनेम जैसे कलाकारों के साथ भी काम किया है। आयोविन अमेरिकी लोकप्रिय संस्कृति में विविधता को उभरते हुए देखने के लिए उत्सुक थे। उन्होंने बताया
उन्होंने अंजुला से मिलते ही और उनकी बात सुनते ही वैरायटी के साथ करार कर लिया।
उन्होंने मुझे अपना विचार बताया,’ वैरायटी ने उनके हवाले से कहा, ‘मैंने सोचा कि यह था
एक अविश्वसनीय रूप से रचनात्मक मंच, और ऐसा मंच जो अभी मौजूद नहीं है।'157 डैनी बॉयल की अप्रत्याशित हिट फिल्म स्लमडॉग मिलियनेयर (2008) ने सितारों को पहचान दिलाई।
इसके प्रमुख कलाकारों में फ्रीडा पिंटो, देव पटेल, अनिल कपूर और इरफान खान शामिल हैं।
सभी अभिनेताओं को हॉलीवुड में अलग-अलग स्तर की सफलता मिली। लेकिन
एक समय था जब हॉलीवुड में सबसे ज्यादा चर्चित नाम ए.आर. रहमान था।
स्लमडॉग मिलियनेयर के लिए रहमान ने दो ऑस्कर जीते, जिनमें से एक गाने के लिए था।
‘जय हो’, जो थोड़े समय के लिए अमेरिका में एक अभूतपूर्व हिट बन गया था। DesiHits.com की टीम ने ‘जय हो’ की लोकप्रियता का फायदा उठाते हुए एक रिकॉर्ड बनाया।
रहमान और पुसीकैट डॉल्स के साथ गाने का रीमिक्स। गाने का वीडियो
यह गाना पार्टियों, डांस हॉल, जिम और बॉलीवुड डांस क्लास में बजाया जाता था।
अमेरिका।
रहमान के लिए रीमिक्स किया गया 'जय हो' अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक ही हिट साबित हुआ।
स्लमडॉग मिलियनेयर की सफलता के बाद, उनका करियर उतार-चढ़ाव से आगे बढ़ा।
उन्हें दो और अकादमी पुरस्कार नामांकन मिले, इस बार बॉयल के लिए।
127 घंटे। हालांकि, अंततः हॉलीवुड में रहमान का करियर फीका पड़ गया।
लेकिन DesiHits.com की टीम ने हार नहीं मानी।

उन्होंने कुछ और रीमिक्स जारी किए—जिसमें सोनू भी शामिल थे।
निगम की आवाज़ को ब्रिटनी स्पीयर्स की आवाज़ के साथ मिलाकर मूल गीत 'आई वाना' के लिए इस्तेमाल किया गया।
'गो'। एक अन्य रीमिक्स में लेडी गागा और बॉलीवुड की प्रतिभाओं का संगम देखने को मिला।
संगीतकार और भाई सलीम और सुलेमान मर्चेंट। और नवंबर में
2014 में, अंजुला ने लेडी गागा के साथ भारत दौरे पर उनका साथ दिया।
मेहमानों में शामिल थे
उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा में फॉर्मूला 1 रेस के बाद गागा के शो में। वह बॉलीवुड स्टार शाहरुख खान थे।
फिर एक दिन, आयोविन ने अंजुला से पूछा कि उसके अनुसार कौन होने वाला है भारत से आने वाला अगला बड़ा विचार। 'मैंने बहुत सोचा और फिर कहा कि मैं यह करना चाहता हूँ।'
'मेरे लोगों के लिए कुछ,' वह कहती हैं। 'हम लैटिन और अफ्रीकी अमेरिकियों को देखते हैं।
पॉप स्टार तो हैं, लेकिन भारत से ऐसा कोई पॉप स्टार कभी नहीं हुआ जिसने पॉप जगत में धूम मचाई हो।
संस्कृति। कोई ऐसा व्यक्ति जो विशाल हो और विभिन्न क्षेत्रों में विस्तार करने की क्षमता रखता हो।
बाजार।'
और अचानक उसे याद आया कि उसने प्रियंका चोपड़ा को एक वीडियो में देखा था। रोहन सिप्पी की किताब ब्लफ़मास्टर से! ‘मैं सिलिकॉन वैली में टेक्नोलॉजी का काम कर रहा था’
मैं वेंचर कैपिटल में काम करता था और मैं मनोरंजन-संगीत व्यवसाय में भी नहीं था।
लेकिन मैंने वीडियो में प्रियंका को देखा और मुझे याद है कि मैंने सोचा था कि उसमें गजब का स्वैग है।
वह बहुत ही शानदार है।’ उन्हें नहीं पता था कि प्रियंका गा सकती हैं या नहीं, लेकिन उन्होंने बॉलीवुड अभिनेत्री का नाम एक संभावित गायिका के रूप में सुझाया, जिनसे परिचय कराया जा सकता था।
पश्चिम।

मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता के बाद प्रियंका का अभिनय करियर तो आगे बढ़ा, लेकिन
उसे मिलने वाली फिल्मों की गुणवत्ता में सुधार समय बीतने के साथ ही हुआ। वह गायिका बनने के लिए उत्सुक नहीं थीं, लेकिन उनके मन में एक दिन बॉलीवुड में गाने की भी दिली इच्छा थी।
फिल्मों में। जिन लोगों ने उसे गाते सुना, उन्हें लगा कि उसमें प्रतिभा है, लेकिन वह एक प्रतिभाशाली कलाकार भी थी।
गायिका बनने की कोशिश करने से डरती थी, खासकर ऐसे समय में जब उसका अभिनय करियर धीरे-धीरे रफ्तार पकड़ रहा था।
शायद इसकी जड़ें बचपन में गाने के लिए बार-बार चुने जाने के उसके डर में थीं।
मैं कक्षा में हमेशा उन छात्रों में से एक था जिन्हें जाने के लिए कहा जाता था
और जब भी कोई शिक्षक आता, तो वे कक्षा के सामने गाकर सबका मनोरंजन करते थे। ‘आसपास नहीं,’ उन्होंने एक साक्षात्कार में कहा।158
अपनी पहली फिल्म 'थमिज़न' की शूटिंग के दौरान, उनके निर्देशक जी. वेंकटेश और उनके सह-कलाकार जोसेफ विजय चंद्रशेखर ने उन्हें गुनगुनाते हुए सुना और फिर उन्हें मनाने लगे।
उन्हें फिल्म के लिए एक गाना गाने के लिए कहा गया था। वह युवा थीं (फिल्म 2002 में रिलीज हुई थी)।
प्रियंका (तब केवल 20 वर्ष की थीं) और उनके पास मना करने का अधिकार नहीं था। गाना उल्लाथाई
फिल्म में किलाथे को दिखाया जाएगा। यह एक चंचल, उत्साहवर्धक गीत है। वीडियो में प्रियंका ने मुकुट पहना हुआ है और नीले रंग की ड्रेस पहनी है— कुछ ऐसा
सिंड्रेला ने भव्य भोज में जो पोशाक पहनी होती। उसके साथ विजय भी है।
और पृष्ठभूमि में नृत्य करने वालों का एक समूह, जिन्होंने एनिमेटेड पात्रों की वेशभूषा पहनी हुई थी।
उन्हें गाने के लिए और भी प्रस्ताव मिले थे, लेकिन प्रियंका हमेशा शर्मीली लगती थीं।
बॉलीवुड की एक प्रमुख संगीत हस्ती, जिन्होंने प्रियंका की आवाज सुनी,

उसे एहसास हुआ कि उसमें निश्चित रूप से कुछ खास बात है, वह उसकी दोस्त थी और
composer/singer Vishal Dadlani.
'प्रियंका एक ऐसी शख्सियत हैं जो अपनी पूरी क्षमता से बढ़कर काम करती हैं, अपनी असीम लगन के साथ।'
'दृढ़ संकल्प और कड़ी मेहनत से,' विशाल कहते हैं। 'वह जो चाहे कर सकती है।' और गाना तो उनकी प्रतिभा का सिर्फ एक पहलू है। उनमें एक स्वाभाविक प्रतिभा है, एक सुरीली,
आवाज में भारीपन था। हमने एक गाने के लिए उनकी रिकॉर्डिंग की थी—लेकिन वह गाना आखिरकार रिलीज़ नहीं हुआ।
उसका इस्तेमाल इसलिए किया गया क्योंकि वह 2004 या 2005 में ब्लफमास्टर! में खुद को तैयार महसूस नहीं कर रही थी।
स्टूडियो में शेखर (विशाल के साथी शेखर रवजियानी) और मैं के साथ जाम
वे तुरंत ही संगीत रचना/निर्माण कर रहे थे, और प्रियंका ने उसमें अपनी आवाज़ मिला दी, बिल्कुल सही तरीके से।
सचमुच, यह बहुत सहज था। यह प्रेम और विरह का गीत था, और इसके बोल मैंने लिखे थे।
रोहन सिप्पी, शेखर और मैंने मिलकर उसे कुछ बार कोशिश करने के बाद इसके लिए मना लिया।
कई दिनों तक इस बात पर जोर देती रही कि वह गाना सिर्फ वही गा सकती है। प्रियंका द्वारा विशाल-शेखर के साथ रिकॉर्ड किया गया गाना आज भी बेहद चर्चित है।
एक गुप्त रहस्य। विशाल आगे कहते हैं, 'वह गाना हमारे पास अप्रकाशित पड़ा है।' 'अब
वह एक वैश्विक मेगास्टार है, शायद किसी दिन, अगर वह चाहे तो, हम इसे हटा देंगे।'
अब 2010 की बात करते हैं, कैलिफोर्निया में अंजुला कुछ नया करने की कोशिश कर रही थी।
क्या प्रियंका चोपड़ा को वैश्विक गायिका बनाया जा सकता है?
उसने भारत में अपने संपर्कों को फोन किया तो पता चला कि सलीम और सुलेमान

मर्चेंट ने प्रियंका के साथ एक डेमो भी रिकॉर्ड किया था। और प्रियंका को उसकी एक कॉपी मिल गई थी।
उन्होंने इसे रिकॉर्ड किया और इसे आयोविन और डेविड जोसेफ, चेयरमैन और सीईओ को सुनाया।
यूनिवर्सल म्यूजिक यूके। समूह ने प्रियंका से मिलने के लिए भारत जाने का फैसला किया।
बाद में आयोविन ने लॉस एंजिल्स टाइम्स को बताया, 'प्रियंका एक विचार है। आप समझ गए होंगे।'
30 सेकंड के भीतर।’159
लेकिन पहले अंजुला ने प्रियंका को फोन करने की कोशिश की. 'वह 7 खून माफ फिल्म कर रही थीं
और मुझे यकीन नहीं है कि उसने मेरी पहली कॉल को गंभीरता से लिया था,’ वह कहती है। ‘मुझे उसका पीछा करना पड़ा।
वह महीनों से मेरा फोन नहीं उठा रही थी, इसलिए मैंने उसे फोन नहीं उठाया। मुझे उसे इस बात पर चिढ़ाने में बहुत मज़ा आता है।
अब तो नहीं, लेकिन उसने इसे वाकई मुश्किल बना दिया था।' बाद में हफपोस्ट लाइव से बात करते हुए प्रियंका ने कहा।
वह हँसी और पीछा करने वाले हिस्से पर जवाब देते हुए बोली, 'अपने बचाव में, मैं थी'
उस समय की एक बेहद गहन फिल्म में, अभिनेता कभी-कभी ऐसे ही हो जाते हैं।
सच तो यह है कि अगर अंजुला ने लगातार प्रयास न किया होता, तो स्थिति और भी बदतर हो जाती।
न क्वांटिको, न मीडिया का शोर-शराबा, न टॉक शो में उपस्थिति, न पत्रिका कवर स्टोरीज़, रेड कार्पेट, संयुक्त राष्ट्र में उपस्थिति, निमंत्रण आदि।
भव्य समारोहों में प्रियंका का नाम एक शक्तिशाली, प्रभावशाली महिला के रूप में कहीं भी नहीं मिलता।
वो आने वाली सबसे चर्चित हस्ती होती। वो अब भी बॉलीवुड में अपना नियमित काम कर रही होती।
काम। वह शायद कई अन्य लोगों की तरह अपने करियर के शिखर पर पहुंच गई होती। उनसे पहले की अभिनेत्रियाँ—जूही चावला, रानी मुखर्जी, माधुरी दीक्षित, प्रीति

ज़िंटा, करिश्मा कपूर—अब शादीशुदा हैं, बच्चे भी हैं, लेकिन बेहद
एक ऐसे उद्योग में वापसी करने के लिए एक बड़े अवसर की उम्मीद कर रही हूँ जो बहुत दयालु नहीं है।
उन अभिनेत्रियों के लिए जो 30 वर्ष की आयु सीमा को पार कर चुकी हैं।
संपर्क स्थापित होने के बाद, अंजुला प्रियंका से मिलने के लिए भारत गईं।
उनके साथ डेविड जोसेफ और एंड्रयू क्रोनफेल्ड, कार्यकारी अधिकारी भी थे।
यूनिवर्सल म्यूजिक ग्रुप इंटरनेशनल (UMGI) में मार्केटिंग के उपाध्यक्ष।
प्रियंका के बारे में अंजुला कहती हैं, 'वह अभी भी दुविधा में थी।' 'मुझे याद है।'
उससे कहो कि तुम्हें बस स्टूडियो जाना है और एक बार कोशिश करनी है।
कोई प्रतिबद्धता जताने की ज़रूरत नहीं है। वह एक स्टूडियो में गई और उसे उससे प्यार हो गया।
'यह।' समूह ने प्रियंका को गाते हुए सुना और सबने बातें कीं। 'जब हम आए बाहर निकलते ही, डेविड और मैंने एक ही समय में कहा, "वही है वो!" अंजुला आगे कहती हैं।
और फिर प्रियंका को मंच पर लाने की रणनीति बनाने का सवाल था।
चोपड़ा अमेरिका गए। उन्होंने कहा, 'मैंने अमेरिका की पॉप संस्कृति का विश्लेषण करने में समय बिताया और यह समझने की कोशिश की कि यह कैसे काम करती है।'
प्रियंका के करियर को संभालने के अलावा, अंजुला कहती हैं, 'आज के सितारे ऐसे ही हैं।'
प्रियंका वेंचर कैपिटलिस्ट फर्म ट्रिनिटी कैपिटल में पार्टनर भी हैं। प्रबंधन का आधा हिस्सा ट्रॉय कार्टर संभालते हैं, जो एटम फैक्ट्री के प्रमुख हैं, जो एक प्रतिभा प्रबंधन और पूर्ण-सेवा फिल्म और टेलीविजन निर्माण कंपनी है।
कार्टर के ग्राहकों में लेडी गागा और जॉन लेजेंड शामिल हैं।
अंजुला आगे कहती हैं, 'मुझे शुरू में ही एहसास हो गया था कि मैं उसे पॉप स्टार नहीं बनाना चाहती थी।'
मैं बस उसे स्टार बनाना चाहता था। और यह किस रूप में होता, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता था।

क्योंकि वह बहुमुखी प्रतिभा की धनी हैं। हमने उन्हें किसी एक दायरे में सीमित न करने का फैसला किया क्योंकि
ऐसे सितारे ढूंढना बहुत मुश्किल है जो सब कुछ कर सकें।
और फिर कुछ वर्षों बाद, अंजुला की रणनीति बदल गई। 'प्रक्रिया के लिए मेरा विचार "मैं उसे स्टार बनाना चाहता हूँ" से बदलकर "मैं उसे एक जाना- पहचाना चेहरा बनाना चाहता हूँ" हो गया।
अमेरिका।”
फरवरी 2012 में, प्रियंका ने क्रिएटिव आर्टिस्ट्स एजेंसी के साथ अनुबंध किया।
(सीएए) - हॉलीवुड की अग्रणी टैलेंट एजेंसियों में से एक। उनका प्रतिनिधित्व सीएए द्वारा किया जाता था।
डेविड टैगियोफ, जो पहले DesiHits.com में निदेशक थे। तीन साल बाद, एक प्रियंका के टीवी शो क्वांटिको के लॉन्च होने के कुछ ही समय बाद, उन्होंने अपना करियर बदल लिया।
विलियम मॉरिस एंडेवर एंटरटेनमेंट (डब्ल्यूएमई)।
कुछ साल पहले, किसी भारतीय अभिनेता की कल्पना करना मुश्किल होता।
अमेरिकी बाजार में इस मुकाम तक पहुंचना। इस नई यात्रा में कई चुनौतियां आई हैं।
कुछ बड़ी चूकें हुईं और प्रियंका के लिए शुरुआत में रास्ता काफी उबड़- खाबड़ था।
चोपड़ा की फिल्में भी हिट रहीं, लेकिन फिर ऐसा लगा जैसे कुछ हिट ही नहीं हुईं।
उसके लिए पीछे मुड़कर देखना। 11 मई 2018 को आई खबर के बावजूद कि क्वांटिको भले ही यह कार्यक्रम रद्द हो गया हो, फिर भी पश्चिम में वापसी करने का उनके पास एक ठोस मौका है।
जैसा कि करण जौहर कहते हैं, 'वह हमारी सबसे बड़ी क्रॉसओवर सफलता की कहानी है। मुझे लगता है
जब बाकी सब लोग पार कर जाते हैं, तभी सब कुछ खत्म होता है।

2014 की शरद ऋतु में, मैंने प्रियंका चोपड़ा के साथ ईमेल के माध्यम से साक्षात्कार किया। मैंने उनसे पूछा
गायन के बारे में और यह उनके लिए क्यों महत्वपूर्ण था। 'मुझे हमेशा से गाना पसंद रहा है,'
और मैं एक बहुत ही संगीतप्रिय परिवार से आती हूँ,’ उसने जवाब में लिखा। ‘दरअसल, यह मेरा
मेरे पिता का सपना था कि मैं यह करूं, इसलिए यह काफी भावनात्मक सफर भी रहा है।
अपने जीवन के अंतिम कुछ वर्षों में उन्होंने सभी गाने लिखे और बनाए। जैसा कि आप जानते हैं
आप शायद पहले से ही जानते होंगे, मैं खुद को "पापा की लाडली" मानती हूँ;-) (उसके पास है
उसके पिता की लिखावट में उसकी दाहिनी कलाई पर एक टैटू है, जो यह घोषणा करता है कि मैं एक हूँ।
मैं बहुत ही रचनात्मक व्यक्ति हूं, और गायन/गीत लेखन मेरे लिए एक और अवसर है।
अपनी रचनात्मकता को तलाशने और व्यक्त करने के लिए।
आज प्रियंका के तीन सिंगल रिलीज़ हो चुके हैं। उनका पहला गाना अभी तक रिलीज़ नहीं हुआ है।
सिंगल के रूप में 'इन माई सिटी' था, जिसमें रैपर विल.आई.एम. थे, जो संस्थापक सदस्य थे।
पॉप ग्रुप ब्लैक आइड पीज़। इसे एनएफएल (नेशनल फुटबॉल) में दिखाया गया था।
यह गाना फुटबॉल मैच से पहले प्रसारित होने वाले प्री-गेम शो 'थर्सडे नाइट किकऑफ' (लीग नेटवर्क) में सितंबर 2012 में पहली बार दिखाया गया था।
जब यह गाना रिलीज हुआ था, तब इसे सिंगल के रूप में जाना जाता था और
यह गाना प्रियंका के अगले एल्बम का हिस्सा बनने वाला था।
इस साल। एल्बम का निर्माण ग्रैमी पुरस्कार विजेता निर्माता द्वारा किया जा रहा था।
मोरक्को में जन्मे गीतकार रेडवन (उर्फ नादिर खयात) ने इस गीत को रचा है।
लेडी गागा की सफलता में उनका अहम योगदान रहा है। उन्होंने जेनिफर लोपेज, पिटबुल आदि के साथ भी काम किया है।

एनरिक इग्लेसियस और निकी मिनाज।
नवंबर 2012 की एक रिपोर्ट में, द लॉस एंजिल्स टाइम्स ने एक बहुत ही उत्साही रेडवन ने कहा कि उन्हें पूरा यकीन है कि एल्बम और उसका हर गाना, यह फिल्म हिट होगी। 'प्रियंका इसमें बिल्कुल फिट बैठेंगी,' द टाइम्स ने रेडवन के हवाले से कहा।
उन्होंने उसकी संभावित लोकप्रियता का जिक्र किया। उन्होंने सोचा, "हे भगवान, यह लड़की तो कमाल कर सकती है!"
एक बहुत बड़ा वैश्विक सितारा। यह दुनिया के लिए कुछ नया सुनने को मिलेगा। अमेरिका में गाने से पहले, प्रियंका ने गायन की शिक्षा ली थी।
मुंबई की कोच सामंथा एडवर्ड्स के साथ प्रियंका की ट्रेनिंग का अधिकांश हिस्सा बीता है।
एडवर्ड्स की फिल्म 'बर्फी!' की शूटिंग के बीच में यह घटना घटी। 'उन्होंने शुरुआत में थोड़ी सी
वह इससे कतराती है, लेकिन अपने कोच सामंथा के साथ मिले सभी अनुभव और प्रशिक्षण ने उसे
गायक और संगीतकार विशाल ददलानी कहते हैं, 'वास्तव में प्रियंका ने ही उन्हें इतनी ऊंचाइयों तक पहुंचाया।' लेकिन प्रियंका ने
वह हमेशा से ही व्यावहारिक रही है और वास्तविकता उसके लिए स्पष्ट थी। अंजुला और उनके साथ काम करने वाली बाकी टीम के मार्गदर्शन में, लेकिन अमेरिका एक अनजाना क्षेत्र था और गायन की ओर बदलाव अभी भी एक नई चुनौती थी। प्रयोग। वह आधिकारिक तौर पर गायिका के रूप में नहीं जानी जाती थीं—न तो भारत में और न ही
अमेरिका में तो बिल्कुल नहीं।
और उन्होंने लॉस एंजिल्स टाइम्स से इस बारे में खुलकर बात की। 'मैं नहीं चाहती कि...'
मैं अमेरिका में आकर खुद को एक बड़ा सितारा बताता हूँ। मैं एक नया कलाकार हूँ और मुझे कोई नहीं जानता।
मुझे यहाँ जानता है और मैं इस बारे में भ्रम में नहीं हूँ... इससे मुझे बहुत डर लगता है।
मुझे… मुझे पता है कि मुझमें कमियां हैं।’ लेकिन टाइम्स के रिपोर्टर गैरिक डी. कैनेडी ने ऐसा नहीं किया।

प्रियंका की बॉडी लैंग्वेज, उनका व्यक्तित्व, उनके साथ चलने वाले लोग - इन सब पर ध्यान दें।
उसके साथ—यह सब कुछ उसे एक पॉप स्टार जैसा रूप देता था। 'उसकी मोहक मुस्कान, शरीर-
टाइट फिटिंग ड्रेस और ऊंची हील वाली सैंडल सबका ध्यान खींचती हैं। कैनेडी इसमें असफल रहीं।
यह समझना था कि यह बॉलीवुड में उनकी प्रसिद्धि और एक होने का परिणाम था। भारत में एक सेलिब्रिटी के रूप में अपनी पहचान बनाना, जिसे प्रियंका काफी अच्छे से निभा रही थीं।
जब उन्हें मिस इंडिया का ताज पहनाया गया तब उनकी उम्र 17 साल थी।
‘इन माय सिटी’ प्रियंका का उन सभी शहरों से सामंजस्य स्थापित करने का प्रयास था जिनसे उनका नाता टूटा था।
मैं जिन शहरों में रहा हूँ, उनमें से एक के रूप में मैंने कहा, 'सेना से जुड़े होने के कारण मैं कई शहरों में पला-बढ़ा हूँ।'
बरेली, लद्दाख, पुणे, बोस्टन, न्यूयॉर्क, शिकागो, दिल्ली,’ वह थीं वेबसाइट DigitalSpy के अनुसार, उन्होंने कहा, 'अजीब तरीके से, यह गाना...' मुझे प्रभावित करने वाले हर शहर को समर्पित।
इस गाने को हॉलीवुड की कुछ हस्तियों ने पसंद किया। जोसेफ गॉर्डन-लेविट ने कहा कि वह गाने को अपने आईपॉड प्लेलिस्ट में जोड़ रहे थे। 'मुझे यह गाना मिला।'
प्रियंका ने नए गाने को सुना और उन्हें यह गाना बहुत ही जोशीला और ताजगी भरा लगा।
'खूबसूरत और बेहद प्रतिभाशाली,' गॉर्डन-लेविट के हवाले से कहा गया।
10 अप्रैल 2012 को प्रियंका ने जोसेफ के बयानों पर प्रतिक्रिया दी।
जिन्हें कई भारतीय प्रकाशनों में उन्हें धन्यवाद देते हुए प्रकाशित किया गया था।
ट्विटर पर। और रयान सीक्रेस्ट ने अपने ई! शो में इस सिंगल की रिलीज़ की घोषणा की।
उनका कहना था कि बॉलीवुड ‘हॉलीवुड को पीछे छोड़ने वाला है’।164
प्रियंका ने इंटरस्कोप रिकॉर्ड्स की उस टीम को मना लिया, जो इस गाने को रिलीज़ कर रही थी।

यह गाना, एनएफएल शो में प्रसारित होने से पहले भारत में इसका परिचय कराने के लिए था। पहले चरण में
एक सप्ताह में, भारत में इस गाने की लगभग 1,30,000 प्रतियां बिकीं और डाउनलोड की गईं।
इसमें कोई हैरानी की बात नहीं है क्योंकि प्रियंका भारत में एक बहुत बड़ी स्टार हैं, भले ही वह
वह गायिका के रूप में प्रसिद्ध नहीं थीं। लेकिन अमेरिका में उनकी बिक्री बहुत धीमी थी—केवल
रेडियो पर बिना बजे भी पहले सप्ताह में iTunes पर 5,000 गाने बिके।165 संकेत
पहले से ही स्थापित पॉप जगत में अपनी जगह बनाने की कोशिश कर रही एक नई पॉप गायिका के लिए ये हालात बहुत अच्छे नहीं थे।
अमेरिका में बाजार काफी भीड़भाड़ वाला है। लेकिन प्रियंका हार मानने को तैयार नहीं थीं।
गाने के मुख्य वीडियो में बबलगम पॉप जैसी एक मजेदार सी खूबी थी।
ऊर्जा से भरपूर, जिसमें सेक्सी दिखने वाली प्रियंका चोपड़ा नाच रही हैं।
साढ़े पाँच
कई साल बाद, 2018 की वसंत ऋतु में, इस वीडियो को YouTube पर 37 मिलियन बार देखा जा चुका था।
यह एक प्रभावशाली आंकड़ा है, हालांकि धनुष की 'कोलावेरी दी' ने
एक साल पहले, 2018 की वसंत ऋतु तक इसके 146 मिलियन हिट्स थे।
अगर प्रियंका वाकई गंभीर हैं तो 'इन माय सिटी' उनके लिए एक बड़ा ब्रेक साबित हुई।
इसे मुख्यधारा के अमेरिकी बाजार में उतारने पर विचार किया जा रहा था। यही इसका मुख्य विषय था।
प्रियंका ने दो सीज़न तक गुरुवार रात के फुटबॉल शो के लिए गाना गाया।
लेकिन प्रियंका का
टीम और एनएफएल ने इस गाने पर बड़ा दांव लगाया। तब तक, एनएफएल का उद्घाटन फेथ हिल, पिंक, हैंक विलियम्स जूनियर जैसे कलाकारों ने गाने गाए।
सी लो ग्रीन। प्रीगेम शो से पहले चलने वाले क्लिप के लिए।

2012 की शरद ऋतु में गुरुवार को, वीडियो में प्रियंका को गाने पर नाचते हुए दिखाया गया था।
टीम की टी-शर्ट के अधिक आकर्षक संस्करण पहने हुए, फुटबॉल खिलाड़ियों की तस्वीरों के बीच-बीच में।
शो में नियमित रूप से बोलने वाले लोग और एक्शन कलाकार। बॉलीवुड स्टार ऐतराज़, दोस्ताना और बाजीराव मस्तानी अचानक एक हिस्सा प्रतीत होने लगे थे।
यह एक ऐसी घटना है जो अमेरिकी संस्कृति की पहचान है!
लेकिन गाने के रिलीज होने के बाद प्रियंका को काफी नफरत का सामना करना पड़ा।
कुछ अमेरिकी फुटबॉल प्रशंसकों की ओर से कड़ी प्रतिक्रिया। Yahoo.com पर एक लेख के अनुसार
प्रियंका को बेहद खराब किस्म की टिप्पणियां मिलीं।166 टिप्पणियां
बाद में उन्हें हटा दिया गया। अंजुला के अनुसार, बिलबोर्ड के एक संपादक ने पूछा था
याहू ने उन टिप्पणियों को बंद कर दिया है। लेकिन साइट पर जो कुछ प्रकाशित हुआ था, उसका एक नमूना यहाँ दिया गया है:
‘ये कौन है… इनका नाम तो मध्य पूर्वी लगता है।’
सच में... पूरे अमेरिका में उन्हें एक भी सुंदर व्यक्ति नहीं मिला। अमेरिकी गायिका ने ऐसा करने को कहा था, लेकिन इसके बजाय उन्होंने किसी ऐसे व्यक्ति को चुना जो शायद
उसे तो यह भी नहीं पता कि "झोपड़ी" क्या होती है?
‘अगले चरण में हमारे पास “पटेल” नाम के चीयरलीडर्स की एक पूरी टीम होगी।’ ‘वह अरब जैसी दिखती है?!’
मुझे लगा कि वह बहुत खूबसूरत है, लेकिन जब मुझे पता चला कि वह भारतीय है, तब मुझे यह बात पता चली...
युच्ह...
ये टिप्पणियाँ नस्लवाद और अज्ञानता से उपजी थीं, और वहाँ
कुछ बेहद आपत्तिजनक शब्द जिन्हें दोहराना उचित नहीं है। 'मेरी रणनीति यह थी कि...'

उसे पॉप कल्चर के सबसे बड़े ब्रांडों में से एक—एनएफएल—में ले जाओ, और हम थे
अंजुला याद करती हैं, ‘मुझे कड़ी प्रतिक्रिया मिल रही थी। उनकी बातें बहुत आपत्तिजनक थीं। उन्होंने ऐसी बातें कही थीं।
जैसे कि तुम्हें अपने देश वापस जाकर सामूहिक बलात्कार करवाना चाहिए। प्रियंका थी
वह खुद पर काबू नहीं रख पा रही थी। अमेरिका में यह उसकी पहली यात्रा थी और लोग यही प्रतिक्रिया दे रहे थे।
लोग ऐसा कह रहे थे। और इस बात पर कोई बड़ा हंगामा नहीं हुआ कि यह भयानक था।
और यह गलत था। आम तौर पर बहुत कम लोग इसके खिलाफ खड़े हुए। और यह बहुत ही दुखद था।
यह समय उसके लिए और हम सबके लिए है।'
सार्वजनिक रूप से, प्रियंका आलोचनाओं को लेकर शांत और कूटनीतिक रहीं। वॉल स्ट्रीट जर्नल टेलीविजन को दिए एक साक्षात्कार में उन्होंने कहा, 'मैं इसमें रही हूँ'
सार्वजनिक स्थान पर लंबे समय तक सुर्खियों में रहना। मैं आलोचनाओं का सामना करना समझता हूँ।
और फूलों के गुलदस्ते। और मैंने नस्लवाद का सामना किया है। मुझे लगता है कि आगे बढ़ने का यही एकमात्र तरीका है।
अपने काम से आलोचकों का मुंह बंद कर देना ही एकमात्र उपाय है। इस बात पर जोर देने के बजाय कि,
"हां, मुझे आतंकवादी कहा जाता है, क्योंकि मैं सांवला हूं और दक्षिण से हूं।"
एशिया,” और “तुम गोरे नहीं हो, तो तुम्हें क्यों होना चाहिए” जैसे नफरत भरे ईमेल मिलने पर उन्होंने अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की।
एनएफएल पर? इसके बावजूद, मैं लाखों अन्य लोगों पर ध्यान केंद्रित करना चाहूंगा।
जो ईमेल या ट्वीट भेजकर कह रहे हैं कि यह अद्भुत है।
अंजुला प्रियंका की आगे बढ़ने की चाहत की बहुत प्रशंसा करती हैं। 'वह एक प्रियंका के बारे में वह कहती हैं, 'वह अपने जीवन के हर पहलू में जोखिम लेने वाली हैं।' 'जब आपके पास

अगर आपके पास सुरक्षा कवच है, तो आपको जोखिम उठाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। इसके लिए तो बस हिम्मत चाहिए।'
लेकिन प्रियंका को पूरा यकीन था कि उसके लिए सुरक्षा कवच हमेशा मौजूद रहेगा।
उन्होंने बॉलीवुड से अपने संबंध कभी नहीं तोड़े। उनका ऐसा कोई इरादा भी नहीं था।
उसने अपना सामान पैक किया और बॉलीवुड फिल्मों में अभिनय छोड़कर गायिका बनने का फैसला किया।
उस समय यही उसकी रोजी-रोटी थी।
स्पिन पत्रिका के एक प्रश्न के उत्तर में कि क्या वह लक्ष्य बना रही थी अमेरिकी बाजार में प्रवेश के बारे में उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं पता कि यह प्रवेश है या नहीं। मैं...'
मैं जहां था वहां से नहीं जा रहा हूँ, और मैं यहाँ भी नहीं हूँ। भारतीय फिल्म उद्योग
इसने मुझे वो बनाया है जो मैं आज हूँ। मैं ये नहीं कह रही कि “वो हो गया, और मैं यहाँ हूँ।”
उन्होंने अमेरिका और पॉप संगीत की ओर अपने झुकाव को 'स्वाभाविक' बताया। क्रॉसओवर का मुद्दा और इसके बारे में बार-बार पूछे जाने वाले सवाल ने परेशान कर दिया।
प्रियंका। मेरे साथ ईमेल इंटरव्यू में, वह थोड़ी चिड़चिड़ी लग रही थी।
उनसे क्रॉसओवर की रणनीति के बारे में सवाल किया गया। लेकिन उन्होंने इसे सकारात्मक रूप में भी प्रस्तुत किया।
इस सवाल पर, उन्होंने खुद को पहली भारतीय स्टार के रूप में पेश किया जो उन्होंने अपने कार्यक्षेत्र को भारतीय सीमाओं से परे विस्तारित किया। उन्होंने ईमेल में लिखा, 'मेरे लिए यह एक ही करियर है।' 'इसमें कोई अंतर नहीं है।'
एक "क्रॉसओवर", मुझे यह शब्द अब नापसंद होने लगा है! मैं हूँ और हमेशा से एक रहा हूँ।
एक वैश्विक नागरिक जो सार्वभौमिक दर्शकों का मनोरंजन करता है, और मुझे वास्तव में और अधिक की उम्मीद है।

भारत की प्रतिभाएं वैश्विक दृष्टिकोण रखती हैं।' और फिर, उन्होंने सुझाव दिया कि वह
वह ऐसी स्थिति पसंद करेगी जहां उसका करियर इस तरह विकसित हो कि वह फिल्मों में अभिनय और गायन को एक साथ करना। 'मैं हमेशा कहती हूं... फिल्में ही मेरी असली पहचान हैं।'
मेरा दिल संगीत से जुड़ा है, और संगीत मेरी आत्मा है। जुड़े रहिए...

प्रियंका के लिए वर्ष 2013 काफी व्यस्त रहा क्योंकि उन्होंने धीरे-धीरे प्रयास किए।
अमेरिका में अपनी पकड़ मजबूत करने के लिए। उसी गर्मी में, प्रियंका ने अपना दूसरा सिंगल रिलीज़ किया।
‘एक्सोटिक’—इस गाने और इसके साथ आए कामुक वीडियो में क्यूबा के कलाकार नज़र आए।
अमेरिकी रैपर पिटबुल ने एबीसी के कभी बेहद लोकप्रिय रहे न्यूज़ शो से बात की।
नाइटलाइन पर प्रियंका ने गाने को कुछ अलग अंदाज़ वाला पॉप संगीत बताया। चिकन टिक्का मसाला’.169
यह वह जवाब नहीं था जो कई भारतीयों को, विशेषकर उन लोगों को, पसंद आया जो... प्रवासी, चाहेंगे। जबकि चिकन टिक्का मसाला सबसे लोकप्रिय व्यंजनों में से एक हो सकता है।
अमेरिकियों के बीच लोकप्रिय भारतीय व्यंजन, यह भारत में कोई व्यंजन नहीं है।
पारखी और जाने-माने भारतीय शेफ इसे घिसा-पिटा भारतीय खाना मानते हैं।
अपने नए गाने की तुलना उस व्यंजन से करते हुए, प्रियंका मानो उसी राह पर चल रही थीं।
यह भी वैसी ही घिसी-पिटी कहानी है।
भारत में भी ऐसी अफवाहें थीं कि प्रियंका चोपड़ा कुछ लोगों को खुश करने की कोशिश कर रही थीं।
पश्चिम और भारतीय महिलाओं की उसकी रूढ़िवादी छवि। गुरसिमरन

लोकप्रिय समूह ऑल इंडिया बकचोद के स्टैंड-अप कॉमेडियन खंबा हैं। प्रियंका की गायकी की प्रशंसक नहीं हैं, और 'एक्सोटिक' के बारे में उन्होंने यह कहा: 'इसके बाद
will.I.Am को एक ऐसे व्यक्ति से बदलना जो खुद को कुत्ते की नस्ल के नाम से संदर्भित करता है, यानी
पिटबुल और सुश्री चोपड़ा एक ऐसे गाने के साथ वापस आ गई हैं जिसके बोल और भी अधिक प्रभावशाली हैं।
शानदार। मेरे पसंदीदा गाने हैं “मुंबई क्यूबा बेबी लेट्स गो”—
इस तरह वह CPI(M) के बाहर की पहली ऐसी व्यक्ति बन गईं जो स्वेच्छा से जाना चाहती थीं।
क्यूबा। साथ ही, "मैं इतना अनोखा महसूस कर रहा हूँ, मैं उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों से भी ज़्यादा गर्म हूँ"—एक गंभीर
अगर कभी किसी ने अपने युवा प्रशंसकों को भूगोल सिखाने का प्रयास किया है, तो वह यही है।
हिंदुस्तान टाइम्स ने लिखा, 'प्रियंका चोपड़ा की 'एक्ज़ॉटिक' जितनी अजीब है, उससे कहीं ज़्यादा अजीब है।'
अनोखा। एक ऐसा वीडियो जो चमकीली जेनिफर लोपेज़ की छवि को सामने लाता है। ब्रिटनी स्टाइल के कैंडी फ्लॉस शॉट्स गलत हैं, प्रियंका ने सब कुछ आजमाया है।
'इन माई सिटी विल.आई.एम' से लेकर 'एक्सोटिक पिटबुल' तक, प्रियंका लोपेज़ की राह पर चलती नज़र आ रही हैं।
काफी हद तक। लेकिन पीसी जेएलओ जैसी नहीं है।
और यहीं विडंबना थी। प्रियंका ने वर्षों तक यह साबित करने की कोशिश की थी कि
बॉलीवुड को पता था कि वह सिर्फ एक सेक्स सिंबल या ब्यूटी पेजेंट से कहीं बढ़कर थीं।
विजेता जो शरीर से चिपके हुए पश्चिमी कपड़ों में बेहद आकर्षक लग रही थी। जीतने के बाद
उन्हें 2008 में फैशन के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार मिला और बाद में उन्होंने बर्फी! जैसी फिल्म में अभिनय किया।

जो फिल्म 2012 में खुली, उसमें वह एक बार फिर सेक्स सिंबल के रूप में नजर आईं—हालांकि कुछ समय के लिए ही सही।
अलग बाजार—एक पॉप गीत में रैप संगीत का तड़का लगी हॉट आइटम गर्ल संभावित दर्शकों की संख्या बढ़ाने के लिए उन्होंने यह बात कही। यही उनकी मार्केटिंग का तरीका था।
अमेरिका में एक मशीन मालिक ने उसे बेचने के बारे में सोचा।
भारत में हो रही आलोचना से प्रियंका हैरान थीं। उन्होंने कहा, 'मुझे समझ नहीं आता कि ऐसा क्यों है।'
उन्होंने एक इंटरव्यू में मुझसे कहा, 'क्योंकि गाने में हिंदी बोल हैं।' 2013 के पतझड़ के मौसम में, जब मैंने सुझाव दिया था कि वह पश्चिम को खुश करने की कोशिश कर रही होगी।
‘यह गाना मेरे व्यक्तित्व से पूरी तरह मेल खाता है। यह एक अंग्रेजी एल्बम है। यह एक अंतरराष्ट्रीय एल्बम है।’
हिंदी बोलों के साथ। तो इसका क्या मतलब है कि मैं पश्चिम को खुश करने की कोशिश कर रहा हूँ?
मुझे लगता है कि यह गलत है।' मैंने सुझाव दिया कि शायद ऐसा इसलिए था क्योंकि वह जा रही थी।
भारत को एक विदेशी भूमि के रूप में देखने के पश्चिमी दृष्टिकोण और भारतीय महिलाओं के साथ
साथ ही साथ विदेशी भी होना। भारत में लोग प्राच्यवादी सोच से आगे बढ़ना चाहते हैं।
देश को सपेरों और बाघों की भूमि के रूप में देखने की धारणा। इस पर, उसने उन्होंने जवाब दिया, 'मुझे यह बात पसंद है कि मुझे एक अनोखा व्यक्ति कहा जाता है। मुझे यह विचार अच्छा लगता है।'
अंजुला आगे कहती हैं कि गाना 'एक्सोटिक' वास्तव में भारतीय बाजार में अच्छा प्रदर्शन कर चुका था।
बाजार। 'हमेशा कुछ प्रतिशत लोग ऐसे होते हैं जो कुछ नया बनाना चाहते हैं।' वह कहती हैं, 'यह सब ड्रामा है। मैंने उन्हें गंभीरता से लेना ही बंद कर दिया। यह एक तरह की प्रतिक्रिया है।
वारिस (अहलुवालिया, न्यूयॉर्क स्थित सिख डिजाइनर और पार्टी में जाने वाली हस्ती)

(जिन्होंने अमेरिका में गैप के विज्ञापनों के लिए मॉडलिंग की थी) सिख समुदाय से यह संदेश मिला कि
वह पगड़ी पहनकर मॉडलिंग कर रहा था और महिलाएं भी खुद को पगड़ी से ढक रही थीं।
उसके ऊपर। जैसे कि हम बॉलीवुड में ऐसा नहीं करते? मुझे लगता है कि सभी को बस
शांत हो जाओ। मेरे लिए प्रियंका अनोखी है। अगर आपको यह शब्द आपत्तिजनक लगा, तो मैं माफी मांगता हूं।
लेकिन अधिकतर महिलाएं खुद को 'एक्जॉटिक' कहलाना पसंद करती हैं।
इस गाने और वीडियो ने पश्चिम में प्रियंका को कम से कम एक प्रशंसक तो दिला ही दिया।
लोकप्रिय सेलिब्रिटी साइट PerezHilton.com ने ‘Exotic’ के बारे में यह कहा: ‘यह
पिटबुल और उनकी खूबसूरत साथी बीच पर बेहद हॉट लग रहे हैं।
इसके बाद आपको ठंडे पानी से नहाना पड़ेगा!!!… इस आकर्षक गाने का शीर्षक बिल्कुल सटीक है क्योंकि क्यूबा-अमेरिकी रैपर और उनके बीच
खूबसूरत भारतीय देवियाँ, वे सचमुच एक बेहद आकर्षक जोड़ी हैं!!!
26 जुलाई 2013 को, जिस दिन 'एक्सोटिक' फिल्म रिलीज़ हुई, उसी दिन प्रियंका ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।
वेस्ट हॉलीवुड में स्थित मिलियंस ऑफ मिल्कशेक नामक स्टोर में, जो कि एक शहर के भीतर स्थित है।
कैलिफोर्निया के लॉस एंजिल्स शहर में हजारों प्रशंसकों की भीड़ उमड़ पड़ी।
शहर के मशहूर मेलरोज़ एवेन्यू में, उसने अपने खुद के बनाए हुए मिल्कशेक का एक खास मिश्रण तैयार किया।
और इसका नाम रखा—और क्या—एक्ज़ॉटिक। मिलियंस ऑफ़ में एक मिल्कशेक की ब्रांडिंग करते हुए।
मिल्कशेक के साथ, प्रियंका हॉलीवुड की अन्य हस्तियों की श्रेणी में शामिल हो रही थीं।
माइली साइरस, किम कार्दशियन, डेविड बेकहम, केटी पेरी और लियोनार्डो डिकैप्रियो के नाम पर एक पेय का नाम रखा जाना।

बाद में एक इंटरव्यू में प्रियंका ने मुझे बताया कि वह घबराई हुई थी क्योंकि...
ठीक से पका नहीं था। मैं सोचती रही, "हे भगवान, लोग कहेंगे कि मुझे तो पता भी नहीं है।"
"मिल्कशेक कैसे बनाते हैं?" मैं खुद को शर्मिंदा नहीं करना चाहता था। उन्होंने कहा कि सामग्री उनकी अपनी पसंद की थी। 'मैं इसे बादाम से बनाना चाहती थी।'
क्योंकि यह मेरा पसंदीदा है। यह बादाम दूध का ही एक विस्तारित रूप है। इसमें कैरेमल और केले मिलाए गए हैं।
स्टोर के बाहर जमा भीड़ ज्यादातर स्थानीय रेडियो और
लॉस एंजिल्स की बड़ी दक्षिण एशियाई आबादी को लक्षित करने वाले टीवी स्टेशनों के पास
घोषणा की गई कि प्रियंका वहां मौजूद रहेंगी और अपने प्रशंसकों का अभिवादन करेंगी।
संख्या इतनी अधिक थी कि हफिंगटन पोस्ट ने प्रियंका की तुलना इससे की। दक्षिण एशियाई प्रवासियों के बीच एक अन्य भारतीय अभिनेत्री की लोकप्रियता।
प्रियंका चोपड़ा ने गुरुवार को ऐश्वर्या राय जैसी अफरा-तफरी मचा दी।
जब वह लॉस एंजिल्स का दौरा कर रही थीं,’ हफिंगटन पोस्ट ने लिखा।173 जाहिर है
हफ पोस्ट का लेखक अभी भी ऐश्वर्या राय की संक्षिप्त और ज्यादातर बातों पर अटका हुआ था।
हॉलीवुड में अपनी पहचान बनाने का असफल प्रयास। लेखक को यह अवसर भी नहीं मिला।
प्रियंका (लेख में उन्हें बॉलीवुड की चकाचौंध भरी अदाकारा बताया गया था) के बारे में बात यह थी कि
वह खुद बॉलीवुड की एक बड़ी स्टार हैं और हाल के वर्षों में उनका कद काफी बढ़ गया है।
राय की तुलना में अधिक हो जाना।
बाद में, अंजुला ने स्वीकार किया कि समर्थन देने के लिए उमड़ी भीड़

प्रियंका मूल रूप से देसी थीं। 'लेकिन हम अब गैर-देसी लोगों को अधिकाधिक देख रहे हैं।'
उन्होंने आगे कहा, 'देसी लोग।'
कुछ हफ्तों बाद, प्रियंका फिर से खबरों में थीं। इस बार, वह थीं... डिज्नी की फिल्म 'प्लेन्स' का प्रचार करते हुए, जिसमें उन्होंने एक बदबूदार जानवर के लिए वॉइस ओवर किया था।
भारतीय विमान इशानी, जो विश्व उड़ान प्रतियोगिता में भाग ले रहा है और फिल्म के मुख्य नायक विमान, डस्टी क्रॉपर (द) की प्रेमिका भी।
(डेन कुक की आवाज)। शायद यह पहली बार था जब भारत से किसी अभिनेता को यह भूमिका दी गई थी।
एक अमेरिकी प्रोडक्शन के लिए वॉइस ओवर करना—वह भी डिज्नी फिल्म के लिए। प्रियंका को कथित तौर पर फिल्म में इसलिए लिया गया क्योंकि निर्देशक क्ले हॉल
जब से उन्होंने दोस्ताना देखी थी, तब से वह उनके प्रशंसक थे। 'वह एक साथ तीन खूबियों से परिपूर्ण हैं—एक
अभिनेत्री, गायिका और नर्तकी—और हमने देखा कि जब वह अपनी रिकॉर्डिंग के लिए आई थीं
अपनी अदाओं से उसने बहुत से लोगों का ध्यान आकर्षित किया, जो उसे देखने के लिए रुक जाते थे।
फिल्म के रिलीज के समय एक प्रेस बयान में हॉल के हवाले से कहा गया था, 'कार्रवाई में।'
रिलीज़.174 हॉल ने इससे पहले द जैसे हिट टीवी शो पर काम किया है सिम्पसन्स और किंग ऑफ द हिल। 'प्रियंका में दिल, आकर्षण और गर्मजोशी झलकती है।'
हॉल ने आगे कहा।
प्लेन्स में टेरी हैचर, जॉन क्लीज़ और जूलिया की आवाज़ें भी शामिल थीं। लुई-ड्रेफस, वैल किल्मर, सिंदबाद और सेड्रिक द एंटरटेनर। स्पष्ट रूप से, प्रियंका प्रतिष्ठित लोगों के बीच थीं। उनकी सराहना करनी चाहिए कि प्रियंका ने एक सकारात्मक माहौल बनाने की कोशिश की।
ईशानी के किरदार में भारतीयपन की झलक मिलती है। ईशानी के लहजे में स्वाभाविक भारतीयता झलकती है।

भारतीय लहजा। फिल्म के समय उन्होंने मुझसे कहा, 'मैं इस बारे में बहुत स्पष्ट थी।'
पदोन्नति। 'आप जानते हैं कि भारतीयों के बारे में ज्यादातर लोग जिस तरह का रूढ़िवादी लहजा देखते हैं।'
किससे बात करें? मैंने साफ कह दिया था कि मैं ऐसा नहीं चाहता। हम सभी इस तरह से बात नहीं करते।
मैं सच बोलना चाहता था। और (निर्देशक) क्ले (हॉल) को इससे कोई आपत्ति नहीं थी।
उन्हें दरअसल मेरी भारतीय बोली पसंद आई। उन्हें खुशी थी कि यह भारतीय नहीं थी।
अतिरंजित और रूढ़िवादी। मैंने इधर-उधर कुछ हिंदी शब्द डालने की कोशिश की।
और इसी बात ने ईशानी को अद्वितीय बना दिया।'
आलोचकों ने फिल्म 'प्लेन्स' की जमकर आलोचना की और पश्चिम के अधिकांश लोगों ने प्रियंका पर ध्यान ही नहीं दिया।
फिल्म में चोपड़ा की उपस्थिति। फिल्म को रॉटन पर 25 प्रतिशत रेटिंग मिली। टमाटरों का टोमैटोमीटर। न्यूयॉर्क टाइम्स के आलोचक नील गेंजलिंगर ने लिखा:
'प्लेन्स ज्यादातर नवाचार करने की बजाय नकल करने में ही संतुष्ट है।' संभवतः बॉक्स ऑफिस के आंकड़ों का एक सम्मानजनक हिस्सा हासिल करने की उम्मीद में।
'कार्स 175' और 'कार्स 2', जिन्होंने मिलकर करोड़ों डॉलर कमाए।
वैरायटी के जस्टिन चांग ने आसान रास्ता अपनाते हुए इस शब्द का इस्तेमाल करने में कोई कसर नहीं छोड़ी।
इशानी का वर्णन करने में 'विदेशी': 'इशानी (प्रियंका चोपड़ा), एक आकर्षक भारतीय
एक खूबसूरत महिला जो डस्टी के लिए एक अनोखी प्रेमिका बन जाती है।

इससे पहले, 2013 में, प्रियंका और अंजुला एक लाउंज रूम में बैठी थीं।
हीथ्रो एयरपोर्ट पर प्रियंका एली मैगज़ीन के पन्ने पलट रही थी तभी

अचानक उसकी नज़र गेस जीन्स के विज्ञापन पर पड़ी। उसने तुरंत अपना हाथ उस पर पटक दिया।
मैंने गेस के विज्ञापन में कहा, "मुझे गेस गर्ल बना दो।" अंजुला हंसते हुए याद करती है। 'मैं
उसने उसकी ओर देखा और पूछा, "क्या तुम मजाक कर रही हो?" और उसने कहा, "नहीं, मैं मजाक नहीं कर रही हूँ।"
और मैंने उससे कहा, “प्री, तुम सुनहरे बालों और नीली आँखों वाली नहीं हो,” और अलग
नोमी कैंपबेल से लेकर गेस ब्रांड की बाकी सभी मॉडल्स (क्लाउडिया शिफर, अन्ना निकोल स्मिथ, पेरिस हिल्टन) गोरी रही हैं। और उसने बस अपने कंधे उचका दिए।
और उसने कहा, "मैं पहला व्यक्ति बनूंगा।"
जब वह मुझे इस तरह का काम देती है, तो मैं इसे बहुत गंभीरता से लेता हूं, और हमने इसे पूरा किया।
अंजुला आगे कहती हैं, 'यह सीएए के माध्यम से हुआ।'
द हॉलीवुड रिपोर्टर को दिए एक इंटरव्यू में प्रियंका ने कहा कि
2013 के छुट्टियों के मौसम के लिए गेस गर्ल बनने की उनकी प्रक्रिया इस प्रकार थी:
सहज। 'यह पॉल (मार्शियानो, सीईओ) से मिलने के तीन सेकंड के भीतर ही हो गया।' प्रियंका ने हॉलीवुड रिपोर्टर को बताया, 'गेस के एक कर्मचारी ने कहा, 'उन्होंने बस इतना कहा, "ओह माय गॉड!'
हे भगवान, तुम गेस गर्ल हो, मुझे तुम्हें गोली मार देनी चाहिए। अपने मैनेजमेंट से कहो कि वे कॉल करें।
मुझे।" उसी खबर में गेस की वरिष्ठ उपाध्यक्ष मार्केटिंग एम्बर टार्शिस का भी हवाला दिया गया था।
उत्तरी अमेरिका के अनुसार, कंपनी ने प्रियंका से सीधे संपर्क नहीं किया था।
क्योंकि वह जिस तरह का संगीत बना रही है, उसकी वजह से। यह कुछ हद तक दुर्भाग्यपूर्ण है।
यह बयान, प्रियंका चोपड़ा के भारत में इतनी बड़ी स्टार होने को देखते हुए दिया गया है। और यह

टारशिस का ऐसा कहना अजीब था क्योंकि उसके बॉस मार्सियानो को इसके बारे में पता था।
प्रियंका के जीवन के बारे में बहुत कुछ है, सिर्फ उन कुछ गानों से परे जो उन्होंने रिलीज़ किए थे।
हम।
पॉल मार्सियानो ने मेरे साथ एक ईमेल इंटरव्यू में प्रियंका के बारे में ये कहा।
चोपड़ा ने कहा, 'गेस में प्रियंका से आमने-सामने मिलने पर मेरी पहली प्रतिक्रिया यह थी कि...'
मैं लगभग अवाक रह गया, क्योंकि वह इतनी खूबसूरत है लेकिन फिर भी इतनी विनम्र है।
वह इतनी सहज, इतनी मिलनसार और इतने अच्छे स्वभाव वाली हैं कि जैसे ही वह आती हैं,
कमरे में, आप हर जगह उसकी उपस्थिति महसूस कर सकते थे।’177 वह आगे कहते हैं, ‘द
मैं Guess मॉडल्स में जिन गुणों की तलाश करती हूँ, वे हमेशा वही होते हैं जो मुझे बहुत पसंद हैं।
हम अपने ब्रांड के लिए दृढ़ता से प्रतिबद्ध हैं, जो नारीत्व, आत्मविश्वास, साहसिकता और खुलेपन का प्रतीक है।
नए करियर विकल्पों के प्रति जागरूक, और हमेशा फैशन के प्रति सचेत।
प्रियंका के पास बिल्कुल वही सब कुछ था।
मार्सियानो आगे कहते हैं कि उन्हें पता है कि कई खूबसूरत अभिनेत्रियां और मॉडल हैं।
और भारत में गायक। 'लेकिन उनमें से बहुत से लोग भारत में ही रह जाते हैं, क्योंकि वे अपने काम में बहुत व्यस्त रहते हैं।
वहाँ करियर बनाने की इच्छा है, और व्यक्तिगत कारणों से अन्य महाद्वीपों में करियर बनाने की वास्तव में कोई इच्छा नहीं है।
पसंद।'
द टेलीग्राफ से बात करते हुए, मार्सियानो ने प्रियंका की तुलना की। क्लासिक हॉलीवुड सुंदरियों में से एक। 'वह मुझे युवा सोफिया लॉरेन की याद दिलाती है और

उन्होंने कहा, '1950 के दशक की शीर्ष अभिनेत्रियाँ।' 178
कैलिफोर्निया स्थित भारतीय अमेरिकी पत्रकार शीला मारिकर का कहना है कि शायद उन्होंने प्रियंका को इसलिए चुना क्योंकि उन्हें पता था कि वह कितनी बड़ी स्टार हैं।
भारतीय बाजार में। 'वे समझ गए थे कि भारतीय बाजार में उनकी जबरदस्त लोकप्रियता है।'
शीला कहती हैं, 'भारतीय बाजार में और मध्य पूर्व में भी। और उसके पास वह क्षमता है।' '
देखिए, आप सोच सकते हैं कि वह कई जातीयताओं की हो सकती है। वह सिर्फ एक श्रेणी में फिट नहीं बैठती। इस मामले में गिरगिट की तरह रंग बदलने की उसकी क्षमता उसके लिए कारगर साबित हुई।
गेस जो चाहता था, उसके पक्ष में...
गेस की भारत रणनीति कुछ साल पहले शुरू हुई थी जब कंपनी ने
इसने अपना पहला स्टोर 2005 में मुंबई में खोला। भारत 68 वां देश था जिसने इसे खोला।
कपड़ों की खुदरा श्रृंखला ने प्रवेश किया (अब उनकी उपस्थिति लगभग नब्बे देशों में है)
देशों)। गेस ब्रांड के लिए पहले से ही एक बाजार तैयार था। 'भारत में गिउलिनो सार्टोरी, उपाध्यक्ष ने कहा, 'यह कुछ समय से हमारी नजरों में था।' मुंबई स्टोर के उद्घाटन के समय अंतरराष्ट्रीय खुदरा बिक्री।179
लगभग उसी समय पॉल मार्सियानो ने प्रियंका चोपड़ा को ब्रांड एंबेसडर बनाने के लिए साइन किया था।
गेस कंपनी की किस्मत खराब चल रही थी। चार मार्शियानो
दोनों भाई अलग-अलग रास्तों पर चल पड़े थे और उनके बीच कानूनी विवाद भी चल रहे थे।
उन्हें। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि खुदरा कपड़ों की दुनिया में गेस की बाजार हिस्सेदारी।
गिरावट पर था।180
प्रियंका चोपड़ा को लगा था कि उन्होंने तब सारी बाधाएं तोड़ दी थीं जब उन्होंने

मुझे गेस ब्रांड के साथ मॉडलिंग का असाइनमेंट मिला। 'मैं उनकी पहली अश्वेत मॉडल हूं।'
उन्होंने 181 डब्ल्यूडब्ल्यूडी को बताया कि उन्हें अपनी उपलब्धि पर काफी गर्व महसूस हो रहा है। यह निश्चित रूप से
एक उपलब्धि। और द हॉलीवुड रिपोर्टर से बात करते हुए प्रियंका ने कहा, 'Guess एक ऐसा प्रतिष्ठित ब्रांड है जो इतनी खूबसूरत और प्रतिष्ठित चीजों से जुड़ा हुआ है।'
पिछले कई वर्षों में महिलाओं के लिए, उस विरासत का हिस्सा बनना अद्भुत है।’182 लेकिन
सच्चाई कहीं बीच में छिपी थी। मार्सियानो की कंपनी को प्रियंका की जरूरत थी।
चोपड़ा की भारत और उससे बाहर भी पहुँच शायद उनकी ज़रूरत से कहीं ज़्यादा थी।
यह मॉडलिंग असाइनमेंट।
फिर आया सरप्राइज। गेस ने कनाडाई गायक ब्रायन को काम पर रख लिया।
प्रियंका ने बताया कि जाने-माने फोटोग्राफर एडम्स को शूट करने के लिए कहा गया था।
विभिन्न प्रकाशनों में बताया गया है कि एडम्स भारत में कितने प्रसिद्ध थे और उनके संगीत कार्यक्रम कितने लोकप्रिय होते थे।
हमेशा बिक जाते हैं। 'हम उन्हें बहुत पसंद करते हैं,' उन्होंने द हॉलीवुड रिपोर्टर से कहा।
ऐसा लग रहा था जैसे वह रॉक स्टार का कोई और प्रशंसक हो। 'हम उसके सारे गाने जानते हैं और सब कुछ।'
गीत।’183 बाद में, बॉलीवुडजर्नलिस्ट डॉट कॉम से बात करते हुए, उन्होंने इसका जिक्र किया।
एक संगीतकार के रूप में, जिनमें एक खास तरह की 'दाल-चावल' वाली खूबी थी। यह मजेदार था।
उनके साथ काम करते हुए हमने शूटिंग के दौरान बहुत सारे हिंदी गाने सुने।
अभियान।’184
एडम्स द्वारा खींची गई ब्लैक एंड व्हाइट तस्वीरों में प्रियंका बेहद खूबसूरत लग रही हैं।

भूमध्यसागरीय शैली का एक विला। उसके बाल खुले हुए थे, कभी-कभी ढीले ढंग से बंधे हुए थे।
सबसे ऊपर, उन्हें अक्सर ऊंची हील वाली सैंडल, प्रिंटेड गर्मियों की पोशाकों में दिखाया जाता है, और हमेशा
उसके चेहरे पर एक शरारती, मजेदार मुस्कान थी। ये विज्ञापन एक श्रृंखला में प्रकाशित हुए थे।
पत्रिकाओं में से—हार्पर बाज़ार, पेपर, नायलॉन, एले, मैरी क्लेयर, डब्ल्यूडब्ल्यूडी
कलेक्शंस, द हॉलीवुड रिपोर्टर और डब्ल्यूएसजे मैगज़ीन। डिज्नी फिल्म में संगीत और वॉइस-ओवर से कहीं ज़्यादा, ये विज्ञापन ही थे जिन्होंने माहौल तैयार किया।
अमेरिका में प्रियंका चोपड़ा के करियर की शुरुआत के लिए।
विज्ञापन अभियान शुरू होने से पहले, WWD पत्रिका ने पूछा
प्रियंका से पूछा गया कि क्या वह पश्चिमी बाजार में उतरने के लिए तैयार महसूस करती हैं, और उनका जवाब क्या था।
यह बिल्कुल वही था जिसकी तलाश एक पश्चिमी प्रकाशन और गेस टीम कर रही थी। उन्होंने कहा कि उनका बचपन आंशिक रूप से अमेरिका में बीता और उन्होंने खुद को एक
पूर्व और पश्चिम का ‘विलय’।
मैं न तो बहुत ज्यादा अमेरिकी हूं और न ही बहुत ज्यादा भारतीय, लेकिन मैं एक वैश्विक नागरिक हूं।
और आज ज्यादातर लोग ऐसे ही हैं,’ प्रियंका ने आगे कहा।185 ‘और मैं नहीं चाहती
मुझे खुद को बदलना पड़ता है ताकि मैं समाज में घुल-मिल सकूं या किसी खास दर्शक वर्ग को खुश कर सकूं।'
कैंपेन लॉन्च होने के बाद, प्रियंका को गेस स्टोर खोलने के लिए आमंत्रित किया गया।
लंदन में स्टोर। अंजुला ने कहा, 'मैंने गेस टीम को बताया था कि वहां बहुत भीड़ होगी।'
आचार्य कहते हैं, 'लेकिन उन्हें इस बात का अंदाजा नहीं था कि सभी रेडियो स्टेशन कितने बड़े थे।'

एक बॉलीवुड स्टार के वहां होने के कारण प्रसारण को रीजेंट स्ट्रीट से बचने के लिए कहा गया।
हजारों लोग वहां जमा हुए थे। प्रियंका ने कार्यक्रम बंद करवा दिया।
लंदन की एक गली।

2014 से प्रियंका ने दो और सिंगल रिलीज़ किए हैं। अप्रैल में, इसी साल।
उस वर्ष, उन्होंने और अधिक जोखिम उठाए और बोनी रैइट के 1991 के हिट गाने का कवर रिकॉर्ड किया।
गाना, आई कांट मेक यू लव मी। 'हम कार में थे जब जिमी (आयोविन)'
अंजुला ने प्रियंका को एस्टर डीन द्वारा रिकॉर्ड किया गया डेमो सुनने का सुझाव दिया।
कहते हैं, “और प्रियंका बेहद रोमांचित थीं। उन्होंने कहा, ‘मुझे यह गाना बहुत पसंद है और मैं’”
मुझे यह संस्करण बहुत पसंद है। लेकिन बाद में, प्रियंका को उस चुनौती का एहसास हुआ जिसका वह सामना कर रही थी।
इस गाने को एडेल से लेकर जॉर्ज तक कई प्रतिभाशाली गायकों ने गाया है। माइकल।
अंजुला आगे कहती हैं, “वह घबराई हुई थी। क्या पता उन्हें मेरी गायकी पसंद न आए या
मेरी गायकी। अगर मेरी आवाज ठीक से नहीं चली तो क्या होगा?” उसने पूछा।
लेकिन इलेक्ट्रॉनिक डांस बीट के साथ—हालांकि गाने में अभी भी बैलेड का अंश मौजूद है।
प्रियंका के कवर सॉन्ग ने धूम मचा दी। वीडियो में प्रियंका एक हैंडसम लड़के के साथ नजर आईं।
अमेरिकी टेलीविजन अभिनेता मिलो वेंटिमिलिया (हीरोज, गिलमोर गर्ल्स और अब) (यह हम हैं)। दिल टूटने के पलों, तकिया लड़ाई और कूदने के बीच
बिस्तर पर लेटे हुए, प्रियंका ने वेंटिमिलिया की पीठ पर मेहंदी भी लगाई और उनका नाम लिखा।

और उस पर होली के रंग फेंक रही थी। उसने होली के बारे में समझाने में समय बिताया।
एले पत्रिका के साथ साक्षात्कार। 'भारत में होली नाम का एक त्योहार है, यह एक...'
रंगों का त्योहार, और हम यही करते हैं। यह हास्यास्पद है। सब लोग नशे में धुत हैं।
दिन के उजाले में, हर कोई एक-दूसरे पर रंग फेंक रहा होता है, और स्विमिंग पूल गुलाबी या बैंगनी रंग के होते हैं... और मैं भारत का एक हिस्सा अपने पास रखना चाहती थी...
वीडियो में भारतीयता झलकती है, लेकिन स्पष्ट रूप से नहीं।
लेकिन गाना औसत दर्जे का सफल रहा। उम्मीद के मुताबिक, इसने काफी अच्छा प्रदर्शन किया।
भारत। और 2014 की गर्मियों की शुरुआत में, पीपल पत्रिका के अमेरिकी संस्करण में।
इसे सप्ताह के सर्वश्रेष्ठ एकल गीत के रूप में अनुशंसित किया गया।
अगस्त 2017 में, परियोजनाओं और यात्राओं के व्यस्त कार्यक्रम के बीच में...
अपनी जिम्मेदारियों के चलते, प्रियंका ने एक और सिंगल रिलीज़ किया, जो एक और EDM गाना है।
(इलेक्ट्रॉनिक डांस म्यूजिक) गाना—यंग एंड फ्री। ऑस्ट्रेलियाई निर्माता और डीजे
इस गाने के लिए विल स्पार्क्स ने प्रियंका के साथ सहयोग किया।
लॉस एंजिल्स टाइम्स ने कहा था कि प्रियंका का एल्बम रिलीज होगा
देसी हिट्स! यूनिवर्सल द्वारा - अंजुला आचार्य और जिमी के स्वामित्व वाला एक लेबल।
आयोविन—2013 की शुरुआत में। ऐसा अभी तक नहीं हुआ है। लेकिन यह स्पष्ट है कि जबकि
अन्य परियोजनाओं की तुलना में उनके संगीत करियर में उतनी तेजी नहीं आई है। उसने अमेरिका में जो पहल की है, वह उसे छोड़ने वाली नहीं है।
एल्बम की रिलीज़ के बारे में अंजुला कहती हैं, 'यह सब निर्भर करता है।'

संगीत उद्योग में आपको रिकॉर्ड पढ़ना पड़ता है। किसी के भी एल्बम रिलीज़ नहीं हुए हैं।
दो या तीन सिंगल के बिना। यह भी एक अच्छी बात है। भारत में उनका संगीत
यह गाना तुरंत सफल हो गया। गाना रिलीज़ होने के अगले ही दिन हम शीर्ष पर पहुंच गए।
चार्ट। लेकिन यहाँ जब आप एक नए कलाकार हैं—और यहाँ तक कि जब आप नए नहीं भी हैं—तो भी।
कलाकार बनने में बहुत समय लगता है। मुझे जॉन लेजेंड याद हैं।
सितंबर 2013 में उनका एक सिंगल रिलीज़ हुआ था, लेकिन वह मई में ही बहुत बड़ा हिट हुआ।
2014. लोगों को इसे सुनने और गाने के व्यापक प्रसार में थोड़ा समय लगता है।
दुनिया भर में लोकप्रियता हासिल करने के लिए।

8

क्वांटिको और प्रसिद्धि

हम

THE FBI'S TOP
RUIT IS NOW THEIR MOST WANTED
QUANTICO
SUNDAYS 10 CTV
FBI
ABCON
Outdoor
Church Of
St George
The Martyr

Photo: Aseem Chhabra

एक अभिनेता, जो दुनिया के एक हिस्से में एक सेलिब्रिटी है, दूसरे देश में— अमेरिका जैसे एक बड़े राष्ट्र में—कैसे प्रसिद्ध हो जाता है, जहाँ अधिकांश लोग अंतर्मुखी होते हैं और लोकप्रिय संस्कृति पर ज्यादा ध्यान नहीं देते?
दुनिया के बाकी हिस्सों में? मैंने यह सवाल अंजुला आचार्य से पूछा। उन्होंने बताया था
मुझे पता चला कि उनका लक्ष्य प्रियंका चोपड़ा को 'अमेरिका में एक जाना- पहचाना चेहरा' बनाना था। लेकिन
2014 में, उनके कुछ संगीत गीतों और बड़े-बड़े आकर्षक गेस जींस के बावजूद, चुनाव प्रचार के दौरान, प्रियंका अमेरिका में अभी भी घर-घर में जानी-मानी हस्ती नहीं थीं।
‘घर-घर में मशहूर होने के दो तरीके हैं—किसी घोटाले के जरिए या
'कड़ी मेहनत,' अंजुला ने मेरे सवाल के जवाब में कहा। और उसे यह बात पता होनी चाहिए।
क्योंकि उसने अमेरिकी लोकप्रिय संस्कृति को काफी करीब से देखा है। 'अगर उसके पास होता तो...'
अगर उसका एश्टन कुचर के साथ अफेयर होता (उदाहरण के लिए), तो वह मशहूर हो जाती।
कल। मुझे लगता है कि प्रियंका के मामले में यह कड़ी मेहनत है। हमारी रणनीति निर्माण करना है।
वह अमेरिका के दिल में एक-एक ईंट जोड़कर अपनी जगह बना रही है।
कुछ वर्षों बाद ये शब्द सच साबित हुए। प्रियंका ने शुरुआत कर दी थी।
2013-14 में अमेरिका में काफी समय बिताने के साथ-साथ उन्होंने अपनी पढ़ाई भी पूरी की।
बॉलीवुड की प्रतिबद्धताएं। गुंडे और मैरी कॉम 2014 में रिलीज़ हुईं।
बाजीराजो
मस्तानी और डीडीडी 2015 में रिलीज़ हुईं और उनकी आखिरी बॉलीवुड फिल्म जय थी।
2016 की शुरुआत में गंगाजल।
कैलिफोर्निया स्थित पत्रकार शीला मारिकर ने द के लिए प्रियंका का साक्षात्कार लिया।

जनवरी 2014 में लॉस एंजिल्स में न्यूयॉर्क टाइम्स में उनका लेख प्रकाशित हुआ था।
एक महीने बाद, शीला ने स्वीकार किया कि उसने प्रियंका के करियर पर नज़र नहीं रखी थी।
भारत। लेकिन उन्हें बॉलीवुड अभिनेत्री के बारे में कुछ अंदाजा था। यह प्रियंका का नजरिया था।
सिंगल्स और खासकर गेस की प्रवक्ता के रूप में उनके चेहरे ने शीला को प्रसिद्धि दिलाई।
इस कहानी को 187 द टाइम्स को प्रस्तुत करें।
मुझे यह बात अचानक याद आई कि मैंने पहली बार किसी भारतीय महिला को देखा था।
शीला कहती हैं, 'अमेरिका में इस तरह का एक्सपोजर मिलना मुश्किल है। लेकिन मुझे बस इतना पता था कि वह...'
वह अमेरिकी बाजार में एक मॉडल के रूप में, एक खूबसूरत चेहरे के रूप में ज्यादा पहचान बना रही थी।
एक अभिनेत्री के रूप में नहीं, बल्कि एक बार जब मैं उससे मिली तो मैंने उसकी महत्वाकांक्षाओं के बारे में बात करना शुरू कर दिया।
और वो हॉलीवुड में जो कुछ करने की कोशिश कर रही थी। मुझे एहसास हुआ कि यह बहुत कुछ था।
'सिर्फ एक अमेरिकी ब्रांड के लिए मॉडल होने से कहीं अधिक।'
प्रियंका और शीला ने फुटपाथ पर बाहर बैठकर दोपहर के भोजन के दौरान बातचीत की।
शानदार बेवर्ली विल्शायर होटल, ठीक उसी जगह पर स्थित है जहाँ रोडियो ड्राइव विल्शायर से मिलती है।
कैलिफोर्निया के बेवर्ली हिल्स में बुलेवार्ड। यह वही होटल है जहाँ लगभग तीस साल पहले लॉस एंजिल्स की एक वेश्या—विवियन वार्ड (जूलिया रॉबर्ट्स)— का दिल टूट गया।
फिल्म 'प्रीटी' में वह व्यवसायी एडवर्ड लुईस (रिचर्ड गेरे) के प्यार में पड़ जाती है।
वुमन, एक ऐसी फिल्म जिसे हर कोई पसंद करता है। 'लॉस एंजिल्स में उतना फुटवियर नहीं है।'

मारिकर कहती हैं, 'अन्य शहरों की तरह यहाँ भी यातायात नहीं था, लेकिन यह एक बहुत ही प्रमुख चौराहा है। यहाँ पर्यटक और बहुत सारे लोग घूम रहे थे। मैं और वह बैठ गए।
वह बाहर खड़ी थी, और एक भी व्यक्ति उसके पास नहीं आया। किसी ने उसे पहचाना नहीं। वह
उसने धूप का चश्मा पहन रखा था, लेकिन वह किसी भेस में नहीं थी।
वह खुद भी वहां मौजूद थी।
एक साल से भी कम समय में हालात तेजी से बदल गए जब प्रियंका का चेहरा सामने आया।
एबीसी टीवी शो क्वांटिको के लिए पूरे अमेरिका में पोस्टर लगाए गए थे। 'और वह था
शीला आगे कहती हैं, 'शायद यह उसके साथ होने वाला आखिरी मौका था। क्योंकि...' अब निश्चित रूप से अगर वह अमेरिका में कहीं भी खाना खा रही है तो ऐसे लोग होंगे जो
आओ, उसकी तस्वीरें खींचो और उससे ऑटोग्राफ लो। वह बहुत जानी-पहचानी हस्ती है।
अब सेलिब्रिटी बन चुके हैं।
एक-एक ईंट जोड़कर अमेरिकियों का दिल जीतने की अंजुला की भविष्यवाणी सच साबित हुई।
प्रियंका की उम्मीद से कहीं जल्दी सच हो गया। लेकिन मन ही मन वह पहले से ही एक
वह एक स्टार बन चुकी थी और अमेरिका को उसके बारे में पता चलने में बस कुछ ही समय बाकी था।
वह द टाइम्स की कहानी के लिए फोटो शूट के लिए एक बड़े बैग के साथ पहुंचीं। बारह लोगों का दल। 'जब हम किसी कमरे में प्रवेश करते हैं, तो ऐसा लगता है जैसे ओशन्स'
'बारह,' शीला ने लेख में प्रियंका के हवाले से कहा, जिसका जिक्र करते हुए उन्होंने कहा था कि...
अपने दल को ‘टीम पी.सी.’ के रूप में पेश किया। उनके प्रचारक ने पहले शीला से पूछा था कि क्या द टाइम्स

शायद, उन्होंने सोचा होगा कि द टाइम्स की तस्वीर प्रियंका को एक स्टाइलिस्ट मुहैया कराएगी।
यह शूट वोग या वैनिटी जैसी ग्लैमरस पत्रिकाओं के शूट के समान होगा।
ठीक है। तो शीला ने प्रचारक को सूचित किया कि टाइम्स के पास बजट नहीं है।
एक स्टाइलिस्ट के लिए। शूट के दौरान कलाकार अपनी इच्छानुसार दिख सकते थे।
फिर भी,
प्रियंका कपड़ों का पूरा रैक लेकर आई थी।
उसमें एक स्टार की, एक बेहद मशहूर हस्ती की अदा थी, भले ही
शीला याद करती हैं, 'वह तब तक अमेरिका में इतनी मशहूर नहीं थीं।' 'इसका कारण यह था कि...'
बॉलीवुड और भारत में उसने जो स्टारडम हासिल किया था, वह सब उसे पता था। उसके बाल बिल्कुल वैसे ही दिखने चाहिए जैसे दिखने चाहिए। उसने बताया कि उसे कब पता चला था।
अच्छी रोशनी देखी। वह इस व्यवसाय में इतने लंबे समय से है कि यह उसके लिए स्वाभाविक है।
उसे प्रकृति से प्यार है। उसे यह बताने के लिए किसी फोटोग्राफर की ज़रूरत नहीं है कि यही सही तरीका है।
खड़ी रहो। उसे बस पता है।'

लोग अपने जीवन और करियर की दिशा तय करने की कोशिश कर सकते हैं, लेकिन फिर भी कई बाधाएं हैं।
हमेशा अप्रत्याशित घटनाएं ही चीजों को आगे बढ़ाती हैं, शायद यहां तक कि एक ऐसी दिशा जहाँ जाने के बारे में शायद किसी ने सोचा भी न हो। प्रियंका चोपड़ा की फिल्म में।
जीवन में, वह संयोगवश घटित घटना 2012 में हुई जब एक डिनर पार्टी में, वह और अंजुला आचार्य ने डिज्नी के चैनल एबीसी की कास्टिंग एग्जीक्यूटिव केली ली से मुलाकात की।

यह पार्टी एनबीसी यूनिवर्सल के स्वामित्व वाले अमेरिकी टेलीविजन नेटवर्क के लिए आयोजित की गई थी। पार्टी की मेजबानी एनबीसी यूनिवर्सल के उपाध्यक्ष रॉन मेयर ने की थी। 'यह लगभग 10 लोगों का डिनर था, और हम प्रियंका ने यूएसए टुडे को अपनी पहली मुलाकात के बारे में बताया, 'उस रात हमारी बातचीत शुरू हुई।'
ली.188 के साथ
प्रियंका चोपड़ा ने अपने पहले प्रयास में अमेरिकी पॉप संस्कृति में छोटे- छोटे कदम रखे।
उन्होंने सिंगल्स में काम किया, लेकिन यह स्पष्ट नहीं है कि इसके बाद उनका लक्ष्य नेटवर्क टेलीविजन में करियर बनाना था या नहीं।
हालांकि, जब उनसे पूछा गया कि उन्होंने ऐसा करने पर विचार क्यों किया, तो उनके पास एक तैयार जवाब था।
टेलीविजन अमेरिका में उनका पहला अभिनय प्रोजेक्ट होगा। 'मैं जहां भी जाऊं, जाना चाहती हूं।'
काम मुझे प्रेरित करता है। मैं वैश्विक स्तर पर कहानियां सुनाना और लोगों का मनोरंजन करना चाहता हूं।
बॉलीवुड में सितारे रियलिटी टीवी शो की मेजबानी करते हैं या उनमें जज के रूप में नजर आते हैं।
प्रियंका खुद टीवी रियलिटी शो फियर फैक्टर: खतरों की होस्ट रह चुकी हैं। के खिलाड़ी। उन्होंने 2010 में तीसरे सीज़न की एंकरिंग की थी। लेकिन बहुत कम लोग ही दूसरे शो में जाते हैं।
टेलीविजन में तब काम करते हैं जब फिल्मों में उनका करियर शुरू हो चुका होता है। कुछ ऐसे भी हैं
exceptions—Amitabh Bachchan (Yudh), Anil Kapoor and Shabana Azmi (24, भारत)। तीनों ही मामलों में, सितारों ने मिनी-सीरीज़ में अभिनय किया। हॉलीवुड के बारे में भी यही कहा जा सकता है। हॉलीवुड का कोई बड़ा सितारा शायद ही कभी
फिल्मों को छोड़कर नियमित रूप से टेलीविजन से जुड़ जाना। टॉम क्रूज़ का फिल्मी करियर
उन्हें एक बड़ी मदद की सख्त जरूरत है, लेकिन वह निश्चित रूप से टेलीविजन को इसके विकल्प के रूप में नहीं देख रहे हैं।

अगला कदम। हालाँकि, कुछ हॉलीवुड सितारों ने ऐसा कदम उठाया जो ऐसा प्रतीत होता है कि...
धारावाहिकों में और ज्यादातर नेटवर्क टेलीविजन से बाहर टेलीविजन की ओर अस्थायी बदलाव।
उस समूह में केविन स्पेसी और रॉबिन राइट (हाउस ऑफ कार्ड्स) शामिल हैं। नेटफ्लिक्स), मैथ्यू मैककोनाघी, वुडी हैरेलसन, कॉलिन फेरेल और विंस वॉन (एचबीओ पर ट्रू डिटेक्टिव) और निकोल किडमैन की हालिया उपस्थिति और रीज़ विदरस्पून (एचबीओ पर बिग लिटिल लाइज़)।
लेकिन अमेरिका में प्रियंका के लिए एक नया अध्याय शुरू करने के लिए बिल्कुल खाली पन्ना था। उनका अभिनय करियर
हॉलीवुड में—चाहे टेलीविजन में हो या फिल्मों में—ऐसा होने वाला नहीं था
बॉलीवुड में उनकी स्टारडम के आधार पर यह तय होता है। उनसे यह सवाल पूछा गया है।
काफी बार हो चुका है—जब सब कुछ ठीक चल रहा है तो फिर से शुरुआत क्यों करें?
अच्छा? 'लेकिन एक समय ऐसा भी था जब भारत में लोग मुझे नहीं जानते थे।'
है ना?’ उसने 190 msn.com को बताया। ‘और मुझे लोगों से अपना परिचय देना पड़ा। ऐसा लगता है
'बिल्कुल वैसे ही।' जब उनसे और पूछा गया, तो उन्होंने आगे कहा, 'मैंने 13 साल काम किया है।'
दुनिया के सबसे समृद्ध फिल्म उद्योगों में से एक में कई साल बिताने के बाद, एक बिलकुल नए देश में आना, बिना किसी अपरिचित माहौल के... यह थोड़ा डरावना था।'
फिल्म समीक्षक अनुपमा चोपड़ा का कहना है कि प्रियंका द्वारा उठाए गए कदम दुर्लभ हैं।
किसी भी उद्योग के लिए। 'ये एक शीर्ष अभिनेता हैं, जिनमें साहस और महत्वाकांक्षा थी।'
किसी अन्य उद्योग में फिर से नवागंतुक बनने के लिए।
प्रियंका कभी यह स्वीकार नहीं करेंगी कि किस वजह से उन्होंने यह कदम उठाया। लेकिन फिल्म-

फिल्म निर्माता करण जौहर ने एक इंटरव्यू में मुझे बताया कि इस पहेली का संभावित हल क्या हो सकता है। 'इस इंडस्ट्री में बाकी सभी की तरह वह भी महत्वाकांक्षी हैं।'
और महान काम करने की इच्छा रखती है,’ करण प्रियंका का आकलन करते हुए कहते हैं।
भारत में करियर। 'लेकिन मुझे हमेशा लगता था कि प्रियंका के अंदर थोड़ा सा ऐसा भाव था जो...
वह इससे कहीं अधिक की हकदार थी और उसे उतना नहीं मिला जितना वह पा सकती थी।’ करण का सुझाव है।
ऐसा लग रहा था कि प्रियंका ने बॉलीवुड में अपने करियर के लगभग शिखर पर पहुंच चुकी हैं, लेकिन वह
वह और भी बहुत कुछ चाहती थी—ऐसे प्रोजेक्ट जो उसकी प्रतिभा को पहचान दें, लेकिन साथ ही उसे चुनौती भी दें।
उसकी।
उस डिनर पार्टी में मौजूद एबीसी की कार्यकारी अधिकारी केली ली के मन में कुछ था।
अंजुला के साथ समान। कोरिया में जन्मी ली दो साल की उम्र में अमेरिका आई थीं।
साल की। 'अमेरिका में पली-बढ़ी एक युवा कोरियाई लड़की के रूप में, मैंने इसके बारे में सीखा।
केली ने बताया, 'टेलीविजन कार्यक्रम देखकर अमेरिकी संस्कृति को समझना।' फोर्ब्स डॉट कॉम 192. 'उस समय टेलीविजन पर विविधता बहुत कम थी और टेलीविजन पर कोई भी ऐसा व्यक्ति नहीं था जो मेरे या मेरे परिवार जैसा दिखता हो।' यह एक मानक है।
यह कथन कई विदेशी मूल के अमेरिकी देते हैं।
मैंने बार-बार कहा कि यह एक घिसी-पिटी बात लगती है। लेकिन इसमें बहुत सच्चाई है। यह सच्चाई
केली और अंजुला जैसी एशियाई महिलाओं के लिए यह एक मार्गदर्शक शक्ति बन गई।
उन्होंने अपनी शुरुआत की।
उन्होंने दुनिया के अलग-अलग कोनों की यात्राएं कीं, लेकिन उनके लक्ष्य एक जैसे थे।

केली ने डिज़्नी/एबीसी में काम करना शुरू किया, धीरे-धीरे तरक्की की और फिर, 2001 में, उन्होंने
एबीसी डिस्कवर्स: टैलेंट शोकेस नामक एक कार्यक्रम शुरू किया गया, जो एक पहल है।
टेलीविजन पर प्रतिनिधित्व के लिए अश्वेत और अन्य नस्लों के लोगों को ढूंढना।
शो। उनकी टीम विभिन्न क्षेत्रों के हजारों संभावित अभिनेताओं का ऑडिशन लेती है।
विभिन्न जातीय समूहों के लोगों से उनका परिचय हुआ और इसी दौरान उन्होंने ऑस्कर विजेता जैसे लोगों को खोजा।
लुपिता न्योंगो (12 इयर्स ए स्लेव), गोल्डन ग्लोब विजेता जीना रोड्रिगेज (जेन द वर्जिन), जेसी विलियम्स (ग्रेज़ एनाटॉमी), रैंडल पार्क (फ्रेश ऑफ)
द बोट), चैडविक बोसमैन (मार्वल की ब्लैक पैंथर में मुख्य भूमिका), और कॉर्नेलिस स्मिथ जूनियर (स्कैंडल)। केली कुछ फिल्मों के पीछे भी दिमाग हैं।
टेलीविजन पर हाल ही में विविधता पर केंद्रित सबसे बड़ी कास्टिंग में से एक सैंड्रा ओह (ग्रेज़ एनाटॉमी) हैं।
एनाटॉमी), सोफिया वर्गेरा (मॉडर्न फैमिली) और केरी वाशिंगटन (स्कैंडल)। केली को 2012 का वह डिनर और वह दुर्लभ खोज याद है। 'यहां तक कि
हॉलीवुड में प्रियंका जैसी वैश्विक सुपरस्टार का आना रोज़-रोज़ नहीं होता।
उन्होंने फोर्ब्स डॉट कॉम को बताया, 'किसी कमरे में। और किसी ऐसे व्यक्ति से मिलना तो और भी दुर्लभ है जो...'
उनमें सुंदरता, बुद्धिमत्ता, प्रतिभा, स्नेह और संवेदनशीलता का संपूर्ण संयोजन है।
उदारता और परोपकार की भावना। मुझे पता था कि वह एबीसी के लिए ही बनी है।' प्रियंका के भारत में शूटिंग के दौरान केली और अंजुला लगातार संपर्क में रहीं।
उनकी फिल्मों के बारे में। बातचीत कुछ देर तक चली और आखिरकार, केली वहां के लिए रवाना हो गईं।

इंडिया विद अंजुला प्रियंका से आगे बात करने के लिए मौजूद थी। प्रियंका शूटिंग कर रही थीं।
उस समय गुंडे और केली ने फिर से उनके लिए संभावनाओं का खाका तैयार किया, जिसमें सैंड्रा ओह, सोफिया वर्गेरा और केरी वाशिंगटन के उदाहरण दिए गए। प्रियंका ने केली को कुछ बातें स्पष्ट कर दीं। ‘मुझे कुछ भी करने की ज़रूरत नहीं थी जब तक कि...’
वैनिटी फेयर में उनके हवाले से कहा गया है, 'यह सही फैसला था।'
तो मैंने उससे कहा, मैं यह तभी करूंगा जब तुम मेरे लिए एक शो और एक करियर का रास्ता खोजोगी।
जो सबसे पहले मुझे उसी स्थिति में डाल देगा जिसमें मैं भारत में हूं। दिसंबर 2014 में, प्रियंका की टीम ने घोषणा की कि उन्होंने एक दिवसीय अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं।
प्रियंका ने एबीसी के साथ एक साल का टीवी डेवलपमेंट डील किया है। प्रियंका ने एक आधिकारिक बयान जारी किया है।
इस बात पर जोर देते हुए कि वह हमेशा से एबीसी के शो की प्रशंसक रही हैं और नेटवर्क द्वारा अपने पात्रों के माध्यम से विविधता को प्रतिबिंबित करने के प्रयास, और वह कैसे
मुझे इस अवसर से सम्मानित महसूस हुआ कि मैं अपनी प्रतिभा को एक क्रांतिकारी संगठन के साथ साझा कर सकूं।
नेटवर्क'।
शीला मारिकर ने बाद में टिप्पणी की कि फरवरी 2014 में द में प्रकाशित उनका लेख
न्यूयॉर्क टाइम्स ने शायद एबीसी डील को शुरू किया हो। 'अंजुला ने मुझे जो बताया'
मेरे लेख के प्रकाशित होने के बाद, उसने उस लेख का इस्तेमाल सौदेबाजी के हथियार के रूप में किया।
'एबीसी और फॉक्स के बीच,' शीला कहती हैं। 'वे एक दूसरे से प्रतिस्पर्धा कर रहे थे।'
प्रियंका के साथ विकास समझौता हुआ और अचानक टाइम्स में स्टाइल सेक्शन खुल गया।

यह लेख इस बारे में है कि वह अमेरिका की अगली बड़ी "इट" गर्ल कैसे बनने वाली हैं। अंजुला ने इसे प्रस्तुत किया।
लेख में लिखा है, “अरे, न्यूयॉर्क टाइम्स यह कह रहा है। आपमें से कौन सा क्या वह उसके साथ विकास समझौता करना चाहता है?
एक साल के समझौते का मतलब था कि एबीसी या तो किसी प्रोजेक्ट को विकसित करेगा।
प्रियंका को या तो किसी मौजूदा प्रोजेक्ट में कास्ट किया जाए या फिर उन्हें किसी मौजूदा प्रोजेक्ट में शामिल किया जाए। प्रियंका को पच्चीस का ऑफर दिया गया था।
उन्हें पायलट शो की स्क्रिप्ट पढ़ने को मिलीं। उन्होंने चार स्क्रिप्ट चुनीं और कहा कि क्वांटिको उनकी सबसे पसंदीदा स्क्रिप्ट है।
पसंद। और बाद में, उन्होंने कहा कि यह एबीसी की भी पहली पसंद थी। क्वांटिको का निर्माण जोशुआ सैफरन ने किया था, जिनकी पिछली रचनाओं में शामिल हैं...
हिट शो गॉसिप गर्ल (सीडब्ल्यू नेटवर्क) और स्मैश (एनबीसी)। सितंबर 2014 में,
व्यापारिक प्रकाशनों ने घोषणा की कि सैफरान ने एबीसी के साथ एक समझौता किया है।
क्वांटिको शो। इस शो को होमलैंड और ग्रेज़ एनाटॉमी का मिश्रण बताया गया था।
एनाटॉमी। यह शो एफबीआई के विविध पृष्ठभूमि वाले रंगरूटों के एक समूह के इर्द-गिर्द घूमता है जो...
एफबीआई के विशेष एजेंट बनने के लिए इक्कीस सप्ताह के प्रशिक्षण के माध्यम से।
वर्जीनिया में स्थित एजेंसी की अकादमी, क्वांटिको। यह शो इस उद्देश्य से बनाया गया था कि...
दर्शकों को संभावित आतंकवादी के बारे में सुराग देकर उन्हें इसमें शामिल करें।
नए रंगरूट। 'शो को इस तरह से संरचित किया गया है कि घर बैठे दर्शकों को खेलने के लिए सामग्री मिल सके।'

जोशुआ ने 195 एंटरटेनमेंट वीकली को बताया, 'खुद एफबीआई एजेंट।' जोशुआ ने आंशिक रूप से कहा कि...
उसने अपने परिवार के एक सदस्य के बारे में अपनी धारणाओं का इस्तेमाल किया जो संभवतः सीआईए एजेंट रहा हो सकता है।
एजेंट। लेकिन शो की स्क्रिप्ट लिखते समय, एलेक्स पैरिश—वह भूमिका प्रियंका चोपड़ा जिस किरदार को निभा रही हैं, वह असल में एक श्वेत पुरुष का किरदार होना था।
जब मैंने नेशनल पब्लिक रेडियो (एनपीआर) के टीवी समीक्षक एरिक डेगन्स से कहा कि एलेक्स पैरिश के बारे में एक संभावना है, तो उन्होंने कहा, 'बिल्कुल।'
वह एक श्वेत व्यक्ति होता। एरिक फ्लोरिडा में अपने कार्यालय से मुझसे बात कर रहा है। उसका
लेखन अक्सर अमेरिकी मीडिया में नस्ल और विविधता पर केंद्रित होता है। 'हर अच्छी
वह आगे कहते हैं, 'इसका हिस्सा एक गोरे आदमी से शुरू होता है।'
और फिर वो दिन आ गया जब प्रियंका ने उस भूमिका के लिए ऑडिशन दिया।
जोशुआ सैफरान और निर्माता मार्क गॉर्डन की उपस्थिति। यह पहली बार है फैशन, ब्लफमास्टर! और दोस्ताना के स्टार एक ऑडिशन देने जा रहे थे।
वह एक डिजाइनर ड्रेस पहनकर और एक फैशनेबल बैग लेकर आई थी।
हैंडबैग। जोशुआ असमंजस में था—उसे समझ नहीं आ रहा था कि वह किस किरदार में ढलने वाली है।
पढ़ो। 'वह कमरे में दाखिल हुई, और ऐसा लगा जैसे उस कमरे में अणु हिल गए हों।' जोशुआ ने बाद में द न्यू के साथ एक साक्षात्कार में याद करते हुए कहा, 'जिस तरह से सुपरस्टार्स ने किया है।'
यॉर्क टाइम्स 196. 'मैं बहुत उलझन में था क्योंकि मुझे नहीं पता था कि वह कौन थी, लेकिन
हम सब सीधे होकर बैठ गए।
जोशुआ ने द रैप को बताया, 'वह प्रियंका की तरह पूरे आत्मविश्वास के साथ अंदर आई।'
मुझे लगा, "यह व्यक्ति किसी स्टार जैसा लगता है—आखिर किसी ने उसे अभी तक क्यों नहीं खोजा?"

उसे?”’197
बाद में, जब टाइम्स की रिपोर्टर कैथरीन शैटक ने सैफरान की कहानी सुनाई प्रियंका की प्रतिक्रिया पर हंसते हुए उन्होंने कहा, 'अरे वाह, मुझे तो ये बहुत अच्छा लगता है, जब ऐसा पहली ही मुलाकात में हो जाता है।'
उसने कहा, ‘मैं यह सुनिश्चित करती हूँ कि मेरी चाल एक शानदार प्रवेश द्वार हो। मेरी ऊँची एड़ी के जूते और मेरे बाल।’198
लेकिन अब तक प्रियंका हॉलीवुड में अपनी पहचान बनाने के लिए उत्सुक थीं और वह थीं
इस बेहद अमेरिका-केंद्रित दृष्टिकोण को नजरअंदाज करने के लिए तैयार—इस बार जोशुआ द्वारा प्रतिबिंबित
सैफरान का कहना है कि एक बड़ा वैश्विक सितारा तब तक सितारा नहीं कहलाता जब तक अमेरिका और हॉलीवुड में सफलता न मिल जाए।
उसे खोजता है। वैश्वीकृत दुनिया में, अभिनेताओं और अन्य प्रतिभाओं को
वे निश्चित रूप से काम के सिलसिले में कहीं भी जाते हैं, लेकिन हॉलीवुड की अज्ञानता
अमेरिका के बाहर के मनोरंजन उद्योग—एक बार फिर इसमें परिलक्षित होते हैं यह मानना कि क्वांटिको टीम ने प्रियंका चोपड़ा को 'खोजा' था, आश्चर्यजनक है।
कुछ महीनों बाद, क्वांटिको टीम ने शरबरी ज़ोहरा अहमद को काम पर रखा, जो एक कनेक्टिकट में रहने वाले बांग्लादेशी-अमेरिकी पटकथा लेखक को सांकेतिक दक्षिणी प्रतिनिधि के रूप में चुना गया है।
एशियन शो के पहले सीज़न की लेखन टीम का हिस्सा होंगी। शरबरी ने सह-लेखन किया।
एपिसोड नंबर 8 एक अन्य लेखक के साथ लिखा गया था और फिर एपिसोड 13 पूरी तरह से उन्होंने खुद लिखा।
खुद। सीज़न 2 के लिए, शो के निर्माताओं ने एक और भारतीय-अमेरिकी को काम पर रखा।
लेखिका मारिशा मुखर्जी। एक दिन, लेखकों के कमरे में, शरबरी से पूछा गया उनके सह-लेखकों द्वारा, जिनके समकक्ष प्रियंका हॉलीवुड में थीं। 'मुझे याद है

‘टेलर स्विफ्ट के बारे में सोचते हुए, सिर्फ प्रशंसा के संदर्भ में,’ वह याद करती हैं। ‘जब आप देखते हैं
प्रियंका के ट्विटर या इंस्टाग्राम फीड पर, उन पर बरसाई जाने वाली प्रशंसा को देखकर ही पता चलता है कि
भारत में प्रशंसकों के लिए यह कभी-कभी डरावना होता है।' और फिर उन्होंने यह भी कहा...
बियॉन्से का नाम। 'मैंने कहा कि वो भारत में बहुत मशहूर हैं।' उनके कुछ सहकर्मियों ने शाहरुख खान के बारे में सुना था, लेकिन उन्हें उनके बारे में कोई जानकारी नहीं थी।
लोकप्रियता। 'मैंने कहा, अगर आप तुलना चाहते हैं, तो वह टॉम का संयोजन है।' क्रूज़ और जॉर्ज क्लूनी और हैरिसन फोर्ड जब वह छोटे थे और
कैरी ग्रांट। और उन्होंने कहा वाह! तो हॉलीवुड को इस पर काम करना ही होगा। वे अभी शुरुआत ही कर रहे हैं।
जोशुआ की नज़र में एलेक्स पैरिश एक ऐसा चरित्र था जो त्रासदी से कठोर हो चुका था।
मैंने कभी कल्पना भी नहीं की थी कि एलेक्स इतना आकर्षक होगा। लेकिन प्रियंका से मिलने पर उसे यह एहसास हुआ।
कि एलेक्स में हास्यबोध और दयालु हृदय भी हो सकता है। 'जिन चीजों में से एक हम
चर्चा इस बात की थी कि, "क्या वह इतनी ग्लैमरस है कि वह यह साधारण भूमिका नहीं निभा सकती?"
“क्या कोई व्यक्ति?” निर्माता मार्क गॉर्डन ने 199 द टाइम्स को बताया। “हमें जल्दी ही पता चला कि क्या हम किसी व्यक्ति को ढूंढ रहे हैं?”
यह समझना महत्वपूर्ण है कि वह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक बहुत बड़ी स्टार हैं, लेकिन वास्तव में वह काफी
नियमित।'
फिर एलेक्स पैरिश की जातीयता का सवाल था। शो में, जैसा कि दिखाया गया है। अब प्रसारित हो रहा है कि एलेक्स एक भारतीय माँ और एक अमेरिकी का बच्चा है। मेरे पिता, जिन्होंने भारत के मुंबई में कुछ समय बिताया है। 'जब मुझे यह भूमिका मिली तो हम...'

हमने इस बात पर पूरी बहस की कि क्या हमें उसका नाम बदलना चाहिए, उसे और अधिक भारतीय बनाना चाहिए,
'उसकी अंजली या कुछ और,' प्रियंका ने कुछ महीने पहले एनपीआर के एरिक डेगन्स को बताया था।
सितंबर 2015 में शो लॉन्च होने के बाद, 'मैं बदलना नहीं चाहता था।'
मैं उस किरदार को निभाना चाहता था। मैं एलेक्स की तरह अभिनय करना चाहता था।'
‘एलेक्स का भारतीय होना कभी भी शो का मुख्य केंद्र बिंदु नहीं था,’ शरबरी ने कहा।
अहमद कहते हैं, शरबरी के लेखन टीम में शामिल होने के बाद, शो के निर्माताओं ने
मुझे एहसास हुआ कि वह भी मुस्लिम थी—जिसका अंदाजा उसके नाम से ही लग जाता है।
तुरंत ही। शरबरी का मुस्लिम होना उसके लिए एक अतिरिक्त लाभ बन गया।
वह मुस्लिम पात्रों के बारे में सूक्ष्म अंतरों को उजागर कर सकती थी।
दिखाओ।
उन्होंने कहा कि वह एफबीआई एजेंट है, वह भारतीय अमेरिकी है, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया।
अहमद कहते हैं, 'वे लगातार उसके भारतीय होने पर ध्यान केंद्रित करते हैं।
उन्होंने उसे वहाँ रखा है।'
और उन्होंने इस बारे में ज्यादा शोर-शराबा नहीं किया। यही सबसे समझदारी भरा कदम था।
जब आप सांस्कृतिक रूप से जिस चीज़ से निपट रहे हैं उसे नहीं समझते। मैंने कोशिश की थी और
निर्माताओं से बात करें कि वह भारत में, शेष दक्षिण एशिया में, इतनी लोकप्रिय हैं।
मध्य पूर्व, उत्तरी अफ्रीका, पूर्वी यूरोप। मैंने कहा कि हममें से बहुत से लोग बाहर हैं।
हम वहां मौजूद हैं और हमें अपने बॉलीवुड फिल्म स्टार्स बहुत पसंद हैं, इसलिए शायद ऐसा नहीं हुआ होगा।
उनकी भारतीयता और संस्कृति का जिक्र करना बेहद गलत है।

जो लोग एलेक्स के भारतीय होने के संकेत ढूंढ रहे थे, उनके लिए कुछ मामूली संदर्भ मौजूद थे।
शो की शुरुआत में ही, पायलट एपिसोड में, जब एलेक्स को पाया जाता है... न्यूयॉर्क शहर के ग्रैंड सेंट्रल स्टेशन के मलबे में, हमें ओम का प्रतीक दिखाई देता है।
उसके ब्रेसलेट पर। और एपिसोड 3 में, कैमरा कुछ देर के लिए एलेक्स के कमरे में घूमता है और हम नाचते हुए शिव की एक छोटी सी मूर्ति देख सकते हैं। लेकिन बस इतना ही।
'मेरा अमेरिकी पक्ष इस बात से खुश है कि उसे विदेशी के रूप में चित्रित नहीं किया गया,' शर्बरी कहती हैं।
लेकिन मेरे देसी, बंगाली पक्ष को लगता है कि हमें यहाँ एक अवसर मिला था और मुझे ऐसा महसूस होता है।
हम विविधता को बढ़ावा देने के लिए और भी बहुत कुछ कर सकते थे।'
यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि जबकि एबीसी जैसे नेटवर्क ऐसा प्रतीत होता था
विविधता के बारे में लगातार सोचते हुए प्रगतिशील होने के बावजूद, यह वास्तव में आगे बढ़ने में संकोच करता था।
लिफाफे में। असल में केबल टीवी और स्ट्रीमिंग सेवाएं ही शो लाती हैं।
जो नए दर्शकों से जुड़ते हैं। एचबीओ के 'द नाइट' के साथ ऐसा ही हुआ।
और नेटफ्लिक्स का मास्टर ऑफ नन (दोनों शो ने 2017 में एमी पुरस्कार जीते) और
हसन मिन्हाज का शो 'होमकमिंग किंग'। ये सभी शो स्ट्रीम किए गए थे।
2016-17 में, उसी समय एबीसी पर क्वांटिको प्रसारित हो रहा था।
यह फिल्म अपने नायक की जातीयता को एक महत्वपूर्ण हिस्से के रूप में शामिल करने में विफल रही।
कथानक, उन अन्य शो के साथ-साथ हिट इंडी हॉलीवुड फिल्म द बिग
सिक ने 2017 की गर्मियों से दक्षिण एशियाई लोगों के बारे में सच्ची कहानियाँ सुनाईं।
अमेरिका। इन शो के लेखकों को दक्षिण के बारे में कोई शर्म नहीं थी।
अमेरिका में एशियाई लोगों के अनुभव। इन शो में इन विषयों पर चर्चा करने से परहेज नहीं किया गया।

दरअसल, उन अप्रवासी जीवन के बारे में, वे गर्व से अपने अंतरों को प्रदर्शित करते थे।
उनके मुख्य पात्रों के साथ। और उन्होंने न केवल दक्षिण एशियाई लोगों के साथ, बल्कि सभी के साथ सही तालमेल बिठाया।
साथ ही आम जनता के बीच भी।
जैसा कि एनपीआर के एरिक डेगन्स कहते हैं, 'यदि आप एक ऐसा शो बनाते हैं जो वास्तव में
अगर यह किसी संस्कृति के बारे में है, तो यह उस संस्कृति से बाहर के लोगों को भी प्रभावित करेगा क्योंकि
इसकी प्रामाणिकता पर प्रतिक्रिया दें।’ वे एचबीओ के हिट शो का उदाहरण देते हुए आगे कहते हैं।
द सोप्रानोस शो ने इतालवी-अमेरिकी संस्कृति को प्रामाणिक रूप से प्रस्तुत किया।
न्यू जर्सी से। 'मैंने वह शो इसलिए देखा क्योंकि मैं उस तरह के किसी व्यक्ति को नहीं जानता।'
मुझे उस संस्कृति के बारे में जानने में बहुत आनंद आया।
हालांकि प्रियंका दिखने में दक्षिण एशियाई लग रही थीं, लेकिन क्वांटिको के निर्माताओं ने
उसे व्यापक उच्चारण प्रशिक्षण के माध्यम से प्रशिक्षित किया गया। उसने अमेरिकी उच्चारण सीखने का प्रयास किया।
भारत में अधिग्रहण को लेकर काफी बहस, उपहास और उपहास हुआ।
प्रियंका चोपड़ा को देखने के लिए महीनों की प्रतीक्षा के बावजूद—लगभग ऐसा ही लगा
किसी नेटवर्क टेलीविजन शो में दिखाई देने वाले पहले प्रमुख भारतीय अभिनेता—कई
भारतीय उसके असफल होने का इंतजार कर रहे थे और उन्हें उसकी असफलता उसके उच्चारण में ही मिल गई।
लोग कई कारणों से लहजा अपना लेते हैं। प्रियंका के मामले में, एक कारण यह है कि...
क्योंकि वह किशोरावस्था में अमेरिका में रह चुकी थी, इसलिए उसे गाना भी पड़ता था।

उनके गाने अमेरिकी गायकों की तरह लगते हैं। अब टेलीविजन पर उन्हें एक अहम भूमिका मिली है।
शो के लिए उन्हें एक अमेरिकी की तरह बोलना पड़ता था। लेकिन दुख की बात है कि उनके भारतीय आलोचकों ने
वे क्षमाशील नहीं थे।
प्रियंका ने स्पष्ट किया कि उच्चारण प्रशिक्षण उनके लिए कठिन था, विशेष रूप से अमेरिकियों की तरह 'आर' का उच्चारण करना। और जब भारत में आलोचना शुरू हुई
उसकी मुश्किलों को उसने मजाक में बदल दिया। अपनी लगभग सामान्य भारतीय भाषा में बोलते हुए।
थोड़ी-बहुत अमेरिकी शैली से सजी अंग्रेजी में उसने मजाक उड़ाया।
लेट नाइट विद सेथ मेयर्स शो में स्थिति के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, 'यह मेरा नकली लहजा है, मेरा भारतीय लहजा।'
यह उच्चारण नकली उच्चारण है।
भारत में कम से कम एक पत्रकार ऐसा था जिसने प्रियंका का बचाव किया।
एक टेलीविजन शो में अभिनय करते समय अमेरिकी लहजा अपनाने का निर्णय। अमेरिका। प्रियंका के बारे में बज़फीड इंडिया की संपादक रेगा झा ने यही कहा।
बचाव पक्ष का कहना है, 'यह नफरत इस अजीब धारणा से उपजी है कि चोपड़ा ने अपना काम किया।'
भारत के लिए, हमारे लिए, हॉलीवुड पहुंचने के लिए जी-जान से मेहनत करनी होगी। अब जब वह वहां पहुंच चुकी है, तो कैसे?
क्या वह उस संस्कृति में फिर से घुलमिल जाने की हिम्मत कर सकती है जिसने उसके किशोरावस्था को आकार दिया? उसकी हिम्मत कैसे हुई?
वह अपने काम के लिए खुद को ढालती है, बजाय इसके कि वह अपनी भारतीयता का ढोल पीटती रहे।
हर अवसर? यह विलासिता हमने ह्यूग लॉरी को तब खुशी-खुशी प्रदान की थी जब वह मैंने हाउस एमडी के लिए और रेनी ज़ेलवेगर के लिए अमेरिकी लहजा सीखा था।
अपनी टेक्सास वाली बोली छोड़कर एकदम ब्रिटिश ब्रिजेट जोन्स बन गईं।
कल्पना कीजिए अगर पूरे इंग्लैंड ने क्रिश्चियन बेल के अमेरिकी लहजे का विरोध किया होता।

द डार्क नाइट, या अगर ऑस्ट्रेलिया ने हीथ लेजर को फिल्म न बनाने के लिए अस्वीकार कर दिया होता
जोकर ज़्यादा ऑस्ट्रेलियाई है।
कई बार प्रियंका को पश्चिमी लोगों को समझाने की जरूरत महसूस हुई।
मीडिया ने उनसे पूछा कि एलेक्स पैरिश को अमेरिकी लहजे में बोलने की क्या जरूरत थी। लेकिन उन्होंने इसका स्पष्टीकरण दिया।
इसे अथक और पुराने तरीके से किया गया। 'मैं इस तरह की रूढ़िवादी छवि नहीं बनना चाहता था।'
वैश्विक पॉप संस्कृति में भारतीय लोगों को आमतौर पर जिस रूप में देखा जाता है, आप जानते हैं ना?
प्रियंका ने वैनिटी फेयर को बताया, 'हमें सिर्फ द अपू बनकर रहने की जरूरत नहीं है।'
सिम्पसन्स.’203
यह अच्छी बात है कि प्रियंका ने अपू की तरह न बोलने के अपने रुख पर कायम रहते हुए यह स्पष्ट किया।
नाहसापीमापेटिलोन, लेकिन ऐसा भी लगता है कि उसकी बस छूट गई थी। एंटी-अपू भारतीय अमेरिकी और अन्य लोगों के बीच ये भावनाएँ बहुत प्रचलित रही हैं। दक्षिण एशियाई अभिनेता काफी समय से। अधिकांश भारतीय अमेरिकी अभिनेता अमेरिकी टेलीविजन को अपू की तरह बोलने की ज़रूरत नहीं है। यहाँ तक कि एक नया भी है।
डॉक्यूमेंट्री, द प्रॉब्लम विद अपू (2017), जिसमें कई भारतीय अमेरिकी कलाकार हैं
अज़ीज़ अंसारी, काल पेन, हसन मिनाज, रसेल सहित अभिनेता और हास्य कलाकार। पीटर्स (वैसे, वह एक कनाडाई अमेरिकी हैं), हरि कोंडाबोलू और आसिफ मंडावी इस मुद्दे पर चर्चा हो रही है। इस डॉक्यूमेंट्री को व्यापक रूप से कवर किया गया है।
मुख्यधारा की अमेरिकी प्रेस। और इसकी सफलता ने ग्रीक-अमेरिकी अभिनेता को आगे बढ़ाया।
सिम्पसन्स में अपू की आवाज देने वाले हैंक अजारिया ने पहली बार यह बात स्वीकार की।

कि वह पद छोड़ने या इसके हस्तांतरण में मदद करने के लिए पूरी तरह से इच्छुक और प्रसन्न थे।
(अपु के किरदार को) कुछ नया रूप देना।'

2015 की गर्मियों के अंत में, मैंने एक घटना पर ध्यान देना शुरू किया— सबसे पहले
न्यूयॉर्क शहर के सबवे स्टेशनों पर, फिर बसों में और बस स्टैंडों पर। न्यूयॉर्क शहर भर में प्रियंका चोपड़ा की बड़ी-बड़ी तस्वीरें—हमारी ओर घूरती हुई, एक
उसके गुलाबी भरे होंठों पर एफबीआई का बैज लगा हुआ था। उस पर 'क्वांटिको' लिखा हुआ था।
प्रियंका के चेहरे पर बड़े-बड़े अक्षरों में लिखा हुआ था। दोस्तों ने उसे देखने का ज़िक्र करना शुरू कर दिया।
लॉस एंजिल्स, फ्लोरिडा, शिकागो, वाशिंगटन डीसी और अन्य जगहों पर भी ऐसे ही पोस्टर लगे हैं।
अमेरिका में कहीं और। मैंने टोरंटो शहर के बीचोंबीच एक बहुत बड़ा बिलबोर्ड देखा। एक दोस्त
उसने मुझे यह भी बताया कि उसने शंघाई में एक बस के पीछे वही विज्ञापन देखा था।
यह रोमांचक था, फिर भी यकीन करना मुश्किल था। प्रियंका चोपड़ा—देसी गर्ल दोस्तना का चेहरा पूरे न्यूयॉर्क शहर में छाया हुआ था। और न्यूयॉर्क में शायद ही कोई उसे जानता था।
मेरे जैसे देसी लोगों के अलावा, यॉर्क सिटी ने इसे सबसे पहले महसूस किया। उनके प्रशंसकों में से एक, जो ट्विटर हैंडल @majinnuub का इस्तेमाल करते हैं और
खुद को इंडो-कैरिबियन बताने वाले इस व्यक्ति ने 5 अगस्त 2015 को ट्वीट किया: 'मैं रहा हूँ'
क्वींस बुलेवार्ड पर हर बस में प्रियंका चोपड़ा को देख पा रही हूँ #क्वांटिको!!

और प्रियंका ने ट्वीट का जवाब देते हुए कहा, 'मैंने रॉबर्ट एफ. स्कूल में पढ़ाई की है।'
फ्लशिंग क्वींस में कैनेडी! क्या गजब का संयोग है!
एक दिन, न्यूयॉर्क की सीढ़ियों पर शो की शूटिंग के दौरान
फिफ्थ एवेन्यू के पब्लिक लाइब्रेरी में भीड़ जमा हो गई थी और लोग तस्वीरें ले रहे थे।
प्रियंका की तस्वीरें। एंटरटेनमेंट वीकली की रिपोर्टर शर्ली ली, जो शूटिंग कवर करने के लिए वहां मौजूद, मैंने दो महिलाओं के बीच यह बातचीत सुनी। 'कौन?'
'क्या यह वही है?' शर्ली ने पहली महिला को पूछते हुए सुना, जैसे ही वह बेहतर ढंग से देखने के लिए आगे बढ़ी।
वह स्टार। उसकी दोस्त ने चिल्लाकर जवाब दिया, 'यह सेलेना गोमेज़ है!' जिस पर शर्ली ने कहा
एक व्यक्ति ने टिप्पणी की, 'नहीं, बिलकुल भी नहीं। यह प्रियंका चोपड़ा हैं, जो भारत की सबसे लोकप्रिय अभिनेत्रियों में से एक हैं।'
लोकप्रिय हस्तियां (हालांकि अमेरिका में अभी भी अपेक्षाकृत अज्ञात) और मुख्य भूमिका निभाने वाले कलाकार
एबीसी के नए एक्शन थ्रिलर '204 क्वांटिको' पर।
अमेरिका में अपेक्षाकृत अनजान अभिनेत्री—फिर क्या हुआ? क्यों और कैसे? एबीसी ने इतना बड़ा जोखिम कैसे उठाया? आम तौर पर, मार्केटिंग की दुनिया में,
जब आप अपना पूरा विज्ञापन किसी के चेहरे पर आधारित कर देते हैं, तो यह एक एक जाना-पहचाना चेहरा। आमतौर पर यह टॉम हैंक्स, मैट डेमन जैसे बड़े सितारे होते हैं।
या जूलिया रॉबर्ट्स। यह एक ऐसा चेहरा होना चाहिए जिसे देखकर एक मिलीसेकंड के भीतर ही
उपभोक्ता जानता है कि वह कौन है। किसी के साथ ऐसा अक्सर देखने को नहीं मिलता।
जो उस विशेष देश में स्थापित नहीं है।
यह स्पष्ट था कि एबीसी प्रियंका की खूबसूरती को ही एकमात्र बिक्री कारक के रूप में इस्तेमाल कर रहा था।

क्वांटिको के लिए एक बिंदु यह था कि इसमें थ्रिलर से संबंधित होने का संकेत दिया गया था।
एफबीआई को। गीतेश पंड्या, बॉक्सऑफिसगुरु डॉट कॉम के संपादक, एक मीडिया सलाहकार।
भारतीय फिल्मों के एक जाने-माने जानकार और अमेरिका में भारतीय लोकप्रिय संस्कृति के एक प्रसिद्ध पर्यवेक्षक का कहना है, 'अगर आप अमेरिका में कहीं हैं और आप प्रियंका को नहीं जानते हैं, तो
चोपड़ा हैं, आप बिलबोर्ड देख सकते हैं जिस पर ज्यादातर सिर्फ उनका चेहरा ही दिखाई देता है।
और यही बात किसी का ध्यान आकर्षित करने के लिए काफी है। उपभोक्ता तब दूसरा कदम उठाएं, जो यह है, "मुझे पहला एपिसोड देखने दीजिए और पता लगाइए।" इसके बारे में और अधिक जानकारी प्राप्त करें।
जाहिर है, नेटवर्क और शो के निर्माताओं को उम्मीद थी कि विज्ञापन
इस अभियान से शो के लिए दर्शक जुटाए जा सकेंगे। और सच्चाई यह है कि
2015 की गर्मियों में, प्रियंका के ट्विटर पर लगभग 11 फॉलोअर्स थे। मिलियन (लगभग तीन साल बाद, 2018 के वसंत तक यह संख्या बढ़कर हो गई थी)
22 मिलियन)। उन्हें प्रियंका की शो को सफल बनाने की क्षमताओं पर इतना भरोसा था।
अगस्त 2015 में, वे उन्हें टेलीविजन क्रिटिक्स एसोसिएशन में लेकर आए थे।
क्वांटिको के दो निर्माताओं मार्क गॉर्डन और जोशुआ के साथ प्रेस टूर पर।
सैफरन। यह स्पष्ट होता जा रहा था कि प्रियंका ही इस ब्रांड का चेहरा बनने वाली थीं।
यह एक सामूहिक नाटक माना जा रहा था। और उन्होंने टेलीविजन पर अपनी अदाकारी से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।
पत्रकारों को यह कहानी सुनाकर कि केली ली उनसे कैसे मिलीं।
मुंबई। लेकिन उन्होंने आगे कहा कि वह पहले एक अभिनेत्री के रूप में पहचान बनाना चाहती थीं। 'मैं चाहती थी
मुझे अभिनेता होने के सम्मान के लिए चुना जाना चाहिए, न कि मेरी त्वचा के रंग के कारण।
हॉलीवुड रिपोर्टर 205 ने टीसीए इवेंट में प्रियंका के हवाले से कहा, 'स्कूल जा रही हूं।'

अमेरिका में मैंने कभी भी टीवी पर अपनी त्वचा के रंग का कोई व्यक्ति नहीं देखा।
कई भारतीय अमेरिकियों को बड़ी संख्या में इन इमारतों को देखकर अपार गर्व महसूस हुआ।
प्रियंका के पोस्टर हर जगह दिखाई दे रहे थे। शीला मारिकर लॉस एंजिल्स में रहती हैं और
अपने जैसी दिखने वाली किसी को देखकर उसकी वही आम प्रतिक्रिया थी।
शहर भर में लगे बिलबोर्ड। 'एबीसी ने जिस हद तक उसका साथ दिया और क्वांटिको के विज्ञापन और प्रचार में उन्होंने जो मेहनत की, मैं उसे बर्दाश्त नहीं कर सकता।
याद रखें कि यह किसी ऐसे अभिनेता या अभिनेत्री के लिए किया जा रहा है जो पहले अज्ञात थे।
वह कहती हैं, 'अमेरिका में। मेरे लिए, एक भारतीय-अमेरिकी महिला के रूप में, यह कुछ ऐसा था...'
अपनी संस्कृति और विरासत के किसी व्यक्ति को इस रूप में देखना बेहद सुखद है।
वह थोड़ी हल्की है। यह आश्चर्यजनक है, लेकिन दूसरी तरफ, वह एक खूबसूरत महिला है।
उनमें बहुजातीयता का गुण है, इसलिए इसमें बिल्कुल भी आश्चर्य की बात नहीं होनी चाहिए।
आज के दौर में, अमेरिका की जनसांख्यिकी को देखते हुए।
क्वांटिको को ज्यादातर सकारात्मक समीक्षाएं मिलीं और इसने सम्मानजनक 82 प्रतिशत रेटिंग हासिल की।
रोटन टोमैटोज़ पर इसे 100% ताज़ा रेटिंग मिली है। एक व्यंग्यात्मक समीक्षा में, द
हॉलीवुड रिपोर्टर के टिम गुडमैन ने लिखा, 'आपको इसे ज़रूर आज़माना चाहिए।' अगर आप कुछ हद तक बिना सोचे-समझे देखने लायक मनोरंजन में रुचि रखते हैं, तो क्वांटिको पर एक नज़र डालें।
एक बड़े रहस्य के इतने सारे सुराग हैं कि शायद आप सप्ताह दर सप्ताह मनोरंजन करते रहें।

सप्ताह।’206 उन्होंने प्रियंका के बारे में यह भी कहा, ‘क्वांटिको में बॉलीवुड की मुख्य अभिनेत्री हैं।
सुपरस्टार और पूर्व मिस वर्ल्ड प्रियंका चोपड़ा, जो अब अमेरिकी टेलीविजन पर उक्त दुनिया के अंतिम गढ़ को जीतने का प्रयास करेंगी।
द रैप के टिम ग्रियर्सन ने क्वांटिको के प्रति कम ही सकारात्मक रुख अपनाया। उनके लेख का शीर्षक था...
समीक्षा से शो के बारे में उनकी राय स्पष्ट हो गई—प्रियंका चोपड़ा ने अच्छा प्रदर्शन किया।
एक बेतुका जासूसी ड्रामा: एबीसी की यह सीरीज मजेदार और रोमांचक तो है, लेकिन इसमें बुद्धिमत्ता की कमी है।
कथानक में खामियां ढूंढते हुए ग्रियर्सन ने लिखा, 'अत्यधिक प्रशिक्षित लोगों के बारे में एक शो के लिए,
बेहद बुद्धिमान एजेंटों के बावजूद, क्वांटिको का पायलट अक्सर लंगड़ी-सीधी बातों का शिकार हो जाता है।
बेतुकी साजिश और इसकी विशेषज्ञता का कम विश्वसनीय चित्रण
परिवेश।’207 और अपने ब्लॉग पर, ग्रियर्सन ने क्वांटिको के प्रति अपनी निराशा व्यक्त की। ‘मैं
उन्होंने कहा, 'यह समझ लें कि क्वांटिको जैसे शो को बहुत गंभीरता से नहीं लेना चाहिए।'
उन्होंने लिखा, ‘बेहद नाटकीय और आकर्षक, खूबसूरत लोगों से भरपूर, यह एबीसी ड्रामा
इसका मकसद लोगों को अपनी आंखों को लुभाने वाला एक मनोरंजक दृश्य देना है। लेकिन क्या इसे इतना बेवकूफी भरा होना जरूरी है?
क्या उसी समय?’ फिर भी, शो तीसरे सीज़न तक चला, हालांकि
हमें मई 2018 में पता चला कि यह इसका आखिरी सीज़न होगा। और इसका
नए सीज़न की घोषणा के साथ प्रचार की शुरुआत केवल प्रियंका के साथ हुई। पोस्टर.208
न्यूयॉर्क टाइम्स के समीक्षक जेम्स पोनिवोज़िक ने प्रियंका की प्रशंसा की।
जिन्होंने लिखा, 'क्वांटिको में सबसे मजबूत मानवीय संपत्ति सुश्री चोपड़ा हैं, एक

बॉलीवुड की सुपरस्टार और पूर्व मिस वर्ल्ड, जो अपनी आकर्षक व्यक्तित्व से तुरंत प्रभावित कर देती हैं।
और अन्यथा सामान्य कलाकारों के बीच प्रभावशाली। अगर कोई समस्या है
उनकी कास्टिंग को लेकर समस्या यह है कि वह कुछ ज्यादा ही अनुभवी और आत्मविश्वासी लग सकती हैं।
एक अनुभवहीन, नौसिखिया रंगरूट के रूप में भी प्रभावी ढंग से अपनी बात मनवाएं।
टाइम्स के जेम्स पोनिवोज़िक की बात में दम था। कलाकारों पर एक नज़र डालते हैं।
क्वांटिको की रिपोर्ट से पता चलता है कि प्रियंका के अधिकांश सह-कलाकारों ने इंडी फिल्मों में काम किया था।
फिल्मों या अन्य टेलीविजन शो में काम नहीं किया था। लेकिन समूह की किसी भी महिला ने ऐसा नहीं किया था।
उन्हें मिस वर्ल्ड का ताज पहनाया गया। और उस प्रतियोगिता में प्रियंका जितनी मशहूर कोई नहीं थी।
बॉलीवुड में उनकी हैसियत को देखते हुए, जाहिर है कि प्रियंका उनसे कहीं ज्यादा अनुभवी थीं।
अभिनेत्री की तुलना में। शरबरी अहमद यह भी कहती हैं कि इसके बावजूद दिखने में भले ही ऐसा लगे, लेकिन क्वांटिको को कभी भी एक सामूहिक शो नहीं माना गया था।
अहमद कहते हैं, 'वह नेता बनने वाला था। यह एलेक्स पैरिश के बारे में था और आस-पास के सभी लोग।
एक सोच यह भी है कि शायद प्रियंका की छवि को बढ़ावा देकर एबीसी ने ऐसा किया।
साथ ही, दक्षिण एशियाई लोगों सहित एक व्यापक दर्शक वर्ग तक पहुंचने का प्रयास करना—विशेष रूप से
धनी लोग और मध्य पूर्व तथा अन्य देशों से आए अन्य आप्रवासी
जहां बॉलीवुड फिल्में लोकप्रिय होती हैं। यह सोच तर्कसंगत लगती है। क्योंकि नेटवर्क टेलीविजन की रेटिंग लगातार गिर रही है। उन्हें नुकसान हो रहा है।

केबल, नेटफ्लिक्स जैसी स्ट्रीमिंग सेवाओं और मनोरंजन के अन्य रूपों तक पहुंच।
अब अमेरिकियों के लिए उपलब्ध है।
मेरा अनुमान है कि जब क्वांटिको प्रसारित हुआ, तो जिन लोगों ने उनके काम का आनंद लिया,
बॉलीवुड ने यह शो देखा, क्योंकि उन्हें लगता है कि इसमें शायद ही कोई भारतीय दर्शक हैं।
एनपीआर के एरिक डेगन्स कहते हैं, 'अमेरिकी टेलीविजन पर संस्कृति। लेकिन जब वे
देखिए, वह एक काफी मानक एक्शन हीरोइन का किरदार है और उनमें से बहुत सी
शो देखने के इच्छुक दर्शकों की संख्या में गिरावट आ रही है क्योंकि यह वास्तव में
उनसे बात करते हुए।
क्वांटिको की रेटिंग दूसरे सीज़न में गिर गई।
ऐसी अटकलें थीं कि शो तीसरे सीजन में वापस नहीं आएगा। प्रियंका
मैंने 2017 के वसंत और गर्मियों में मुंबई की कई यात्राएँ कीं।
एक या एक से अधिक बॉलीवुड फिल्मों में काम करने की उम्मीद। खबरों के मुताबिक, वह इनके करीब थीं।
संजय लीला भंसाली के अगले प्रोडक्शन 'गुस्ताखियां' में उनके साथ काम कर रहा हूं,
साहिर लुधियानवी पर बन रही बायोपिक। एक रिपोर्ट के अनुसार, प्रियंका ने फिल्म में काम न करने का फैसला किया।
जब उन्हें पता चला कि अभिषेक बच्चन गुस्ताखियां प्रोजेक्ट में हैं, तब उन्होंने इस प्रोजेक्ट के बारे में बात करना शुरू किया।
लुधियानवी की भूमिका निभाने के लिए भंसाली की यही पहली पसंद थी। (डेक्कन हेराल्ड की रिपोर्ट)
एक सूत्र के हवाले से बताया गया है, ‘अभिष ने सालों तक उनके साथ काम करने से इनकार किया था।’
प्रियंका ने अपने दोस्त रोहन सिप्पी की फिल्म में ऐश्वर्या राय की जगह ली थी।

ब्लफमास्टर! 210 अब प्रियंका को अभिषेक के साथ काम करने में असहजता महसूस हो रही थी।
अंततः, प्रियंका की उन यात्राओं से कुछ भी हासिल नहीं हुआ।
मुंबई। और फिर यह घोषणा की गई कि क्वांटिको का तीसरा सीज़न आ रहा है।
हालांकि इसमें सामान्य से कम तेरह एपिसोड होंगे।
पहले और दूसरे सीज़न में बाईस एपिसोड।
'क्वांटिको शुरू में इसलिए हिट हुआ क्योंकि बहुत से लोग इसके बारे में जानने के लिए उत्सुक थे।'
उसके लिए, लेकिन मुझे लगता है कि उसके (प्रियंका) लिए जो शो बनाया गया था वह इतना औसत दर्जे का था कि
एरिक डेगन्स कहते हैं, 'ध्यान बनाए रखना संभव नहीं था। और यह उतना रोमांचक भी नहीं था।'
जैसा कि उन्होंने सुझाव दिया था, शो में बदलाव किया जा सकता है। मुझे लगता है कि इसका कारण यह था कि
उन्होंने उसके लिए एक वाहन बनाया जो उसी प्रकार का वाहन था जैसा वे बनाते थे।
सफेद स्टार के लिए। मुझे लगता है कि यह एक गलती थी।'
एबीसी द्वारा क्वांटिको को तीसरे सीज़न में शामिल करने का निर्णय किसी भी तरह से असर डाल सकता है।
उनके अनुसार, इसके कई कारण हैं। 'एबीसी प्रियंका के साथ जुड़ना चाहता है।' चोपड़ा का व्यवसाय है और वे शायद अन्य लोगों को इसमें शामिल होने से रोकना चाहते हैं।
एरिक आगे कहते हैं, 'प्रियंका चोपड़ा का बिजनेस। यह जानना मुश्किल है कि एबीसी क्या है।'
सोच रहा हूँ। ऐसा नहीं है कि शो असफल रहा। नेटवर्क टीवी अब उस स्थिति में है जहाँ वह आगे नहीं बढ़ सकता।
बस उस शो को छोड़ दो जो दर्शकों को आकर्षित करता है। लेकिन मुझे लगता है कि अंततः यह
यह उतना बड़ा शो नहीं था जितना कि इस सौदे को अंजाम देने वाले लोग उम्मीद कर रहे थे।
होगा।'

क्वांटिको के साथ प्रियंका की लोकप्रियता में जबरदस्त उछाल आया और 2016 में उन्होंने पुरस्कार जीता।
नई सीरीज़ में सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के लिए पीपुल्स चॉइस अवार्ड।
कलात्मक क्षमताओं को मान्यता देने के मामले में यह पुरस्कार समारोह सबसे निचले पायदान पर है, जिसमें वोटों की संख्या सबसे कम है।
यह जानकारी ऑनलाइन मतदान या शोध कंपनियों द्वारा आयोजित सर्वेक्षणों के माध्यम से एकत्र की गई है।
उसी वर्ष, डकोटा जॉनसन ने पसंदीदा नाटकीय कलाकार का पुरस्कार जीता। फिल्म अभिनेत्री को उनकी उस भूमिका के लिए जाना जाता है जो समीक्षकों द्वारा बुरी तरह से आलोचना की गई फिल्म फिफ्टी शेड्स ऑफ ग्रे में थी। (2015)। और उस वर्ष की सर्वश्रेष्ठ फिल्म फ्यूरियस 7 (2015) थी, जिसके अनुसार
मौजूदा अनुमानों के अनुसार, यह अब तक की छठी सबसे अधिक कमाई करने वाली फिल्म है। इनमें से कोई भी
ये फिल्में गोल्डन ग्लोब या ऑस्कर जीतने के करीब पहुंच सकती हैं।
जॉन स्टैमोस के साथ मंच पर प्रियंका ने अपना पहला पुरस्कार स्वीकार किया। अमेरिका में भाषण। ‘मैं उन सभी को धन्यवाद देना चाहता हूं जिन्होंने क्वांटिको के लिए वोट दिया। मेरा
अमेरिका में पहला साल और दूसरे देश में आकर वास्तव में यह सब हासिल करना। मुझे लगता है कि इसी तरह की स्वीकृति ही अमेरिका की पहचान है। तो आप सभी का धन्यवाद।
मुझे स्वीकार करने के लिए।’ और जिन लोगों को उन्होंने धन्यवाद दिया उनमें उनकी माँ और उनकी
प्रबंधक—अंजुला आचार्य।
अगले साल प्रियंका पीपल्स चॉइस अवार्ड्स में वापस आईं, जहां
उन्हें पसंदीदा टीवी ड्रामा अभिनेत्री श्रेणी में पुरस्कार मिला।
उस समय, उन्होंने सभी अन्य अभिनेत्रियों को बधाई देते हुए मानक भाषण दिया। उन्हें उनकी श्रेणी में नामांकित किया गया। 'ये सभी अविश्वसनीय अभिनेत्रियाँ ही इसका कारण थीं।'
उन्होंने एक हाथ में अपनी कांच की ट्रॉफी पकड़े हुए कहा, 'कि मैंने टेलीविजन में काम करना शुरू किया।'

यही वो कारण था जिसकी वजह से मैं वो अभिनेता बनना चाहता था जो मैं आज यहाँ यह पुरस्कार प्राप्त कर रहा हूँ।
पुरस्कार। और उनके साथ एक ही श्रेणी में होना मेरे लिए बहुत ही सम्मान की बात है।
आप सभी का धन्यवाद जिन्होंने मुझे स्वीकार किया और मेरे शो को पसंद किया। शो के निर्माता और अन्य निर्माताओं को धन्यवाद देने के बाद, उन्होंने एक पोस्ट साझा की।
दर्शकों के साथ प्रियंका का एक नियमित पल। 'मैं थोड़ी उत्साहित हूँ। क्या मैं...'
'थोड़ा सा थिरकना?' उसने अपनी कमर हिलाते हुए पूछा और दर्शक तालियां बजाने लगे।
'माफ़ कीजिए, ये सिर में लगी चोट का असर है।'
यह शो 18 जनवरी 2017 को आयोजित किया गया था। इससे एक सप्ताह पहले, प्रियंका
शो के लिए एक एक्शन सीन की शूटिंग के दौरान, रबर के जूते पहने हुए, जब वह गीले फर्श पर फिसल गया और मामूली चोट लग गई। 'दरअसल, यह...'
'डरावना,' उन्होंने 211 यूएसए टुडे को बताया। 'शूटिंग के दौरान मुझे पहले कभी चोट नहीं लगी।'
स्टंट मैं हमेशा खुद ही करता हूं। यह तो बस एक बार की बात है।'
हालांकि उन्हें कुछ हफ्तों तक आराम करने की सलाह दी गई थी, फिर भी प्रियंका ने अपना उत्साह दिखाया।
पुरस्कार समारोह में। अमेरिकी लोकप्रिय संगीत की दुनिया में एक नवागंतुक के लिए।
संस्कृति के लिहाज से, उनके लिए प्रशंसकों द्वारा देखा जाना और उनका उत्साहवर्धन करना महत्वपूर्ण था। और फिर
बेशक, पसंदीदा टीवी ड्रामा अभिनेत्री का पुरस्कार जीतना एक आश्चर्यजनक बात थी।
पुरस्कार।
प्रियंका हमेशा से अपने प्रशंसकों से जुड़े रहने के लिए जानी जाती हैं।

क्वांटिको की शूटिंग के दौरान, वह हमेशा अपने प्रशंसकों के लिए समय निकालती थीं - जिनमें अक्सर दक्षिण एशियाई प्रशंसक होते थे, और पुरुषों की तुलना में महिलाएं अधिक होती थीं।
‘बॉलीवुड के प्रशंसक दीवाने हैं,’ शरबरी अहमद कहती हैं। ‘जैसे बियॉन्से के पास है
बेहाईव, ये प्रियंकाहाईव हैं। वह जितना समय निकाल सकती हैं, निकालेंगी। वह इन लोगों से बात करना चाहती थी, उन्हें थोड़ा समय देना चाहती थी। वह शायद ही कभी मना करती है।
वह ऑटोग्राफ देती है या सेल्फी लेने से मना कर देती है। वह सचमुच ऑटोग्राफ पसंद करती है और सेल्फी लेने से मना कर देती है।
वे लोग यह शिकायत करते फिरते हैं कि प्रशंसकों से निपटना कितना थका देने वाला है। मुझे भी ऐसा ही लगा।
मनमोहक। वह नखरे वाली नहीं थी और मुझे लगा था कि वह होगी।'
एंटरटेनमेंट वीकली की शर्ली ली क्वांटिको की शूटिंग में पहुंचीं। मैनहट्टन के फिफ्थ एवेन्यू में, उसने प्रियंका को अपने कई दोस्तों के साथ घुलते-मिलते देखा।
प्रशंसकों के साथ सेल्फी लेने की इच्छा जताते हुए, शर्ली ने प्रियंका को यह कहते हुए सुना, 'मैं...'
वापस आ जाना, ठीक है? अगर मैंने तुम्हारे साथ ऐसा किया तो मैं मुसीबत में पड़ जाऊंगा।
फिर प्रियंका के छोटे-छोटे इशारे थे जिन्होंने शरबरी को छू लिया। उन्होंने ट्वीट करके बताया कि क्वांटिको के पहले सीज़न का एपिसोड 13 उनका पसंदीदा था।
और उन्होंने ट्वीट में एपिसोड की लेखिका शरबरी को टैग किया। दिवाली की शुभकामनाएँ।
2015 में एक दिन, जब शरबरी ब्रुकलिन के एक कमरे में अपनी सहकर्मी के साथ बैठी थीं...
लेखकों के लिए भारतीय मिठाई का एक डिब्बा पहुँचा। यह प्रियंका की ओर से लेखकों को उपहार था।
जो लंबे दिन और कभी-कभी देर शाम तक काम करते रहते थे,
एलेक्स पैरिश के बारे में शो बनाना।

सब लोग हैरान थे, “ये क्या है? क्या ये सचमुच चांदी है? क्या इसे खाया जा सकता है?”
"चांदी?"' शरबरी हंसते हुए कहती हैं। 'और मैंने कहा, "हां, आप कर सकते हैं।" यह बहुत अच्छा था कि
उसने बिना कोई स्पष्टीकरण दिए भारतीय मिठाई भेज दी।

9

‘अधूरा ’: लाइफ पोस्ट

क्वांटिको

सौजन्य : गेस इंक ./ फोटो : ब्रायन एडम्स

क्वांटिको शो ने भले ही कोई क्रांतिकारी बदलाव न लाया हो, लेकिन इसने प्रियंका चोपड़ा के लिए गेम चेंजर साबित हुआ। हर हफ्ते लाखों अमेरिकी इस शो को देखने के लिए उत्सुक रहते थे। आज प्रियंका एक बेहद सफल अभिनेत्री हैं।
एक जानी-मानी हस्ती, जब वह सड़कों पर निकलती है तो पैपराज़ी उसका पीछा करते हैं।
न्यूयॉर्क शहर में अपनी कुतिया डायना के साथ, जिसे उन्होंने कुछ साल पहले गोद लिया था।
नवंबर 2016 में, प्रियंका ने ऑन-साइट इंटरव्यू के लिए बज़फीड कार्यालय का दौरा किया।
कैमरा इंटरव्यू। वेबसाइट ने उसके खेलने के लिए चार पिल्ले भेजे।
उसने सवालों के जवाब दिए। चंचल छोटे कुत्ते प्रियंका के आसपास उछल-कूद कर रहे थे।
काली चमड़े की पैंट और जूते। इंटरव्यू के दौरान उन्होंने बताया कि कैसे वह मुंबई में अपने कॉकर स्पैनियल ब्रैंडो को बहुत याद करती थी, इसलिए जब इंटरव्यू खत्म होने के बाद, उसने एक पिल्ला घर ले जाने का फैसला किया। और अब प्रेस और
प्रियंका के फैंस डायना नाम की पप्पी को बहुत पसंद करते हैं, जिसके पास एक खास तरह का...
इंस्टाग्राम अकाउंट — @diariesofdiana — जिसके 62,500 से अधिक फॉलोअर्स हैं।
जब से क्वांटिको एबीसी पर प्रसारित होता था, नेटवर्क यह सुनिश्चित करता था कि स्टार को
अधिकतम दृश्यता। 'जब आप किसी प्रसारण नेटवर्क से जुड़ते हैं, जैसे कि एबीसी प्रचार और प्रबंधन के मामले में बहुत महत्व देता था।
'मदद करो,' पत्रकार शीला मारिकर कहती हैं, जिन्होंने एबीसी न्यूज के लिए सात साल तक काम किया।
वर्षों। 'मुझे लगता है कि एक बार जब आप किसी नेटवर्क के साथ विकास समझौता कर लेते हैं, तो वे चाहते हैं कि
वे आपको स्टार बना देंगे, क्योंकि वे अपने पैसे का पूरा मूल्य चाहते हैं, और वे चाहते हैं

लोग उनके शो देखें, ताकि लोग अपनी शारीरिक क्षमता का उपयोग कर सकें और यह सुनिश्चित कर सकें
वे आपको देखते हैं और आपके प्रोजेक्ट के बारे में सुनते हैं।
इसलिए प्रियंका का कुछ लोकप्रिय कार्यक्रमों में दिखाई देना स्वाभाविक था।
एबीसी के शो 'लाइव विद केली एंड रयान' में उन्होंने कुछ एपिसोड किए।
अप्रैल 2017 में भी उन्होंने शो की सह-मेजबानी की थी।
केली रिपा; द व्यू, जहां वह अतिथि और सह-मेजबान भी रह चुकी हैं; गुड मॉर्निंग अमेरिका; और लेट नाइट शो जिमी किमेल लाइव। उन्होंने यह भी किया।
एनबीसी पर एलेन डीजेनेरेस के डे टाइम टॉक शो में टकीला शॉट्स। और उन्होंने वह द लेट शो विद स्टीफन सहित अन्य लेट-नाइट शो में भी दिखाई दे चुके हैं। कोलबर्ट (सीबीएस) के एक शो में, उन्होंने 'डांस' शब्द से कोलबर्ट को मंत्रमुग्ध कर दिया।
उन्होंने इसे अपने ब्रिटिश-भारतीय लहजे में उच्चारित किया; द टुनाइट शो स्टारिंग जिमी
फैलन (एनबीसी) शो में, जहां उन्होंने फैलन के साथ होली खेली; और लेट नाइट विद सेथ शो में भी उन्होंने भाग लिया।
मेयर्स (एनबीसी) के शो में भी वह नज़र आईं। वह फॉलन के शो के एक और एपिसोड में भी दिखाई दीं।
जहां दोनों के बीच हॉट विंग्स खाने की प्रतियोगिता हुई। ऐसे कई अन्य मामले भी सामने आए हैं।
प्रियंका अपनी उपस्थिति से अमेरिकियों का दिल जीतना जारी रखे हुए हैं।
उनका व्यंग्यात्मक हास्यबोध और अमेरिकी संस्कृति के सभी पहलुओं के प्रति उनका अनुकूलन।
लोकप्रिय संस्कृति और जीवनशैली।
कई होस्ट प्रियंका से जो पहली टिप्पणी करते थे, वह यह होती थी कि 'आपकी खुशबू बहुत अच्छी है'। यह आश्चर्यजनक है कि प्रियंका के बारे में बातचीत किस तरह आगे बढ़ती है...
रहस्यमय इत्र का जिक्र अक्सर होता है। लाइव विद केली एंड माइकल शो में। प्रियंका ने मजाक में कहा, 'मैं बस ऐसे ही उठती हूं।' जब वह द आर्सेनियो शो में आईं तो उन्होंने यह बात कही।

अक्टूबर 2013 में हॉल शो में (लगभग उसी समय जब वह गेस के विज्ञापनों में दिखाई दी थीं),
उसने पूछा, 'तुम्हारी खुशबू अच्छी है, तुमने क्या लगाया है?' और उसने जवाब दिया, 'अच्छा...'
फिलहाल, ओजे ने मुझे जो तेल दिया है, उसी के लिए धन्यवाद। (हॉल के एक साथी का जिक्र करते हुए)
चालक दल का सदस्य).’213
जनवरी 2017 की शुरुआत में जिमी किमेल लाइव शो में भी ऐसा ही हुआ। प्रियंका अतिथि कुर्सी पर बैठ गईं और किमेल ने सबसे पहले यही कहा... ‘तुम्हारी खुशबू बहुत अच्छी है। तुम्हारी खुशबू... तुम्हारी खुशबू तुम्हारे रूप जैसी है। तुम्हारी खुशबू बस...
आप जितनी खूबसूरत दिख रही हैं, वह बहुत अच्छी बात है।’ प्रियंका इस बात से बेहद खुश थीं।
तारीफ। 'मुझे यह बहुत अच्छा लगा,' उसने कहा। 'मुझे नहीं पता ऐसा क्यों होता है, लेकिन ज्यादातर
अमेरिका में मैंने जितने भी साक्षात्कार दिए हैं, उनकी शुरुआत इसी वाक्य से होती है।’214 किमेल ने दोहराया
वह खुद को उस किशोर की तरह महसूस कर रहा था जिसे उस महिला पर क्रश हो गया था जिससे वह मिलने वाला था।
साक्षात्कार में, 'शायद इसलिए क्योंकि आपकी खुशबू बहुत अच्छी है। क्योंकि मैं ऐसा नहीं कहता।'
यहां आने वाले सभी लोगों के लिए।’ ‘मुझे बहुत खुशी है,’ प्रियंका ने मुस्कुराते हुए कहा।
मुझे बेहद खास महसूस हो रहा है। मैंने काफी मेहनत की है।
प्रियंका टॉक शो में एक दिलचस्प खेल खेलती नजर आती हैं।
उसमें एक ए-लिस्ट स्टार जैसी अदाएं हैं, जो उसने वर्षों के अनुभव से सीखी हैं।
बॉलीवुड में एक सेलिब्रिटी होने के बावजूद, वह बहुत ही सहज और मिलनसार हैं। उन्हें यह पसंद है कि...
किसी मजाक का हिस्सा बन जाना, जैसे कोई दोस्त जिसे आप जानते हों, कोई ऐसा व्यक्ति जिसे आप पसंद करते हों

किसी पार्टी में उनके साथ समय बिताना - इसलिए नहीं कि वह प्रियंका चोपड़ा हैं, बल्कि इसलिए कि
वह आपकी सबसे अच्छी दोस्त जैसी है। और इस सब के दौरान उसका आकर्षण और उसकी स्टारडम
व्यक्तित्व का भी प्रदर्शन किया जा रहा है।
इस प्रसिद्धि का मतलब यह है कि प्रियंका चोपड़ा अक्सर 'अनिवार्य रूप से आमंत्रित की जाने वाली' मेहमान होती हैं।
समारोहों में मशहूर हस्ती—(मेट गाला में उनकी राल्फ लॉरेन की लंबी ट्रेंच कोट जैसी ड्रेस)
2017 में बॉल के बारे में चर्चा हुई, उसे पसंद किया गया और कुछ समय के लिए उसकी आलोचना भी हुई)—पुरस्कार समारोह,
ऑस्कर और गोल्डन ग्लोब सहित। वास्तव में कुछ ही भारतीय इनमें शामिल हुए हैं।
हॉलीवुड के ऐसे प्रमुख समारोहों में पुरस्कार प्रदान करने के लिए मंच पर उपस्थित होना।
2008 में, हॉलीवुड फॉरेन प्रेस एसोसिएशन ने शाहरुख खान को आमंत्रित किया और
फ्रीडा पिंटो स्लमडॉग मिलियनेयर को संभावित विजेताओं में से एक के रूप में घोषित करेंगी।
सर्वश्रेष्ठ मोशन पिक्चर (ड्रामा) श्रेणी।
प्रियंका ने टीवी (ड्रामा) में सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का गोल्डन ग्लोब पुरस्कार प्रस्तुत किया।
2017 में, क्योंकि वह खुद अमेरिका में एक बड़ी टीवी स्टार थीं। उनकी सह-प्रस्तोता
अभिनेता जेफरी डीन मॉर्गन भी वहीं थे। एक साल पहले, वह 88 वें समारोह में मौजूद थीं।
अकादमी पुरस्कार विजेता, जुहैर मुराद द्वारा डिजाइन की गई एक आकर्षक सफेद पोशाक में सजी हुई।
प्रियंका लेबनान से हैं। प्रियंका ने सर्वश्रेष्ठ फिल्म संपादन के लिए ऑस्कर पुरस्कार प्रदान करने के लिए अभिनेत्री लिव श्राइबर के साथ मंच पर शिरकत की। वह 2016 में भी नज़र आईं थीं।

एमी अवार्ड्स में, एक बहने वाली लाल पोशाक पहने हुए, वह रेड कार्पेट पर घूमती हुई नजर आईं।
और यहां तक कि मंच पर भी। उन्होंने सीमित निर्देशन के लिए पुरस्कार सह-प्रस्तुत किया।
टॉम हिडलस्टन के साथ कोई सीरीज़ या फ़िल्में, जिनका टेलर से अभी-अभी ब्रेकअप हुआ था
स्विफ्ट।
भारत और विदेश के गॉसिप प्रेस टॉम के बारे में खबरों से भरे हुए थे।
उस रात गवर्नर बॉल में प्रियंका फ्लर्ट कर रही थीं। मशहूर हस्तियों का मिलन।
अन्य मशहूर हस्तियों के साथ उनकी मुलाकातें हमेशा गॉसिप पत्रिकाओं के लिए मसाला होती हैं। और ऐसी कई घटनाएं होती हैं।
हमेशा अंदरूनी सूत्र ही होते हैं जिन्हें गुमनाम रूप से उद्धृत किया जाना पसंद होता है। यह कहना मुश्किल है कि क्या
उस रात टॉम और प्रियंका के बीच कुछ भी हुआ था, लेकिन
eonline.com को इस बात का पूरा यकीन था। 'टॉम ने अपना हाथ उसके कंधे पर रखा हुआ था और उसे थामे हुए था।'
वेबसाइट ने एक अंदरूनी सूत्र के हवाले से कहा, 'करीब।'215 'इसके बाद, टॉम और प्रियंका
वे आपस में काफी करीब से बातचीत कर रहे थे और एक समय तो कुछ क्षणों के लिए उन्होंने एक-दूसरे का हाथ भी पकड़ रखा था।
प्रियंका ने टॉम की बो टाई ठीक की और फिर दोनों ने एक-दूसरे के गालों पर चुंबन किया।
प्रियंका की प्रसिद्धि का असर यह भी हुआ कि वह पत्रिकाओं के कवर पेज पर नजर आने लगीं।
न्यूयॉर्क में रहते हुए, मुझे वास्तव में ऐसा लगता था कि हर महीने प्रियंका
कम से कम एक नई पत्रिका के कवर पर उनकी तस्वीर छपी थी। उनका चेहरा हमेशा खबरों में दिखाई देता था।
मेट्रो स्टेशनों और ज़मीन के ऊपर बने स्टैंड। एक त्वरित खोज से पता चलता है कि...

इंटरनेट पर अमेरिका की कई ऐसी मैगज़ीनें दिखाई दे रही हैं जिनके कवर पेज पर प्रियंका की तस्वीर है।
पिछले तीन-चार वर्षों में, जिनमें Elle, Maxim, InStyle, Cosmopolitan शामिल हैं,
कॉम्प्लेक्स और हार्पर बाजार ने प्रियंका को हॉलीवुड की 'इट' स्टार के रूप में सूचीबद्ध किया है।
2016 की 'गर्ल'। यह महिला हस्तियों की एक लंबी सूची है, जिसकी शुरुआत जेनेट ली से होती है।
1960 में—जिस वर्ष उन्होंने अल्फ्रेड हिचकॉक की फिल्म साइको (1960) में अभिनय किया—उसके बाद
ऑड्रे हेपबर्न द्वारा 1961 में। इस सूची में एलिजाबेथ टेलर, जूली शामिल हैं।
एंड्रयूज, बारबरा स्ट्रीसैंड, टीना टर्नर, डायने कीटन, मेरिल स्ट्रीप, जूलिया
रॉबर्ट्स, गोंग ली, बियॉन्से, जेनिफर लॉरेंस और लुपिता न्योंगो। और
अब इसमें प्रियंका चोपड़ा का नाम भी शामिल हो गया है। वह एकमात्र भारतीय हैं और
इस सूची में (गोंग ली के अलावा) दूसरी एशियाई हस्ती हैं।
शीला मारिकर का मानना है कि प्रियंका मुख्यधारा में प्रवेश कर चुकी हैं। अमेरिका में मनोरंजन व्यवसाय में महिलाओं के लिए सही समय तब आएगा जब वे वहां होंगी।
अमेरिका में नारीवाद का एक पूरा पुनरुत्थान हो रहा है, खासकर अश्वेत महिलाओं में।
विविधता के लोग अपने अनुभवों के बारे में खुलकर बात कर रहे हैं, कि वे दूसरों से किस प्रकार भिन्न हैं।
औसत श्वेत अनुभव। मुझे लगता है कि पत्रिकाएँ और टॉक शो उसे पसंद करते हैं क्योंकि
वह विविधता को महत्व देती है, लेकिन वह पश्चिमी संस्कृति से भी अच्छी तरह वाकिफ है।
बेशक वह खूबसूरत है, इसलिए लोग इसी वजह से उसे देखने के लिए उत्सुक होंगे। उसे इसका फायदा उठाना चाहिए, जैसा कि उसे करना चाहिए।'

प्रियंका ने हाल के महीनों में विविधता के बारे में काफी कुछ कहा है।
हालांकि क्वांटिको के बाद उन्होंने अमेरिका में अपना भविष्य तय नहीं किया है, लेकिन ऐसा लगता है कि वह विविधता को लेकर काफी उत्सुक हैं।
किसी मिशन पर होना। और वैसे भी, यह भी स्पष्ट है कि वास्तव में उसके पास करने के लिए कुछ भी नहीं है।
हार गई। इसलिए, इनस्टाइल पत्रिका के एक साक्षात्कार में, उन्होंने अपने द्वारा अस्वीकार किए जाने के बारे में बात की।
अपनी त्वचा के रंग के कारण हॉलीवुड फिल्म में भूमिका न मिलने की वजह।
‘यह पिछले साल हुआ था,’ उन्होंने इनस्टाइल को बताया, ‘मैं एक फिल्म देखने गई थी, और
स्टूडियो से किसी ने मेरे एक एजेंट को फोन किया और कहा, "वह है..." गलत—उन्होंने कौन सा शब्द इस्तेमाल किया?—शारीरिकता। तो एक के रूप में अपने बचाव में,
एक अभिनेता होने के नाते, मैं सोचता हूँ, "क्या मुझे पतला होना चाहिए? क्या मुझे अपनी बॉडी शेप में लानी चाहिए? क्या मुझे...?"
क्या एब्स होना ज़रूरी है? मतलब, "गलत शारीरिक बनावट" का क्या मतलब है? और फिर मेरा
एजेंट ने मुझे समझाया। जैसे, "मुझे लगता है, प्रिय, उनका मतलब था कि वे चाहते थे..."
कोई ऐसा व्यक्ति जो सांवला न हो।" इसने मुझे प्रभावित किया।216 नस्लवाद की यादें जो
अमेरिका में एक छात्रा के रूप में उसे जिन चुनौतियों का सामना करना पड़ा था, वे अब उसे परेशान करने के लिए वापस आ गई थीं। लेकिन अब, वह
उनके पास मंच है और वह इस मुद्दे को संबोधित करना और इसका सामना करना ज्यादा पसंद करेंगी।
आमने-सामने।
प्रियंका को टाइम पत्रिका के साथ सबसे बड़ा जैकपॉट मिला,
प्रियंका ने उन्हें 2016 में 100 सबसे प्रभावशाली लोगों में शामिल किया।
भारतीय मूल के कुछ अन्य महत्वपूर्ण व्यक्तियों की प्रतिष्ठित संगति में, इनमें लाइबेरियाई-भारतीय चिकित्सक और लास्ट माइल हेल्थ के सीईओ राज भी शामिल हैं।

पंजाबी; पर्यावरणविद् और कार्यकर्ता, सुनीता नारायण; अभिनेत्री और हास्य कलाकार,
अजीज अंसारी; गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई; फ्लिपकार्ट के संस्थापक बिन्नी बंसल
और सचिन बंसल; संयुक्त राष्ट्र में अमेरिकी राजदूत, निक्की हेली (वह थीं उस समय दक्षिण कैरोलिना के गवर्नर); अर्थशास्त्री और फिर गवर्नर
भारतीय रिजर्व बैंक के रघुराम राजन और टेनिस खिलाड़ी सानिया मिर्जा।
उस कंपनी का हिस्सा बनना वाकई एक शानदार अनुभव है। प्रियंका की श्रद्धांजलि सराहनीय थी।
यह फिल्म अभिनेता ड्वेन जॉनसन (उर्फ द रॉक) द्वारा लिखी गई थी, जो उनकी पहली फिल्म में उनके सह-कलाकार थे।
हॉलीवुड फिल्म—बेवॉच। बेवॉच 25 मई 2017 को रिलीज हुई थी।
इसमें प्रियंका ने जॉनसन और ज़ैक एफ़्रॉन के सामने एक खलनायिका की भूमिका निभाई थी। और यह है
ड्वेन जॉनसन ने भारतीय अभिनेत्री के बारे में कहा, 'उसमें लगन और महत्वाकांक्षा है।'
आत्मसम्मान, और वह जानती है कि कड़ी मेहनत का कोई विकल्प नहीं है। हम हमेशा यह कहावत उद्धृत करें, "अपनी सफलता को टी-शर्ट की तरह पहनें, टक्सीडो की तरह नहीं," और
वह सचमुच ऐसा करती है—चाहे वह कितनी भी बड़ी स्टार हो, कितनी भी वैश्विक हस्ती हो, और कितनी भी खूबसूरत हो।
यानी, इसमें जुड़ाव का एक दिलचस्प गुण है।'217
प्रियंका ने फिल्म में काम करने से पहले एक टेलीविजन शो में अभिनय करना चुना।
परियोजना। ऐसा संभवतः इसलिए हो सकता है क्योंकि एबीसी ने सबसे पहले उनसे संपर्क किया था।
टेलीविजन परियोजना। लेकिन टेलीविजन क्रिटिक्स एसोसिएशन के कार्यक्रम में बोलते हुए
अगस्त 2015 में, उन्होंने कहा कि अभिनेता केविन स्पेसी ने ही उन्हें इसके लिए प्रोत्साहित किया था।

टेलीविजन पर काम करना। यह घटना केविन स्पेसी को शर्मनाक आरोपों के बाद अपने हिट नेटफ्लिक्स शो 'हाउस ऑफ कार्ड्स' से हटने से दो साल पहले की है।
यौन उत्पीड़न के।
उन्होंने कहा, 'कुछ साल पहले मैं केविन स्पेसी के साथ एक मास्टर क्लास कर रही थी।'
हॉलीवुड रिपोर्टर के 2018 अंक में एक रिपोर्ट में उद्धृत किया गया था।
'मैंने उनसे पूछा, "क्या
"आपको सबसे दिलचस्प काम क्या लगा?" और उन्होंने कहा, टेलीविजन, जब मैंने मुझे लगा था कि वह थिएटर कहेगा।
मुझे नहीं पता कि फ्रैंक क्या करेगा। इससे हमेशा सतर्क रहना पड़ता है।
प्रियंका ने स्पेसी द्वारा अपने 'हाउस ऑफ कार्ड्स' के किरदार के बारे में कही गई इस बात को याद किया।
और उसने उससे कहा कि उसे भी ठीक-ठीक पता नहीं था कि क्या हुआ था।
वह अपने किरदार एलेक्स पैरिश के साथ आगे बढ़ रही है। 'वे मुझे कुछ नहीं बताते। क्या टीवी ऐसे ही चलता है?'
यह कैसे काम करता है? आपको नहीं पता? एक अभिनेता के तौर पर यह बेहद रोमांचक है।'
लेकिन अगर प्रियंका लंबे समय तक चलने वाले अभिनय करियर पर विचार कर रही थीं, तो
अपने करियर के लिए, टेलीविजन शायद उनके लिए सही पहला रास्ता था। एक ही चीज़ पर उनका ध्यान केंद्रित था।
टेलीविजन शो और इस तथ्य कि वह एक बड़ी स्टार हैं, का मतलब था कि यह और भी अधिक होगा।
अभिनय से कहीं अधिक, क्वांटिको ने अमेरिका में 'प्रियंका ब्रांड' के निर्माण में अहम भूमिका निभाई।
अगर उसने सिर्फ बेवॉच की होती, तो लोग उसे उस दौरान नोटिस कर लेते। 'प्रमोशन देने के बाद उसे भुला दिया गया,' गीतेश पंड्या, संपादक कहते हैं।
BoxOfficeGuru.com. ‘जब तक आपके पास स्लमडॉग जैसी कोई अभूतपूर्व फिल्म न हो’
करोड़पति। अन्यथा, आपको मिलने वाला ध्यान बहुत सीमित होता है। यह धीरे- धीरे बढ़ता जाता है।

फिल्म की शुरुआत तेजी से होती है और फिर वह तुरंत गायब हो जाती है। अगर यह हिट होती है, तो शायद...
एक महीना अतिरिक्त लगेगा, बस इतना ही। टीवी में तो एक सीज़न चल रहा होता है।
सितंबर से मई तक, आपके पास प्रेस से जुड़ी कई गतिविधियाँ और शूटिंग का काम होता है।
गर्मी के मौसम में। इसलिए यह साल भर चलने वाला प्रोजेक्ट है।'
क्या प्रियंका और उनकी टीम ने इस बारे में अच्छी तरह सोच-विचार किया? शायद किया हो।
बेवॉच आई और चली गई। फिल्म को आलोचकों और दर्शकों दोनों ने जमकर लताड़ा।
अमेरिका में लोग फिल्म देखने के लिए दौड़ते हुए आकर्षक, टैन किए हुए शरीरों को देखने के लिए नहीं दौड़े।
मियामी के एक समुद्र तट पर धीमी गति से दृश्य। बेवॉच—खुद टीवी शो—एक अमेरिका के बाहर यह एक बड़ी घटना थी। भारत में इसके बहुत सारे प्रशंसक थे।
केबल टेलीविजन के शुरुआती दिन।
प्रियंका ने फिल्म को बेचने की पूरी कोशिश की और कहा कि इस तरह की बेतुकी बातें
मनोरंजन दुनिया के लिए अच्छा है क्योंकि हम ऐसे कठिन समय में जी रहे हैं। उन्होंने ब्रिटेन के 219 मेट्रो को बताया, 'एक संपूर्ण खलनायक की भूमिका निभाएं।' उन्होंने इस बात का जिक्र नहीं किया कि
उन्होंने बॉलीवुड में कुछ बार नकारात्मक भूमिका निभाई थी। 'यह बहुत ही कॉमेडी फिल्म में खलनायक की भूमिका निभाना बहुत मजेदार होता है, क्योंकि इसमें आप अपनी मर्जी से सबसे ज्यादा कर सकते हैं।
कुछ बेतुकी चीजें हैं और वे काम करती हैं। यह एक बहुत ही मजेदार और हास्यास्पद फिल्म है। मुझे उम्मीद है कि लोग इसे पसंद करेंगे।
उन्हें थोड़ी हंसी आएगी और वे आनंद उठाएंगे। दुनिया को थोड़ी सी ऐसी ही खुशी की जरूरत है।
अभी हंसी से लोटपोट हो रहा हूँ।
लेकिन प्रचार और दुनिया भर की यात्राओं के साथ-साथ एक आश्चर्यजनक घटना भी शामिल है।

ड्वेन जॉनसन की भारत यात्रा, जिसने मीडिया में हलचल मचा दी थी, ने उन्हें हिलाया नहीं।
फिल्म के बॉक्स ऑफिस प्रदर्शन में सुधार हुआ है—भारत में नहीं और निश्चित रूप से अमेरिका में भी नहीं।
अमेरिका। फिल्म की अमेरिकी घरेलू कमाई 58 मिलियन डॉलर थी, जबकि इसका बजट ही काफी अधिक था।
लगभग 69 मिलियन डॉलर की कमाई हुई। वैश्विक स्तर पर—चीन जैसे देशों में— बेवॉच ने अच्छा प्रदर्शन किया।
अच्छा कारोबार हुआ और अंततः इसने विश्व स्तर पर कुल 178 मिलियन डॉलर की कमाई की।
लेकिन फिर भी यह कोई प्रभावशाली आंकड़ा नहीं था। एक ऐसी फिल्म के लिए जो इससे कहीं बेहतर होनी चाहिए थी।
समीक्षाओं से परे, अमेरिका में बेवॉच का घरेलू बॉक्स ऑफिस प्रदर्शन था आलोचकों की कठोरता से निश्चित रूप से प्रभावित हुए।
भगवान का शुक्र है ड्वेन जॉनसन का, जिनकी चौड़ी मुस्कान अब नहीं होगी 'बंद कर दिया गया, और फिल्म की जान कौन बचाता है,' एंथनी लेन ने लिखा।
द न्यू यॉर्कर 220. 'क्या इसे बचाया जाना चाहिए, यह एक अलग मुद्दा है।' विलेज वॉइस के क्रैग डी. लिंडसे ने फिल्म को 'गलत ढंग से परिकल्पित और बेतुकी' बताया।
व्हैक.’221
फिल्म बेवॉच काफी नीरस और उबाऊ थी। इसका कारण कभी स्पष्ट नहीं हो पाया। फिल्म के निर्माताओं ने एक पुराने टेलीविजन शो को पुनर्जीवित करने का फैसला किया जब उसकी तस्वीरें सामने आईं।
समुद्र तट पर दौड़ते हुए आकर्षक पुरुष और महिलाएं काफी पुराने जमाने की लगती थीं। यह भी नहीं था
यह स्पष्ट नहीं है कि प्रियंका ने अपनी पहली हॉलीवुड फिल्म के लिए इस अपेक्षाकृत कमजोर फिल्म को क्यों चुना।
निर्माण। लेकिन इतना तो सच है—फिल्म के कुछ ही मजेदार हिस्सों में से एक था
प्रियंका का खलनायक किरदार, विक्टोरिया। वह सेक्सी, क्रूर और मजाकिया थी।

कई बार। और ऐसा लग रहा था कि उसे अपने किरदार को निभाने में मज़ा आ रहा था। दुर्भाग्य से, वहाँ
पश्चिमी प्रेस में उनकी प्रशंसा का शायद ही कोई शब्द था। वास्तव में, हालांकि उस समय तक क्वांटिको एक काफी सफल शो बन चुका था, फिर भी प्रियंका को अक्सर
अमेरिका में बेवॉच के विज्ञापन अभियान में उन्हें शामिल नहीं किया गया था।
लेकिन भारत में कम से कम एक आलोचक—राजा सेन, जो NDTV.com के लिए लिखते हैं—
यह सुझाव दिया गया कि शायद प्रियंका बेवॉच को एक अस्थायी विकल्प के रूप में देख रही होंगी।
एक आकर्षक ड्रग डीलर की भूमिका निभाते हुए, वह चतुराई से इस फिल्म का उपयोग एक संदेश देने के लिए करती है।
उन्होंने लिखा, 'मैं स्टूडियो को एक खलनायक की तलाश में एक लगभग छिपा हुआ शोरील भेज रहा हूँ।'222 'मैं
वह बॉन्ड की खलनायिका नहीं है,’ वह शायद भविष्यवाणी करते हुए, इन्हीं शब्दों में कहती है।
'अभी तक।'

जुलाई 2017 में, प्रियंका चोपड़ा ने जियोर्जियो अरमानी के प्रिवी हाउते में भाग लिया
पेरिस में कॉउचर फैशन शो। उन्होंने उस दिन की कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं। उनके इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक तस्वीर में प्रियंका सामने खड़ी हैं। एफिल टॉवर सफेद पोशाक में है, जिसमें पीछे का हिस्सा आगे के हिस्से से लंबा है।
काले बूटों में अपनी सुडौल टांगें दिखाते हुए। उस तस्वीर को 7,15,000 से अधिक लाइक मिले (उनके इंस्टाग्राम पर 24.1 मिलियन फॉलोअर्स हैं)। अन्य तस्वीरों में, वह पोज़ दे रही हैं।

अरमानी के साथ, और इसाबेल हूपर्ट और सोफिया लॉरेन के साथ बैठी हुई। एक समूह में।
तस्वीर में प्रियंका शो के स्टेप एंड रिपीट बैनर के सामने खड़ी हैं।
बीच में अरमानी हैं, उनके दाहिनी ओर लॉरेन और उनके बाईं ओर नाओमी वाट्स हैं।
बाईं ओर। प्रियंका लॉरेन और केट विंसलेट के बीच में खड़ी हैं। हूपर्ट
और चीनी अभिनेत्री तांग वेई (एंग ली की फिल्म 'लस्ट, कॉशन' की मुख्य अभिनेत्री) भी इसमें शामिल हैं।
चित्र में।
प्रियंका चोपड़ा को सोफिया लॉरेन के साथ देखकर शिवन गोवानी को यह बात समझ में आई।
लोकप्रिय संस्कृति के एक पर्यवेक्षक और द टोरंटो स्टार के स्तंभकार के अनुसार,
दोनों के करियर समानांतर प्रतीत होते थे। 'लोरेन की तरह, चोपड़ा का करियर भी इसी पर आधारित है।
एक निर्विवाद आकर्षण, और लॉरेन की तरह, उसके अंदर भी छिपी हुई अपार शक्ति है।
'दृढ़ संकल्प।' गोवानी ने 2017 से ठीक पहले चोपड़ा पर लिखे एक बड़े लेख में यह बात कही थी।
टोरंटो अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव.223 ‘उसी तरह जैसे लॉरेन थी
एक दशक पहले इतालवी स्टार और वैश्विक स्टार होने के बीच संतुलन बनाए रखने में सक्षम चोपड़ा
आज वह बहुत नाजुक स्थिति से गुजर रहे हैं।

हॉलीवुड में एक ऐसा चुंबकीय आकर्षण है जिसका विरोध करना कुछ ही लोग संभव पाते हैं। यह निश्चित रूप से सबसे
अपनी व्यापक पहुंच और राजस्व के साथ दुनिया का सबसे शक्तिशाली फिल्म उद्योग (भले ही

भारत अमेरिका की तुलना में कहीं अधिक फिल्में बनाता है। और इसलिए दुनिया भर के अधिकांश कलाकार
दुनिया भर में—चाहे वे अपने देश में सफल हों या अभी भी संघर्ष कर रहे हों वे हॉलीवुड में काम करने का सपना देखते हैं। 1999 में, जब
न्यूयॉर्क शहर में 'ईस्ट इज ईस्ट' का प्रचार करते हुए, दिवंगत अभिनेता ओम पुरी ने मुझे बताया कि
उनका एक ही बड़ा अफसोस था कि उन्हें कभी डस्टिन हॉफमैन को मिलने वाली भूमिकाएँ नहीं मिलेंगी।
और रॉबर्ट डी नीरो।224 कम से कम ओम पुरी को तो छोटे-मोटे मौके तो मिल ही गए।
पश्चिम, जिसमें माइक निकोल्स द्वारा निर्देशित दो हॉलीवुड फिल्में शामिल हैं—वुल्फ
(1994) और चार्ली विल्सन वॉर (2007)।
1967 में, सत्यजीत रे हॉलीवुड में अपना करियर बनाने की उम्मीद में लॉस एंजिल्स गए थे।
उन्होंने अमेरिकी स्टूडियो की फंडिंग से फिल्म 'द एलियन' का निर्माण किया और इस पर विचार किया।
इसमें मार्लन ब्रैंडो, पीटर सेलर्स या स्टीव मैकक्वीन को कास्ट किया जाए। मार्च में
1992 में, कोलकाता के अस्पताल में अपने बिस्तर से मानद ऑस्कर स्वीकार करते हुए,
रे ने अमेरिकी फिल्मों के बारे में यह कहा: 'मैंने जो कुछ भी सीखा है, वह सब कुछ यहीं से सीखा है।'
मैंने अमेरिकी फिल्मों के निर्माण से लेकर सिनेमा की कला के बारे में सीखा है।
मैंने कई वर्षों तक अमेरिकी फिल्मों को बहुत ध्यान से देखा और मुझे वे फिल्में बहुत पसंद आईं।
वे मनोरंजन करते थे, और बाद में उन्होंने जो सिखाया उसके लिए उनसे प्यार किया।
अपने करियर के चरम पर, आई.एस. जौहर से लेकर कबीर तक, भारतीय अभिनेताओं ने शानदार प्रदर्शन किया।

बेदी और शशि कपूर ने अमेरिकी प्रोडक्शन में काम किया। शशि का मर्चेंट आइवरी प्रोडक्शंस के साथ लंबे समय से संबंध था और उन्होंने छह फिल्मों में अभिनय किया।
उनकी फिल्मों में। और ओम पुरी की तरह, शशि ने भी कुछ ब्रिटिश फिल्मों में अभिनय किया।
निर्माण।
बाद में, कई भारतीय अभिनेत्रियों ने हॉलीवुड में तैरने का प्रयास किया।
स्लमडॉग की सफलता के बाद फ्रीडा पिंटो को काफी प्रसिद्धि मिली।
करोड़पति। इसके तुरंत बाद, उन्हें कई फिल्मों में काम करने का मौका मिला, जिनका निर्देशन कई निर्देशकों ने किया था।
वुडी एलन की फिल्म 'यू विल मीट अ टॉल डार्क स्ट्रेंजर' जैसे शीर्ष फिल्म निर्माताओं में से एक।
(2010), जूलियन श्नाबेल की मिराल (2010), रूपर्ट वायट की राइज़ ऑफ़ द प्लैनेट ऑफ़
द एप्स (2011), तरसेम सिंह की इमॉर्टल्स (2011), और कुछ अन्य। इनमें से अधिकांश
राइज़ ऑफ़ द प्लांट ऑफ़ द एप्स को छोड़कर बाकी फिल्में बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाईं।
कार्यालय। और यह स्पष्ट था कि फ्रीडा का सफलता से कोई लेना-देना नहीं था। प्लैनेट ऑफ द एप्स की सीक्वल। फ्रीडा की अभिनय क्षमता पर अक्सर सवाल उठाए जाते थे।
वह अभी भी हॉलीवुड में फिल्मों और टेलीविजन में काम करती है, लेकिन उसे वह वेतन नहीं मिल रहा है।
डैनी बॉयल की कई फिल्मों की रिलीज के तुरंत बाद उन्हें कई महत्वपूर्ण भूमिकाएँ मिलीं।
ऑस्कर विजेता हिट फिल्म। स्लमडॉग की लतिका के प्रति अमेरिका का प्रेम। मिलियनेयर फिल्म काफी समय पहले खत्म हो चुकी है। इस बीच, स्लमडॉग में फ्रीडा की सह-कलाकार और पूर्व अभिनेत्री
उनके बॉयफ्रेंड, देव पटेल, हॉलीवुड में अपेक्षाकृत बड़े स्टार बन चुके हैं।
यहां तक कि ऑस्कर नामांकन भी—लेकिन फिर, वह एक ब्रिटिश अभिनेता हैं।

ऐश्वर्या राय एकमात्र ऐसी बड़ी बॉलीवुड स्टार हैं जो उसी श्रेणी में आती हैं।
प्रियंका चोपड़ा, जिन्होंने हॉलीवुड में काम करने के लिए काफी प्रयास किए।
जनसंपर्क तंत्र और उसे आगे बढ़ाने वाले एजेंटों ने काफी सफलता हासिल की।
अमेरिकी मुख्यधारा संस्कृति में। ऐश्वर्या ओपरा शो में थीं, जहाँ उन्होंने टॉक शो होस्ट को साड़ी बांधना सिखाया। वह लेट शो में दिखाई दीं।
डेविड लेटरमैन के शो में गुरिंदर चड्ढा के साथ अपनी 2005 की फिल्म का प्रचार करने के लिए।
— ब्राइड एंड प्रेजुडिस (हार्वे वेनस्टीन की मिरामैक्स द्वारा निर्मित)।
शो में उन्होंने लेटरमैन को प्रभावित किया और यहां तक कि दर्शकों से अतिरिक्त अंक भी हासिल करने में कामयाब रहीं।
जब उसने दर्शकों से पूछा कि क्या वयस्क बच्चों का साथ रहना आम बात है, तो उसने उससे पूछा।
उनके माता-पिता भारत में हैं। 'हमें रात के खाने के लिए अपॉइंटमेंट लेने की ज़रूरत नहीं है।'
'अपने माता-पिता के साथ,' ऐश ने जवाब दिया। उसके इस त्वरित जवाब पर खूब हंसी आई।
उन्होंने हॉलीवुड जाने की किसी भी योजना से भी इनकार किया। उन्होंने कहा, 'मैं यहीं रहकर खुश रहूंगी।'
'मेरा देश,' उसने कहा। 'हम बंजारे हैं। मुझे लगता है कि अभिनेता के रूप में, या यहाँ के निवासी होने के नाते, हम इस देश से जुड़े हुए हैं।
बिरादरी के लिए, हम यात्रा करते हैं, जहाँ भी काम आपको ले जाए। इस समय मुझे ऐसा नहीं लगता।
निवास स्थान में स्थायी बदलाव करना।’226
लेकिन टीवी पर अपनी अन्य प्रस्तुतियों में, ऐश या तो अपनी आँखें घुमाती, खिलखिलाती या
फिल्मों में किस करने में असहज महसूस करने के बारे में बात करते हुए उन्हें अजीब सा लगा।
जब 60 मिनट्स के बॉब साइमन ने कहा कि अगर वह करियर बनाना चाहती है तो

हॉलीवुड फिल्मों में, किसी न किसी मोड़ पर उसे स्क्रीन पर पुरुषों को चूमना पड़ता था।
ऐश का जवाब था, 'जब हम पुल पर पहुंचेंगे तब देखेंगे।'227 यह एक
हॉलीवुड निर्माताओं के लिए यह एक स्पष्ट संकेत है कि वे उसके घर के बाहर लाइन न लगाएं।
स्क्रिप्ट।
फिल्म 'ब्राइड एंड प्रेजुडिस' ने बॉक्स ऑफिस पर औसत कारोबार किया। ऐश्वर्या
इसके बाद उन्होंने मिस्ट्रेस ऑफ स्पाइसेस (2005) बनाई। समीक्षकों और बॉक्स ऑफिस पर यह फिल्म सफल रही।
यह फिल्म एक आपदा साबित हुई, जिसका निर्देशन चड्ढा के पति पॉल मेयेडा बर्गेस ने किया था।
इन दोनों फिल्मों से ऐश्वर्या के हॉलीवुड करियर को कोई फायदा नहीं हुआ। वह इनमें से किसी फिल्म में नज़र आईं।
द लास्ट लेगियन (2007) में उन्होंने एक भारतीय मार्शल आर्ट विशेषज्ञ की भूमिका निभाई थी।
कॉलिन फर्थ और बेन किंग्सले के विपरीत। ए-लिस्ट कलाकारों के बावजूद, वह फिल्म भी
बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप रही। इसके बाद उनकी एक बड़ी फिल्म आई—द पिंक पैंथर 2।
(2009), हिट फिल्म द पिंक पैंथर (2006) की अगली कड़ी, जो स्वयं एक
मूल फ्रैंचाइज़ी फिल्मों का रीमेक। लेकिन दूसरी फिल्म बुरी तरह फ्लॉप रही।
उस समय स्टीव मार्टिन अभिनीत (पहली) फिल्म 'द पिंक पैंथर' बहुत बड़ी हिट थी।
व्यावसायिक सफलता। विकास के चरण के दौरान यदि ऐसा कोई प्रस्ताव आता है आप अपने तरीके से काम करें, आपको नहीं पता कि इसका परिणाम क्या होगा, लेकिन यह एक हाई-प्रोफाइल प्रोजेक्ट है।
यह पहले भाग से भी बड़ा हो सकता था। इसलिए मैं किसी की बात समझ सकता हूँ। कमेंटेटर गीतेश पंड्या कहते हैं, 'ऐश का ऐसा प्रस्ताव स्वीकार करना अच्छा लगेगा।'

द पिंक पैंथर 2 के बाद, ऐश्वर्या की जीवन में प्राथमिकताएं बदल गईं। उन्हें एक नया करियर मिला।
उन्होंने 2007 में अभिषेक बच्चन से शादी की और 2011 में उनका एक बच्चा हुआ। उस समय तक,
ऐश्वर्या ने भारत में अपने करियर को रोक दिया था। और हॉलीवुड इतिहास बन चुका था।
फिलहाल बॉलीवुड में एक ही अभिनेता हैं—इरफान खान—जो अभी भी
स्लमडॉग मिलियनेयर फिल्म से मिली प्रसिद्धि के कारण उन्हें हॉलीवुड में काम करने का मौका मिला।
इससे पहले, मीरा नायर की फिल्म 'द नेम्सके' में भी उन्हें काफी सराहना मिली थी।
(2006). इरफ़ान ने परियोजनाओं के बीच संतुलन बनाने का सही तरीका खोज लिया है।
हॉलीवुड और भारत में फिल्में।
ऐश्वर्या के विपरीत, प्रियंका बिना किसी सामान के अमेरिका पहुंचीं।
और कुछ झिझकें भी थीं। भारतीय फिल्मों में किस करने से वह हिचकिचाती थी।
लेकिन फिर उसने ऐसा किया।
अंदाज़, कमीने और डीडीडी में कई बार। अगर किसी को जिज्ञासा हो तो... अमेरिका में किसिंग और सेक्स सीन को लेकर प्रियंका का क्या रुख होगा, यह कहना अभी मुश्किल है।
क्वांटिको के पहले सीज़न के पहले एपिसोड के पहले पांच मिनट देखना आवश्यक है।
जहां उसका किरदार एलेक्स पैरिश, रयान बूथ के साथ कार में सेक्स कर रही है।
(जेक मैकलॉघलिन)।
प्रियंका ने शायद एक और दक्षिण एशियाई अभिनेत्री को उनके नक्शे कदम पर चलने के लिए प्रेरित किया है।
खबर है कि पाकिस्तानी अभिनेता फवाद खान से संपर्क किया गया है।
कुछ हॉलीवुड स्क्रिप्ट्स के साथ, फवाद का बॉलीवुड करियर रुक गया।
ऐ दिल है मुश्किल की रिलीज से पहले 2016 में उठे राजनीतिक मुद्दों के बाद (2016) और वैसे भी, पाकिस्तान में विकास की बहुत कम संभावना है।

बॉलीवुड वेबसाइट Pinkvilla.com ने एक सूत्र के हवाले से बताया, ‘करण (जोहर) ने कहा,
फवाद ने एशियाई लोगों के टैक्सी ड्राइवर और आतंकवादी की भूमिका निभाने से जुड़ी सांस्कृतिक रूढ़ियों का खंडन किया।
प्रियंका चोपड़ा के हॉलीवुड करियर के बाद से हालात बदल गए थे। तभी फवाद ने दिलचस्पी हो गई।’228
प्रियंका का अमेरिका में कदम रखना अन्य विदेशी सफल उद्यमियों की कहानियों के समानांतर है।
अभिनेत्रियों में से एक, पेनेलोप क्रूज़ स्पेन में पहले से ही एक स्थापित स्टार थीं।
उन्होंने पेड्रो अल्मोडोवर के साथ कुछ फिल्मों सहित कई फिल्मों में अभिनय किया, जिनमें से कुछ में उन्होंने अभिनय भी किया।
उन्होंने अमेरिका के आर्ट हाउस थिएटरों में अभिनय किया। और फिर उन्होंने कुछ फिल्मों में भी काम किया।
हॉलीवुड प्रोडक्शन जिनमें वैनिला स्काई (2001) और वुडी के साथ दो फिल्में शामिल हैं।
एलन—विकी क्रिस्टीना बार्सिलोना (2008), जिसके लिए उन्होंने ऑस्कर जीता, और
टू रोम विद लव (2012), और पाइरेट्स ऑफ कैरेबियन: ऑन स्ट्रेंजर टाइड्स (2011)। लेकिन पेनेलोप को एक अतिरिक्त लाभ प्राप्त था। जब वह अमेरिका पहुंची,
वह टॉम क्रूज़ को डेट कर रही थी और उसके लिए हॉलीवुड के सारे दरवाजे खुल गए।
कोलंबियाई अभिनेत्री सोफिया वर्गेरा का केस स्टडी भी है, जो
क्रूज़ और सोफिया दोनों को एबीसी के सिटकॉम मॉडर्न फैमिली में सफलता मिली है।
उन्होंने अपनी मजबूत स्पेनिश लहजे वाली अंग्रेजी का फायदा उठाया और भूमिकाएँ हासिल कीं।
जिसके लिए उन्हें स्पेनिश भाषी होना और फिर भी अमेरिका में रहना आवश्यक था। और

फिर मैक्सिकन अभिनेत्री सलमा हायेक हैं, जो अभिनय के अलावा अन्य फिल्मों और टीवी शो में भी काम करती हैं।
हॉलीवुड फिल्मों के अलावा, इसने फिल्में और टेलीविजन शो भी निर्मित किए हैं।
शायद प्रियंका सलमा के नक्शेकदम पर चलने की कोशिश कर रही हैं। गर्मियों में
2017 में यह घोषणा की गई थी कि वह एक टीवी सिटकॉम का निर्माण करेंगी जो इससे प्रेरित होगा।
माधुरी दीक्षित का जीवन, जब वह अमेरिका में रहती थीं। शो का पायलट एपिसोड। इसे फिलाडेल्फिया स्थित पटकथा लेखक श्री राव (बार बार) द्वारा लिखा जाना था।
(देखो)। लेकिन अंततः एबीसी ने इस परियोजना को अस्वीकार कर दिया और यह विचार अधर में लटक गया।
अब 26 अप्रैल को शुरू हुए क्वांटिको के तीसरे सीज़न के अलावा,
2018 में, प्रियंका की दो अन्य हॉलीवुड फिल्में पाइपलाइन में हैं—ए किड लाइक
जेक और इजंट इट रोमांटिक।
'ए किड लाइक जेक' का प्रीमियर जनवरी 2018 में सनडांस फिल्म फेस्टिवल में हुआ था।
और प्रियंका अपने अन्य सह-कलाकारों के साथ फिल्म के प्रचार के लिए मौजूद थीं।
लेकिन उन्होंने अमल नाम की एक भारतीय मां की छोटी सहायक भूमिका निभाई, जिसका बेटा
संजय फिल्म के चार साल से मुख्य अभिनेता रहे जेक के दोस्त हैं—जो एक ट्रांसजेंडर बच्चा है।
— जो लड़कियों के कपड़े पहनना और गुड़ियों से खेलना पसंद करता है। हॉलीवुड रिपोर्टर ने प्रियंका का ज़िक्र अन्य लोगों के साथ संक्षेप में किया।
सहायक कलाकार। निर्देशक सिलास हॉवर्ड... न केवल बेहतरीन प्रदर्शन करवाते हैं, बल्कि शानदार अभिनय भी करवाते हैं।

मुख्य कलाकारों से नहीं बल्कि सहायक कलाकारों की शानदार टीम से, जिसमें ऑक्टेविया भी शामिल है।
स्पेंसर, प्रियंका चोपड़ा (और) ऐन डाउड,’ द हॉलीवुड रिपोर्टर
आलोचक ने लिखा.229
IndieWire के समीक्षक फिल्म से प्रभावित नहीं हुए और उन्होंने इसे बी- ग्रेड की समीक्षा दी।
ग्रेड। आलोचक प्रियंका का उल्लेख करना भूल गया। वैरायटी ने प्रियंका का उल्लेख किया।
प्रियंका ने अमल का किरदार निभाया है, लेकिन उन्होंने आगे कहा कि इस किरदार में 'एक आकर्षक उपस्थिति है (लेकिन)'
वह फिल्म में बिना किसी ठोस वजह के आता-जाता रहता है।
यह.’231
यह फिल्म 2018 की गर्मियों की शुरुआत में अमेरिका के सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली थी, लेकिन
विषयवस्तु और व्यापारिक प्रकाशनों की निराशाजनक समीक्षाओं को देखते हुए सनडांस में, इसके एक छोटे आर्ट-हाउस ओपनिंग की उम्मीद थी। यह स्पष्ट नहीं है।
बेवॉच में छोटी भूमिका निभाने के बाद प्रियंका ने दूसरा विकल्प क्यों चुना?
हॉलीवुड फिल्म में सहायक भूमिका। सनडांस में, डेडलाइन के रिपोर्टर ने पूछा
उनसे पूछा गया कि उन्हें 'ए किड लाइक जेक' में अभिनय करने के लिए क्या प्रेरित किया। उन्होंने जवाब में कहा:
एक कलाकार के रूप में उन्हें जो बात प्रेरित करती है, वह है पर्दे पर प्रतिनिधित्व के लिए लड़ना और
ऐसे किरदार निभाना जो सामाजिक अपेक्षाओं को चुनौती देते हैं।
आने वाली पीढ़ी के लिए उस लड़ाई को लड़ना और उसे तोड़ना
'कंक्रीट, मुझे लगता है कि मेरे लिए यह एक बहुत बड़ी प्रेरणा है,' प्रियंका ने कहा।232 'बस
'मैं जैसी हूँ और जैसी दिखती हूँ, उसे सामान्य मानना चाहिए।' यह एक नेक विचार है, लेकिन एक

सोचता है कि क्या वास्तव में किसी बड़े बॉलीवुड स्टार के लिए यही मुख्य लक्ष्य होगा?
सब कुछ पीछे छोड़कर हॉलीवुड में सहायक भूमिकाएँ निभाएँ।
लेकिन उनकी दो अमेरिकी फिल्मों के रिलीज होने से पहले ही, एबीसी ने घोषणा कर दी।
कि सीजन 3 के अंत के बाद क्वांटिको को रद्द कर दिया जाएगा।
यह घोषणा 11 मई 2018 को की गई थी, शो के तीसरे सीज़न के तीन सप्ताह बाद।
सीज़न शुरू हो गया। हालात पहले से ही स्पष्ट थे। अंतिम मैचों को छोटा करके...
केवल तेरह एपिसोड के सीजन के साथ, एबीसी शो को एक आखिरी मौका दे रहा था।
लेकिन एबीसी ने क्वांटिको के तीसरे सीज़न को प्रमोट करने के लिए कोई प्रयास नहीं किया—वहाँ कुछ भी नहीं था।
बिलबोर्ड पर विज्ञापन लगाने की अनुमति है, मेट्रो स्टेशनों या बसों में विज्ञापन लगाने की अनुमति नहीं है।
सितंबर 2015 में, 71 लाख अमेरिकियों ने पहला एपिसोड देखने के लिए टीवी ऑन किया।
क्वांटिको के 233 वें एपिसोड में दर्शकों की संख्या में काफी गिरावट आई थी।
सीज़न 2 में शो की औसत रेटिंग 0.7 या 2.8 मिलियन थी।
दर्शकों। यह एबीसी का सबसे कम रेटिंग वाला शो था जिसे एक और सीज़न के लिए नवीनीकृत किया गया था।234
तीसरे सीज़न में, शो के प्रति एपिसोड औसतन 24 लाख दर्शक थे।
0.5.235 की रेटिंग। जाहिर है, ऐसे शो को जारी रखना समझदारी भरा कदम नहीं था।
अपने दर्शकों को खो चुका था।
प्रियंका ने शो रद्द होने के बारे में ज्यादा कुछ नहीं कहा, सिवाय इसके कि उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी पोस्ट की, जिसमें वह क्वांटिको के लिए डबिंग कर रही थीं।
कहानी पर टिप्पणी में लिखा था: ‘पिछली बार मैंने #alexparish के लिए ADR किया था (दुखद अनुभव के साथ)’
चेहरा)। मुझे उसकी बहुत याद आएगी!

2018 की वसंत ऋतु में, एक बार फिर अटकलें लगाई जाने लगीं कि प्रियंका किसी बड़े बॉलीवुड प्रोजेक्ट पर काम करने की सोच रही हैं। शायद उन्हें पहले से ही पता था कि क्वांटिको
यह कार्यक्रम रद्द होने ही वाला था। आखिरकार, घोषणा की गई कि वह इसमें अभिनय करेंगी।
भारत फिल्म में सलमान खान के साथ, जिसका निर्देशन अली अब्बास करने वाले थे।
ज़फ़र। निर्देशक की पिछली कृतियों में गुंडे (2014) और दो फिल्में शामिल हैं।
सलमान खान के साथ - सुल्तान (2016) और टाइगर ज़िंदा है (2017)। भारत एक फिल्म है।
यह फिल्म ईद 2019 पर रिलीज होने वाली है। सलमान और प्रियंका ने तीन फिल्मों में साथ काम किया है।
उन्होंने साथ में कई फिल्में की हैं, लेकिन 2008 में आई फिल्म 'गॉड तुस्सी ग्रेट हो' के बाद से नहीं।
उनके बीच दोस्ताना संबंध प्रतीत होते हैं। सलमान ने ट्विटर का इस्तेमाल किया।
उन्होंने परियोजना की घोषणा की। और उन्होंने लिखा:

#भारत... घर वापसी पर आपका स्वागत है @priyankachopra। आपसे जल्द मिलूंगा

…

By the way humari film Hindi hai;)

और इस पर प्रियंका ने जवाब दिया:

यूपी बरेली… #देसीगर्ल हमेशा के लिए। बहुत
#भारत का हिस्सा बनकर और आप सभी को सेट पर देखकर बहुत खुशी हो रही है!!

हिंदुस्तान टाइम्स से बात करते हुए निर्देशक अली अब्बास जफ्फर ने कहा कि प्रियंका इस भूमिका के लिए सही चुनाव थीं। 'सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि...'
फिल्म में लड़की का किरदार बहुत सशक्त है और हम एक ऐसी अभिनेत्री को लेना चाहते थे जो बहुत ही दमदार हो।
उन्होंने कहा, 'एक सशक्त अभिनेता, जो उस भूमिका के साथ न्याय कर सके।' उन्होंने आगे कहा, 'यह है...'
प्रियंका चोपड़ा के लिए घर वापसी वाली फिल्म। सच कहूं तो, वो हमेशा से मेरी पहली पसंद रही हैं।
फिल्म के लिए उनकी पसंद और वह तुरंत इस प्रोजेक्ट में शामिल होने के लिए तैयार हो गईं।
प्रियंका के लिए एक और संभावित भारतीय परियोजना विकास के चरण में थी। रिपोर्टों से संकेत मिलता है, और उनकी मां डॉ मधु चोपड़ा ने इसकी पुष्टि की है, कि एक बार
प्रियंका ने क्वांटिको सीजन 3 की शूटिंग पूरी कर ली है, उसके बाद वह अभिनय करेंगी।
वायकॉम 18 मोशन पिक्चर्स और पर्पल पेबल के संयुक्त निर्माण में पिक्चर्स—भारतीय-अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री कल्पना के जीवन पर आधारित एक फिल्म
चावला। यह फिल्म एक भारतीय प्रोडक्शन होने वाली थी, लेकिन चूंकि चावला वहीं रहते थे...
इसकी शूटिंग अमेरिका में होने की उम्मीद थी।
लेकिन अब कल्पना चावला की फिल्म को रोक दिया गया है या शायद स्थगित कर दिया गया है।
मामला ठंडे बस्ते में चला गया। ऐसी खबरें थीं कि दिवंगत अंतरिक्ष यात्री के पति जीन-पियरे
हैरिसन ने कहानी के अधिकार किसी फिल्म निर्माण को देने से इनकार कर दिया है।
कंपनी.236
भारत परियोजना की घोषणा का मतलब है कि प्रियंका ने सभी सौदे बंद नहीं किए हैं।

भारत में उनके विकल्प सीमित हैं। लेकिन अमेरिका में आगे बढ़ने की उनकी संभावनाएं काफी हद तक इस बात पर निर्भर करती हैं कि उनकी दो नई हॉलीवुड फिल्में कितनी सफल होती हैं। और इसके अलावा,
क्या प्रियंका अमेरिका में किसी और टीवी शो की तलाश करेंगी? यह निश्चित रूप से संभव होगा।
एबीसी की दिलचस्पी उसके लिए कुछ और विकसित करने में है ताकि वे उसे अपने साथ बनाए रख सकें।
उनका परिवार।
क्या प्रियंका को हॉलीवुड में बर्फी! या डीडीडी जैसी गंभीर भूमिका मिलेगी?
दर्शक उसे उसकी सुंदरता और कामुकता से परे देख सकते हैं, और जहाँ उसकी क्या अभिनय प्रतिभा का दोहन किया जा सकता है? क्या प्रियंका को उस तरह का काम मिल सकता है जो अन्य अभिनेत्रियों को मिलता है?
निकोल किडमैन और जूलिया रॉबर्ट्स जैसी ए-लिस्ट स्टार्स? क्या वह उस तरह की सफलता हासिल कर पाएगी?
पेनेलोप क्रूज़ को हॉलीवुड करियर की शुरुआत में कौन-कौन सी फिल्में मिलीं?
जब प्रियंका ने भारत छोड़ा, तब वह अपने करियर के उसी पड़ाव पर थीं, जिस पर पेनेलोप 1990 के दशक के मध्य से अंत तक स्पेन में थीं, जब उन्होंने हॉलीवुड में प्रवेश किया।
मुझे लगता है कि किसी को उसके लिए वह हिस्सा लिखना होगा और शायद पत्रकार शीला मारिकर कहती हैं, 'हो सकता है कि वह एक भारतीय महिला लेखिका हों। मुझे नहीं लगता कि वह एक भारतीय महिला लेखिका हैं।'
क्या आप जानते हैं कि मेरिल स्ट्रीप, निकोल किडमैन या अन्य अभिनेत्रियों के लिए भूमिकाएँ लिखने वाले लोग कौन हैं?
प्रियंका के लिए बड़े रोल जूलिया रॉबर्ट्स ही लिखेंगी।
बात सिर्फ सामग्री ढूंढने की है। वह शायद किसी अवसर की तलाश में है। ऐसा ही, लेकिन यह सही हिस्सा होना चाहिए।'
मैंने करण जौहर से भी यही सवाल पूछा। ‘मुझे पता है यह मुश्किल है, लेकिन फिर कौन?’

क्या आपको लगा था कि वह यहाँ होगी? इसलिए मुझे नहीं पता कि क्या कहूँ। आज आसमान
उसकी सीमा वही हो।
लेकिन इतना तो स्पष्ट है। क्वांटिको का जिस तरह से प्रचार किया गया था, उसे देखते हुए...
शो के मुख्य आकर्षण के रूप में प्रियंका के चेहरे को पेश करने की रणनीति अपनाई जाएगी।
उसके लिए हमेशा यही बेहतर रहेगा कि उसे बड़े नेटवर्कों पर बड़े प्रोजेक्ट मिलें, न कि छोटे नेटवर्कों पर।
नेटफ्लिक्स, अमेज़न या हुलु पर विशिष्ट बाज़ार वाली परियोजनाएं।
उनका दृष्टिकोण अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचना रहा है।
वह जो कुछ कर रही है, उसमें टेलीविजन पर उपस्थिति और बड़े बजट की फिल्में शामिल हैं।
बेवॉच जैसी फिल्मों में काम किया। वह पैंटीन के विज्ञापन अभियान में भी थीं, जिसमें बिलबोर्ड लगे थे।
पूरे कैलिफोर्निया और न्यूयॉर्क में, और यहां तक कि प्राइम टाइम के दौरान टीवी विज्ञापनों में भी।
टाइम एंटरटेनमेंट शो। रणनीति यह प्रतीत होती है कि जितना बड़ा होगा, शो उतना ही बड़ा होगा।
कंपनी के लिए, नेटवर्क जितना बड़ा होगा, फ्रेंचाइजी जितनी बड़ी होगी, उतना ही बेहतर होगा।

प्रियंका चोपड़ा की कहानी यहीं खत्म नहीं होती। यह एक निरंतर चलने वाली यात्रा है।
वह निश्चित रूप से आनंद ले रही है। वह नए रास्ते, परियोजनाएं तलाश रही है और चुनौतियों का सामना कर रही है।
अलग-अलग भूमिकाओं में। और वह खुद को परिभाषित करना जारी रखती है, यहां तक कि कभी-कभी खुद को भी आश्चर्यचकित कर देती है।
मई 2017 में, बेवॉच के रिलीज के समय, वोग पत्रिका ने

उन्होंने उससे तिहत्तर सवाल पूछे, जिनमें यह भी शामिल था कि वह अपने बैग में क्या रखती है (कुछ देवी-देवताओं की मूर्तियों वाला एक छोटा हिंदू मंदिर, से लेकर टैबास्को की एक बोतल तक)।
(सॉसेज)। इंटरव्यू यूट्यूब पर उपलब्ध है। प्रियंका काफी उत्साहित थीं।
ऐसा लग रहा था कि स्टार उस इंटरव्यू को लेकर काफी उत्साहित थे, जिसे एक ही टेक में शूट किया गया था।
वह मैनहट्टन में अपने अपार्टमेंट में इधर-उधर घूमती हुई दिखाई दी।
फिर उनसे पूछा गया, 'अगर आपकी जिंदगी एक किताब होती तो उसका शीर्षक क्या होता?'
'क्या?' बिना पलक झपकाए उसने कहा, 'अधूरा!'237

फिल्मोग्राफी

एक अभिनेता के रूप में:

फ़िल्में

थामिझन (2002)
बैनर/निर्माता: जी. वेंकटेश्वरन
निर्देशक: ए. मजीद
संगीतकार: डी. इम्मान
कलाकार: प्रियंका चोपड़ा, जोसेफ विजय चन्द्रशेखर, नासर, रेवती

THE HERO: LOVE STORY OF A SPY (2003) Banner/Producer: Dhirajlal Shah, Hasmukh Shah, Pravin Shah
निर्देशक: अनिल शर्मा
संगीतकार: उत्तम सिंह
Cast: Priyanka Chopra, Sunny Deol, Preity Zinta, Amrish Puri

ANDAAZ (2003)
Banner/Producer: Suneel Darshan
Director: Raj Kanwar
संगीतकार: नदीम-श्रवण, नरेश शर्मा कलाकार: प्रियंका चोपड़ा, अक्षय कुमार, लारा दत्ता, राजीव वर्मा

योजना (2004)
बैनर/निर्माता: संजय गुप्ता
निर्देशक: हृदय शेट्टी
संगीतकार: आनंद राज आनंद, विशाल-शेखर, संदीप श्रीओदकर
Cast: Priyanka Chopra, Sanjay Dutt, Dino Morea, Sanjay Suri

KISMAT (2004)
□□□□/□□□□□□□□: □□□□□□□ □□□, □□□□□ □□□, □□□□□□ □□□ □□□□□□□□: □□□□□□ □□□□
□□□□□□□□: □□□□ □□□ □□□□
Cast: Priyanka Chopra, Bobby Deol, Kabir Bedi, Sanjay Narvekar

ASAMBHAV (2004)
□□□□/□□□□□□□□: □□□□□ □□□
Director: Rajiv Rai
□□□□□□□□: □□□□ □□□
□□□□□□: □□□□□□□□ □□□□□□, □□□□□□□□□□ □□□, □□□□□□ □□□□□□, □□□□□ □□□□□

MUJHSE SHAADI KAROGI (2004)
□□□□/□□□□□□□□: □□□□□ □□□□□□□□□□□
□□□□□□□□: □□□□□ □□□
Music Composer: Sajid Ali, Salim-Sulaiman Cast: Priyanka Chopra, Salman Khan, Akshay Kumar, Satish Shah, Amrish Puri

AITRAAZ (2004)
□□□□/□□□□□□□□: □□□□□ □□
□□□□□□□□: □□□□□□-□□□□□□
Music Composer: Salim-Sulaiman, Himesh Reshammiya Cast: Priyanka Chopra, Akshay Kumar, Kareena Kapoor, Amrish Puri

□□□□□□□□ (2005)
□□□□/□□□□□□□□: □□□□□□□ □□□□, □□□□□ □□□□ □□□□□□□□: □□□□ □□□□□
□□□□□□□□: □□□ □□□□□□, □□□□□ □□□□□□□ □□□□□□: □□□□□□□□ □□□□□□, □□□ □□□□□,
□□□□□ □□□□□□, □□□□ □□□□□□

□□□ (2005)
Banner/Producer: Harry Baweja, Pammy Baweja Director: Sanjay F. Gupta
□□□□□□□□: □□□□□-□□□□

कलाकार: प्रियंका चोपड़ा, जॉन अब्राहम, भरत दाभोलकर, शाइनी आहूजा

WAQT: THE RACE AGAINST TIME (2005) Banner/Producer: Vipul Amrutlal Shah, Manmohan Shetty Director: Vipul Amrutlal Shah
Music Composer: Anu Malik Cast: Priyanka Chopra, Akshay Kumar, Amitabh Bachchan, Shefali Shah

YAKEEN (2005)
बैनर/निर्माता: सुजीत कुमार सिंह
Director: Girish Dhamija
Music Composer: Amar Mohile, Himesh Reshammiya Cast: Priyanka Chopra, Arjun Rampal, Kim Sharma, Saurabh Shukla

बरसात: एक उत्कृष्ट प्रेम कहानी (2005) बैनर/निर्माता: सुनील दर्शन निर्देशक: सुनील दर्शन
Music Composer: Salim-Sulaiman, Nadeem-Shravan Cast: Priyanka Chopra, Bobby Deol, Bipasha Basu, Gajendra Chauhan

ब्लफ़मास्टर! (2005)
बैनर/निर्माता: रमेश सिप्पी
निर्देशक: रोहन सिप्पी
संगीतकार: विशाल-शेखर
Cast: Priyanka Chopra, Abhishek Bachchan, Riteish Deshmukh, Nana Patekar

TAXI NO. 9 2 11: NAU DO GYARAH (2006) Banner/Producer: Ramesh Sippy निर्देशक: मिलान लुथरिया
संगीतकार: विशाल-शेखर
Cast: Priyanka Chopra, John Abraham, Nana Patekar, Sonali Kulkarni

36 चाइना टाउन (2006)

□□□□/□□□□□□□□: □□□□□ □□
□□□□□□□□: □□□□□□-□□□□□□
Music Composer: Salim Merchant, Himesh Reshammiya Cast: Priyanka Chopra, Shahid Kapoor, Kareena Kapoor, Akshaye Khanna

ALAG: □□ □□□ □□... □□ □□□□□ □□... (2006) □□□□/□□□□□□□□: □□□□ □□□□□□
□□□□□□□□: □□□ □□□□□□
□□□□□□□□: □□□□ □□□□□□□□□□
Cast: Priyanka Chopra, Akshay Kapoor, Dia Mirza, Yatin Karyekar

KRRISH (2006)
□□□□/□□□□□□□□: □□□□□ □□□□
□□□□□□□□: □□□□□ □□□□
Music Composer: Salim-Sulaiman, Rajesh Roshan Cast: Priyanka Chopra, Hrithik Roshan, Rekha, Naseeruddin Shah
AAP KI KHATIR (2006)
□□□□/□□□□□□□□: □□□□ □□□, □□□ □□□
Director: Dharmesh Darshan
Music Composer: Himesh Reshammiya, Raju Singh Cast: Priyanka Chopra, Akshaye Khanna, Ameesha Patel, Dino Morea, Sunil Shetty

□□□ (2006)
□□□□/□□□□□□□□: □□□□□ □□□□□, □□□□□ □□□□□□□ □□□□□□□□: □□□□□ □□□□□
Music Composer: Shankar-Ehsaan-Loy
□□□□□□: □□□□□□□□ □□□□□□, □□□□□□ □□□, □□□□□□ □□□□□□, □□□□ □□□□□, □□□ □□□□□□□□, □□□□□ □□□□

□□□□-□-□□□□ (2007)
Banner/Producer: Sunil Manchanda, Mukesh Talreja Director: Nikhil Advani
Music Composer: Shankar-Ehsaan-Loy

Cast: Priyanka Chopra, Anil Kapoor, Salman Khan, Akshaye Khanna, Juhi Chawla, Govinda

□□□ □□□□□ (2007)
□□□□/□□□□□□□□: □□□□□□ □□□□, □□□□□□□ □□□□□□ □□□□□□□□: □□□□□□ □□□□
□□□□□□□□: □□□□ □□□ □□□□
□□□□□□: □□□□□□□□ □□□□□□, □□□ □□□□, □□□□ □□□□□□□□□□, □□□□□ □□□□

□□□□ □□□ □□□□□□ □□□□□□□□□□ □□ (2008) □□□□/□□□□□□□□: □□□□□ □□□□□
□□□□□□□□: □□□□□ □□□□□
Music Composer: Pritam Chakraborty, Himesh Reshammiya Cast: Priyanka Chopra, Nikhal Dwivedi, Amrita Rao, Mithun Chakraborty, Anupam Kher

□□ □□□□□□ 2050 (2008)
□□□□/□□□□□□□□: □□□□□ □□□□□□
Director: Harry Baweja
Music Composer: Anu Malik, Amar Mohile, Monty Sharma Cast: Priyanka Chopra, Harman Baweja, Boman Irani, Archana Puran Singh

□□□ □□□□□□ □□□□□ □□ (2008)
□□□□/□□□□□□□□: □□□□ □□□, □□□□ □□□
□□□□□□□□: □□□□ □□□□□
□□□□□□□□: □□□□□-□□□□□
Cast: Priyanka Chopra, Amitabh Bachchan, Salman Khan, Anupam Kher

□□□□□ (2008)
□□□□/□□□□□□□□: □□□ □□□□, □□□□□ □□□□□ □□□□□□□□: □□□□ □□□□□
□□□□□□□□: □□□□□ □□□□□
□□□□□□: □□□□□□□□ □□□□□□, □□□□ □□□□, □□□□□ □□□, □□□□□ □□□□□□

□ □□□□□□ □□ □□□□□□ (2008)

बैनर/निर्माता: सृष्टि बहल, सुनील लुल्ला
निर्देशक: गोल्डी बेहल
संगीतकार: ध्रुव घाणेकर
कलाकार: प्रियंका चोपड़ा, अभिषेक बच्चन, जया बच्चन, के के मेनन

फैशन (2008)
बैनर/निर्माता: रॉनी स्क्रूवाला
निर्देशक: मधुर भंडारकर
संगीतकार: सलीम-सुलेमान
Cast: Priyanka Chopra, Kangana Ranaut, Mughda Godse, Arbaaz Khan, Arjan Baweja

मित्रता (2008)
बैनर/निर्माता: हीरू जौहर, करण जौहर निर्देशक: तरूण मनसुखानी
संगीतकार: विशाल-शेखर
कलाकार: प्रियंका चोपड़ा, जॉन अब्राहम, अभिषेक बच्चन, बॉबी देओल, किरण खेर, बोमन ईरानी

KAMINEY (2009)
बैनर/निर्माता: रॉनी स्क्रूवाला
Director: Vishal Bhardwaj
संगीतकार: विशाल भारद्वाज
कलाकार: प्रियंका चोपड़ा, शाहिद कपूर, देब मुखर्जी, अमोल गुप्ते, चंदन रॉय सान्याल

आपकी राशि क्या है? (2009)
बैनर/निर्माता: सुनीता गोवारिकर, रॉनी स्क्रूवाला निर्देशक: आशुतोष गोवारिकर
संगीतकार: सोहेल सेन
Cast: Priyanka Chopra, Harman Baweja, Anjan Srivastav, Darshan Jariwala, Rajesh Vivek

PYAAR IMPOSSIBLE! (2010)
Banner/Producer: Aditya Chopra, Uday Chopra, Yash Chopra Director: Jugal Hansraj
□□□□□□□□□: □□□□-□□□□□□□
□□□□□□: □□□□□□□□ □□□□□□, □□□□□ □□□, □□□ □□□□□□, □□□□□ □□□□

JAANE KAHAN SE AAYI HAI (2010)
Banner/Producer: Mukesh Talreja
Director: Milap Zaveri
□□□□□□□□□: □□□□□ □□□□□
□□□□□□: □□□□□□□□ □□□□□□, □□□□□ □□□□□, □□□□□□ □□□□□□□□□□, □□□ □□□□

ANJAANA ANJAANI (2010)
□□□□/□□□□□□□□: □□□□□ □□□□□□□□□□□
□□□□□□□□□: □□□□□□□□□□ □□□□
Music Composer: Vishal-Shekhar, Salim-Sulaiman Cast: Priyanka Chopra, Ranbir Kapoor, Aubrey K. Miller, Tanvi Azmi

7 □□□ □□□□ (2011)
□□□□/□□□□□□□□: □□□□□ □□□□□□□□, □□□□ □□□□□□□□□□ □□□□□□□□: □□□□□ □□□□□□□□
□□□□□□□□□: □□□□□ □□□□□□□□
□□□□□□: □□□□□□□□ □□□□□□, □□□□□ □□□, □□□□ □□□□□□, □□□□ □□□□□, □□□□□□ □□□ □□□□□

□□□.□□ (2011)
□□□□/□□□□□□□□: □□□□ □□□
Director: Anubhav Sinha
□□□□□□□□□: □□□□□ □□□□
□□□□□□: □□□□□□□□ □□□□□□, □□□□□□ □□□, □□□□□ □□□□, □□□□□□ □□□□□□

डॉन 2 (2011)
बैनर/निर्माता: फरहान अख्तर, शाहरुख खान, रितेश सिधवानी निर्देशक: फरहान अख्तर
Music Composer: Shankar-Ehsaan-Loy
कलाकार: प्रियंका चोपड़ा, शाहरुख खान, रितिक रोशन, ओम पुरी, लारा दत्ता

AGNEEPATH (2012)
बैनर/निर्माता: हीरू जौहर, करण जौहर निर्देशक: करण मल्होत्रा
संगीतकार: अजय गोगावले, अतुल गोगावले कलाकार: प्रियंका चोपड़ा, ऋतिक रोशन, संजय दत्त, ऋषि कपूर

TERI MERI KAHAANI (2012)
बैनर/निर्माता: विक्की बाहरी, कुणाल कोहली, सुनील लुल्ला निर्देशक: कुणाल कोहली
संगीतकार: साजिद-वाजिद
कलाकार: प्रियंका चोपड़ा, शाहिद कपूर, प्राची देसाई, नेहा शर्मा

बर्फी! (2012)
बैनर/निर्माता: सिद्धार्थ रॉय कपूर, रॉनी स्क्रूवाला निर्देशक: अनुराग बसु
संगीतकार: प्रीतम चक्रवर्ती
कलाकार: प्रियंका चोपड़ा, रणबीर कपूर, इलियाना डी'क्रूज़, सौरभ शुक्ला, रूपा गांगुली

DEEWANA MAIN DEEWANA (2013)
बैनर/निर्माता: अमित बोकाडिया, मलूक नागर निर्देशक: के.सी. बोकाड़िया संगीतकार: बप्पी लाहिड़ी
कलाकार: प्रियंका चोपड़ा, गोविंदा, कादर खान, विकास आनंद, प्रेम चोपड़ा शूटआउट एट वडाला (2013)

बैनर/निर्माता: अनुराधा गुप्ता, संजय गुप्ता, एकता कपूर, शोभा कपूर निर्देशक: संजय गुप्ता
संगीतकार: आनंद राज आनंद, अनु मलिक, हरमीत सिंह, मुस्तफा जाहिद कलाकार: प्रियंका चोपड़ा, अनिल कपूर, जॉन अब्राहम, मनोज बाजपेयी, तुषार कपूर

प्लेन्स (2013) (वॉइस-ओवर)
बैनर/निर्माता: ट्रेसी बाल्थाज़ोर
निर्देशक: क्ले हॉल
संगीतकार: मार्क मैनसीना
कलाकार: प्रियंका चोपड़ा, डेन कुक, स्टेसी कीच, ब्रैड गैरेट, टेरी हैचर

ZANJEER (TOOFAN in Telugu) (2013)
बैनर/निर्माता: शब्बीर अहलूवालिया, अनिल वी. कुमार, पुनीत प्रकाश मेहरा, सुमीत प्रकाश मेहरा निर्देशक: अपूर्व लाखिया
Music Composer: Anand Raj Anand, Harmeet Singh Cast: Priyanka Chopra, Ram Charan, Sanjay Dutt, Prakash Jha

KRRISH 3 (2013)
बैनर/निर्माता: राकेश रोशन
निर्देशक: राकेश रोशन
Music Composer: Rajesh Roshan, Salim-Sulaiman Cast: Priyanka Chopra, Hrithik Roshan, Kangana Ranaut, Amitabh Bachchan, Vivek Oberoi

GOLIYON KI RASLEELA RAM-LEELA (2013) Banner/Producer: Sanjay Leela Bhansali, Kishore Lulla Director: Sanjay Leela Bhansali
संगीतकार: संजय लीला भंसाली, मोंटी शर्मा कलाकार: प्रियंका चोपड़ा, रणवीर सिंह, दीपिका पादुकोण, सुप्रिया पाठक

GUNDAY (2014)
बैनर/निर्माता: आदित्य चोपड़ा
निर्देशक: अली अब्बास ज़फ़र

संगीतकार: जूलियस पैकियम, सोहेल सेन कलाकार: प्रियंका चोपड़ा, रणवीर सिंह, अर्जुन कपूर, इरफान खान

मैरी कॉम (2014)
बैनर/निर्माता: संजय लीला भंसाली
निर्देशक: ओमंग कुमार
संगीतकार: रोहित कुलकर्णी, शशि शिवम कलाकार: प्रियंका चोपड़ा, ज़ाचरी कॉफ़िन, रॉबिन दास, रजनी बसुमतारी

DIL DHADAKNE DO (2015)
बैनर/निर्माता: फरहान अख्तर, रितेश सिधवानी निर्देशक: जोया अख्तर Music Composer: Shankar-Ehsaan-Loy
कलाकार: प्रियंका चोपड़ा, अनिल कपूर, शेफाली शाह, अनुष्का शर्मा, फरहान अख्तर, राहुल बोस, रणवीर सिंह

बाजीराव मस्तानी (2015)
Banner/Producer: Sanjay Leela Bhansali, Kishore Lulla Director: Sanjay Leela Bhansali
संगीतकार: संचित बल्हारा, संजय लीला भंसाली कलाकार: प्रियंका चोपड़ा, रणवीर सिंह, दीपिका पादुकोण, तन्वी आज़मी, महेश मांजरेकर

वेंटिलेटर (2016)
बैनर/निर्माता: मधु चोपड़ा, प्रियंका चोपड़ा, ईशान दत्ता निर्देशक: राजेश मापुस्कर
संगीतकार: रोहन-रोहन
कलाकार: प्रियंका चोपड़ा, आशुतोष गोवारिकर, जितेंद्र जोशी, सुलभा आर्य, सुकन्या कुलकर्णी मोने

जय गंगाजल (2016)
बैनर/निर्माता: प्रकाश झा, मिलिंद दबके निर्देशक: प्रकाश झा, मिलिंद दबके संगीतकार: सलीम-सुलेमान

□□□□□□□: □□□□□□□□□ □□□□□□□, □□□□□□ □□, □□□□ □□□, □□□□□ □□□□

SARVANN (2017)
□□□□□/□□□□□□□□□: □□□ □□□□□□□, □□□□□□□□□ □□□□□□□, □□□□□□□ □□□□□□ □□□□□□□□□: □□□ □□□□□□□□□
Music Composer: Jatinder Shah
Cast: Priyanka Chopra, Amrinder Gill, Simi Chahal, Ranjit Bawa, Sardar Sohi, Dilnoor Kaur

□□□□□ (2017)
□□□□□/□□□□□□□□□: □□□□□ □□□□□, □□□□ □□□□□□□, □□□□ □□□□□, □□□□□ □□□□, □□□□ □□□□□□□□□□ □□□□□□□□□: □□□ □□□□□□□
□□□□□□□□□: □□□□□□□□□□ □□□□□□□□□□
□□□□□□□: □□□□□□□□□ □□□□□□□, □□□□ □□□□□□□, □□□□□ □□□□□, □□□□□□□□□□□□□□□□ □□□□□□□□□, □□□□□ □□□□□□□□

□ □□□ □□□□ □□□ (2018)
□□□□□/□□□□□□□□□: □□□□□□□□□ □□□□□□□□, □□□□ □□□□ □□□□□□□□□□□, □□□ □□□□□ □□□□□□□□□□□□, □□□ □□□□□□, □□□□ □□□□□□□, □□□ □□□□□□□□□, □□□□□ □□□□□□□□□ □□□□□, □□□ □□□□□□□□□□ □□□□□□□□□: □□□□□ □□□□□□□
□□□□□□□□□: □□□□ □□□
□□□□□□□: □□□□□□□□□ □□□□□□□, □□□□□□□ □□□□□□, □□□ □□□□□□□□□, □□□□□□□□□□ □□□□□□□□, □□ □□□□□

□□□□ (2019)
□□□□□/□□□□□□□□□: □□□□□ □□□□□□□□□□□□□, □□□□□□□ □□□□, □□□□□□ □□□□□ □□□□□□□□□: □□□ □□□□□□□ □□□□
Music Composer: Vishal Dadlani, Shekhar Ravjiani Cast: Priyanka Chopra, Salman Khan, Disha Patani

□□□□□ □□ □□□□□□□□□ □□□□□ □□? (2019)

बैनर/निर्माता: न्यू लाइन सिनेमा, टॉड गार्नर, ग्रांट शारबो, जीना मैथ्यूज निर्देशक: टॉड स्ट्रॉस-शुल्सन
संगीतकार: थियोडोर शापिरो
कलाकार: प्रियंका चोपड़ा, लियाम हेम्सवर्थ, एडम डेविन, रेबेल विल्सन

टीवी शो

क्वांटिको (2015-18)
बैनर: अमेरिकन ब्रॉडकास्टिंग कंपनी (एबीसी) निर्माता: जोशुआ सैफरन कलाकार: प्रियंका चोपड़ा, जेक मैकलॉघलिन, जोहाना ब्रैडी

निर्माता के रूप में

गर्ल राइजिंग (2013)
बैनर/निर्माता: प्रियंका चोपड़ा, मार्था एडम्स, रिचर्ड रॉबिन्स भाषा: अंग्रेजी
निर्देशक: रिचर्ड रॉबिन्स
संगीतकार: लोर्न बाल्फ़
कलाकार: अमीना, अज़मेरा, अरिंदोल बागची, रेखा बनर्जी

वेंटिलेटर (2016)
बैनर/निर्माता: प्रियंका चोपड़ा, मधु चोपड़ा, ईशान दत्ता, भाषा: मराठी Director: Rajesh Mapuskar
संगीतकार: रोहन-रोहन
कलाकार: प्रियंका चोपड़ा, आशुतोष गोवारिकर, जितेंद्र जोशी, सुलभा आर्य, सुकन्या कुलकर्णी मोने

बम बम बोल रहा है काशी (2016) बैनर/निर्माता: प्रियंका चोपड़ा, मधु चोपड़ा भाषा: भोजपुरी
निर्देशक: संतोष मिश्रा

□□□□□□□□□: □□□□□ □□□□□, □□□□□ □□□□ □□□□□□□: □□□□□□□□□ □□□□□, □□□□□□□□ □□□□□□□, □□□□□ □□□ □□□□ '□□□□□□□'

KASHI AMARNATH (2017)
□□□□□/□□□□□□□□□: □□□□□□□□□ □□□□□□□, □□□ □□□□□□□, □□□□□: □□□□□□□□
□□□□□□□□□: □□□□□ □□□□□□□
Music Composer: Madhukar Anand
Cast: Anoop Arora, Amrapali Dubey, Sapna Gill, Ravi Kishan

□□□□□□□: □ □□□□□□ □□□□□□□□□ (2017) □□□□□/□□□□□□□□□: □□□□□□□□□ □□□□□□□, □□□□ □□□□□□□ □□□□□: □□□□□□□
□□□□□□□□□: □□□□□ □. □□□□□□□□□
□□□□□□□□□: □□□□□ □□□□□□
□□□□□□□: □□□□□□ □□□□□□□, □□□□□□ □□□□□□□, □□□□□□ □□□□, □□□□□ □□□□□□

□□□□□□ □□□□ □□□□□ □□□□ (2017)
□□□□□/□□□□□□□□□: □□□□□□□□□ □□□□□□□
□□□□□: □□□□□□
Director: Giridharan Swamy
Music Composer: Sonu Nigam, Rohan-Rohan, Shaan Cast: Gaurav Ghatnekar, Nihar Gite, Supriya Pathare, Nikhil Ratnaparkhi

SARVAAN (2017)
□□□□□/□□□□□□□□□: □□□□□□□□□ □□□□□□□, □□□□ □□□□□□□, □□□□□□□□ □□□□□□□ □□□□□: □□□□□□□
□□□□□□□□□: □□□□□□□□□ □□□□
Music Composer: Jatinder Shah
Cast: Priyanka Chopra, Amrinder Gill, Simi Chahal, Ranjit Bawa

एंडनोट

1. ‘2017 सेलिब्रिटी 100’, फोर्ब्स इंडिया (http://www.forbesindia.com/lists/2017-celebrity-
100/1665/सभी)
2. ‘प्रियंका चोपड़ा यूनिसेफ के साथ बेजुबानों को आवाज देना चाहती हैं’, वैरायटी, अक्टूबर 2017,
(http://variety.com/2017/tv/news/priyanka-chopra-unicef-goodwill-ambassador-1202583243/)
3. ‘दुनिया की 100 सबसे शक्तिशाली महिलाएं’, फोर्ब्स डॉट कॉम (https://www.forbes.com/power-)
महिलाएं/सूची/)
4. ‘प्रियंका की शक्ति’, MarieClaire.com, 13 मार्च 2017 (http://www.marieclaire.com/celebrity/a25804/priyanka-chopra-april-2017-cover/)
5. ‘बॉलीवुड की क्रॉसओवर स्टार प्रियंका चोपड़ा ने पिछले साल 10 मिलियन डॉलर कैसे कमाए’, फोर्ब्स डॉट कॉम।
30 अगस्त 2017 (https://www.forbes.com/sites/maddieberg/2017/08/30/how-bollywood-)
crossover-priyanka-chopra-made-10-million-last-year/#735e55401dc4)
6. ‘द हंगर फॉर मोर’, कॉम्प्लेक्स, जून/जुलाई 2016 (http://www.complex.com/pop-
संस्कृति/प्रियंका चोपड़ा साक्षात्कार 2016 कवर स्टोरी)
7. ‘प्रियंका की शक्ति’, MarieClaire.com, 13 मार्च 2017 (http://www.marieclaire.com/celebrity/a25804/priyanka-chopra-april-2017-cover/)
8. ‘प्रियंका की शक्ति’, MarieClaire.com, 13 मार्च 2017 (http://www.marieclaire.com/celebrity/a25804/priyanka-chopra-april-2017-cover/)
9. ‘प्रियंका की शक्ति’, MarieClaire.com, 13 मार्च 2017

(http://www.marieclaire.com/celebrity/a25804/priyanka-chopra-april-2017-cover/.)
10. ‘□□□□□□□□□ □□□□□□□ □□ □□ □□□□ □□□□□ □□ □□□□□ □□□□□□’, □□□□□□ □□□□ □□□□, 6 □□□□□□□ 2016
(http://www.rediff.com/movies/report/the-priyanka-chopra-you-didnt-know/20161104.htm)
11. ‘□□□□□□□ □□□□□□ □□□□□□ □□ □□□□ □□□□□ □□□: □□□□□□□□□ □□□□□□□’, DNAIndia.com, 25 □□□□□□□□ 2008
(http://www.dnaindia.com/lifestyle/inner-spaces-diwali-is-always-a-fun-time-priyanka-
□□□□□□□-1201128)
12. ‘□□□□□ □□□□□ □□ □□□□ □□ □□□□□□ □□□□□□□□ □□ □□□□: □□□□□□□□□ □□□□□□□’, □□□□-□□ □□□□ □□□□, 13 □□□□□□□ 2010
(http://archive.mid-day.com/entertainment/2010/aug/130810-priyanka-chopra-cloudburst.htm)
13. The Anupam Kher Show: Kuch Bhi Ho Sakta Hai, 2 August 2015
(https://www.voot.com/shows/the-anupam-kher-show-s02/2/383623/being-candid-with-
□□□□□□□□□□-□□□□□□□/381705)
14. ‘□□□□□□□ □□□□□□ □□□□□□ □□ □□□□ □□□□□ □□□: □□□□□□□□□ □□□□□□□’, DNAIndia.com, 25 □□□□□□□□ 2008
(http://www.dnaindia.com/lifestyle/inner-spaces-diwali-is-always-a-fun-time-priyanka-
□□□□□□□-1201128)
15. ‘□□□□□□□□□ □□□□□□□ □□ □□□□□ □□□□□ □□ □□□□□□□□ □□ □□□□□□ □□□□□ □□□□’, □□□□□□□ □□□□□, 25 □□□□□□□ 2015
(http://www.india-forums.com/bollywood/hot-n-happening/59842-priyanka-chopra-shares-
her-childhood-christmas-memories.htm)
16. ‘□□□□□□□□□ □□□□□□□ □□ □□□□□ □□□□ □□□□□ □□’, □□□□□□□ □□□□□□□, □□□□ □□□□□, 1 □□□□□□□ 2014

(https://www.youtube.com/watch?v=oo5T_iyyQLI)
17. ‘प्रियंका चोपड़ा लाइव विद केली एंड माइकल’, 4 मार्च 2016 (https://www.youtube.com/watch?v=CmixCz3es3g)
18. ‘प्रियंका चोपड़ा लाइव विद केली एंड माइकल’ (https://www.youtube.com/watch?v=AfoSXkN-
9NY)
19. ‘प्रियंका चोपड़ा और जिमी के बीच विंग खाने की प्रतियोगिता’, द टुनाइट शो स्टारिंग जिमी
फैलन, 4 मार्च 2016 (https://www.youtube.com/watch?v=BkyhFJ6QADU)
20. ‘प्रियंका चोपड़ा लाइव विद केली एंड माइकल’, 4 मार्च 2016 (https://www.youtube.com/watch?v=CmixCz3es3g)
21. ‘प्रियंका चोपड़ा अमेरिका में वीजा पर रह रही हैं’, द लेट शो विद स्टीफन कोलबर्ट, 4
फरवरी 2017 (https://www.youtube.com/watch?v=4vMCbXdWEnw)
22. ‘द हंगर फॉर मोर’, कॉम्प्लेक्स, जून/जुलाई 2016 (http://www.complex.com/pop-
संस्कृति/प्रियंका चोपड़ा साक्षात्कार 2016 कवर स्टोरी)
23. ‘मैंने आज तक जितनी भी फिल्में की हैं, मुझे उनका कभी पछतावा नहीं हुआ’, RajeevMasand.com
(http://www.rajeevmasand.com/uncategorized/i-have-not-regretted-any-film-i-have-done/)
24. ‘प्रियंका चोपड़ा: ‘मैं घमंडी नहीं, आत्मविश्वासी हूँ’, द गार्डियन, 27 फरवरी 2016
(https://www.theguardian.com/film/2016/feb/28/priyanka-chopra-interview-bollywood-us-tv)
25. ‘प्रियंका चोपड़ा के साथ 73 सवाल’, वोग, 24 मई 2017 (https://www.youtube.com/watch?
v=dOUV2rwMr1g)
26. ‘प्रियंका चोपड़ा भाग्य की बच्ची हैं’, बिजनेस स्टैंडर्ड, 2 अक्टूबर 2015 (http://www.business-standard.com/article/beyond-business/priyanka-chopra-destiny-s-child-

115100200822_1.html)
27. ‘प्रियंका चोपड़ा प्रसिद्धि और अकेलेपन पर’, शुक्रवार, 24 दिसंबर 2013 (https://fridaymagazine.ae/life-culture/people-profiles/priyanka-chopra-on-fame-and-being-
अकेला-1.1270302)
28. ‘क्वांटिको की प्रियंका चोपड़ा के बारे में 10 बातें जो आप नहीं जानते’, ग्लैमर, 25 सितंबर 2015 (https://www.glamour.com/story/quantico-priyanka-chopra-facts)
29. The Anupam Kher Show: Kuch Bhi Ho Sakta Hai, 2 August 2015 (https://www.voot.com/shows/the-anupam-kher-show-s02/2/383623/being-candid-with-
प्रियंका-चोपड़ा/381705)
30. ‘प्रियंका चोपड़ा का वो रूप जिसे आप नहीं जानते’, रेडिफ डॉट कॉम, 6 नवंबर 2016
(http://www.rediff.com/movies/report/the-priyanka-chopra-you-didnt-know/20161104.htm)
31. The Anupam Kher Show: Kuch Bhi Ho Sakta Hai, 2 August 2015 (https://www.voot.com/shows/the-anupam-kher-show-s02/2/383623/being-candid-with-
प्रियंका-चोपड़ा/381705)
32. ‘“क्वांटिको” में बॉलीवुड की प्रियंका चोपड़ा अमेरिकी बाजार में अपनी पैठ बनाने की कोशिश कर रही हैं’, द न्यूयॉर्क
टाइम्स, 18 सितंबर 2015
(https://www.nytimes.com/2015/09/20/arts/television/in-quantico-) bollywoods-priyanka-chopra-seeks-an-american-foothold.html)
33. The Anupam Kher Show: Kuch Bhi Ho Sakta Hai, 2 August 2015 (https://www.voot.com/shows/the-anupam-kher-show-s02/2/383623/being-candid-with-
प्रियंका-चोपड़ा/381705)
34. The Anupam Kher Show: Kuch Bhi Ho Sakta Hai, 2 August 2015

(https://www.voot.com/shows/the-anupam-kher-show-s02/2/383623/being-candid-with-
प्रियंका-चोपड़ा/381705)
35. ‘प्रियांका ने उत्पीड़न को ना कहने के कारण बड़ी फिल्में खो दीं: मां मधु चोपड़ा’, डेक्कन क्रॉनिकल
11 नवंबर 2017
(https://www.deccanchronicle.com/entertainment/bollywood/11117/priyanka-lost-films-as-
she-said-no-to-harassment-says-mother-madhu-chopra.html)
36. ‘द बैरक्स एंड द ब्यूटीफुल’, वर्व, 10 अप्रैल 2014 (http://www.vervemagazine.in/people/the-barracks-and-the-beautiful)
37. ‘भारत, सौंदर्य की महाशक्ति, अब उदासीन होता जा रहा है’, द न्यूयॉर्क टाइम्स, 13 दिसंबर 2000
(http://www.nytimes.com/2000/12/13/world/india-beauty-superpower-is-becoming-
jaded.html)
38. ‘भारत, सौंदर्य महाशक्ति, अब क्षीण होता जा रहा है’, द न्यू यॉर्क टाइम्स, 13 दिसंबर 2000। (http://www.nytimes.com/2000/12/13/world/india-beauty-superpower-is-becoming-
jaded.html)
39. ‘द रेडिफ डायरी,’ रेडिफ डॉट कॉम, 24 जनवरी 2000 (http://www.rediff.com/news/2000/jan/24diary.htm)
40. प्रियंका चोपड़ा, मिस इंडिया 2000 के फाइनल राउंड में शाहरुख खान द्वारा पूछे गए प्रश्न।
(https://www.youtube.com/watch?v=BYBZgdfV7dE)
41. ‘शाहरुख खान और प्रियंका चोपड़ा की रात 3 बजे की दोस्ती की विशेष तस्वीरें’, FirstPost.com
18 जनवरी 2012 (http://www.firstpost.com/entertainment/srk-and-priyanka-chopras-3am-)
friendship-186761.html)

42. ‘प्रियंका चोपड़ा मेरे दिल के बहुत करीब हैं: शाहरुख खान’, फर्स्टपोस्ट डॉट कॉम, 30 नवंबर
2012 (http://www.firstpost.com/politics/priyanka-chopra-is-very-close-to-my-heart-shah-rukh-
khan-538189.html)
43. ‘डॉन 3: शाहरुख खान के साथ प्रियंका चोपड़ा की जगह नई अभिनेत्री लेंगी’, द टाइम्स ऑफ
भारत, 5 अप्रैल 2018
(https://timesofindia.indiatimes.com/entertainment/hindi/bollywood/photo-features/movies-to-
डॉन 3 में प्रियंका चोपड़ा की जगह शाहरुख खान के साथ नई अभिनेत्री के आने का बेसब्री से इंतजार है।
Khan/photostory/63212831.cms)
44. ‘क्या शाहरुख खान ने डॉन 3 में प्रियंका चोपड़ा की जगह दीपिका पादुकोण को लिया?’ इंडिया टुडे
23 नवंबर 2017 (http://indiatoday.intoday.in/story/shah-rukh-khan-priyanka-chopra-)
deepika-padukone-don-3/1/1095480.html)
45. ‘प्रियंका चोपड़ा का वो रूप जिसे आप नहीं जानते’, रेडिफ डॉट कॉम, 6 नवंबर 2016
(http://www.rediff.com/movies/report/the-priyanka-chopra-you-didnt-know/20161104.htm)
46. ‘मिस वर्ल्ड ब्यूटी क्वीन, मदर टेरेसा से प्रेरित’, द गार्जियन, 20 नवंबर 2000
(https://www.theguardian.com/uk/2000/dec/01/2)
47. ‘छोटे शहर की लड़की ने दुनिया पर विजय प्राप्त की’, द हिंदू, 2 दिसंबर 2000
(http://www.thehindu.com/2000/12/02/stories/02020004.htm)
48. ‘भारत, सौंदर्य की महाशक्ति, अब उदासीन होता जा रहा है’, द न्यूयॉर्क टाइम्स, 13 दिसंबर 2000

(https://www.nytimes.com/2000/12/13/world/india-beauty-superpower-is-becoming-
jaded.html)
49. ‘प्रियंका चोपड़ा: वो लड़की जिसने समय को पार कर लिया’, द हिंदुस्तान टाइम्स, 10 अक्टूबर 2015
(http://www.hindustantimes.com/brunch/priyanka-chopra-the-girl-who-leapt-through-
time/story-Rt4Vwx9Nb8c9z0Damv9N6K.html)
50. ‘यूपी के मुख्यमंत्री सौंदर्य प्रतियोगिताओं पर प्रतिबंध के पक्ष में’, रेडिफ डॉट कॉम, 13 दिसंबर 2000 (http://www.rediff.com/news/2000/dec/13up1.htm)
51. 'महिला ने मिस वर्ल्ड के पिता पर यौन शोषण का आरोप लगाया', गल्फ न्यूज, 23 जनवरी 2001
(http://gulfnews.com/news/uae/general/woman-accuses-miss-world-s-father-of-sexual-abuse-
1.408377)

52. ‘मिस वर्ल्ड के पिता पर दुर्व्यवहार का मामला’, द टेलीग्राफ, 15 जनवरी 2000

(https://www.telegraphindia.com/1010116/front_pa.htm)
53. ‘मिस वर्ल्ड के पिता ने यौन शोषण के आरोपों को बेतुका बताया’, गल्फ न्यूज, 18 फरवरी 2001
(http://gulfnews.com/news/uae/general/miss-world-s-father-says-sexual-abuse-charges-
विचित्र-1.415547)
54. ‘प्रियंका ने बहुत अच्छा काम किया’, रेडिफ डॉट कॉम, 3 जुलाई 2002 (http://www.rediff.com/entertai/2002/jul/03priyan.htm)
55. ‘प्रियंका ने बहुत अच्छा काम किया’, रेडिफ डॉट कॉम, 3 जुलाई 2002 (http://www.rediff.com/entertai/2002/jul/03priyan.htm)
56. ‘प्रियंका ने बहुत अच्छा काम किया है’, विवेक फर्नांडीस, रेडिफ डॉट कॉम, 3 जुलाई 2002
(http://www.rediff.com/entertai/2002/jul/03priyan.htm)

57. ‘मैं खुद को “सेक्सी” नहीं मानता’, RajeevMasand.com (http://www.rajeevmasand.com/uncategorized/i-dont-see-myself-as-sexy-priyanka/)
58. ‘मैं खुद को “सेक्सी” नहीं मानती: प्रियंका’, RajeevMasand.com (http://www.rajeevmasand.com/uncategorized/i-dont-see-myself-as-sexy-priyanka/)
59. ‘ऋतिक और प्रियंका अपनी कला के शिखर पर हैं’, बॉम्बे टाइम्स, 30 अक्टूबर 2013
(http://www.knkactinginstitute.com/pdf/Kishore-Namit-Kapoor-FP-30-10-2013.pdf)
60. ‘हमराज़ दिवालिया नहीं होगा’, रेडिफ डॉट कॉम, 5 जुलाई 2002 (http://www.rediff.com/entertai/2002/jul/05abbas.htm)
61. 'थमिज़ान', द हिंदू, 19 अप्रैल 2002 (http://www.thehindu.com/thehindu/fr/2002/04/19/stories/2002041900820203.htm)
62. ‘सौंदर्य प्रतियोगिता से सिनेमा तक’, द हिंदू, 14 दिसंबर 2001 (https://web.archive.org/web/20131207145033/http://www.hindu.com/thehindu/fr/2001/12/14/stories/2001121400720200.htm
63. ‘मैं खुद को “सेक्सी” नहीं मानती: प्रियंका’, RajeevMasand.com (http://www.rajeevmasand.com/uncategorized/i-dont-see-myself-as-sexy-priyanka/)
64. ‘द हीरो: लव स्टोरी ऑफ अ स्पाई’, वैरायटी, 16 अप्रैल 2003 (http://variety.com/2003/film/reviews/the-hero-love-story-of-aspy-1200542160/)
65. ‘एक कॉमिकबुक जासूसी फिल्म’, रेडिफ डॉट कॉम, 11 अप्रैल 2003 (http://www.rediff.com/movies/2003/apr/11hero.htm)
66. ‘अंदाज़: ऊब की उड़ान’, रेडिफ डॉट कॉम, 24 मई 2003 (http://www.rediff.com/movies/2003/may/23andaaz.htm)
67. ‘Mujhse Shaadi Karogi is another Main Hoon Na, ”Rediff.com, 30 July 2004
(http://www.rediff.com/movies/2004/jul/30mujhse.htm)

68. ‘Mujhse Shaadi Karogi’, The Hindu, 6 August 2004, (http://www.thehindu.com/thehindu/fr/2004/08/06/stories/2004080602740301.htm)
69. ‘Mujhse Shaadi Karogi’, The Times of India, 2 August 2004, (https://timesofindia.indiatimes.com/bollywood/Mujhse-Shaadi-Karoge/articleshow/799491.cms)
70. ‘Film review: Abbas-Mustan’s Aitraaz starring Akshay Kumar, Priyanka Chopra’, India Today, 29 □□□□□ 2004 (https://www.indiatoday.in/magazine/your-week/story/20041129-film-)□□□□□□-□□□□□□-□□□□□□-□□□□□-□□□□□-□□□□□□□□-□□□□□□-789172-2004-11-□□□□□□-□□□□□□-□□ □□□□□□□
29)
71. ‘Aitraaz (film review)’, Sify.com, 15 November 2004 (https://web.archive.org/web/20161231204336/http://www.sify.com/movies/aitraaz-news-review-kkfvEtbifhgsi.html)
72. ‘□□ □□□ □ □□□□□: □□□□□□□□ □□□□ □□□□□□□□□□ □□□□□□ □□’, RajivMasand.com (http://www.rajeevmasand.com/uncategorized/to-catch-a-star-priyanka-on-her-best-role/)
73. ‘□□□□ □□□ □□□: □□□□ 1’, □□□□□□ 17, 26 □□□□□ 2005 (http://www.hotstar.com/tv/koffee-with-karan/1525/priyanka-chopra-and-arjun-rampal/100004958)
74. ‘□□□□□ □□□□□ □□ □□□□ □□□□□ □□□□□□’, □□□□□□ □□ □□□□□□, 8 □□□ 2014, (https://timesofindia.indiatimes.com/entertainment/hindi/bollywood/photo-features/akshay-kumars-alleged-love-affairs/akshay-kumars-alleged-love-affairs/photostory/36250580.cms)
75. □□□□ □□□□ □□□ □□? □□□□□ □□□□□□□□ □□□□□□ □□ □□□□□ □□□□□ □□ □□□ □□□□□ □□□□□ □□□□□

साथ में’, DNAIndia.com, 8 अक्टूबर 2017 (http://www.dnaindia.com/bollywood/report-did-
आपको पता है बरसात प्रियंका चोपड़ा और अक्षय कुमार की छठी आखिरी फिल्म होती।
एक साथ-2551216)
76. ‘क्या अक्की-ट्विंकल की जोड़ी टूटने वाली है?’ टाइम्स ऑफ इंडिया, 29 सितंबर 2004
(https://timesofindia.indiatimes.com/entertainment/hindi/bollywood/news/Akki-Twinkle-pair-
set-to-split/articleshow/868270.cms)
77. अक्षय कुमार ने प्रियंका चोपड़ा के साथ अपने “झगड़े” पर कहा: “चलिए प्रियंका को फोन करके सच्चाई का पता लगाते हैं”।
इंडियन एक्सप्रेस, 3 फरवरी 2017 (http://indianexpress.com/article/entertainment/bollywood/akshay-kumar-on-his-tiff-with-
priyanka-chopra-lets-call-priyanka-and-find-out-the-truth-4506126/)
78. ‘कॉफी विद करण: सीजन 2, एपिसोड 2’, 17 फरवरी 2007 (http://www.hotstar.com/tv/koffee-with-karan/1525/hrithik-and-priyanka-chopra/100004207)
79. ‘प्रियंका के पूर्व सचिव प्रकाश जाजू गिरफ्तार’, वेबइंडिया123.कॉम, 26 अगस्त 2008
(https://news.webindia123.com/news/articles/India/20080826/1037084.html)
80. ‘पीसी ने पूर्व प्रेमी और मैनेजर को कानूनी नोटिस भेजा’, मुंबई मिरर, 2 जून 2014
(https://mumbaimirror.indiatimes.com/entertainment/bollywood/PeeCee-sends-legal-notice-
(पूर्व प्रेमी और प्रबंधक को/लेख दिखाएँ/35937696.cms)
81. ‘प्रियंका चोपड़ा की मां मधु ने आत्महत्या के दावों को लेकर प्रकाश जाजू को “झूठा” कहा’, द इंडियन

एक्सप्रेस, 4 अप्रैल 2016 (http://indianexpress.com/article/entertainment/bollywood/priyanka-) चोपड़ा की मां मधु ने बेटी के आत्महत्या के दावों के लिए प्रकाश जाजू की आलोचना की।
82. ‘कॉफी विद करण: सीजन 3, एपिसोड 7’, 19 दिसंबर 2010 (http://www.hotstar.com/tv/koffee-with-karan/1525/priyanka-chopra-and-shahid-
कपूर/100004237)
83. ‘सिप्पी के ब्लफमास्टर में प्रियंका ने ऐश की जगह ली!’, हिंदुस्तान टाइम्स
(http://www.hindustantimes.com/india/priyanka-replaces-ash-in-sippy-s-bluff-master/story-2cA7Anfo8w07IZDLLheSlM.html)
84. ‘असली धोखेबाज से बातचीत’, रेडिफ डॉट कॉम, 22 दिसंबर 2005 (http://www.rediff.com/movies/report/rohan/20051222.htm)
85. 'ब्लफ़मास्टर: ए टाइमपास ब्लास्ट', Rediff.com, 16 दिसंबर 2005 (http://www.rediff.com/movies/2005/dec/16bluff.htm)
86. ‘अभिषेक बच्चन और प्रियंका चोपड़ा अभिनीत फिल्म ब्लफमास्टर की समीक्षा’, इंडिया टुडे, 2
जनवरी 2006 (http://indiatoday.intoday.in/story/movie-review-of-bluffmaster-starring-
abhishek-bachchan-priyanka-chopra/1/182157.html)
87. ‘मैं खुद को “सेक्सी” नहीं मानती: प्रियंका’, RajeevMasand.com (http://www.rajeevmasand.com/uncategorized/i-dont-see-myself-as-sexy-priyanka/)
88. ‘कृष बॉलीवुड के एक सुपरहीरो के आगे के कारनामों की कहानी कहता है’, द न्यूयॉर्क टाइम्स, 30 जून
2006 (http://www.nytimes.com/2006/06/30/movies/30krri.html)
89. ‘ऋतिक ने कृष से काम करवाया’, रेडिफ डॉट कॉम, 23 जून 2006 (http://www.rediff.com/movies/2006/jun/23krrish.htm)
90. ‘कृष: पुराने तरीके, नए परिधान’, हिंदुस्तान टाइम्स, 26 जून 2006

(https://web.archive.org/web/20140607122038/http:// www.hindustantimes.com/News-Feed/NM12/Krrish-Old-tricks-new-trappings/Article1-113686.aspx)
91. ‘सिप्पी के ब्लफमास्टर में प्रियंका ने ऐश की जगह ली’, हिंदुस्तान टाइम्स, 29 जून 2005
(http://www.hindustantimes.com/india/priyanka-replaces-ash-in-sippy-s-bluff-master/story-2cA7Anfo8w07IZDLLheSlM.html)
92. ‘ऋतिक ने कृष से काम करवाया’, रेडिफ डॉट कॉम, 23 जून 2006 (http://www.rediff.com/movies/2006/jun/23krrish.htm)
93. ‘Krrish 3 review: Krrash landing for Hrithik, Vivek, Priyanka and Kangana’, FirstPost.com, 1
नवंबर 2013 (http://www.firstpost.com/entertainment/krrish-3-review-krraash-landing-for-
hrithik-vivek-priyanka-and-kangana-1205619.html).
94. ‘कृष 3 एक बहुत बड़ी बर्बादी है’, रेडिफ डॉट कॉम, 1 नवंबर 2013 (http://www.rediff.com/movies/report/review-krrish-3-is-a-colossal-waste/20131101.htm)
95. ‘प्रियंका चोपड़ा ने खुद को कृष 3 की नायिका घोषित किया। क्या उन्हें कंगना से असुरक्षा महसूस हो रही है?’ भारत
आज, 18 अक्टूबर 2013 (http://indiatoday.intoday.in/story/priyanka-chopra-says-i-am-the-
heroine-of-krrish-3/1/316871.html).
96. ‘हॉट कंगना की जीत हुई’, इंडिया टुडे, 7 नवंबर 2013 (http://indiatoday.intoday.in/story/kangana-has-the-last-laugh-after-the-release-of-krrish-
3/1/322033.html)
97. ‘कंगना प्रियंका के साथ अभिनय करने को लेकर असुरक्षित महसूस नहीं करतीं’, DNAIndia.com, 28 अक्टूबर 2007 (http://www.dnaindia.com/entertainment/report-kangana-not-insecure-about-acting-with-
प्रियंका-1130342)

98. ‘मसांद का फैसला: फैशन सिर्फ मसाला है, वास्तविकता नहीं’, RajeevMasand.com
(http://www.rajeevmasand.com/uncategorized/masands-verdict-fashion-is-all-masala-no-
वास्तविकता/)।
99. ‘फैशन आपको छूता नहीं है’, रेडिफ डॉट कॉम, 29 अक्टूबर 2008 (http://www.rediff.com/movies/2008/oct/29fashion.htm)
100. ‘जब ऋतिख रोशन सुर्खियों में आए’, टाइम्स ऑफ इंडिया, 21 फरवरी 2018 (https://timesofindia.indiatimes.com/entertainment/hindi/bollywood/when-hrithik-roshan-
(made-headlines/photostory/45790830.cms)
101. ‘दोस्ताना बेहद मनोरंजक है’, रेडिफ डॉट कॉम, 14 नवंबर 2008 (http://www.rediff.com/movies/2008/nov/14dostana-is-injuriously-entertaining.htm)
102. ‘Masand’s verdict: Dostana | Dasvidaniya’, RajeevMasand.com (http://www.rajeevmasand.com/uncategorized/masands-verdict-dostana-dasvidaniya/)
103. ‘फिल्म समीक्षा: कमीने’, द इंडियन एक्सप्रेस, 14 अगस्त 2009, (http://archive.indianexpress.com/news/movie-review-kaminey/502164/2)
104. ‘कमिनी समीक्षा: बहुत, बहुत सेक्सी’, रेडिफ डॉट कॉम, 12 अगस्त 2009 (http://movies.rediff.com/report/2009/aug/12/kaminey-review.htm)
105. ‘जब वी मेट की शूटिंग के दौरान करीना और शाहिद कपूर का ब्रेकअप हुआ तो क्या हुआ’,
कॉस्मोपॉलिटन डॉट इन, 24 अक्टूबर 2017 (https://www.cosmopolitan.in/celebrity/news/a12030/heres-what-happened-when-kareena-
शाहिद कपूर का ब्रेकअप फिल्म 'जब वी मेट' की शूटिंग के दौरान हुआ था।
106. ‘कॉफी विद करण: सीजन 3, एपिसोड 7’, 19 दिसंबर 2010 (http://www.hotstar.com/tv/koffee-with-karan/1525/priyanka-chopra-and-shahid-
कपूर/100004237)

107. ‘प्रियंका चोपड़ा ने स्वीकार किया कि शाहिद कपूर मेरे अपार्टमेंट में थे’, DNAIndia.com, 2 फरवरी 2011 (http://www.dnaindia.com/entertainment/report-shahid-kapur-was-at-my-apartment-admits-
प्रियंका-चोपड़ा-1502096)
108. ‘कॉफी विद करण: सीजन 4, एपिसोड 6, 5 जनवरी 2014 (http://www.hotstar.com/tv/koffee-with-karan/1525/priyanka-chopra-and-deepika-padukone/100004258)
109. ‘प्रियंका चोपड़ा ऑन द लेट शो विद कोलबर्ट’, 4 फरवरी 2017 (https://www.youtube.com/watch?v=4vMCbXdWEnw&t=251s)
110. रॉबर्ट डी नीरो, imdb.com (http://www.imdb.com/name/nm0000134/? ref_=fn_al_nm_2)
111. ‘प्रियंका—मुझे नहीं लगता कि मैं ज़ीनत की बराबरी कर सकती हूँ’, Sify.com, 18 अक्टूबर 2006 (http://www.sify.com/movies/priyanka-i-don-t-think-i-can-match-up-to-zeenat-news-

bollywood-kkfvhNjcdaesi.html)
112. ‘मैं चाहती हूं कि प्रियंका चोपड़ा मेरी बायोपिक करें: ज़ीनत अमान’, डेक्कन क्रॉनिकल, 5 मई 2017 (http://www.deccanchronicle.com/entertainment/bollywood/050517/i-want-priyanka-chopra-
to-do-my-biopic-zeenat-aman.html)
113. ‘एसआरके ने बिग बी की फिल्म डॉन को उचित श्रद्धांजलि दी’, रेडिफ डॉट कॉम, 20 अक्टूबर 2006
(http://www.rediff.com/movies/2006/oct/20don.htm)
114. शाहरुख खान का "सेक्सी ट्विस्टेड" डॉन ढीली कहानी और सुस्त गति पर विजय प्राप्त करके अपनी छाप छोड़ता है।
'देखने लायक', द टेलीग्राफ, 24 दिसंबर 2011 (https://www.telegraphindia.com/1111224/jsp/entertainment/story_14921919.jsp)

115. ‘अनुपमा चोपड़ा की समीक्षा: बर्फी’, हिंदुस्तान टाइम्स, 15 सितंबर 2011
(http://www.hindustantimes.com/movie-reviews/anupama-chopra-s-review-barfi/story-
8rCfZkjHqQrOIiNKDvycJM.html)
116. ‘बर्फी में प्रियंका एक प्यारे पिल्ले जैसी लग रही हैं: रणबीर कपूर’, फर्स्टपोस्ट डॉट कॉम, 3 जून 2012 (http://www.firstpost.com/entertainment/in-barfi-priyanka-is-like-a-cute-puppy-ranbir-kapoor-
364918.html)
117. ‘कॉफी विद करण: सीजन 4, एपिसोड 6’, 5 जनवरी 2014 (http://www.hotstar.com/tv/koffee-with-karan/1525/priyanka-chopra-and-deepika-padukone/100004258)
118. 'प्रियंका चोपड़ा ने 'रामलीला' के नवीनतम आइटम गीत 'राम चाहे लीला' में खुद को ढाला',
DNAIndia.com, 25 अक्टूबर 2013 (http://www.dnaindia.com/entertainment/report-priyanka-)
चोपड़ा-खुद को नवीनतम-आइटम-गीत-राम-चाहे-लीला-से-रामलीला-1908751) में भुनाया
119. ‘कॉफी विद करण: सीजन 4, एपिसोड 6’, 5 जनवरी 2014 (http://www.hotstar.com/tv/koffee-with-karan/1525/priyanka-chopra-and-deepika-padukone/100004258)
120. ‘गुंडे एकदम बकवास है’, रेडिफ डॉट कॉम, 14 फरवरी 2014 (http://www.rediff.com/movies/review/review-gunday-is-utter-garbage/20140214.htm)
121. ‘फिल्म समीक्षा: गुंडे’, वैरायटी, 16 फरवरी 2014 (http://variety.com/2014/film/reviews/film-
review-gunday-1201103256/)
122. ‘फिल्म समीक्षा: गुंडे’, वैरायटी, 16 फरवरी 2014 (http://variety.com/2014/film/reviews/film-) review-gunday-1201103256/)

123. ‘मैरी कॉम समीक्षा: प्रियंका चोपड़ा की यह फिल्म मुक्केबाज के साथ अन्याय है’, फर्स्टपोस्ट डॉट कॉम, 6
सितंबर 2014 (https://www.firstpost.com/entertainment/mary-kom-review-this-priyanka-)
chopra-film-is-a-disservice-to-the-boxer-1696517.html)
124. 'फिल्म समीक्षा: मैरी कॉम', LiveMint.com, 5 सितंबर 2015 (https://www.livemint.com/Leisure/LsAWZGZiMuRgCKLHK38GaK/Film-Review--Mary-
com.html)
125. ‘प्रियंका चोपड़ा की प्रतिभा के लिए मेरे मन में सर्वोच्च सम्मान है: फरहान अख्तर’, द इंडियन एक्सप्रेस, 13
जनवरी 2016 (http://indianexpress.com/article/entertainment/bollywood/i-have-highest-)
प्रियंका चोपड़ा की प्रतिभा फरहान अख्तर का सम्मान
126. ‘Priyanka Chopra and Ranveer Singh on the bittersweet comedy Dil Dhadakne Do’, The
नेशनल, 2 जून 2015 (https://www.thenational.ae/arts-culture/priyanka-chopra-and-ranveer-)
सिंह-ऑन-द-बिटरस्वीट-कॉमेडी-दिल-धड़कने-दो-1.98438)
127. ‘प्रियंका चोपड़ा बाजीराव मस्तानी में काशीबाई का किरदार नहीं निभाना चाहती थीं’, DNAIndia.com, 21
नवंबर 2015 (http://www.dnaindia.com/entertainment/report-priyanka-chopra-did-not-)
want-to-be-kashibai-in-bajirao-mastani-2147518)
128. ‘प्रियंका चोपड़ा ने बाजीराव मस्तानी क्यों की? इस सवाल और 6 अन्य सवालों के जवाब’, कैच
समाचार, 14 फरवरी 2017
(http://www.catchnews.com/bollywood-news/priyanka-chopra-)
अंत में खुलासा हुआ कि संजय लीला भंसाली की फिल्म बाजीराव मस्तानी क्यों सफल रही, जबकि...

यह सब रणवीर सिंह और दीपिका पादुकोण के बारे में है - 6 रोचक उत्तर - प्रियंका
chopra-gave-1450349217.html)
129. ‘काशीबाई का सृजन’, द हिंदू, 18 दिसंबर 2015 (http://www.thehindu.com/news/cities/mumbai/creating-kashibai/article8003512.ece)
130. ‘बाजीराव मस्तानी, बॉलीवुड का एक वर्जित प्रेम प्रसंग’, द न्यूयॉर्क टाइम्स, 17 दिसंबर 2015
(https://www.nytimes.com/2015/12/18/movies/review-bajirao-mastani-a-bollywood-
forbidden-romance.html?_r=0)
131. ‘बाजीराव मस्तानी समीक्षा—कामुक लेकिन प्रगतिशील ऐतिहासिक प्रेम त्रिकोण’, द गार्जियन, 23
दिसंबर 2015 (https://www.theguardian.com/film/2015/dec/23/bajirao-mastani-review-)
ऐतिहासिक प्रेम त्रिकोण (दीपिका पादुकोण, रणवीर सिंह और प्रियंका चोपड़ा)
132. ‘अनुपमा चोपड़ा द्वारा बाजीराव मस्तानी की समीक्षा: बुलंदियों पर, मार्मिक, भव्य’, हिंदुस्तान टाइम्स,
22 दिसंबर 2015 (http://www.hindustantimes.com/movie-reviews/bajirao-mastani-review-)
(by-anupama-chopra-soaring-searing-sumptuous/story-gZmskukJnTmbRtcS15D3XK.html)
133. ‘प्रियंका और रणवीर बाजीराज मस्तानी में शानदार हैं’, रेडिफ डॉट कॉम, 18 दिसंबर 2015
(http://www.rediff.com/movies/report/review-priyanka-ranveer-are-terrific-in-bajirao-
mastani/20151218.htm
134. ‘जय गंगाजल’ फिल्म समीक्षा: प्रियंका चोपड़ा का ज़रूरत से ज़्यादा परिष्कृत, बिना मेकअप वाला लुक बहुत ही
ध्यान भटकाने वाला’, द इंडियन एक्सप्रेस, 6 मार्च 2016

(http://indianexpress.com/article/entertainment/movie-review/jai-gangaajal-movie-review-
प्रियंका-चोपड़ा-जय-गंगाजल-समीक्षा-सितारे/)
135. 'जय गंगाजल: कोपिंग द ड्रामा', द हिंदू, 5 मार्च 2016 (http://www.thehindu.com/features/cinema/cinema-reviews/jai-gangaajal-review-priyanka-
chopra-prakash-jha/article8316012.ece)
136. ‘पीसी प्रोड्यूसर हैं’, मुंबई मिरर, 21 मई 2014 (https://mumbaimirror.indiatimes.com/entertainment/bollywood// articleshow/35405185.cms?)
137. 'मैडमजी: प्रियंका चोपड़ा ने पहले प्रोडक्शन वेंचर के लिए मधुर भंडारकर को लिया', द
टाइम्स ऑफ इंडिया, 20 अगस्त 2014 (http://timesofindia.indiatimes.com/entertainment/hindi/bollywood/news/Madamji-Priyanka-
चोपड़ा ने पहले प्रोडक्शन के लिए मधुर भंडारकर को चुना venture/articleshow/40408114.cms)
138. ‘प्रियंका चोपड़ा नई प्रतिभाओं को बढ़ावा देना चाहती हैं’, DNAIndia.com, 14 जनवरी 2016 (http://www.dnaindia.com/entertainment/report-priyanka-chopra-wants-to-promote-new-
प्रतिभा-2165696)
139. 'बीबीसी एशियन रेडियो सरवन इंटरव्यू पर प्रियंका चोपड़ा', 29 जनवरी 2017
(https://www.youtube.com/watch?v=SFarrLCAr0I)
140. ‘प्रियंका चोपड़ा का वो रूप जिसे आप नहीं जानते’, रेडिफ डॉट कॉम, 6 नवंबर 2016
(http://www.rediff.com/movies/report/the-priyanka-chopra-you-didnt-know/20161104.htm)
141. ‘प्रियंका चोपड़ा का बैनर मुश्किल में’, मिड-डे डॉट कॉम, 8 जनवरी 2016, (http://www.mid-

day.com/articles/priyanka-chopras-production-banner-in-a-spot-of-bother/16842198)
142. ‘मराठी-पंजाबी फिल्में जिन्होंने अपनी छाप छोड़ी’, द हिंदू, 26 दिसंबर 2016
(http://www.thehindu.com/entertainment/movies/Marathi-Punjabi-films-that-made-a-mark-in-
2016/article16944908.ece1)
143. ‘प्रियंका चोपड़ा और उनकी मां मधु चोपड़ा “न्यूटन” के भारत की सर्वश्रेष्ठ फिल्म होने से निराश हैं’
'ऑस्कर के लिए आधिकारिक प्रविष्टि?', डीएनएइंडिया डॉट कॉम, 26 सितंबर 2017 (http://www.dnaindia.com/bollywood/report-priyanka-chopra-and-her-mom-madhu-chopra-
(न्यूटन के ऑस्कर के लिए नामांकित होने से निराश)
144. 'बीबीसी एशियन रेडियो सरवन इंटरव्यू पर प्रियंका चोपड़ा', 29 जनवरी 2017
(https://www.youtube.com/watch?v=SFarrLCAr0I)
145. ‘प्रियंका चोपड़ा नस्लवाद का दरवाजा तोड़ना चाहती हैं’, ईटी कनाडा, यूट्यूब, 7
सितंबर 2017 (https://www.youtube.com/watch?v=JUHM2cWei9c)
146. ‘तुम मूर्ख, अज्ञानी बेवकूफ हो’: सिक्किम के बारे में “गलत” बयान के लिए प्रियंका चोपड़ा को ऑनलाइन आलोचना का सामना करना पड़ा
टिप्पणियाँ’, हिंदुस्तान टाइम्स, 14 सितंबर 2017 (https://www.hindustantimes.com/bollywood/priyanka-chopra-faces-backlash-for-calling-
सिक्किम में विद्रोह का प्रकोप - पाहुना - इस क्षेत्र की पहली फिल्म/कहानी GBXX9wWEBkBcX3IHTf3DKL.html)
147. ‘सिक्किम को उग्रवाद प्रभावित बताने पर हुए हमले के बाद प्रियंका चोपड़ा ने माफी मांगी’, भारत
आज, 14 सितंबर 2017 (http://indiatoday.intoday.in/story/priyanka-chopra-attacked-)
सिक्किम-विद्रोह-टीआईएफ/1/1047589.html)

148. ‘मेरा मतलब कभी यह नहीं था कि सिक्किम में उग्रवाद है: प्रियंका चोपड़ा’, खलीज टाइम्स, 15
सितंबर 2017 (https://www.khaleejtimes.com/citytimes/bollywood/never-meant-to-imply-)
सिक्किम में विद्रोह (प्रियंका चोपड़ा)
149. ट्रोल होने पर प्रियंका चोपड़ा ने सिक्किम को "आतंकवाद से ग्रस्त क्षेत्र" कहने के लिए माफी मांगी।
एनडीटीवी डॉट कॉम, 14 सितंबर 2017 (https://www.ndtv.com/entertainment/priyanka-chopra-)
सिक्किम में विद्रोह को समस्याग्रस्त बताकर लोगों को बहुत गुस्सा दिलाया (1750119)
150. ‘ऑनलाइन आलोचना के बाद प्रियंका ने होलोकॉस्ट मेमोरियल सेल्फी डिलीट कीं’, TheQuint.com, 1 जून
2017 (https://www.thequint.com/entertainment/priyanka-chopra-deletes-holocaust-memorial-
सेल्फी)
151. ‘बर्लिन में “होलोकॉस्ट सेल्फी” लेने के लिए भारतीय बेवॉच स्टार की आलोचना’, TheQuint.com, 1 जून 2017 (https://www.thequint.com/entertainment/priyanka-chopra-deletes-holocaust-memorial-
सेल्फी)
152. ‘बॉलीवुड स्टार प्रियंका चोपड़ा ने शरणार्थियों के प्रति “असंवेदनशील” टी-शर्ट पर माफी मांगी’, रॉयटर्स, 18
अक्टूबर 2016 (https://www.theguardian.com/world/2016/oct/18/bollywood-star-priyanka-)
चोपड़ा ने शरणार्थी टी-शर्ट को लेकर माफी मांगी (Chopra-apologises-over-insensitive-refugee-t-shirt)
153. ‘प्रवासी, शरणार्थी टी-शर्ट: प्रियंका चोपड़ा कहती हैं, बहुत बुरा लग रहा है’, एनडीटीवी, 18 अक्टूबर 2016 (https://www.youtube.com/watch?v=dMRTeYvlYaY)

154. ‘अंजुला चारिया-बाथ: प्रियंका चोपड़ा के अमेरिकी सपने को साकार करने वाली एंजेल निवेशक’
LiveMint.com, 4 अक्टूबर 2015 (http://www.livemint.com/Sundayapp/3fOentBqW1R01IznNXJPkJ/Anjula-AchariaBath-The-
angel-investor-propelling-Priyanka.html)
155. ‘न्यू ट्रिनिटी वेंचर्स पार्टनर अंजुला अचैरा बाथ ने तकनीक और टिनसेलटाउन, ईस्ट और को जोड़ा
'वेस्ट', फोर्ब्स डॉट कॉम, 26 अक्टूबर 2015 (https://www.forbes.com/sites/anushayhossain/2015/10/26/new-trinity-ventures-partner-
anjula-acharia-bath-connects-tech-and-tinseltown-east-and-west/#3e62765932b7).
156. ‘अंजुला चारिया-बाथ: प्रियंका चोपड़ा के अमेरिकी सपने को साकार करने वाली एंजेल निवेशक’
LiveMint.com, 4 अक्टूबर 2015 (http://www.livemint.com/Sundayapp/3fOentBqW1R01IznNXJPkJ/Anjula-AchariaBath-The-
angel-investor-propelling-Priyanka.html)
157. ‘म्यूजिक लेबल का लक्ष्य भारत में पॉप संगीत को बढ़ावा देना है’, वैरायटी, 3 मार्च 2014
(http://variety.com/2012/music/news/music-label-aims-to-put-pop-in-india-1118050969/)
158. ‘द रिलक्टेंट सिंगर’, द इंडियन एक्सप्रेस, 27 अक्टूबर 2012 (http://archive.indianexpress.com/news/the-reluctant-singer/1022671/)
159. ‘बॉलीवुड की प्रियंका चोपड़ा अमेरिका में एक अग्रणी पॉप कलाकार के रूप में’, लॉस एंजिल्स टाइम्स, 20 नवंबर
2012 (http://articles.latimes.com/2012/nov/20/entertainment/la-et-ms-1120-bollywood-pop-

20121120)

160. ‘प्रियंका चोपड़ा और अंजुला आचार्य बाथ, हफपोस्ट लाइव (https://www.youtube.com/watch?
v=u4-M8v1wMR0)
161. ‘बॉलीवुड की प्रियंका चोपड़ा अमेरिका में पॉप संगीत की दुनिया में अग्रणी कलाकार के रूप में’, लॉस एंजिल्स टाइम्स, 20 नवंबर
2012 (http://articles.latimes.com/2012/nov/20/entertainment/la-et-ms-1120-bollywood-pop-

20121120)

162. ‘इन माय सिटी की सफलता के बाद प्रियंका चोपड़ा ने 45 नए गाने रिकॉर्ड किए’, DigitalSpy.com, 22 जनवरी
2013 (http://www.digitalspy.com/bollywood/news/a404941/priyanka-chopra-music-was-a-
मेरे जीवन में बड़ा प्रभाव डालने वाला व्यक्ति/)
163. ‘गॉर्डन-लेविट प्रियंका चोपड़ा के गाने को अपने आईपॉड में शामिल करेंगे’, फर्स्टपोस्ट डॉट कॉम, 4 अक्टूबर 2012 (http://www.firstpost.com/entertainment/gordon-levitt-to-add-priyanka-chopras-song-to-his-
ipod-list-479514.html)
164. जोसेफ गॉर्डन-लेविट: ‘प्रियंका चोपड़ा का गाना ‘इन माई सिटी’ आईपॉड पर बज रहा है’, डिजिटल स्पाई, 4 अक्टूबर
2012 (http://www.digitalspy.com/bollywood/news/a410243/joseph-gordon-levitt-priyanka-
मेरे शहर में चोपड़ा का गाना मेरे आईपॉड पर चल रहा है।
165. ‘बॉलीवुड की प्रियंका चोपड़ा अमेरिका में अग्रणी पॉप गायिका के रूप में’, लॉस एंजिल्स टाइम्स, 20 नवंबर
2012 (http://articles.latimes.com/2012/nov/20/entertainment/la-et-ms-1120-bollywood-pop-

20121120)

166. ‘प्रियंका चोपड़ा कौन हैं? बॉलीवुड की खूबसूरत अभिनेत्री ने एनएफएल के “थर्सडे नाइट” शो में धूम मचाई’

Yahoo.com, 13 सितंबर 2013 (https://www.yahoo.com/music/blogs/the-new-now/priyanka-)
chopra-bollywood-beauty-makes-splash-nfl-thursday-175546487.html)
167. ‘प्रियंका चोपड़ा: एनएफएल प्रशंसकों ने मुझे आतंकवादी कहा’, WSJ.com, 18 जनवरी 2014
(http://www.wsj.com/video/priyanka-chopra-i-was-called-a-terrorist-by-nfl-fans/CCB1844A-
F884-45EA-AAC0-47C48F0C0B83.html)
168. ‘बॉलीवुड से विल.आई.एम तक: प्रियंका चोपड़ा का बड़ा कदम’, SPIN.com, 12 अक्टूबर 2012
(https://www.spin.com/2012/10/priyanka-chopra-actress-singer-album-william/)
169. ‘प्रियांका चोपड़ा ऑन नाइटलाइन’, 6 नवंबर 2013 (https://www.youtube.com/watch?
(v=DMZiGLnUoK0P)
170. 'विदेशी प्रियंका चोपड़ा की संगीतमय यात्रा', जी खंबा, फ़र्स्टपोस्ट.कॉम, 16 जुलाई 2013 https://www.firstpost.com/entertainment/the-musical-journey-of-the-exotic-priyanka-chopra-
958479.html
171. ‘प्रियंका चोपड़ा का गाना उतना अनोखा नहीं है’, हिंदुस्तान टाइम्स, 15 जुलाई 2013
(http://www.hindustantimes.com/music/priyanka-chopra-s-song-is-not-so-exotic/story-
kxh2J5fIqBI9shNjFKOiGN.html)
172. ‘पिटबुल ने बॉलीवुड की खूबसूरत क्वीन प्रियंका चोपड़ा के साथ बीच पर सेक्सी वीडियो बनाया!’
Perezhilton.com, 7 नवंबर 2011 (http://perezhilton.com/2013-07-11-priyanka-chopra-)
pitbull-exotic-music-video-premiere-sexy-beach#.WtiJIYhubIU)

173. ‘प्रियंका चोपड़ा ने लाखों मिल्कशेक आउटलेट्स का दौरा किया, प्रशंसकों को दीवाना बना दिया’, हफिंगटनपोस्ट डॉट कॉम, 26
जुलाई 2013 (http://www.huffingtonpost.ca/2013/07/26/priyanka-chopra-millions-of-
milkshakes_n_3658224.html)
174. ‘प्रियंका चोपड़ा ने एनिमेटेड फिल्म 'प्लेन्स' के लिए अपनी आवाज दी’, द इंडियन एक्सप्रेस, 26 मार्च 2013 (http://indianexpress.com/article/entertainment/entertainment-others/priyanka-chopra-lends-
उनकी आवाज एनिमेटेड फिल्म विमानों के लिए/
175. ‘फसल छिड़काव करने वाले के लिए, खेतों में छिड़काव करने के अलावा भी जीवन में बहुत कुछ है’, द न्यूयॉर्क टाइम्स, 8
अगस्त 2013 (http://www.nytimes.com/2013/08/09/movies/disneys-planes-follows-in-the-
footsteps-of-cars.html?smid=tw-nytmovies&seid=auto)
176. ‘फिल्म समीक्षा: प्लेन्स’, वैरायटी, 6 अगस्त 2013 (http://variety.com/2013/film/reviews/film-
समीक्षा-विमान-1200575126/)
177. ‘सेलिब्रिटी से सर्वव्यापकता की ओर सफर: प्रियंका चोपड़ा, भारत की एक बॉलीवुड स्टार’
'ग्यूज़ की टॉप मॉडल बनीं', द न्यूयॉर्क टाइम्स, 9 फरवरी 2014 (https://www.nytimes.com/2014/02/09/fashion/Priyanka-Chopra-Bollywood-India-
Guess.html?ref=fashion&_r=0)
178. ‘प्रियंका चोपड़ा बनीं पहली भारतीय गेस गर्ल’, द टेलीग्राफ, 30 अक्टूबर 2013
(http://fashion.telegraph.co.uk/news-features/TMG10411763/Priyanka-Chopra-becomes-the-
first-Indian-Guess-girl.html)
179. ‘भारत में गेस की शानदार शुरुआत’, रेडिफ डॉट कॉम, 17 सितंबर 2005 (http://www.rediff.com/money/2005/sep/17spec1.htm)

180. ‘ग्यूस जीन्स और मार्सियानो बंधुओं का महाकाव्य पतन’, फोर्ब्स डॉट कॉम, 1 जुलाई 2015
(https://www.forbes.com/sites/abrambrown/2015/07/01/the-fall-of-guess-jeans-and-the-
मार्सियानो-ब्रदर्स/#75e388171469)
181. ‘प्रियंका चोपड़ा बनीं पहली भारतीय गेस गर्ल’, टेलीग्राफ, 30 अक्टूबर 2013
(http://fashion.telegraph.co.uk/news-features/TMG10411763/Priyanka-Chopra-becomes-the-
first-Indian-Guess-girl.html)
182. ‘प्रियंका चोपड़ा नई गेस गर्ल बनीं, ब्रायन एडम्स ने प्रिंट कैंपेन शूट किया’, द
हॉलीवुड रिपोर्टर, 4 नवंबर 2013 (https://www.hollywoodreporter.com/news/priyanka-) चोपड़ा-नेम्ड-न्यू-गेस-653244)
183. ‘प्रियंका चोपड़ा नई गेस गर्ल बनीं, ब्रायन एडम्स ने प्रिंट कैंपेन शूट किया’, द
हॉलीवुड रिपोर्टर, 4 नवंबर 2013 (https://www.hollywoodreporter.com/news/priyanka-) चोपड़ा-नेम्ड-न्यू-गेस-653244)
184. ‘जब प्रियंका चोपड़ा ब्रायन एडम्स से मिलीं’, बॉलीवुड जर्नलिस्ट, 3 दिसंबर 2013
(https://bollywoodjournalist.com/2013/12/03/when-priyanka-chopra-met-bryan-
एडम्स/टिप्पणी-पृष्ठ-1/)
185. ‘प्रश्न-उत्तर: प्रियंका चोपड़ा, नई गेस गर्ल’, WWD.com, 28 अक्टूबर 2013
(http://wwd.com/fashion-news/sportswear/the-new-guess-girl-7250630/)
186. ‘प्रियंका चोपड़ा अपने नए कंट्री सिंगल और भारतीय रूढ़ियों को तोड़ने पर’, Elle.com, 29

अप्रैल 2014 (http://www.elle.com/culture/music/news/a19247/priyanka-chopra-i-cant-make-
तुम मुझसे प्यार करते हो/)
187. ‘सेलिब्रिटी से सर्वव्यापकता की ओर सफर: प्रियंका चोपड़ा, भारत की एक बॉलीवुड स्टार’
'ग्यूज़ की टॉप मॉडल बनीं', द न्यूयॉर्क टाइम्स, 9 फरवरी 2014 (https://www.nytimes.com/2014/02/09/fashion/Priyanka-Chopra-Bollywood-India-
Guess.html?ref=fashion&_r=0)
188. ‘भारत की प्रियंका चोपड़ा ने टीवी के क्वांटिको में महारत हासिल की’ पैसिफिक डेली न्यूज, 28 अक्टूबर 2015 (http://www.guampdn.com/story/life/tv/2015/10/27/priyanka-chopra-india-abc-quantico-
तारा/74598088/)
189. ‘भारत की प्रियंका चोपड़ा ने टीवी के क्वांटिको में महारत हासिल की’ पैसिफिक डेली न्यूज, 28 अक्टूबर 2015 (http://www.guampdn.com/story/life/tv/2015/10/27/priyanka-chopra-india-abc-quantico-
तारा/74598088/)
190. ‘प्रियंका चोपड़ा: वो लड़की जिसने समय को पार कर लिया’, MSN.com, 12 अक्टूबर 2015
(https://www.msn.com/en-my/entertainment/news/priyanka-chopra-the-girl-who-leapt-
through-time/ar-AAfkJlU)
191. ‘प्रियंका चोपड़ा: वो लड़की जिसने समय को पार कर लिया’, MSN.com, 12 अक्टूबर 2015
(https://www.msn.com/en-my/entertainment/news/priyanka-chopra-the-girl-who-leapt-
through-time/ar-AAfkJlU)
192. ‘एबीसी की कार्यकारी अधिकारी केली ली ने हॉलीवुड में विविधता के लिए कास्टिंग पर बात की’, फोर्ब्स डॉट कॉम, 17 नवंबर

2015 (https://www.forbes.com/sites/anushayhossain/2015/11/17/abc-exec-keli-lee-talks-
casting-for-diversity-in-hollywood/2/#6e06b3235e1a)
193. ‘एबीसी की कार्यकारी अधिकारी केली ली ने हॉलीवुड में विविधता के लिए कास्टिंग पर बात की’, फोर्ब्स डॉट कॉम, 17 नवंबर
2015 (https://www.forbes.com/sites/anushayhossain/2015/11/17/abc-exec-keli-lee-talks-
casting-for-diversity-in-hollywood/2/#6e06b3235e1a)
194. ‘मिलिए प्रियंका चोपड़ा से, बॉलीवुड की वो स्टार जो प्राइम टाइम के लिए पूरी तरह से तैयार हैं’, वैनिटी
वैनिटी फेयर, 24 सितंबर 2015 (https://www.vanityfair.com/hollywood/2015/09/priyanka-chopra-) क्वांटिको)।
195. ‘क्वांटिको प्रीमियर प्रीव्यू: प्रियंका चोपड़ा, शो रनर जोशुआ सैफरन की बातचीत’, एंटरटेनमेंट
साप्ताहिक, 27 सितंबर 2015 (http://ew.com/article/2015/09/27/quantico-season-premiere-)
पूर्व दर्शन/)
196. ‘क्वांटिको में, बॉलीवुड की प्रियंका चोपड़ा अमेरिकी बाजार में अपनी पैठ बनाने की कोशिश कर रही हैं’, द न्यूयॉर्क
टाइम्स, 20 सितंबर 2015
(https://www.nytimes.com/2015/09/20/arts/television/in-quantico-) bollywoods-priyanka-chopra-seeks-an-american-foothold.html)
197. ‘क्यों प्रियंका चोपड़ा की क्वांटिको में कास्टिंग ईपी जोशुआ सैफरान के लिए गेम चेंजर साबित हुई’,
TheWrap.com, 27 सितंबर 2015 (https://www.thewrap.com/why-priyanka-chopras-)
क्वांटिको की कास्टिंग ईपी जोशुआ सैफरान के लिए गेम चेंजर साबित हुई।
198. ‘क्वांटिको में, बॉलीवुड की प्रियंका चोपड़ा अमेरिकी बाजार में अपनी पैठ बनाना चाहती हैं’, द न्यूयॉर्क

टाइम्स, 20 सितंबर 2015
(https://www.nytimes.com/2015/09/20/arts/television/in-quantico-) bollywoods-priyanka-chopra-seeks-an-american-foothold.html)
199. ‘क्वांटिको में, बॉलीवुड की प्रियंका चोपड़ा अमेरिकी बाजार में अपनी पैठ बनाने की कोशिश कर रही हैं’, द न्यूयॉर्क
टाइम्स, 20 सितंबर 2015
(https://www.nytimes.com/2015/09/20/arts/television/in-quantico-) bollywoods-priyanka-chopra-seeks-an-american-foothold.html)
200. ‘बॉलीवुड से हॉलीवुड तक: सिल्वर स्क्रीन पर रूढ़ियों को तोड़ना’, NPR.org, 10
दिसंबर 2015
(http://www.npr.org/sections/codeswitch/2015/12/10/459247595/from-बॉलीवुड से हॉलीवुड तक, सिल्वर स्क्रीन पर रूढ़ियों को तोड़ना
201. ‘प्रियंका चोपड़ा लेट नाइट विद सेठ मायर्स शो में’, 3 नवंबर 2016 (https://www.youtube.com/watch?v=_tvSxExy9TI&t=27s)
202. ‘प्रियंका चोपड़ा का उच्चारण मेरी सबसे बड़ी पहचान संबंधी समस्या को हल करने में मेरी मदद कर रहा है’, Buzzfeed.com, 13
सितंबर 2015 (https://www.buzzfeed.com/regajha/how-do-you-pronounce-quantico?
utm_term=.lnG2Ovoge#.ie5Kp4d5a)
203. ‘मिलिए प्रियंका चोपड़ा से, बॉलीवुड की वो स्टार जो प्राइम टाइम के लिए पूरी तरह से तैयार हैं’, वैनिटी
वैनिटी फेयर, 24 सितंबर 2015 (https://www.vanityfair.com/hollywood/2015/09/priyanka-chopra-) क्वांटिको)
204. ‘क्वांटिको प्रीमियर के पूर्वावलोकन: प्रियंका चोपड़ा, शो रनर जोशुआ डफरा ने बात की’, एंटरटेनमेंट
साप्ताहिक, 27 सितंबर 2015 (http://ew.com/article/2015/09/27/quantico-season-premiere-)
पूर्व दर्शन/)

205. ‘□□□□□□□□□□ □□ □□□□□□□□□ □□□□□□□, □□ □□□□-□□□□ □□□□□ □□□□□□□ □□□□□□, □□ □□□□□□ □□□□□□□ □□ □□□□□ □□ □□□□ □□□□’, □
□□□□□□□□ □□□□□□□□□, 4 □□□□□□ 2015 (http://www.hollywoodreporter.com/live-feed/quanticos-)
□□□□□□□□□-□□□□□□□-□□□□-□□□-813098)
206. ‘□□□□□□□□□□ □□□□□ □□□□□□□□’, □ □□□□□□□□ □□□□□□□□□, 27 □□□□□□□ 2015 (http://www.hollywoodreporter.com/review/quantico-tv-review-827460)
207. ‘□□□□□□□□□□ □□ □□□□□□□□: □□□□□□□□□ □□□□□□□ □□ □□□□□□□□ □□□□ □□□□□□□ □□□□□□□ □□□□ □□□□□□□ □□□□□□□□□ □□□□’, □□□□ □□□□□□□□□□, TheWrap.com, 27 □□□□□□□ 2015 http://www.thewrap.com/quantico-review-priyanka-chopra-scores-in-
□□□□□□□□ □□□□ □□□□□□□ □□□□□□□/
208. https://twitter.com/QuanticoTV/media
209. ‘□□□□□□□□□□ □□□□□□□ □□ □□□□□□□□□ □□ □□□□□□ □□ □□□□□□□□□ □□□□□ □□ □□□□ □□□□□ □□□□ □□’, □ □□□□□□□□□□ □□□□□□□, 24
□□□□□□□ 2015 (http://www.nytimes.com/2015/09/25/arts/television/review-quantico-flips-)
between-jousting-fbi-recruits-and-a-terrorist-attack.html?_r=0)
210. ‘□□□□□□□□□ □□□□□□□ □□ □□□□□□□ □□□□□□ □□ □□□□ □□□□□□ □□□□□ □□ □□□□□□ □□□□□’, □ □□□□□□ □□, 3 □□□□□□□□ 2017
(http://www.asianage.com/entertainment/bollywood/031017/priyanka-chopra-says-abhishek-
bachchan-nahi.html)
211. ‘□□□□□□□□□ □□□□□□□ □□ □□□□□□□ □□□□□ □□□□ □□□□□ “□□□□□□” □□□□ □□ □□□□ □□ □□□□□ □□□□ □□□□□□’, □□□□□□ □□□□□, 19 □□□□□□
2017
(https://www.usatoday.com/story/life/entertainthis/2017/01/18/priyanka-chopra-
explains-her-scary-concussion-peoples-choice-awards/96750256/)
212. ‘□□□□□□□□□□ □□□□□□□□□ □□ □□□□□□□□□□□□□: □□□□□□□□□ □□□□□□□, □□ □□□□ □□□□□□ □□□□□ □□ □□□□ □□’, □□□□□□□□□□□□□

साप्ताहिक, 27 सितंबर 2015 (http://ew.com/article/2015/09/27/quantico-season-premiere-)
पूर्व दर्शन/)
213. ‘प्रियंका चोपड़ा आर्सेनियो हॉल शो में’, 29 अक्टूबर 2013 (https://www.youtube.com/watch?v=bFWql_9yZJA)
214. ‘प्रियंका चोपड़ा जिमी किमेल लाइव पर’, 20 जनवरी 2017 (https://www.youtube.com/watch?
v=IlOXxmU_Dng)
215. ‘टॉम हिडलस्टन और प्रियंका चोपड़ा एमी अवार्ड्स की आफ्टर-पार्टी में एक-दूसरे के साथ फ्लर्ट करते नजर आए’,
eonline.com, 18 सितंबर 2016 (http://www.eonline.com/news/795772/tom-hiddleston-and-)
प्रियंका चोपड़ा एमी अवॉर्ड्स की आफ्टर पार्टी में फ्लर्ट करती नजर आईं।
216. ‘प्रियंका चोपड़ा ने अपनी त्वचा के रंग के कारण एक फिल्म खो दी’, इनस्टाइल, 10 अप्रैल 2018 (http://www.instyle.com/news/priyanka-chopra-equal-pay)
217. ‘100 सबसे प्रभावशाली लोग: प्रियंका चोपड़ा’, टाइम, 21 अप्रैल 2016 (http://time.com/collection-post/4299686/priyanka-chopra-2016-time-100/)
218. ‘क्वांटिको’ की प्रियंका चोपड़ा, हाई-वॉट वाली भारतीय स्टार, को केविन स्पेसी से टीवी का शौक लगा’, द
हॉलीवुड रिपोर्टर, 4 अगस्त 2014 (http://www.hollywoodreporter.com/live-feed/quanticos-)
प्रियंका-चोपड़ा-हाई-वॉट-813098)
219. ‘प्रियंका चोपड़ा का कहना है कि बेवॉच ही वो फिल्म है जिसकी दुनिया को इस समय जरूरत है’, मेट्रो, 17 जून 2017 (http://metro.co.uk/2017/06/17/priyanka-chopra-says-baywatch-is-what-the-world-needs-
right-now-6715115/)
220. ‘बेवॉच और बगदाद से पत्र’, द न्यू यॉर्कर, 5 और 12 जून 2017 (https://www.newyorker.com/magazine/2017/06/05/baywatch-and-letters-from-baghdad)

221. ‘एक दिन लोग कहेंगे कि बेवॉच फिल्म वो दिन था जब ड्वेन जॉनसन स्टार बने’
प्रेसिडेंट’, द विलेज वॉइस, 26 मई 2017 https://www.villagevoice.com/2017/05/26/one-
जिस दिन लोग कहेंगे कि बेवॉच फिल्म वह दिन था जब ड्वेन जॉनसन राष्ट्रपति बने।
222. ‘बेवॉच फिल्म समीक्षा: प्रियंका चोपड़ा इससे बेहतर की हकदार हैं’, NDTV.com, 2 जून
2017 (https://www.ndtv.com/india-news/baywatch-movie-review-priyanka-chopra-deserves-
बेहतर-इससे-1706906)
223. ‘प्रियंका चोपड़ा टोरंटो में दुनिया लेकर आती हैं’, द टोरंटो स्टार, 1 सितंबर 2017
(https://www.thestar.com/entertainment/tiff/2017/09/01/priyanka-chopra-brings-the-world-to-
toronto-govani.html)
224. ‘ओम पुरी: वो अभिनेता जिन्हें उनका हक कभी नहीं मिला’, BBC.com, 6 जनवरी 2017
(http://www.bbc.co.uk/news/world-asia-india-38527144)
225. ‘अकादमी पुरस्कार स्वीकृति भाषण डेटाबेस: सत्यजीत रे’, (http://aaspeechesdb.oscars.org/link/064-24/)
226. ‘ऐश्वर्या राय डेविड लेटरमैन के लेट शो में’, मार्च 2005 (https://www.youtube.com/watch?v=vbCzbjvCCSk)
227. ‘दुनिया की सबसे खूबसूरत महिला’, 60 मिनट्स (https://www.youtube.com/watch?
(v=ZumBp1wXJQc)
228. ‘हॉट एंड हैंडसम: फवाद खान की ये तस्वीरें आपको दीवाना बना देंगी’, Pinkvilla.com, 15
नवंबर 2017 (https://www.pinkvilla.com/entertainment/photos/hot-handsome-these-)
photos-fawad-khan-will-make-you-drool-391307)

229. ‘□ □□□ □□□□ □□□: □□□□□ □□□□□□□’, □ □□□□□□□ □□□□□□□□, 24 □□□□□ 2018 (https://www.hollywoodreporter.com/review/a-kid-like-jake-review-1077799)
230. ‘□ □□□ □□□□ □□□’ □□□□□□□: □□□□□ □□□□□□ □□ □□ □□□□□ □□ □□□□-□□□□ □□ □□□□ □□□ □□ □□□ □□□□□ □□□□□□□ □□□□ □□ □□□□□□□□ □□□□ □□ '□□□-□□□□□□ □□□□□□—□□□□□□ 2018', □□□□□□□□ □□□ □□□, 24 □□□□□ 2018 (http://www.indiewire.com/2018/01/a-kid-like-jake-review-silas-howard-jim-parsons-claire-danes-sundance-2018-1201921477/)
231. ‘□□□□□□ □□□□□ □□□□□□□: □□□ □□□□ □□□□□’, □□□□□□□ (http://variety.com/2018/film/reviews/a-kid-like-jake-review-1202679732/)
232. ‘□ □□□ □□□□ □□□’ □□ □□□□□□ □□□□□ □□ □□□□□ □□□□□ □□ “□□□□ □□□□□□□□□” □□□□□□□□□ □□□□ □□ □□□□□□□ □□— □□□□□□ □□□□□□□□’, □□□□□□□ □□□ □□□, 22 □□□□□ 2018 (http://deadline.com/2018/01/a-kid-like-) jake-claire-danes-jim-parsons-sundance-interview-1202265878/)
233. ‘□□□□□□□□□ □□□□ 1 □□ □□ □□ □□□□ □□ □□□ □□’, CinemaBlend.com (https://www.cinemablend.com/television/Quantico-Season-1-Just-Got-Lot-Bigger-92047.html)
234. ‘□□□□□□□□□ □□ □□□□□ □□□□□ □□□□ □□□□ □□ □□□ □□ □□□ □□ □□□ □□□□□□’, □□□□ □□□ □ □□□□□□, 15 □□ 2017 (http://tvbythenumbers.zap2it.com/more-tv-news/quantico-gets-a-shorter-third-□□□□□-□□-□□-□□□-□□-□□□-□□□□□□/)
‘235. □□□□□ □□ □□□□□□□□□ □□ □□□□□□□□□□□ □□□□□□□□ □□ □□□□ □□□□’, □□□□□□□□□□ □□□□□, 11 □□ 2018 (http://ew.com/tv/2018/05/11/abc-cancels-quantico-designated-survivor/)
236. ‘□□□□□□□□ □□□□□□ □□ □□□□□□ □□□□□ □□ □□□□□□□ □□□□’, □□□□□ □□□□□□, 28 □□□□□□ 2018

(http://www.dnaindia.com/bollywood/report-priyanka-chopra-s-kalpana-chawla-biopic-□□□□ □□□-2609308)
237. □□□□□□□□ □□□□□□ □□ □□□ 73 □□□□, □□□, 24 □□ 2017 (https://www.youtube.com/watch?v=dOUV2rwMr1g)

आभार

2016 की शरद ऋतु में, मैंने अमेरिका में प्रियंका चोपड़ा की टीम से संपर्क किया, इस उम्मीद में कि...
उसके साथ कुछ समय बिताएं और इस किताब के लिए उसका इंटरव्यू लें। मैंने इंटरव्यू लिया था।
प्रियंका से मेरी कुछ बार मुलाकात हुई थी, लेकिन मैं उससे उसके बारे में विस्तार से बात करना चाहता था।
जीवन और उनके काम के बारे में। कई संदेशों, ईमेल और एक लंबी फोन कॉल के बाद।
न्यूयॉर्क में उनके वकीलों से हुई बातचीत के बाद, मुझे अंततः यह बताया गया कि
प्रियंका इस किताब के लिए मुझसे बात करने के लिए उपलब्ध नहीं होंगी।
मुझे निराशा हुई, लेकिन कई लोग मुझसे बात करने में बेहद खुश थे।
मुझे प्रियंका चोपड़ा के बारे में - एक व्यक्ति के रूप में, एक अभिनेत्री के रूप में और एक स्टार के रूप में - जानकारी मिलती है।
मेरे द्वारा लिए गए साक्षात्कारों के बिना यह पुस्तक संभव नहीं होती।
निम्नलिखित लोगों के साथ आयोजित किया गया (कुछ लोगों के साथ यह लेख लिखने से पहले)।
पुस्तक): अंजुला आचार्य, शरबरी ज़ोहरा अहमद, ज़ोया अख्तर, अनुराग बसु, मधुर भंडारकर, विशाल भारद्वाज, राहुल बोस, सुबर्णा रे चौधरी,
Madhu Chopra, Vishal Dadlani, Dharmesh Darshan, Suneel Darshan, Eric Deggans, Pradeep Guha, Prakash Jha, Karan Johar, Omung Kumar, Manav Kaul, Tarun Mansukhani, Rajesh Mapuskar, Paul Marciano, Sheila Marikar, सबीरा मर्चेंट, दीया मिर्जा, समर्थ नागरकर, गीतेश पंड्या, सत्या
सरन, रोहन सिप्पी, राजीव सूरी और पाखी टायरवाला।
मैं उन सभी लोगों का भी आभारी हूं जिन्होंने मुझे सलाह दी और मुझे भेजा। पुस्तक लेखन के दौरान शोध सामग्री के रूप में प्रियंका की साझा की गई तस्वीरें।

और जिन लोगों का मैं साक्षात्कार लेना चाहता था, उनकी संपर्क जानकारी। तो, धन्यवाद।
Farhan Akhtar, Madeline Berg, Rekha Bhardwaj, Rohit Bhatnagar, Amarjeet चहल, प्रतिम दास गुप्ता, सियोभान एगन, अनीशा झावेरी, श्रेय खेतरपाल, रोंजिता कुलकर्णी, निखिल लक्ष्मण, राजीव मसंद, सोमेन मिश्रा, इशिका Mohan Motwane, Kim Nabozny, Maitreya Padukone, Nisha Pahuja, Sri Rao, Shobha Iyer Sant, Swati Shetty, Aroon Shivdasani, and Aarti Virani.
मेरे संपादक शंभू साहू को विशेष धन्यवाद। पुस्तक के प्रति उनका जुनून सराहनीय है।
कुछ इंटरव्यू न होने पर भी इसने मुझे आगे बढ़ने की प्रेरणा दी।
संपादन के दौरान उनकी अच्छी बहस हुई। वे धैर्यवान थे और उन्होंने मेरी बात सुनी।
मेरे दृष्टिकोण ने मुझे लगभग हमेशा जीत दिलाई है। मेरे अन्य साथियों को भी धन्यवाद।
संपादक अपर्णा कुमार को सावधानीपूर्वक पढ़ने और संपादन करने के लिए धन्यवाद।
पांडुलिपि।
2016 की शरद ऋतु में, जब मैंने इस पुस्तक पर काम शुरू किया, तब मैंने एक मेरे जीवन को बदल देने वाला निर्णय—अपने बीमार साथी की देखभाल के लिए भारत में अधिक समय बिताना।
माँ। मैं पिछले साढ़े तीन दशकों से अमेरिका में रह रहा था। एक बड़ा पुस्तक के एक भाग पर शोध, लेखन और संपादन 2017 में किया गया था, और फिर 2018 के शुरुआती महीनों में, जब मैं भारत के नोएडा में रह रहा था। मुझे अपने
उन दिनों मुझे खाना खिलाने के लिए मेरे चचेरे भाई-बहन राकेश और सोनल पोपली का धन्यवाद, क्योंकि मैं वहीं रहता था।
उनके अपार्टमेंट के बगल में। मेरी भतीजी और भतीजे - दिया को भी विशेष धन्यवाद।
और एवी पोपली—मेरे काम में उनके सहयोग और उत्साह के लिए, और चचेरे भाई-बहनों के लिए।

राधिका और राजीव दुग्गल का मैं उन सभी बार-बार पूछे गए सवालों के लिए धन्यवाद करता हूँ कि कैसे...
किताब पर काम चल रहा था। प्रियंका चोपड़ा में उनकी दिलचस्पी और उत्साह। किताब के बारे में जानने से मुझे प्रेरणा मिलती रही।
मेरे न्यूयॉर्क स्थित दोस्तों को विशेष धन्यवाद, जो कई मायनों में मेरे सबसे करीब हैं।
मेरे लिए वे मेरे अपने परिवार से भी ज्यादा महत्वपूर्ण हैं। उन दिनों के दौरान मेरी उनसे कई लोगों से मुलाकात हुई थी।
दक्षिण एशियाई पत्रकार संघ के सक्रिय सदस्य, लेकिन आपसी जुड़ाव
इन वर्षों में यह और मजबूत होता गया, खासकर तब जब वे सभी मेरे पीछे चलने लगे और
मैं क्वींस, न्यूयॉर्क में रहने लगा हूँ। इसलिए एस. मित्रा कलिता और नितिन मुकुल को धन्यवाद।
अरुण वेणुगोपाल, मीरा नायर, विकास बजाज, हरि श्रीनिवासन, सुचेता
सचदेव, मनु और श्री भगवान का मुझे कई अवसरों पर भोजन कराने के लिए धन्यवाद। और मुझे लंबे समय तक उनके अपार्टमेंट में रहने देने के लिए धन्यवाद। लंबी गपशप और किताबों, फिल्मों और कैसे करें के बारे में बातचीत के लिए डोनाल्ड ट्रम्प के युग में जीवित रहना। मैनहट्टन में कई दोस्तों का धन्यवाद।
मेरा समर्थन करने के लिए श्रीनिवासन और रूपा उन्नीकृष्णन भी शामिल हैं इन सभी वर्षों में; मल्लिका दत्त को मुझे लगातार यह याद दिलाने के लिए कि मैं
उन्हें किताबें लिखनी चाहिए; गीतांजलि मिश्रा को, मेरी टेलुराइड फिल्म महोत्सव
एक दशक से अधिक समय तक साथ देने वाली साथी, जिसने कई मौकों पर मुझे मुश्किलों से बाहर निकाला।
दिल्ली और नोएडा में मेरी बोरियत को दूर करने और कई बार मेरा मनोबल ऊंचा बनाए रखने में मदद मिली।
वाइन के गिलास; और मेघा भौरस्कर को फिल्मों के प्रति उनके प्यार को साझा करने के लिए धन्यवाद।
मेरे साथ फिल्मी सितारे हैं।

[illegible]

[illegible]

[illegible]